समावर्तन
2025

एक नया
इतिहास
रचें हम

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)
Web : www.mpm.ac.in | Email : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित पचास से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्‌गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदनन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का यह परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में पचास से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज, रामदत्तपुर; महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, सिविल लाइन्स; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय (बी.एड्.), सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, बेतियाहाता; महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक माफी पीपीगंज; गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, भरोहिया पीपीगंज; महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी पीपीगंज; प्रताप आश्रम, गोलघर; महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल, सिविल लाइन्स; महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान, गोरखनाथ मन्दिर; श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला, गोरखनाथ मन्दिर; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र, जंगल धूसड़; महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र, गोरखनाथ; गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान, गोरखनाथ; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास), जंगल धूसड़; गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय, चौक बाजार; आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर; महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का शुभारम्भ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रकल्प है जो शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में विकसित किये जाने की योजना के क्रियान्वयन की आधारशिला हैं। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**कर्नल बी.पी. शाही** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2009	अध्यक्षता	**प्रो. एन.एस. गजभिए** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2010	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**श्री बसवराज पाटिल** पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलबर्गा कर्नाटक
समावर्तन 2011	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**श्री प्रकाश सिंह (पद्मश्री)** पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश
समावर्तन 2012	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**श्री आशीष जी** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
समावर्तन 2013	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**डॉ. कृष्ण गोपाल जी** सह कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली
समावर्तन 2014	अध्यक्षता	**पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**न्यायमूर्ति कलाधर शाही** अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2015	अध्यक्षता	**गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**प्रो. राम शंकर कठेरिया** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	**मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
समावर्तन 2016	अध्यक्षता	**गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	**प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	**डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय** राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
समावर्तन 2017	अध्यक्षता	**डॉ. भोलेन्द्र सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	**प्रो. रमाशंकर दूबे** कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
	विशिष्ट अतिथि	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2018	अध्यक्षता	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह** माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	:	**डॉ. विवेक कुमार निगम** यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद
समावर्तन 2019	अध्यक्षता	:	**गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
	मुख्य अतिथि	:	**श्री जे.पी. नड्डा** माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	:	**श्री आशुतोष टण्डन** माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश
समावर्तन 2020	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**सुश्री निवेदिता भिड़े (पद्मश्री)** उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल
	अध्यक्षता	:	**प्रो. विजय कृष्ण सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2021	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार** सामाजिक कार्यकर्ता, कर्नाटक
	अध्यक्षता	:	**प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2022	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**प्रो. शंकर शरण** आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
	अध्यक्षता	:	**प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2023	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**डॉ. जी.एन. सिंह** पूर्व औषधि महानियंत्रक, भारत सरकार, नई दिल्ली
	अध्यक्षता	:	**प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2024	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**डॉ. जय प्रकाश सैनी** कुलपति, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	अध्यक्षता	:	**प्रो. पूनम टंडन** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2025	सानिध्य	:	**प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	:	**प्रो. कुन्दुरु राम चंद्र रेड्डी** कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	अध्यक्षता	:	**डा. सुरिन्दर सिंह** कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दो शब्द...

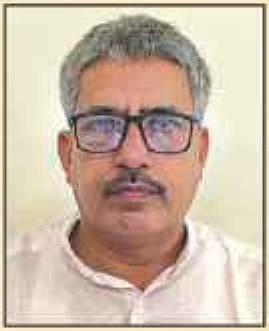

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा का उन्नीसवाँ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का अट्ठारहवाँ बैच स्नातक एवं चौदहवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का आठवाँ बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक युग परिवर्तन का संदेश दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मौलिक सिद्धान्त और उद्देश्यों के अनुरूप अपने महाविद्यालय की परिसर संस्कृति का विकास करते हुए भारतीय संस्कृति के अनुरूप युगानुकूल शिक्षा-संस्कृति का विकास करने की दिशा में हम और सफल होंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्त्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - वैशाख कृष्ण प्रतिपदा, वि.सं. 2082, युगाब्द 5126
तद्नुसार 13 अप्रैल 2025 ई., रविवार

समावर्तन 2024 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

समावर्तन 2024

समावर्तन संस्कार 2024 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्‌बोधन देते मुख्य अतिथि प्रो. जय प्रकाश सैनी

14 अप्रैल 2024 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 17वाँ समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर महानगर की पूर्व महापौर श्रीमती अन्जू चौधरी एवं महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद के सदस्य श्री धीरज कुमार बरनवाल भी उपस्थित रहे। समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सान्निध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव नें महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान एवं संवर्द्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

इस अवसर पर समावर्तन–2024 पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रो. जय प्रकाश सैनी तथा

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्‌बोधन देतीं विशिष्ट अतिथि प्रो. पूनम टंडन

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री ज्योति भारती

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन के कर-कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर महाविद्यालय के आस-पास की ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय के छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं में से सर्वश्रेष्ठ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षु के रूप में सुश्री ज्योति भारती को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान से सम्मानित करने के साथ प्रतिवर्ष की भाँति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके श्री अविनाश निषाद को सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का चेतक सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के गृह विज्ञान

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री आशीर्वाद कश्यप

ब्यूटी एंड सेल्फ केयर की श्रेष्ठतम प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री निर्मला प्रजापति

जीवन मूल्य प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री कीर्ति राय

समावर्तन उपदेश देते महाविद्यालय के प्राचार्य

राष्ट्र संत महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री अविनाश निषाद

आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करते श्री कमलेश यादव

विभाग द्वारा 06 माह के ब्यूटी एवं सेल्फ केयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु सुश्री निर्मला प्रजापति एवं रक्षा एव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित 06 माह के आपदा प्रबन्धन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु श्री कमलेश यादव को क्रमश: महारानी पद्मिनी सम्मान एवं मेजर सोमनाथ शर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम 'हमारे पूर्वज' एवं 'जीवन मूल्य' के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में क्रमश: श्री आशीर्वाद कश्यप को महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान तथा सुश्री कीर्ति राय को महायोगी गोरखनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक विभाग द्वारा संचालित संगीत प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु का माता अरून्धती सम्मान श्री प्रान्शू मिश्र को दिया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महाविद्यालय का 17वाँ समावर्तन संस्कार समारोह उत्साह एवं उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ।

समावर्तन उपदेश ग्रहण करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

समावर्तन उपदेश प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के विद्यार्थी

तीन दिवसीय योग कार्यशाला (प्रथम दिवस)

18 अप्रैल को बी.ए. विभाग के तत्वावधान में 'तीन दिवसीय योग कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला के प्रथम दिवस योग प्रशिक्षक के रूप में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक श्री आकाश गुप्ता ने उपस्थित विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। योग कार्यशाला में बी.एड्. के कुल 52 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

योग कार्यशाला में योग करते विद्यार्थी

समीक्षात्मक चर्चा

19 अौल को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'EPC-A पुस्तकों को पढ़ना एवं प्रतिबिम्बित करना' के अन्तर्गत 'स्वराज हिन्द एवं बीजक' पुस्तक पर समीक्षात्मक चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्.

कार्यक्रम में प्रतिभाग करती छात्रा

विभाग के छात्राध्यापकों ने 'स्वराज हिन्द एवं बीजक' पुस्तक पर विस्तृत रूप से समीक्षात्मक चर्चा किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

तीन दिवसीय योग कार्यशाला (द्वितीय दिवस)

19 अप्रैल को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित 'तीन दिवसीय योग कार्यशाला' के द्वितीय दिवस पर योग प्रशिक्षक के रुप में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की छात्राध्यापक सुश्री कीर्ति राय ने उपस्थित विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

योग कार्यशाला में योग करते विद्यार्थी

योग का प्रशिक्षण प्राप्त करते विद्यार्थी

तीन दिवसीय योग कार्यशाला (तृतीय दिवस)

20 अप्रैल को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'तीन दिवसीय कार्यशाला' के तृतीय दिवस पर योग प्रशिक्षक के रूप में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की छात्राध्यापक सुश्री कीर्ति राय ने प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। साथ ही दैनिक जीवन में योग को अपनाने पर प्रकाश डाला।

महाराणा प्रताप जयन्ती

09 मई को महाविद्यालय में स्वदेश, स्वधर्म, स्वतन्त्रता और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप के जयन्ती के अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार द्वारा राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते शिक्षक एवं कर्मचारी

वृक्षारोपण कार्यक्रम

05 जून को एन.सी.सी. के तत्वावधान में 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे के कर-कमलों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में एन.सी.सी. के सभी कैडेट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

पौधारोपण करते एन.सी.सी. कैडेट्स एवं शिक्षक

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर छात्र-संघ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया।

ताड़ासन करते उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

ध्यान करते उपस्थित प्रतिभागी

सूक्ष्म व्यायाम करते विद्यार्थी एवं शिक्षक

योगाभ्यास में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

स्ट्रेचिंग करते उपस्थित प्रतिभागीगण

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2024–25)

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक (प्रथम दिवस)

योजना बैठक को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

02 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक' का आयोजन किया गया। बैठक के प्रथम दिवस प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने सत्र 2024–25 की कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया। बैठक में गत वर्ष के कार्य योजना की समीक्षा की गई। तत्पश्चात वर्तमान सत्र 2024–25 के प्रवेश एवं पाठ्यक्रम योजना पर रणनीति बनाई गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रवेश प्रक्रिया व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डाला गया।

बैठक द्वितीय दिवस

योजना बैठक में अपना विचार व्यक्त करते श्री नंदन शर्मा

3 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक' में पठन-पाठन, वेबसाइट, गोद लिए गए गांव, प्रार्थना सभा, क्रीड़ा, विभागीय कार्ययोजना, छात्र संघ, ध्येय पथ, निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई आदि विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया एवं विचार-विमर्श के उपरान्त योजना बनाई गई। योजना बैठक में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. मंजेश्वर सहित अनेक शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

बैठक तृतीय दिवस

योजना बैठक में चर्चा करती श्रीमती शिप्रा सिंह

4 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं योजना बैठक' के तीसरे दिन रोवर्स-रेंजर्स, शोध पत्रिका प्रकाशन, इपीएफ आदि विषयों पर गहन चर्चा परिचर्चा की गई। तीन दिन तक चली शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में संपूर्ण विषयों की कार्य योजना से संबंधित लिए गए निर्णय को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। तीन दिनों के विचार विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2024–25 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।

वन महोत्सव

05 जुलाई को उत्तर प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'वन महोत्सव सप्ताह' के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण करते शिक्षकगण

बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'एक पेड़ अपनी माँ के नाम' वृक्षारोपण करते छात्र एवं अध्यापक

'एक पेड़ अपनी माँ के नाम' अभियान कार्यक्रम

06 जुलाई को 'वन महोत्सव सप्ताह' के अन्तर्गत बी.एड. विभाग के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षकों द्वारा 'एक पेड़ अपनी मां के नाम' महाअभियान के क्रम में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेते प्रवेशार्थी

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

08 जुलाई को स्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2024-25 के प्रथम दिन ही प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के लिए भारी संख्या में प्रवेशार्थी उपस्थित हुए। स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रवेश संयोजक डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने उपस्थित प्रवेशार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

11 जुलाई को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के

सहायक आचार्य श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोजर्स/रेंजर प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

एक दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय वेबसाइट कार्यशाला

15 जुलाई को तकनीकी एवं वेबसाइट प्रभारी द्वारा 'एक दिवसीय वेबसाइट कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय प्रबन्धन एवं उन्नयन हेतु विशेष सत्र चलाया गया। कार्यक्रम का संयोजन तकनीकी एवं वेबसाइट प्रभारी श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय स्तरीय वेबसाइट कार्यशाला में भाग लेते महाविद्यालय के शिक्षक

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

15 जुलाई को राष्ट्रीय कैडेट कोर के तत्वावधान में 'कौशल भारत-कुशल भारत' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे तथा रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय

प्रार्थना सभा प्रारम्भ

16 जुलाई से प्रार्थना सभा का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर नवांगतुक विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने महाविद्यालय के परिसर संस्कृति, महाविद्यालयी परम्पराएं, पठन-पाठन व अनुशासन से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए महाविद्यालय में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा के शुभारंभ अवसर पर नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करती श्रीमती शिप्रा सिंह

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट को प्रमाण पत्र वितरित करते हवलदार मित्रा एवं श्रीमती शिप्रा सिंह

19 जुलाई को एन.सी.सी. के तत्वावधान में 'बी' एवं 'सी' प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 45वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन के हवलदार मित्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 53 कैडेट्स को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालक महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थी व सभी शिक्षक सम्मिलित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण करते शिक्षक

20 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त व डॉ. आरती सिंह ने किया।

योगाभ्यास कार्यक्रम

योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाभ्यास कराते डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ला

20 जुलाई को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योग की प्रारम्भिक क्रियाओं को बताते हुए अनुलोम-विलोम, कपालभाति, ध्यान व अन्य आसन व प्राणायाम का अभ्यास कराया।

राष्ट्रीय आम दिवस

राष्ट्रीय आम दिवस के अवसर पर आम के विभिन्न प्रजातियों का वृक्षारोपण करते शिक्षक

22 जुलाई को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय आम दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग की शिक्षिकाओं तथा छात्राओं द्वारा आम के विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने उद्बोधन के माध्यम से राष्ट्रीय आम दिवस के महत्व व शरीर के लिए आम की उपयोगिता को बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

बाल गंगाधर तिलक जयन्ती व चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री अनूप पाण्डेय

23 जुलाई को प्रार्थना सभा में 'बाल गंगाधर तिलक व चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती' के अवसर पर एक विशिष्ठ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनूप पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उक्त महापुरुषद्वय को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री पंकज सिंह

23 जुलाई को देश के महान क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आजाद जी के जयन्ती के अवसर पर इतिहास विभाग द्वारा 'आजाद का भारत' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय कार्यालय अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के रिसर्च एसोसिएट श्री पंकज सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन विभागाध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. बलवान सिंह

26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय भटवली बाजार उनवल के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह् भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया।

योगाभ्यास कार्यक्रम

योगाभ्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाते डॉ. एस.एन. शुक्ल

27 जुलाई को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सूक्ष्म व्यायाम के साथ वृक्षासन, ताड़ासन व वज्रासन आदि आसनों को कराया साथ ही उसके महत्व को भी बताया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

भूगोल विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते विद्यार्थीगण

27 जुलाई को भूगोल विभाग द्वारा विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की पूर्व संध्या पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने वृक्षारोपण कर उपस्थित जन समुदाय को प्रकृति संरक्षण के व्यावहारिक पक्षों को बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

27 जुलाई को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'सोलर सेल' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेंट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. राशिद तनवीर ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. राशिद तनवीर

व्याख्यान कार्यक्रम

29 जुलाई को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चतुर्थ वर्षगांठ' के अवसर पर प्रार्थना सभा में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 4 वर्ष की सफल शैक्षिक यात्रा पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. अर्चना गुप्ता

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

30 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'नशा मुक्ति अभियान' के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

उद्बोधन देते हुए डॉ. अभय श्रीवास्तव

मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती

31 जुलाई को प्रार्थना सभा में मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. आरती सिंह

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने मुंशी प्रेमचन्द के लेखों, कहानियों, उपन्यासों व साहित्यिक जगत में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

01 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा 'पाठयोजना प्रारूप' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. सन्तोष सिंह, प्राचार्य, रतनसेन डिग्री कॉलेज, बांसी, सिद्धार्थनगर ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथि स्वागत विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

पाठ्ययोजना प्रारूप विषय पर वक्तव्य देते डॉ. संतोष सिंह

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस

01 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस' के अवसर पर इतिहास विभाग की सहायक आचार्य, डॉ. अर्चना गुप्ता ने उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धासुमन अर्पित करतीं डॉ. अर्चना गुप्ता

विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम

01 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01-08 अगस्त, 2024 तक चलने वाले 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएँ

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

02 अगस्त को 'आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती' के अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करतीं डॉ. दिव्या दुबे

स्कूल इंटर्नशिप परिचय कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग में शिक्षकों द्वारा शैक्षिक पर्यवेक्षण

स्कूल इंटर्नशिप परिचय कार्यक्रम

02 अगस्त को बी.एड्. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्कूल इंटर्नशिप परिचय कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में किया गया। इस दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज के कक्षाओं का शैक्षिक पर्यवेक्षण किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक, प्रशिक्षु एवं सभी इंटर्नशिप कक्षा के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह का दूसरा दिन

02 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के दूसरे दिन 'क्लोजिंग द गैपः ब्रेस्ट फीडिंग' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रोशन जहां को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में भाषण प्रस्तुत करती छात्रा

मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. आरती सिंह

03 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की जयन्ती' के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपने व्याख्यान के माध्यम से मैथिलीशरण गुप्त जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व स्तनपान सप्ताह का तीसरा दिन

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी

03 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिन 'क्लोजिंग द गैपः ब्रेस्ट फीडिंग' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तनु विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रीना यादव ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कामिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

प्लास्टिक प्रदूषण जागरूकता अभियान

प्लास्टिक प्रदूषण जागरूकता अभियान में सम्मिलित शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

04 अगस्त को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम दर्शन के अन्तर्गत विभाग के अभिगृहीत ग्राम सेखवनियाँ में 'प्लास्टिक प्रदूषण जागरूकता अभियान' चलाया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम

05 अगस्त को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत 'ओरिएंटेशन प्रोग्राम' का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने उद्बोधन द्वारा सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन सामूहिक व्यक्तित्व विकास प्रभारी श्रीमती दिव्या दूबे ने किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा बताती श्रीमती दिव्या दूबे

विश्व स्तनपान सप्ताह का चौथा दिन

04 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के चौथे दिन विभाग द्वारा अभिग्रहीत ग्राम नौका टोला में ग्राम दर्शन के अन्तर्गत 'क्लोनिंग द गैप : ब्रेस्ट फीडिंग' विषय पर ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

महिलाओं को जागरूक करती ग्रामीण शिक्षित महिला

विश्व स्तनपान सप्ताह का पांचवां दिन

05 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के पाँचवें दिन 'क्लोजिंग द गैप: ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री वन्दना चौहान ने प्रथम स्थान, सुश्री श्वेता शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री रोशनी जहां ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

विश्व स्तनपान सप्ताह का छठवां दिन

06 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के छठवें दिन

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती प्रतिभागीगण

'क्लोजिंग द गैप: ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कल्पना ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवानी सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तनू विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार ग्रहण करती छात्रा

विश्व स्तनपान सप्ताह समारोप कार्यक्रम

07 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के समारोप कार्यक्रम के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष ले. रमाकान्त दूबे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम

क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

07 अगस्त को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रीति सिंह ने प्रथम स्थान, सुश्री निधि सिंह व सुश्री प्रियंका साहनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सपना चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. कन्हैया सिंह

07 अगस्त को प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में प्रसिद्ध इतिहासकार 'डॉ. वासुदेव शरण के अग्रवाल जयन्ती' के

अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व फेलो एवं भगवंत पटेल पानमती देवी पी.जी. कॉलेज, चंदरपुर, महाराजगंज के प्राचार्य डॉ. कन्हैया सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन स्मृति दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते छात्राध्यापक श्री जयदीप मुखर्जी

भारत छोड़ो आन्दोलन स्मृति दिवस

08 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'भारत छोड़ो आन्दोलन स्मृति दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ठ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक श्री जयदीप मुखर्जी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के छात्र श्री वंशदीप ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

08 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस' के अवसर पर कक्षा 06, 07, 08अ एवं 8ब में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 06 के अन्तर्गत श्री शुभम चौहान ने प्रथम स्थान, सुश्री गुनगुन ने द्वितीय स्थान तथा श्री सम्पूर्णानन्द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 07 के अन्तर्गत सुश्री सोनाक्षी निषाद ने प्रथम स्थान, श्री सूरज निषाद ने द्वितीय स्थान तथा श्री अलताफ अली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8अ के अन्तर्गत श्री संदेश निषाद ने प्रथम स्थान, श्री शैलेन्द्र निषाद ने द्वितीय स्थान तथा श्री आदित्य सहानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और कक्षा 8ब के अन्तर्गत की सुश्री सौम्या पासवान ने प्रथम स्थान, सुश्री संजना ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान बी.एड्. विभाग के शिक्षक तथा छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेती महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर की छात्रा

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. करुणेंद्र सिंह

08 अगस्त को राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा 'शोध पत्र लेखन प्रविधि' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग बापू पी. जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. करुणेंद्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे एवं नागपंचमी

उद्बोधन देते डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय

09 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'काकोरी ट्रेन एक्शन डे एवं नागपंचमी' के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराने का प्रयास करने वाले अमर क्रांतिकारियों के प्रति महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही नागपंचमी के पौराणिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

साप्ताहिक योगाभ्यास

योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी और शिक्षक

10 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आसन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया।

विचार गोष्ठी में विचार व्यक्त करती छात्रा

विचार गोष्ठी कार्यक्रम

10 अगस्त को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'पं. श्रीराम वाजपेयी के जन्मदिवस' की पूर्व संध्या के अवसर पर विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के चुने हुए विद्यार्थियों ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्री शैलेन्द्र सिंह ने किया।

अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस' के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से शहीद बन्धू सिंह जी को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री अभिनव त्रिपाठी

वाद-विवाद प्रतियोगिता

12 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित 'इंटर्नशिप प्रोग्राम' के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पक्ष की तरफ से श्री सम्पूर्णानन्द तथा विपक्ष की तरफ से सुश्री प्रिया भारती ने प्रथम स्थान, पक्ष से सुश्री ममता कुमारी एवं विपक्ष से सुश्री गुनगुन ने द्वितीय स्थान एवं पक्ष से सुश्री सिद्धि एवं विपक्ष से सुश्री सृष्टि चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी गयी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रमाण-पत्र प्राप्त करते विजयी प्रतिभागी

अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि

13 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि' के अवसर पर कला संकाय की छात्रा मुस्कान चौहान ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

श्रद्धा सुमन अर्पित करती छात्रा सुश्री मुस्कान चौहान

अखण्ड भारत स्मृति दिवस

13 अगस्त को अखण्ड भारत स्मृति दिवस के अवसर पर 'भारत विभाजन के त्रासद अंत:कथा 1947' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओमजी उपाध्याय, निदेशक (शोध एवं प्रशासन), भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मे.ज. (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी, माननीय कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, बालापार, गोरखपुर ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री अनुप पाण्डेय ने तथा संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. ओमजी उपाध्याय

विभाजन विभीषिका का नाट्य मंचन

14 अगस्त को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर विभाजन विभीषिका नाटक का मंचन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दूबे तथा श्रीमती विभा सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नाटक का मंचन करते विद्यार्थी

हर घर तिरंगा कार्यक्रम

हर घर तिरंगा कार्यक्रम रैली में भाग लेते शिक्षक एवं विद्यार्थी

14 अगस्त को 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एन.एस.एस. के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया। इसी क्रम में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत एन.सी.सी. के कैडेट्स द्वारा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेती इण्टर कालेज की छात्राएं

14 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित 'इंटर्नशिप प्रोग्राम' के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता कक्षा 6, 7 व 8 के 17 समूहों के मध्य आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया व रंगोली की प्रशंसा हुई। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कार्यशाला

एक दिवसीय कार्यशाला में अपना वक्तव्य प्रस्तुत करती सुश्री श्वेता

14 अगस्त को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'सेमेस्टर प्रणाली में पठन-पाठन व परीक्षा की तैयारी' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इसी क्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में '78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह' हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात महाविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग एवं छात्रसंघ द्वारा आयोजित भव्य समारोह में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा छात्रसंघ प्रभारी श्री अनूप पाण्डेय सहित छात्रसंघ पदाधिकारियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रगान करता महाविद्यालय परिवार

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ

रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस

उद्बोधन देते श्री हरिकेश यादव

16 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस' के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने अपने उद्बोधन के माध्यम से उक्त दोनों महान विभूतियों के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस एवं योगाभ्यास कार्यक्रम

17 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस' के अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी, डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर मदन लाल ढींगरा को महाविद्यालय परिवार की ओर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षक के रूप में आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास भी कराया।

उद्बोधन देते डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

17 अगस्त को समाजशास्त्र विभाग के द्वारा 'सामाजिक अनुसंधान की प्रविधियां' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पवन कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथि स्वागत डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. पवन कुमार

राखी प्रदर्शनी

17 अगस्त को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'राखी प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा स्वनिर्मित राखी को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

राखी प्रदर्शनी में हिस्सा लेते विद्यार्थीगण

राखी मेकिंग प्रतियोगिता

17 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'राखी मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नीतू ने प्रथम स्थान, सुश्री श्वेता शर्मा ने द्वितीय स्थान एवं सुश्री शिवानी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

राखी मेकिंग में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

20 अगस्त को एन.सी.सी. तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के तत्वाधान में 'नया सवेरा योजना' के अन्तर्गत नशा मुक्ति अभियान के तहत एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, बालापार, गोरखपुर के एन.सी.सी. प्रभारी ले. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजक एवं आभार ज्ञापन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते ले. संदीप कुमार श्रीवास्तव

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला (उद्घाटन समारोह)

उद्बोधन देते हुए मुख्य अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्र

महाविद्यालय के संस्थापक परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला इस वर्ष 21-27 अगस्त तक आयोजित हुई। इस सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्त्री श्रीमती शीलम वाजपेयी तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग, बालापार, गोरखपुर की प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का दूसरा दिन

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

22 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन 'व्यक्तित्व निर्माण की दिशा' विषय पर मुख्य वक्ता किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही, कुशीनगर के सेवानिवृत्त प्राचार्य, डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का तीसरा दिन

23 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

के तीसरे दिन 'भाषायी स्वत्वबोध और हिन्दी' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर के सदस्य माननीय श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करते प्रो. सदानंद गुप्त

पोस्टर प्रतियोगिता

23 अगस्त को भौतिकी विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सुभी ने प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रतिभा गुप्ता ने द्वितीय स्थान एवं बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री निशा सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का चौथा दिन

24 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन 'हिन्दू-हिन्दूइज्म-हिन्दूत्व: वास्तविकता और भ्रांतियाँ' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी., कानपुर के आचार्य डॉ. नचिकेता तिवारी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करते डॉ. नचिकेता तिवारी

शिवराम हरि राजगुरु जयन्ती

24 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'शिवराम हरि राजगुरु जयन्ती' के अवसर पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर अमर शहीद शिवराम हरि राजगुरु को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

उद्‌बोधन देते हुए श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का पांचवां दिन

25 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पांचवें दिन 'संस्कार, संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भाषा एवं साहित्य संस्थान के आचार्य प्रो. मज़हर आसिफ ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य, प्रो. हर्ष सिन्हा ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

उद्‌बोधन देते हुए प्रो. मज़हर आसिफ

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का छठवां दिन

26 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठे दिन 'विद्यार्थी जीवन में योग की महत्ता' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भटवली पी.जी. कालेज गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने अपना उद्‌बोधन

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. बलवान सिंह

प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के माननीय सदस्य डॉ. राम जनम सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

रानी पद्मिनी जौहर दिवस

उद्बोधन प्रस्तुत करतीं हुई श्रीमती दिव्या दूबे

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'रानी पद्मिनी जौहर दिवस' पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रसायन शास्त्र की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दूबे ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से रानी पद्मिनी सहित जौहर करने वाली 16 हजार वीर राजपूत क्षत्राणियों को हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का समारोप कार्यक्रम

27 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के समारोप समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में हेमवती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा सेवा विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड के माननीय कुलपति प्रो. मदनलाल ब्रह्मभट्ट ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

उद्बोधन देते हुए प्रो. मदनलाल ब्रह्मभट्ट

संकल्प दिवस

27 अगस्त को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के अवसर पर क्रीड़ा विभाग द्वारा

शपथ दिलाते डॉ. विजय कुमार चौधरी

संकल्प दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

कार्यक्रम की रूपरेखा बताती डॉ. आरती सिंह

30 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'खाद्य सुरक्षा जागरूकता' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

कक्षा प्रतिनिधियों का चयन एवं प्रत्याशी नामांकन

छात्रसंघ चुनाव में नामांकन करता छात्र

छात्रसंघ का चुनाव इस वर्ष 02 दिन में सम्पन्न हुआ। 30 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव के प्रथम चरण के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत कुल 25 विषयों के 76 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 01, उपाध्यक्ष पद पर 01, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 प्रतिनिधि ने पर्चा दाखिल किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास एवं सम्मान समारोह

31 अगस्त को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी के डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आसन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया। इसी क्रम में महाविद्यालय के परास्नातक भूगोल विषय के श्री दीपचन्द एवं परास्नातक प्राचीन इतिहास विभाग के श्री

कमलेश साहनी को 47वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक हासिल करने एवं गोल्ड मेडेल प्राप्त करने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पुरातन छात्र परिषद् प्रभारी डॉ. शिव कुमार वर्नवाल में दोनों विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मान समारोह में सम्मान प्राप्त करता विद्यार्थी

छात्रसंघ चुनाव योग्यता भाषण

31 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव में नामांकित प्रत्याशियों द्वारा 'योग्यता भाषण' का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में महामंत्री पद के लिए श्री शैलेश आनन्द एवं सुश्री प्रियंका गुप्ता तथा पुस्तकालय मंत्री पद के लिए श्री विवेक कुमार मौर्य एवं श्री सुमित चौरसिया ने विद्यार्थी के समक्ष अपना-अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

योग्यता भाषण देती हुई छात्रा

छात्रसंघ चुनाव मतदान

31 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर पर सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री वंशदीप राय निर्विरोध विजयी रहे, महामंत्री पद पर सुश्री प्रियंका गुप्ता अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री शैलेश आनन्द से 152 मतों के अन्तर से एवं पुस्तकालय मंत्री पद पर श्री सुमित चौरसिया अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री विवेक कुमार मौर्य से 112 मतों के अन्तर से विजयी घोषित हुए। निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विजित प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी।

छात्रसंघ चुनाव में विजित प्रत्याशी

एन.सी.सी. कैडेट्स भर्ती प्रक्रिया

02 सितम्बर को एन.सी.सी. विभाग के तत्वावधान में 45वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन की इकाई में नये कैडेट्स के चयन हेतु भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया गया। भर्ती प्रक्रिया को महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी लेफ्टिनेंट श्री रमाकान्त दूबे, बटालियन के सैन्य अधिकारी सूबेदार हरभाल सिंह, हवलदार रेशम साहनी एवं मित्रा के नेतृत्व में सम्पन्न कराया गया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

आशु भाषण प्रतियोगिता

02 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अन्तर्गत आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता शर्मा ने प्रथम स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अस्मिता सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सोनम सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

आशु भाषण प्रतियोगिता में भाषण देती छात्रा

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

02 सितम्बर को गणित एवं साँख्यिकी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के.आई.पी.एम. कालेज, गीडा के मानव संसाधन विभाग के निदेशक डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत

व्याख्यान देते डॉ. सत्य प्रकाश सिंह

किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

कैरम प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र

कैरम प्रतियोगिता

03 सितम्बर को शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 'कैरम प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक श्री किशन कुमार ने प्रथम स्थान, एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रिद्धि तिवारी ने द्वितीय स्थान एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री संघर्ष विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं श्री शैलेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

03 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अन्तर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सोनम सिंह ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री वन्दना चौहान ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रीना यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अवन्तिका पाठक ने किया।

योगासन प्रतियोगिता में योग करते विद्यार्थी

योगासन प्रतियोगिता

04 सितम्बर को शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 'योगासन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.काम. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिखा दुबे ने प्रथम स्थान, बी.काम. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अनामिका आनन्द एवं बी.काम. प्रथम

सेमेस्टर के छात्र श्री किशन कुमार ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री दीपक यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

04 सितम्बर को हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'साहित्य की पठनीयता' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सतीश चंद पी.जी. कॉलेज, बलिया, उ.प्र. के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

04 सितम्बर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास के अन्तर्गत 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक सुश्री कीर्ति राय एवं श्री विवेक मौर्या ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, श्री किशन कुमार एवं श्री अभिजीत चौधरी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवांगी राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

मेंहदी प्रतियोगिता

मेंहदी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी हर्षोल्लास में

04 सितम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कक्षा 6, 7 व 8 में 'मेंहदी प्रतियोगिता' का आयोजन किया

गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 में सुश्री प्रिया ने प्रथम स्थान, सुश्री अमृता ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, कक्षा 7 में सुश्री खुशबू ने प्रथम स्थान, सुश्री प्रियंका ने द्वितीय एवं सुश्री सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा 8 में सुश्री सुचिता ने प्रथम स्थान, सुश्री प्रियंका तथा सुश्री सीमा ने द्वितीय स्थान एवं सुश्री सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता

पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

04 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अन्तर्गत पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सृष्टि प्रजापति ने प्रथम स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अस्मिता सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अवन्तिका पाठक ने किया।

शपथ ग्रहण समारोह

शपथ ग्रहण करते छात्रसंघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

5 सितम्बर को छात्रसंघ चुनाव में नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव निर्वाचित पदाधिकारियों को छात्रसंघ प्रभारी श्री अनूप पाण्डेय द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती के अवसर पर उद्‌बोधन देतीं बी.एड्. प्रशिक्षु सुश्री कीर्ति राय

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती

05 सितम्बर को प्रार्थना सभा में 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता शर्मा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में बी.

एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती के अवसर पर कक्षा 6, 7 व 8 में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

पोस्टर प्रतियोगिता

6 सितंबर को अंग्रेजी विभाग के द्वारा 'Healthy Eating and Nutrition, Youth activism, Health eating and nutrition, Literature : A reflection of society, The power of kindness, Water conversation tips and Clean water and sanitation' विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कल्पना ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री सुमित चौरसिया ने द्वितीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

6 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अंतर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री मुस्कान चौहान ने प्रथम स्थान, सुश्री निशा ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री शीतल वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

व्याख्यान देती हुई सुश्री शीतल शर्मा

कैरियर सेमिनार

10 सितम्बर को वाणिज्य विभाग एवं इमार्टिकस लर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में 'एक दिवसीय कैरियर

सेमिनार को संबोधित करते श्री अभिषेक कुमार

सेमिनार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इमार्टिकस लर्निंग संस्थान के समन्वयक श्री अभिषेक कुमार तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में इमार्टिकस लर्निंग संस्थान के सह समन्वयक श्री सत्य प्रकाश सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नंदन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

योग एवं शारीरिक व्यायाम कार्यक्रम

शारीरिक व्यायाम कार्यक्रम में भाग लेते इण्टर कॉलेज के विद्यार्थीगण

10 सितंबर को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित 'इंटर्नशिप प्रोग्राम' के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में योग एवं शारीरिक व्यायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6, 7 व 8 के सभी विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयंती

विचार प्रस्तुत करतीं डॉ. आरती सिंह

11 सितम्बर को प्रार्थना सभा में 'महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयंती' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपना विचार प्रस्तुत कर दोनों महान विभूतियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

कविता का पाठ करता विद्यार्थी

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

11 सितंबर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अंतर्गत 'उदीयमान कवि गोष्ठी (स्वरचित) प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए.

पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह ने प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापक सुश्री वंदना शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर के छात्र वंशदीप राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनूप पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विनोद कुमार

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

12 सितम्बर को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा 'प्राचीन भारतीय इतिहास के मर्मज्ञ विद्वान: डॉ. राधाकुमुद मुखर्जी' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनोद कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रख्यात राष्ट्रवादी इतिहासकार स्व. सतीशचन्द्र मित्तल को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर विभागीय शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थीगण

12 सितम्बर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत 'सामाजिक असमानता और भारतीय समाज' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापक सुश्री कीर्ति राय ने प्रथम स्थान, बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री गुंजीता शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

यतीन्द्रनाथ दास बलिदान दिवस

13 सितम्बर को प्रार्थना सभा में 'यतीन्द्रनाथ दास बलिदान दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष

डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए यतीन्द्रनाथ दास जी को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धासुमन अर्पित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

13 सितम्बर को इतिहास विभाग के तत्वावधान में 'शोधपत्र-दशा व दिशा' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्ष श्रीमती निधि राय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई श्रीमती निधि राय

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. शिव कुमार बर्नवाल

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

13 सितम्बर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत 'Waste to Best : Turning Trash into Treasure' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. ग्रुप बी को प्रथम स्थान, बी.ए. ग्रुप डी को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. ग्रुप ए को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दूबे ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

13 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'Artificial intelligence' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंजना दूबे ने प्रथम स्थान, सुश्री

अनुष्का सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी. काम. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री हर्षिता दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

भाषण देती हुई छात्रा

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

14 सितम्बर को हिन्दी विभाग के द्वारा 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरस राय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान देते हुए प्रो. रामदरश राय

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान देते हुए डॉ. अभय श्रीवास्तव

14 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'डाक सेवाओं का समर्थन' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

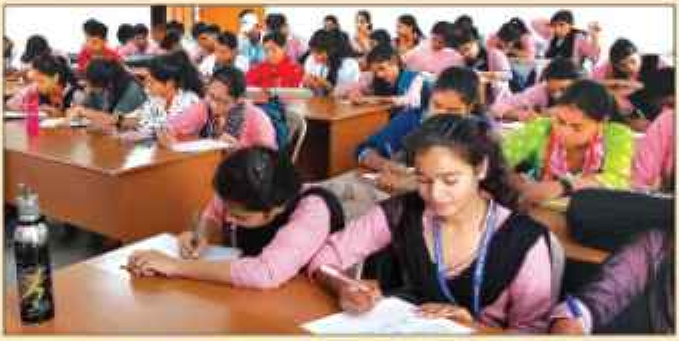
निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

14 सितम्बर को भूगोल विभाग के द्वारा 'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस' की पूर्व संध्या के अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सोनाक्षी गौड़ ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री रामसजन कुमार ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रैना यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान देते हुए डॉ. शिव कुमार

14 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'शोध प्रविधि' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिवकुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थीगण

17 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग के द्वारा 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर से सुश्री अँशिका सिंह ने प्रथम स्थान, श्री आशुतोष चौबे ने द्वितीय स्थान तथा श्री विक्रान्त सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर से सुश्री दीपा गौड़ ने प्रथम स्थान, सुश्री मानसी कन्नौजिया ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री सुहानी प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त

किया। इसी क्रम में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर से सुश्री अँशिका सिंह ने प्रथम स्थान, सुश्री आकांक्षा शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री पल्लवी मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया।

भाषण देती हुई छात्रा

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

18 सितम्बर को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'भारतीय संस्कृति का वैश्विक महत्व' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के श्री आशीष कुमार पाण्डेय ने द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान देते हुए डॉ. राकेश प्रताप सिंह

19 सितम्बर को समाजशास्त्र विभाग के द्वारा 'सामाजिक स्तरीकरण का बदलता स्वरूप' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राकेश प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

भाषण देती हुई छात्रा

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

19 सितम्बर को 'सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना' के अन्तर्गत

हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'संस्कृत भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष पाण्डेय ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सत्या गुप्ता ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम

उद्बोधन देते हुए डॉ. पृथ्वीराज सिंह

20 सितम्बर को ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि समारोह में मुख्य अतिथि ए.पी.एन. महाविद्यालय, बस्ती के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. पृथ्वीराज सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शिवकुमार वर्नवाल तथा प्रस्ताविकी डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

तारकेश्वर यादव भारतीय सेना में बने अग्निवीर

अग्निवीर में चयनित तारकेश्वर यादव

महाविद्यालय के एन.सी.सी. के पूर्व कैडेट और रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के विद्यार्थी श्री तारकेश्वर यादव का भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयन हुआ है। उनकी लगन, निष्ठा और कठोर परिश्रम के लिये महाविद्यालय के शिक्षकों और एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

उद्बोधन देते हुए प्रो. उमेश कुमार गुप्ता

20 सितम्बर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में 'टेन्सर अल्जेब्रा के मूलभूत सम्प्रत्य' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य

वक्ता के रूप में महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश कुमार गुप्ता ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

21 सितम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विभाग के अभिगृहीत ग्राम रामपुर में 'एक पेड़ लगाओ जीवन बचाओ' कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दूबे ने किया।

वृक्षारोपण करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

22 सितम्बर को छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्रसंघ कार्यकारिणी के अधिकार, कर्तव्य तथा महाविद्यालय में सहभागिता पर प्रकाश डाला। छात्रसंघ प्रभारी श्री अनूप पाण्डेय ने छात्रसंघ के उद्देश्यों को बताते हुए विभिन्न समितियों के गठन की प्रक्रिया को संदर्भित किया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक में अपना विचार व्यक्त करतीं कक्षा प्रतिनिधि

विज्ञान प्रदर्शनी

23 सितम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'विज्ञान प्रदर्शिनी' का आयोजन किया गया। प्रदर्शिनी में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीया गोंड के मॉडल को प्रथम स्थान, सुश्री सुहानी प्रजापति के मॉडल को द्वितीय स्थान तथा सुश्री मानसी कन्नौजिया के मॉडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रा से संवाद करते डॉ. रघुवीर नारायण सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. सत्यपाल सिंह

24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस' के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नंदन शर्मा ने तथा संयोजन एवं संचालन रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

साइकिल रैली

रैली में प्रतिभाग करते शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'साइकिल रैली' निकाली गई। इस रैली का शुभारम्भ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

उद्बोधन देते श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

25 सितम्बर को 45वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन की इकाई द्वारा 'नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन और आभा कार्ड' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन लेफ्टिनेंट रमाकांत दूबे ने किया।

वाद विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

25 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में 'Do you need to have a college degree to get a good Job' विषयक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शेक्सपियर ग्रुप को प्रथम स्थान तथा वर्ड्सवर्थ ग्रुप को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

25 सितम्बर को प्राणी विज्ञान विभाग के द्वारा 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने प्रथम स्थान, सुश्री आकांक्षा शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री पल्लवी मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिवकुमार ने किया।

ईश्वरचंद विद्यासागर जयंती

उद्‌बोधन देते श्री आशीष कुमार पाण्डेय

26 सितम्बर को प्रार्थना सभा में 'ईश्वरचंद विद्यासागर जयन्ती' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की तरफ से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

कर्मचारी संघ चुनाव

26 सितम्बर को महाविद्यालय में कर्मचारी संघ चुनाव का आयोजन किया गया। चुनाव में अध्यक्ष

पद पर श्री आशीष यादव अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री राम लगन से 8 मतों से विजयी रहे, उपाध्यक्ष पद पर श्री विनोद कुमार अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री रवि कुमार से कुल 7 मतों से विजयी रहे तथा महामंत्री पद पर श्री जोगिन्दर कुमार अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्रीमती गुड़िया देवी से कुल 5 मतों से विजयी रहे। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं चुनाव अधिकारी श्री नंदन शर्मा ने विजित प्रत्याशियों को शुभकामनाएं प्रेषित किया।

कर्मचारी संघ चुनाव में विजयी प्रत्याशीगण

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

26 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'डिजिटल टेक्सोनामी ई-फ्लोरा' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में एशियन इण्टरनेशनल विश्वविद्यालय, मणिपुर के सहायक आचार्य डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

मुख्य अतिथि का सम्मान करते डॉ. अभय श्रीवास्तव

शैक्षिक प्रदर्शनी

26 सितम्बर को प्राणी विज्ञान विभाग के द्वारा शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आकांक्षा शर्मा के मॉडल को प्रथम स्थान, सुश्री शिवांगी मिश्रा के मॉडल को द्वितीय स्थान तथा सुश्री आयशा के मॉडल को तृतीय स्थान एवं श्री आयशा के मॉडल को चतुर्थ स्थान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. अखिलेश गुप्ता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करते विद्यार्थी

26 सितम्बर को रोवर्स-रेंजर्स के तत्वावधान में 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आदित्य कुमार को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रीया साहनी को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सलोनी निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

राजा राममोहन राय पुण्यतिथि

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देती सुश्री अंशिका सिंह

27 सितम्बर को प्रार्थना सभा में 'राजा राममोहन राय के पुण्यतिथि' के अवसर पर बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने राजा राममोहन राय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षक संघ चुनाव

शिक्षक संघ चुनाव में मत प्रयोग करते शिक्षक

30 सितम्बर को महाविद्यालय में शिक्षक संघ चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव में शिक्षक डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल अध्यक्ष, डॉ. आरती सिंह उपाध्यक्ष, श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल महामंत्री तथा श्री अरविन्द कुमार मौर्य कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रदान की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

30 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह ने प्रथम स्थान एवं श्री आशीष पाण्डेय ने द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

डॉ. एनी बेसेन्ट जयन्ती

01 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'डॉ. एनी बेसेन्ट जयन्ती' के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्र सुश्री श्वेता शर्मा ने अपना उद्‌बोधान प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

उद्‌बोधन देती सुश्री श्वेता शर्मा

विद्यार्थियों को संबोधित करते श्री विनय कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

01 अक्टूबर को रोवर्स/रेंजर्स के द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत 'स्वच्छ भारत, हरित भारत एवं स्वच्छता हर किसी की जिम्मेदारी' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

इंटर्नशिप समापन कार्यक्रम

सांस्कृतिक आयोजन को संबोधित करते श्री संदीप कुमार

01 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित 'इंटर्नशिप प्रोग्राम' के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा इंटर्नशिप समापन कार्यक्रम के अवसर पर कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को इंटर्नशिप प्रोग्राम के सफल एवं कुशल संचालन हेतु बधाई दी।

शिक्षकों को संबोधित करते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को 'राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती' के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. धर्मव्रत तिवारी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

आरिएंटेशन प्रोग्राम में उपस्थित छात्राध्यापक

ऑरिएंटेशन प्रोग्राम

03 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के नव-आगंतुक विद्यार्थियों के लिए 'ऑरिएंटेशन प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई डॉ. शालू श्रीवास्तव

03 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

उद्बोधन देते हुए श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी

05 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'वाणिज्यिक विकास में शोध प्रविधि का आधुनिक स्वरूप' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय मध्य विद्यालय, भोरे, गोपालगंज, बिहार के आचार्य श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री श्वेता ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में छात्रा से संवाद करते डॉ. शिव कुमार

05 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर से सुश्री अंशिका सिंह ने प्रथम स्थान, सुश्री रंजना साहनी ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री सपना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर से सुश्री दीपा गोड़ ने प्रथम स्थान, सुश्री शीतल साहनी ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री सपना साहनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर से सुश्री पल्लवी मिश्रा ने प्रथम स्थान, सुश्री आकांक्षा शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री आयशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रा से संवाद करते डॉ. अभय श्रीवास्तव

05 अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी श्री अश्वनी पटेल को प्रथम स्थान, सुश्री नंदनी को द्वितीय स्थान तथा सुश्री अँशिका को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता

05 अक्टूबर को कम्प्यूटर विभाग के द्वारा 'कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रुप सप्तम् को प्रथम स्थान तथा ग्रुप तृतीय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

06 अक्टूबर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम-छोटी जमुनहिया में 'नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभाव और केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न नशा मुक्ति सम्बन्धित योजनाओं से ग्रामीणों को जागरूक कराया गया।

नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य जागरूकता में रैली निकालते विद्यार्थी

छात्र संघ कार्यकारिणी बैठक

06 अक्टूबर को छात्र संघ कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छात्र संघ के संरक्षक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र संघ का महाविद्यालय के प्रबन्धन व प्रशासन में योगदान की

कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

समीक्षा करते हुए आगामी योजनाओं पर चर्चा की। छात्र संघ प्रभारी श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने विभिन्न समितियों का गठन कर कक्षा प्रतिनिधियों को कार्यभार सौंपा।

छात्र संघ साधारण सभा

साधारण सभा को संबोधित करते छात्रसंघ अध्यक्ष श्री वंशदीप राय

07 अक्टूबर को छात्र संघ के तत्वावधान में 'साधारण सभा' का आयोजन किया गया। साधारण सभा में छात्र संघ के संरक्षक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभा में उपस्थित विद्यार्थियों के समस्याओं एवं सुझावों को सुना तथा त्वरित निस्तारण किया। कार्यक्रम का संयोजन छात्र संघ प्रभारी श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. अजय कुमार शुक्ल

07 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग के द्वारा 'विक्टोरियन युग का साहित्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री प्रियांशु श्रीवास्तव

07 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

वायु सेना दिवस और प्रेमचंद स्मृति दिवस

उद्‌बोधन देती हुई डॉ. सुधा शुक्ला

08 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'वायु सेना दिवस और प्रेमचंद स्मृति दिवस' के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए मुंशी प्रेमचन्द को महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

भूगोल प्रदर्शनी

प्रदर्शनी का अवलोकन करते शिक्षक

08 अक्टूबर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'भूगोल प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सौरमंडल ग्रुप के मॉडल को प्रथम स्थान, रिमोट सेंसिंग ग्रुप के मॉडल को द्वितीय स्थान तथा जल प्रदूषण एवं चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण ग्रुप के मॉडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई छात्रा

08 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग के द्वारा स्नातक स्तर पर 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तमन्ना कुमारी गोंड़ ने प्रथम स्थान, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री दीपक यादव ने द्वितीय स्थान तथा बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री नितिन शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में पुरस्कृत विद्यार्थीगण

08 अक्टूबर को रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा स्नातक स्तर पर 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिता सिंह एवं सुश्री मानसी कन्नौजिया को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, सुश्री सुभी को द्वितीय स्थान तथा सुश्री सुहानी प्रजापति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रामसहाय ने किया।

पंच प्रण शपथ ग्रहण कार्यक्रम

उद्‌बोधन देती हुई डॉ. आरती सिंह

09 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'पंच प्रण शपथ ग्रहण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने उद्‌बोधन देते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के पांच प्रण के संकल्प का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

यातायात जागरूकता रैली

रैली में प्रतिभाग करते कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक

16 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'यातायात जागरूकता पखवाड़ा' के अन्तर्गत यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारम्भ भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

महर्षि वाल्मिकी जयंती

उद्‌बोधन देती हुई सुश्री अर्चिता राय

17 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'महर्षि वाल्मिकी जयन्ती' के अवसर पर

एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अर्चिता राय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से महर्षि वाल्मिकी जी को हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

व्याख्यान देती हुई छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

18 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर से सुश्री नंदनी को प्रथम स्थान, सुश्री अँशिका सिंह को द्वितीय स्थान तथा श्री आशुतोष चौबे एवं श्री अश्वनी पटेल को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर से सुश्री रुबी सिंह को प्रथम स्थान, सुश्री दीपा गौंड़ को द्वितीय स्थान तथा सुश्री रिंकी भारती को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर से सुश्री आकांक्षा शर्मा को प्रथम स्थान, सुश्री स्नेहिल सिंह को द्वितीय स्थान तथा सुश्री आयशा एवं श्री आयुश कन्नौजिया को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

उद्बोधन देते हुए श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

स्वामी महावीर परिनिर्वाण दिवस

19 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'स्वामी महावीर परिनिर्वाण दिवस' के अवसर पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए स्वामी महावीर के व्यक्तित्व, कृतित्व और सामाजिक पुनरुत्थान में योगदान को प्रकाशित करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

योगाभ्यास करते शिक्षक एवं छात्रा

19 अक्टूबर को 'साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने ध्यान विधि के द्वारा

प्राण वायु के नियन्त्रण के तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया।

आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

उद्‌बोधन देतीं श्रीमती दिव्या दूबे

21 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दूबे ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए आजाद हिन्द फौज स्थापना के उद्देश्यों और योगदान पर प्रकाश डाला।

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

स्वरचित कविता का पाठ करती हुई छात्रा

21 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 'उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता' (स्वरचित) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शालू मिश्रा ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री मधुलिका चौबे एवं बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

अशफ़ाक उल्ला खां जयन्ती

उद्‌बोधन प्रस्तुत करती हुई सुश्री सलमा

22 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'अशफाक उल्ला खां जयन्ती' के अवसर पर बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सलमा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए अशफ़ाक उल्ला खां के जीवन चरित्र व योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही

महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई सुश्री नेहा प्रजापति

24 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी. काम. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नेहा प्रजापति ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ के स्थापना के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

जिम करते हुए स्वयंसेवक

शारीरिक स्वावलम्बन 'जिम'

25 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'मिशन शक्ति 3.0' के अन्तर्गत 'शारीरिक स्वावलम्बन (जिम)' विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

निबंध-प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी

25 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 'भारत में शिक्षा की स्थिति और सुधार की दिशा' विषयक हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर का छात्राध्यापक श्री शिवम जायसवाल को प्रथम स्थान एवं श्री अभिजीत चतुर्वेदी को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री अखिल कुमार व छात्र सुश्री श्वेता को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

व्यापार मेला में उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थी

व्यापार मेला

26 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में दिपावली के पावन पर्व के अन्तर्गत 'व्यापार मेला' का आयोजन किया गया। व्यापार मेला का उद्घाटन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। मेला में विभाग का अभिगृहीत ग्राम तिनकोनिया नं. 2 में 'स्वावलम्बी ग्राम योजना' के अन्तर्गत ग्रामीणों द्वारा स्वनिर्मित मिट्टी का दीया, खिलौना व मूर्ति को शिल्प कला स्टाल पर प्रदर्शित किया गया। इसी क्रम में टेराकोटा, धूप और अगरबत्ती, चाय, भेलपूरी, पानीपूरी, स्टार कैण्डी सहित 2 कम्पनियों के स्टाल को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

26 अक्टूबर को मनोविज्ञान विभाग के द्वारा 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपा गौंड़ ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री गरिमा यादव ने द्वितीय स्थान तथा बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सलोनी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

26 अक्टूबर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की विद्यार्थी सुश्री अर्शिया फातिमा को प्रथम स्थान, श्री सूरज दीक्षित को द्वितीय स्थान तथा सुश्री प्रियंका गुप्ता को तृतीय स्थान दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने किया।

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों को संबोधित करते श्री प्रियांशु श्रीवास्तव

28 अक्टूबर को कम्प्यूटर विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती अर्पिता सिंह ने भारत सरकार द्वारा संचालित 31 दिवसीय साइबर जागरूकता सूची को बताया जिससे हम सभी साइबर क्राईम एवं इंटरनेट के दुरूपयोग से बच सकें। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. आशुतोष तिवारी

28 अक्टूबर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय समाज और मार्क्स एक समाजशास्त्रीय विमर्श' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जे.बी. महाजन डिग्री कॉलेज, चौरी-चौरा, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. आशुतोष तिवारी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

भाषण देती हुई छात्रा

28 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग के द्वारा 'दिवाली द फेस्टिवल ऑफ लाइट्स एण्ड इट्स सिग्निफिकेंस इन हिन्दू कल्चर' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंजली दूबे को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दिव्या दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिका सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

योगासन प्रतियोगिता

योगासन करती हुई छात्राएं

28 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 'योगासन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सूर्य नमस्कार, हलासन, गोरक्षासन एवं वृक्षासन आदि आसनों को प्रतियोगिता का आधार बनाया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अमृता सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नन्दनी और बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सत्या गुप्ता को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रूबी चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती

उद्‌बोधन देतीं सुश्री शुभी

4 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती' के अवसर पर बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की।

उद्‌बोधन देते हुए श्री किशन सिंह

महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती

6 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती' के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री किशन सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन करते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित किया।

उद्‌बोधन देती हुई डॉ. आरती सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

11 नवम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत 'आत्मसुरक्षा' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

चार्ट पेपर का अवलोकन करती श्रीमती शिप्रा सिंह

चार्ट पेपर प्रतियोगिता

12 नवम्बर को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'चार्ट पेपर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री आकांक्षा साहनी एवं बी.काम. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री निर्जला शर्मा ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के श्री वंशदीप राय, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री तमन्ना कुमारी गोड़ एवं बी.काम. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री महक सिंह को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के श्री अभिजीत निषाद, श्री आशुतोष शर्मा एवं श्री श्यामसुन्दर स्वामी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

12 नवम्बर को समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री साइमा सिद्दीकी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ज्योति कुमारी को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री जयकिशुन चौरसिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन समाजशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक जयंती

उद्‌बोधन प्रस्तुत करते श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

15 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक जयंती' के पर्व पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्‌बोधान प्रस्तुत करते हुए कार्तिक पूर्णिमा के महत्व को बताया साथ ही गुरु नानक देव के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय परिवार सहित गुरुनानक देव की स्मृति को नमन करते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

16 नवम्बर को 'साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम' के अन्तर्गत योग प्रशिक्षक के रूप मे शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल तथा प्रशिक्षक प्रशिक्षु के रूप में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता ने उपस्थित विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को योग प्रशिक्षण प्रदान किया। साथ ही शीत ऋतु में योग के महत्व को बताते हुए स्वास्थ्य सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

एक दिवसीय कार्यशाला

उद्‌बोधन प्रस्तुत करतीं श्रीमती ईशरत सिद्‌दकी

17 नवम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'एक दिवसीय कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ईशरत सिद्‌दकी, डी.ओ.सी. स्काउट गाइड ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर के कार्यक्रम अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

वीरांगना झलकारी बाई जयंती

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देती श्रीमती विभा सिंह

22 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'वीरांगना झलकारी बाई जयन्ती' के अवसर पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए वीरांगना झलकारी बाई के साहस और पराक्रम पर प्रकाश डाला साथ ही महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

उद्बोधन प्रस्तुत करती हुई सुश्री कीर्ति राय

25 नवम्बर प्रार्थना सभा में 'महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सुश्री कीर्ति राय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस

शपथ दिलाते डॉ. विजय कुमार चौधरी

26 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'संविधान दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया एवं भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को संविधान का शपथ दिलाया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

उद्बोधन देते हुए श्री अभिनव त्रिपाठी

26 नवम्बर 2024 को एन.सी.सी. के तत्वावधान में 'संविधान दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन लेफ्टिनेन्ट रमाकान्त दूबे ने किया।

विचार गोष्ठी कार्यक्रम

अपना विचार व्यक्त करती हुई छात्रा

26 नवम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा 'लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष' के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में बी.एड्. विभाग के अंतर्गत 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का जीवन दर्शन' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों द्वारा उपरोक्त विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करती सुश्री अँशिका सिंह

हरिवंश राय बच्चन जयंती

27 नवम्बर को प्रार्थना सभा में 'हरिवंश राय बच्चन' के जयन्ती दिवस के अवसर पर बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिका सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए हरिवंश राय बच्चन के साहित्यिक योगदान एवं जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

रैली निकालते हुए स्वयंसेवक एवं कार्यक्रम अधिकारी

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त तथा श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

एक दिवसीय शिविर

सफाई करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

01 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 'एक दिवसीय शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर के अन्तर्गत स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की। कार्यक्रम का संयोजन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्बोधन देते हुए श्री सूरज मिश्रा

02 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग के द्वारा 'विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विभाग के प्रभारी श्री सूरज मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

03 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग के द्वारा 'विश्व कम्प्यूटर ग्राफिक्स दिवस' के अवसर पर एक

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

उद्बोधन देते हुए श्री सूरज मिश्रा

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (उद्घाटन एवं शोभा यात्रा समारोह)

शोभायात्रा में हिस्सा लेते एन.सी.सी. कैडेट्स

4 से 10 दिसम्बर तक प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। इस साप्ताहिक समारोह के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभयात्रा के उद्घाटन के अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में छात्र/छात्राओं

शोभा यात्रा में हिस्सा लेते महाविद्यालय के बैण्ड, अग्निवीर एवं कैडेट्स का दल

द्वारा मुख्य ध्वज वाहक के निर्देशन में बैण्ड तथा 'हम हैं भारत के अग्निवीर दल' और 'एन.सी.सी.' के साथ मनमोहक शोभा यात्रा निकाली गई। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की।

शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

जिम करती हुई छात्राएं

09 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष के स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में स्थित जिम में शारीरिक व्यायाम से सम्बन्धित कौशल सिखाया गया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

डिजिटल ट्रांजेक्शन के बारे में ग्रामीणों से संवाद करते छात्र

डिजिटल इंडिया जागरूकता अभियान

09 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम बड़ी जमुनहिया में डिजिटल इंडिया जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में ग्रामवासियों को डिजिटल ट्रांजेक्शन तथा पेमेंट के नवीन तरीकों को बताया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सूरज मिश्रा ने किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार तिवरण)

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर-कमलों द्वारा छात्र/छात्राओं को योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को

मुख्य महोत्सव के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं जन समुदाय को संबोधित करते मुख्य अतिथि श्री कैलाश सत्यार्थी एवं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

प्रमाण-पत्र सहित पुरस्कार, शोभा यात्रा में श्रेष्ठ पथ संचलन एवं महाराणा शिक्षा परिषद के सभी संस्थानों में सर्वश्रेठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम संस्था सहित श्रेष्ठतम शिक्षक, श्रेष्ठतम कर्मचारी तथा श्रेष्ठतम परिचारक को पुरस्कृत किया गया।

पुस्तक विमोचन करते योगी आदित्यनाथ एवं गणमान्य

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों समेत 800 से अधिक विविध पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही महाविद्यालय की शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन किया गया। महाविद्यालय की तरफ से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता (वरिष्ठ वर्ग) में श्री कार्तिक सिंह और कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता (बी.एड्. वर्ग) में श्री अभिजीत चतुर्वेदी को एवं राज्य स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में श्री सत्यम प्रकाश तथा राज्य स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) सुश्री सुनीता को पुरस्कृत किया गया।

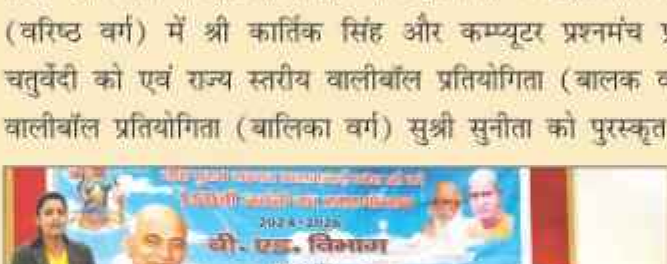

भाषण देती हुई छात्रा

बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रम

11 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष के स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

योग्यता छात्रवृत्ति पुरस्कार विवरण समारोह

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. बलवान सिंह

11 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने–अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को भटवली महाविद्यालय के पूर्व आचार्य डॉ. बलवान सिंह द्वारा नगद छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुश्री दिव्या दूबे, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री आदित्य प्रताप सिंह, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री शिवानी गौड़, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री गरिमा यादव, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अनिता यादव, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री पूजा भारद्वाज बी.ए. पंचम सेमेस्टर, श्री आदित्य यादव, बी.ए. पंचम सेमेस्टर, श्री अश्वनी कुमार पटेल, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, श्री कोमल सिंह, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री जान्हवी दूबे, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री शुभी, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री कुसुम चौरसिया, बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर, सुश्री पल्लवी मिश्रा, बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर, सुश्री आकांक्षा सहानी, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री नेहा प्रजापति, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, श्री नीतिन शर्मा, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री महक सिंह, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री निदा फातिमा, बी.काम. पंचम सेमेस्टर, सुश्री नेहा सिंह, बी.काम. पंचम सेमेस्टर, सुश्री सभ्या सिंह, एम.ए. समाजशास्त्र, तृतीय सेमेस्टर, सुश्री सन्ध्या चौहान, एम.ए. समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अस्मिता सिंह, एम.ए. गृह विज्ञान तृतीय सेमेस्टर, सुश्री दीक्षा सिंह, एम.ए. गृह विज्ञान तृतीय सेमेस्टर, श्री संगम, एम.ए. भूगोल तृतीय सेमेस्टर, श्री हिमांशु कुमार मिश्रा, एम.ए. भूगोल तृतीय सेमेस्टर, सुश्री सोनी, एम.ए. प्राचीन इतिहास, तृतीय सेमेस्टर, श्री अजय कुमार, एम.ए. प्राचीन इतिहास तृतीय सेमेस्टर, सुश्री शालू विश्वकर्मा, एम.ए. प्राचीन इतिहास तृतीय सेमेस्टर, श्री विनय शंकर तिवारी, एम.ए. हिन्दी तृतीय सेमेस्टर, श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, एम.ए. हिन्दी तृतीय सेमेस्टर, सुश्री खुशबू प्रजापति, एम.ए. इतिहास तृतीय सेमेस्टर, श्री मान

योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान करते डॉ. बलवान सिंह

योग्यता छात्रवृत्ति प्राप्त कर प्रफुल्लित मेधावी विद्यार्थीगण

सिंह, एम.ए. इतिहास तृतीय सेमेस्टर, श्री धीरज यादव, एम.एस-सी. रसायन शास्त्र प्रथम सेमेस्टर, सुश्री स्मृति रावत, एम.एस-सी. रसायन शास्त्र प्रथम सेमेस्टर, सुश्री अर्शिया फातिमा एम.एस-सी., रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, सुश्री वंशिका गुप्ता, एम.एस-सी. रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, श्री राजेश यादव, एम. एस-सी. रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, श्री सदानन्द चौहान, एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री रिशु राज, एम. काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री ममता मझवार, एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री चन्चल यादव, एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अंशिका श्रीवास्तव, बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री अमन शर्मा, बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री अपराजिता उपाध्याय, बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री कंचन सिंह, बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अर्चना सिंह, बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री शिशिर कुमार, बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री सुधीर, कृष्ण शुक्ल, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री बिदूर तिवारी, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर, श्री अखिल कुमार, बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर, सुश्री कीर्ति राय, बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर को छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

कविता एवं भाषण कार्यक्रम

24 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में 'भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जयन्ती' के अवसर पर सुशासन सप्ताह में अटल बिहारी वाजपेयी से सम्बन्धित कविता

भाषण प्रस्तुत करती बी.एड्. की छात्रा

एवं भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

विचार गोष्ठी एवं काव्य भाषण

25 दिसम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी के जयन्ती' के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं काव्य भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोवर्स/रेंजर्स के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम का स्वरूप बताते श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

10 जनवरी को हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. राजेश मल्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. राजेश मल्ल

लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी पुण्यतिथि कार्यक्रम

16 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी के पुण्यतिथि' के अवसर पर एक विशिष्ट

उद्बोधन प्रस्तुत करती सुश्री अंशिका सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी जी के स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

योगाभ्यास कराते डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

साप्ताहिक योगाभ्यास

18 जनवरी को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने ध्यान करने के चरण को बताते हुए ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण कार्यक्रम

25 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को शपथ ग्रहण कराते हुए उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करते विद्यार्थी एवं शिक्षक

ग्राम दर्शन

26 जनवरी को हिन्दी विभाग के द्वारा ग्राम दर्शन के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम बड़ी रेतवहिया में 'ठंड जनित बीमारियां : जानकारी एवं बचाव' के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. कुलदीप कुमार द्विवेदी

31 जनवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'निर्धनता के सामाजिक-आर्थिक आयाम' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप कुमार द्विवेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

सरस्वती पूजा एवं बसंत पंचमी

सरस्वती पूजा में सम्मिलित शिक्षक एवं विद्यार्थी

03 फरवरी को 'सरस्वती पूजा और बंसत पंचमी' के अवसर पर यजमान डॉ. सुबोध मिश्रा ने पंडित श्री बिटुर तिवारी एवं श्री शुभम मिश्रा के नेतृत्व में विधिवत हवन पूजन सम्पन्न कराया। महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रदान की। उक्त कार्यक्रम प्रभारी श्री विवेक विश्वकर्मा के देख-रेख में सम्पन्न हुआ।

उद्बोधन देते हुए डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

एक दिवसीय कार्यशाला

05 फरवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'अनुसंधान पद्धति के मूल सिद्धान्त: नियम और अभ्यास' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्यप्रदेश के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए प्रयोगात्मक प्रविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

ग्रामीण बालक की जाँच करते चिकित्सक

06 फरवरी को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में 'एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र ने शिविर में आये हुए ग्रामवासियों का उचित इलाज और परीक्षण करते हुए परामर्श प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह एवं श्री जितेन्द्र प्रजापति के संयुक्त रूप से किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करती डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

07 फरवरी को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'शैक्षिक प्रशासन के कार्य व सिद्धान्त' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

उद्‌बोधन देते श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

07 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'बौद्धिक सम्पदा अधिकार' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

उद्बोधन देते हुए श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

08 फरवरी को शिक्षा शास्त्र विभाग के द्वारा 'बुद्धि व उपलब्धि परीक्षण' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

पर्यावरण जागरूकता रैली

ग्रामीण महिला को पर्यावरण के प्रति जागरूक करती छात्राएं

09 फरवरी को शिक्षा शास्त्र विभाग तथा रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'प्लास्टिक पर्यावरण' विषय पर 'पर्यावरण जागरूकता रैली' का आयोजन किया गया। रैली में बढ़ते प्रदूषण वनों की कटाई, प्लास्टिक उपयोग, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अनियन्त्रित दोहन के विषय को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद और श्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ल ने संयुक्त रूप से किया।

उद्बोधन देते हुए डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

11 फरवरी को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के द्वारा 'प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन में डॉ. रमेश चन्द्र मजूमदार का योगदान' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

प्रार्थना सभा में संबोधित करते हुए श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

माघ पूर्णिमा और संत रविदास जयन्ती

12 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'माघ पूर्णिमा और संत रविदास जयन्ती' के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने माघ पूर्णिमा के महात्म को बताया, साथ ही संत रविदास जी के स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

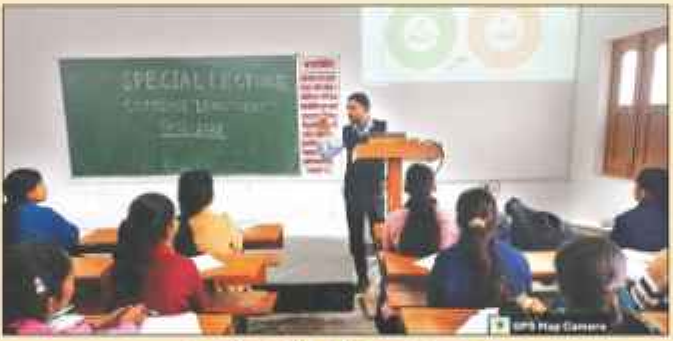

उद्‌बोधन देते श्री भारत कुमार

12 फरवरी को वाणिज्य विभाग के द्वारा 'बजट 2025-26: भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग प्रभारी अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

प्रार्थना सभा में उद्‌बोधन देती सुश्री अंशिका सिंह

राष्ट्रीय महिला दिवस

13 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अँशिका सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलवामा शहीद स्मृति दिवस

14 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'पुलवामा शहीद स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमाकान्त दूबे ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया, साथ ही महाविद्यालय परिवार सहित शहीदों के स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देते डॉ. रमाकान्त दूबे

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

14 फरवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'पुलवामा शहीद स्मृति दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष ले. रमाकान्त दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. रमाकान्त दूबे

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

14 फरवरी को भूगोल विभाग के द्वारा 'बैंकिंग एवं वित्त' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

व्याख्यान देते श्री नन्दन शर्मा

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देते हुए श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती एवं साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

15 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'महर्षि दयानन्द सरस्वती' जी के जयन्ती के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया, साथ ही महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसी क्रम में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के आयोजन में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया।

स्वैच्छिक श्रमदान करते शिक्षक और विद्यार्थी

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

15 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी एवं परिचर मिलकर महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई किये। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता एवं डॉ. आरती सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

उद्बोधन देते हुए प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

17 फरवरी को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में प्रसिद्ध इतिहासकार एवं प्राच्यविद प्रो. शैलनाथ चतुर्वेदी के जयन्ती के अवसर पर 'आदर्श शिक्षक एवं मूर्धन्य प्राच्यविद् प्रो. शैलनाथ चतुर्वेदी' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग के अध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह तथा संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान में उद्बोधन देते हुए श्री अनिकेश कुमार मिश्र

17 फरवरी को व्याख्यान प्रशासन विभाग, बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन तथा कोड4यूटेक.कॉम के संयुक्त तत्वावधान में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कोड4यूटेक.कॉम के संस्थापक श्री अनिकेश कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में बी.सी.ए. विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रियांशु श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया।

रामकृष्ण परमहंस जयन्ती

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देते हुए श्री प्रज्ञेश राय

18 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'रामकृष्ण परमहंस जयन्ती' के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री प्रज्ञेश राय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया, साथ ही रामकृष्ण परमहंस जी के स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

वीर छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देती हुई सुश्री अंशिका सिंह

19 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'वीर छत्रपति शिवाजी महाराज के जयंती' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने अपना उद्‌बोधन देते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज के स्मृति को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. सर्वेश कुमार

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

19 फरवरी को भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'भारतीय ज्ञान परम्परा की जड़: अतीत से वर्तमान तक' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सर्वेश कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द मौर्य ने किया।

उद्‌बोधन देते हुए डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

19 फरवरी को हिन्दी विभाग के द्वारा 'खेल फिटनेस एवं कल्याण का विद्यार्थी जीवन में महत्व' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

21 फरवरी को हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की

प्रार्थना सभा में उद्‌बोधन देतीं डॉ. सुधा शुक्ला

सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता

25 फरवरी को वाणिज्य एवं प्रशासन विभाग के द्वारा 'बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चतुर्थ समूह (टेरा वरदे होटल) को प्रथम स्थान, द्वितीय समूह (विग्स अस) को द्वितीय स्थान तथा तृतीय समूह (इवेंट प्लानर) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते श्री सूरज मिश्रा

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

27 फरवरी को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'डिजिटल मार्केटिंग एक अध्ययन' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभाग ने सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

वाद-विवाद कार्यक्रम

27 फरवरी को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयन्ती' वर्ष के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर वाद-विवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम

का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि

प्रार्थना सभा में उद्बोधन देती हुई सुश्री अंशिका सिंह

28 फरवरी को प्रार्थना सभा में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि' के अवसर पर बी. एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि जी को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

28 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर 'प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पल्लवी मिश्रा एवं बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री रवि कुमार को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपा राय एवं बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री आशुतोष चौबे को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आकांक्षा शर्मा एवं बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री अश्विनी पटेल एवं श्री विक्रान्त सिंह को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. डी.के. चौबे

विज्ञान प्रदर्शनी

28 फरवरी को रसायन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पी.

जी. कॉलेज, आनन्दनगर, महाराजगंज के रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.के. चौबे ने किया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी सुश्री संजना साहनी के ग्रुप एवं श्री सचिन शर्मा के ग्रुप को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, बी.एस-सी. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवांगी मिश्रा के ग्रुप एवं बी. एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नेहा गुप्ता के ग्रुप को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान और बी. एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अर्चना कोरी के ग्रुप एवं बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री प्रांशु मिश्रा के ग्रुप को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दूबे ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

28 फरवरी को मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'फाइनेंस और बैंकिंग' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री भारत कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अर्चिता राय ने किया।

विद्यार्थियों को उद्बोधन देते श्री भारत कुमार

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

28 फरवरी को समाजशास्त्र विभाग के द्वारा 'साइबर अपराध के बदलते प्रतिमान' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. दीपेन्द्र मोहन सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने तथा संचालन सहायक आचार्य श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. दीपेन्द्र मोहन सिंह

ग्राम दर्शन

02 मार्च को इतिहास विभाग के द्वारा अभिगृहीत ग्राम ककरहियां में कौशल विकास जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे

विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

ग्रामीणों को जागरूक करते महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

सरस्वती भ्रमण

02 मार्च को 'वनस्पति विज्ञान विभाग' के द्वारा गोद लिए गए गांव शेखवनियां में सरस्वती भ्रमण के अन्तर्गत जैविक कृषि पर आधारित बिन्दुओं पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

सर्वेक्षण कार्य करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (उद्घाटन)

प्रशिक्षण प्रदान करते हुए प्रशिक्षक

03 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 11वीं एनडीआरएफ बटालियन के पांच प्रशिक्षकों इस्पेक्टर श्री दीपक मंडल, जी.डी. श्री टुनटुन यादव, श्री ईश्वर चन्द, श्री संतोष यादव और श्री विजय शंकर यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा तथा संयोजन ले. रमाकान्त दूबे ने किया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (उद्घाटन समारोह)

03 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के अन्तर्गत उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि के रूप में महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ए.एल.टी. स्काउट गाइड श्री सूरज मौर्य एवं स्काउट गाइड प्रशिक्षिका श्रीमती दुर्गावती धूसिया और श्रीमती लाजो रानी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

ध्वज शिष्टाचार में प्रतिभाग करते प्रशिक्षक, शिक्षक और प्रतिभागी

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर (दूसरा दिन)

बौद्धिक सत्र में उपस्थित विषय विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षणार्थी

04 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के दूसरे दिन स्काउट गाइड प्रशिक्षक श्री सूरज मौर्य ने बौद्धिक सत्र का क्रियान्वयन किया। स्काउट गाइड प्रशिक्षिका श्रीमती दुर्गावती धूसिया एवं श्रीमती लाजो रानी ने स्काउट गाइड के विभिन्न आयामों की जानकारी प्रदान की तथा स्काउट गाइड प्रशिक्षक श्री राजू कुमार ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को व्यायाम कौशल तथा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (दूसरा दिन)

04 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के दूसरे दिन गोरखपुर एनडीआरएफ टीम के छः प्रशिक्षकों श्री आकाश शंकर मिश्र, श्री रजनीश कुमार, श्री धनंजय मौर्य, श्री राजकुमार खरवार, श्री पप्पू कुमार, श्री राणा

प्रशिक्षण देते आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ

प्रताप सिंह तथा श्री विवेक तिवारी के द्वारा आपदा के प्रकार, प्राथमिक उपचार और सहायता प्रदान करने के तरीकों आदि के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (तीसरा दिन)

प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षक और प्रशिक्षणार्थी

05 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के तीसरे दिन स्काउट गाइड के प्रशिक्षकों द्वारा गांठ बांधना, स्कार्फ बांधना, संकेत पढ़ना, ध्वनि संकेत और हाथ मिलाना जैसी गतिविधियों को प्रशिक्षुओं को सिखाया गया। बौद्धिक सत्र के अंत में कैंप फायर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षुओं ने नाट्य मंचन तथा अपने कलात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (तीसरा दिन)

उद्बोधन देते हुए श्री अफरोज आलम खान

05 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के तीसरे दिन गोरखपुर अग्निशमन दल के दो प्रशिक्षकों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को आग के प्रकार, आग फैलने के प्रमुख कारण, आग को फैलने के प्रमुख स्रोत तथा आग से बचने के तरीकों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई साथ ही आवश्यक प्रशिक्षण का अभ्यास कराया गया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (चौथा दिन)

06 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के चौथे दिन प्रशिक्षकों द्वारा नेतृत्व, सहनशीलता और कार्यकुशलता

जैसे शील गुणों के विकास के क्रम में विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक क्रियाकलापों एवं गतिविधियों का समावेश रहा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को समूह भावना उत्तरदायित्व, आत्मनिर्भरता और समाज के दायित्व की भावना से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण का अभ्यास करते हुए प्रशिक्षणार्थी

उद्बोधन देते हुए प्रशिक्षक श्री विवेक तिवारी

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (चौथा दिन)

06 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के चौथे दिन जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के दो प्रशिक्षकों श्री राणा प्रताप सिंह और श्री विवेक तिवारी के द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को आपदा प्रबन्धन का परिचय, आपदा के पूर्व एवं पश्चात की प्रमुख आवश्यकताओं के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

व्याख्यान प्रतियोगिता

06 मार्च को हिन्दी विभाग के द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर की छात्र सुश्री आरती निषाद को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अमरजीत कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री धर्मेन्द्र कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान देते हुए छात्र श्री आशीष पाण्डेय

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम

(समापन समारोह)

प्रशिक्षणार्थी द्वारा बनाये गये झूले का अवलोकन करते प्रशिक्षक

07 मार्च को हिन्दी विभाग बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक मुद्दों पर कलात्मक प्रस्तुती का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सर्वधर्म प्रार्थना तथा दीक्षा संस्कार का आयोजन किया गया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

(पांचवा दिन)

ग्रामीण को जागरूक करते विद्यार्थी

07 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के पांचवें दिन जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, गोरखपुर के दो प्रशिक्षकों श्री राणा प्रताप सिह और श्री विवेक तिवारी के द्वारा प्रशिक्षुओं को लेकर महाविद्यालय के पास स्थित ग्राम मंझरिया और रेतवाहिया में आपदा आकलन सर्वे का कार्य किया गया।

पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम

पुस्तक को पढ़ते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थी

07 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय' कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों को किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया इसके साथ ही उच्च शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

शपथ दिलाती हुई सुश्री अंशिका सिंह

उद्‌बोधन देती हुई डॉ. आरती सिंह

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

07 मार्च को प्रार्थना सभा में 'दहेज मुक्त भारत अभियान' के अन्तर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों व विद्यार्थियों को महाविद्यालय की छात्र सुश्री अंशिका सिंह द्वारा शपथ दिलाया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च को प्रार्थना सभा में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (समापन समारोह)

08 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्‌यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाधयाय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी, गोरखपुर के श्री गौतम गुप्ता जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के

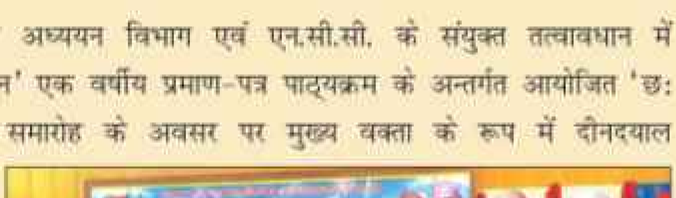

विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी

भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष ले. रमाकान्त दूबे तथा संचालन बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्र सुश्री अँशिका सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

08 मार्च को इतिहास विभाग के द्वारा 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती श्रीमती शिप्रा सिंह

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

08 मार्च को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना व्याख्यन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा संचालन सहायक आचार्य सुश्री अवन्तिका पाठक ने किया।

उद्बोधन देती हुई डॉ. अर्चना गुप्ता

जन जागरूकता कार्यक्रम

09 मार्च को रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा अभिगृहीत ग्राम रामपुर में 'दहेज

ग्रामीण महिला को शपथ दिलाती हुई छात्रा

मुक्त भारत अभियान' के अन्तर्गत जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

11 मार्च को प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के द्वारा प्रसिद्ध इतिहासकार एवं प्राच्यविद प्रो. विजय बहादुर राव के स्मृति के अवसर पर 'प्राचीन वैदिक समाज एवं संस्कृति' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु सिंह ने किया।

व्यापार मेला

व्यापार मेला में वस्तुओं का क्रय करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

11 मार्च को वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग के द्वारा होली पर्व एवं हिन्दू नव वर्ष के आगमन के अवसर पर 'व्यापार मेला' का आयोजन किया गया। व्यापार मेला में विभागीय विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विभिन्न खाद्य पदार्थ और अबीर का प्रदर्शन एवं बिक्री किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

व्यापार मेला में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

व्यापार मेला में खरीदारी करते विद्यार्थी

ज्ञान का सही अर्थ उसके उपयोग में है, न कि अर्जन में

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में 17वें समावर्तन संस्कार समारोह में बोले एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के साथ चरित्र से बना व्यक्ति ही सफलता की ऊंची से ऊंची सीढ़ियों पर आगे बढ़ता जाता है।

ज्ञान का सही अर्थ उसके उपयोग में है, न कि उसके अर्जन में। वास्तव में युवाओं का असली सामाजिक जीवन शिक्षा प्राप्ति के बाद ही प्रारंभ होता है ...

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित समावर्तन संस्कार समारोह में विद्यार्थियों को संकल्प दिलाते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव।

गत समावर्तन समाचार पत्रों में

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 17वां समावर्तन संस्कार समारोह, डीडीयू और एमएमएमयूटी के कुलपति रहे मौजूद

बोले कुलपति

सूरज की तरह चमकना है तो उसी तरह तपना होगा

समारोह में ये विद्यार्थी हुए सम्मानित

पारंपरिक भारतीय परिवेश में हुआ समारोह

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया 17वां समावर्तन संस्कार

सूरज की तरह चमकने के लिए उसकी तरह त...

छात्र धोती-कुर्ता, छात्राएं केसरिया साड़ी में ग्रहण करेंगी उपदेश

- महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में 17वां समावर्तन समारोह आज
- प्रो. पूनम टंडन करेंगी अध्यक्षता, प्रो. जेपी सैनी होंगे मुख्य अतिथि

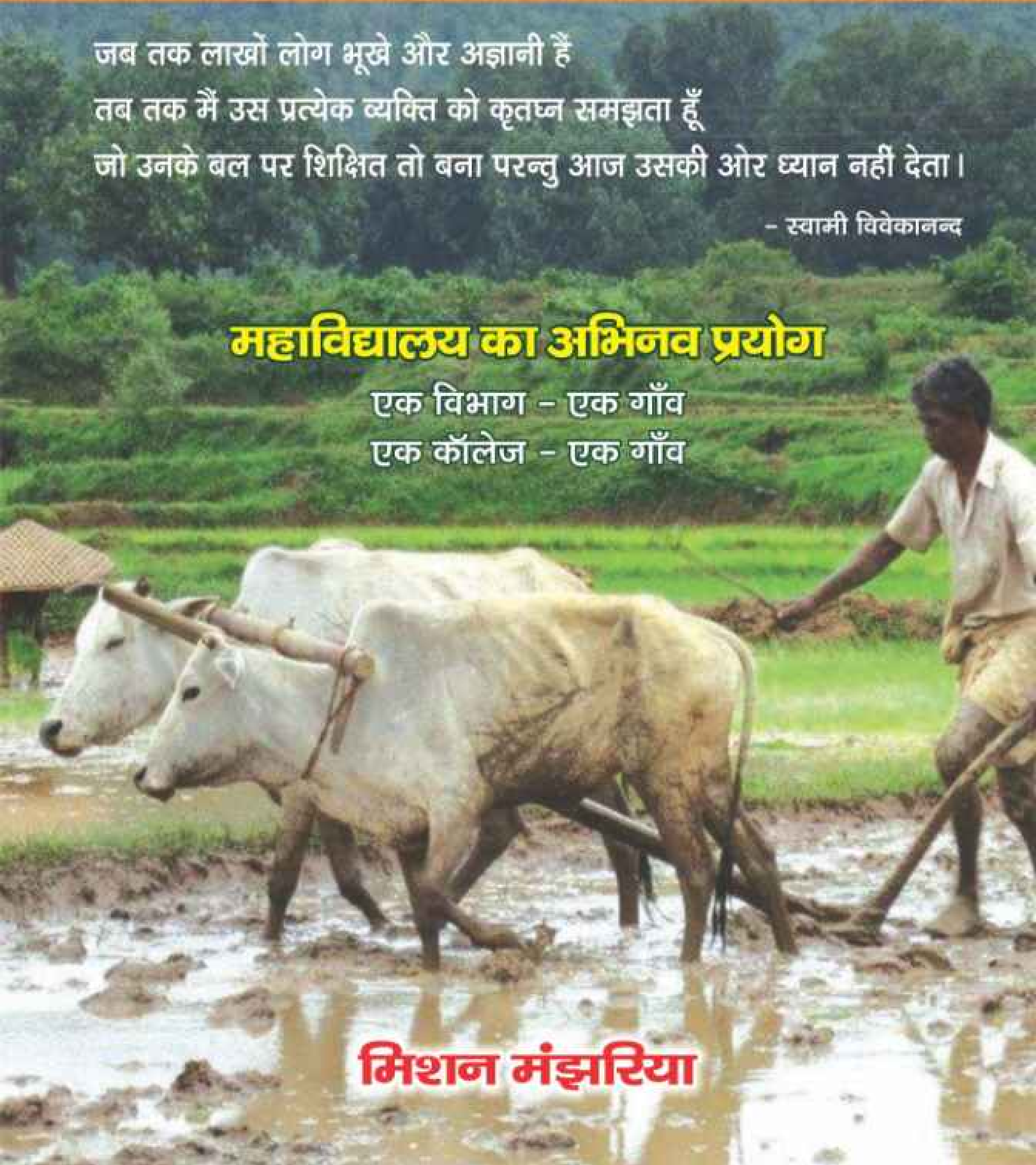
जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।
– स्वामी विवेकानन्द
महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग
एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव
मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन सरकारों से सीधा संवाद स्थापित किया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु एक विभाग-एक गाँव की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-17 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरुकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेने की परम्परा है, जिसे गति प्रदान करने हेतु बी.एड्. विभाग ने ग्राम मंझरिया को गोद लिया है। निरन्तर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर है। गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2024-25 ई. को योजनानुसार महाविद्यालय नए सत्र के संचालन के साथ-साथ ग्राम मंझरिया का संचालन सत्र के प्रारम्भ 27 जुलाई, 2024 से ही किया गया।

बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में पौधरोपण कार्यक्रम

27 जुलाई को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम योजना के अन्तर्गत मिशन मंझरिया ग्राम में बी.एड्. के छात्राध्यापकों एवं शिक्षकों द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आजाद जी के पुण्यतिथि के अवसर पर पौधरोपण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधरोपण यानी पौधा लगाना यह प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण के स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधा लगाना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है।

पौधारोपण करतीं छात्राध्यापिका एवं शिक्षक

मानव उपयोग के लिए पौधे अनेक उत्पाद प्रदान करते हैं। हर एक पेड़ पृथ्वी पर सभी जीवित जीवों के अस्तित्व का कारण है। इस अवसर पर बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने उद्बोधन देते हुए कहा कि युवा विशेषकर छात्रों से प्रकृति की रक्षा के लिए गतिविधियां चलाकर जलवायु परिवर्तन द्वारा

मिशन मंझरिया

पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित छात्राध्यापिका एवं छात्राध्यापक

उत्पन्न गंभीर चुनौती से लड़ने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया एवं ये भी कहा कि राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी का भी प्रकृति की रक्षा हेतु यही विचार था एवं उनके विचारों पर खरा उतरने के लिए सभी छात्र–छात्राओं से संकल्प दिलाया कि आगे वे स्वयं एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसी क्रम में विभिन्न प्रकार के जैसे जामुन, अमरूद, हरश्रृंगार, औषधि अन्य पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापकों द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में शिक्षा का अलख जगाने हेतु जागरुकता अभियान

29 जुलाई को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में दिनांक 29 जुलाई, 2024 को बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक मिशन मंझरिया में शिक्षा का अलख जगाने हेतु घर–घर घूमकर अपने–अपने

ग्रामीण बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के लिए जागरूक करते छात्राध्यापक

मिशन मंझरिया

ग्रामीण बच्चों के साथ छात्राध्यापक

केन्द्र पर विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें सभी छात्राध्यापक गाँवों के घरों के निकट अलग-अलग केन्द्र स्थापित किये हुए हैं। उन केन्द्रों पर निकट घरों के छोटे बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। इसी उद्देश्यों से घरों में घूमकर बच्चों को आने के लिए समय बताया। ग्रामीण परिवारों को बच्चों को पढ़ाने के लिए जागरुक किया।

मिशन मंझरिया में नियमित कक्षायें प्रारम्भ

01 अगस्त को पाँच केन्द्र – रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र, माँ सीता शिक्षण केन्द्र, वीर अभिमन्यू शिक्षण केन्द्र, स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र, सयाजी राव गायकवाड़ शिक्षण केन्द्र पर कक्षाएँ 01 अगस्त, 2024 से नियमित प्रारम्भ हो गयी। छात्राध्यापकों द्वारा पाँचों शिक्षण केन्द्रों पर छात्राध्यापकों की टोली बनाकर निःशुल्क पढ़ाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया।

निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र में पढ़ाते छात्राध्यापक

विभिन्न शिक्षण केन्द्रों में संचालित निःशुल्क शिक्षा

मिशन मंझरिया

ग्रामीण बच्चों की विभिन्न गतिविधियों का शिक्षण प्रदान करते छात्राध्यापक

छात्राध्यापकों द्वारा मंझरिया गाँव के छोटे बच्चों को निःशुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम

05 अगस्त को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में मिशन मंझरिया में सेवाकार्य करने जा रहे बी.एड्. के छात्राध्यापकों द्वारा मंझरिया गाँव के पाँचों केन्द्र पर छोटे बच्चों को निःशुल्क पुस्तक बाँटा गया। छोटे बच्चे पुस्तक पाकर अत्यंत हर्षित हुए एवं पढ़ने के लिए उनका मन उल्लास से भर गया।

निःशुल्क पुस्तक का वितरण करते छात्राध्यापक

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक पाकर प्रसन्नता की मुद्रा में ग्रामीण बच्चे

मिशन मंझरिया

निःशुल्क शिक्षण केन्द्र पर शिक्षा ग्रहण करते ग्रामीण बच्चे

ग्रामीण बच्चों के साथ छात्राध्यापिका

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

15 अगस्त को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के मिशन मंझरिया के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मंझरिया गांव में संचालित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर 15 अगस्त के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण बच्चे

15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस का दिन भारतीयों के लिए गर्व और उत्साह की बात है। इस दिन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों और महान नेताओं के संघर्ष का सम्मान करते हुए मनाया जाता है। इसी सम्मान के क्रम में बी.एड्. विभाग के मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम में

मिशन मंझरिया

संचालित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों जैसे- मां सीता शिक्षण केन्द्र पर ही एक जुट होकर के सभी बच्चे और प्रशिक्षणार्थियों द्वारा एक ही केन्द्र पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के महत्व के विषय में विद्यार्थियों को बताया गया। स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सन्तराज निषाद तथा श्री राजेन्द्र निषाद (ग्राम प्रधान) ने झण्डारोहण किया।

झण्डारोहण करने के उपरान्त विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा जैसे- सौम्या निषाद, सपना, खुशबू, बेबी, आंचल, पूजा शर्मा, शिवानी आदि द्वारा ग्रुप डांस तथा अंशिका, निधि, रानी द्वारा भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाप्त होने के उपरान्त सभी विद्यार्थियों में मिष्ठान वितरित कराया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्रामीण बच्चों के साथ छात्राध्यापक

स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिका

मिशन मंझरिया

साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

ग्राम मंझरिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घर के सामने अपने परिसर क्षेत्र में स्वच्छता कार्यक्रम किया जाता है। इस अभियान के कारण ग्रामवासियों में अपने घर एवं अपने परिसर में सफाई करने के प्रति जागरुकता का विकास होता है। ग्रामवासी अपने परिसर को स्वच्छ बनाते हैं।

ग्राम मंझरिया में स्वच्छता अभियान चलाते छात्राध्यापक

स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करते छात्राध्यापक

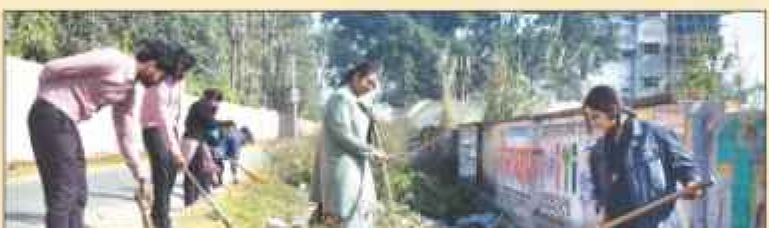

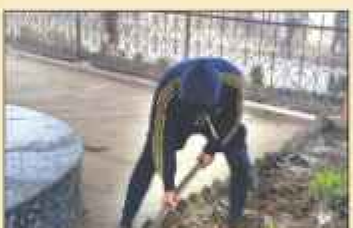

स्वच्छता अभियान में सड़क मार्ग की सफाई करते छात्राध्यापक

मिशन मंझरिया

साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक शुक्रवार को सभी छात्राध्यापक प्रभारी अपने शिक्षण केन्द्र पर पढ़ रहे बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, जिसमें बच्चों को गायन, नृत्य, कविता आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों एवं छात्राध्यापकों द्वारा उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक होता है।

साप्ताहिक कार्यक्रम में छात्र को पुरस्कार देते छात्राध्यापक

खेल कार्यक्रम

प्रत्येक सप्ताह में शनिवार को मिशन मंझरिया के अन्तर्गत पढ़ाई कार्य स्थगित करके खेल-कूद, योग, व्यायाम, प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे सभी बच्चों का मनोरंजन होता है। खेल-कूद के दौरान बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ भावनात्मक विकास भी होता है। यह बच्चों के अन्दर समरसता का भाव उत्पन्न करती है। इसके माध्यम से सहयोग, प्रेम तथा अन्य क्रिया-कलाप भी ठीक होता है।

खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते ग्रामीण छात्र

बच्चों के गृह कार्य का मूल्यांकन करते छात्राध्यापक

प्रत्येक दिन मिशन मंझरिया में बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों के गृह-कार्य का मूल्यांकन छात्राध्यापकों द्वारा किया जाता है। बच्चों के प्रतिदिन के पढ़ाये गये कार्य

गृह कार्य का मूल्यांकन करते छात्राध्यापक

मिशन मंझरिया

ग्रामीण बच्चों के कापी चेक करते छात्राध्यापक

बच्चों का मूल्यांकन करते छात्राध्यापक

का यह एक सतत मूल्यांकन है, जिससे उनके सीखने की प्रगति का पता चलता है। साथ ही बच्चे अपने घरों में भी पढ़ाई में व्यस्त रहते हैं।

गांधी जयन्ती/लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

गाँधी जयंती/लाल बहादुर शास्त्री जयंती कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे एवं छात्राध्यापक

02 अक्टूबर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, के बी.एड. विभाग के अन्तर्गत गोद लिए गए गांव मिशन मंझरिया में गांधी जयन्ती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गांधी जयन्ती महात्मा गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाला राष्ट्रीय पर्व है। यह हर

मिशन मंझरिया

साल 02 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद गांधी जी के जीवन का सम्मान करना और शांति और सद्भाव के विचारों को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गांधी जयन्ती के विषय में जानकारी दी गई एवं इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्रामीण बच्चों के साथ छात्राध्यापक

गांधी जयंती एवं शांति जयंती इन दोनों महापुरुषों की स्थायी विरासत और उनके द्वारा दिए गए अमूल्य जीवन पाठों को प्रतिबिम्बित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। जैसे-जैसे छात्र अपनी शैक्षिक गतिविधियाँ जारी रखते हैं, इन दोनो प्रतिष्ठित व्यक्ति के सिद्धान्तों से बहुत ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्राध्यापक और विद्यार्थियों का समूह चित्र

दिया बनाओ, दिया सजाओ कार्यक्रम की झलकियाँ

दीपावली त्योहार के अवसर पर दो दिवसीय 25 एवं 26 अक्टूबर, 2024 को "दिया बनाओ, दीया सजाओ" कार्यक्रम

25-26 अक्टूबर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. विभाग के ग्रामीण योजना मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम के विभिन्न शिक्षण केन्द्रों जैसे- पद्मिनी शिक्षण केन्द्र, रानी लक्ष्मी बाई शिक्षण केन्द्र, जगत जननी माँ सीता शिक्षण केन्द्र, शाहू जी गायकवाड़ आदि केन्द्रों पर बी.एड्. छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा दीपावली त्योहार के अवसर पर दो दिवसीय 25 एवं 26 अक्टूबर 2024 को "दिया

मिशन मंझरिया

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे एवं छात्राध्यापक

बनाओ, दीया सजाओ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर छात्राध्यापकों ने पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों एवं महिलाओं को दिया कैसे सजाया जाता, उस पर पेन्टिंग करके कैसे आकर्षित बनाया जा सकता है, आर्ट एवं क्राफ्ट के माध्यम से बताया, जिसमें विद्यार्थियों एवं महिलाओं ने बहुत रुचि एवं उत्साह से प्रतिभाग करके दिया निर्माण सीखा। इस कार्यक्रम के अन्त में सभी छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने सभी विद्यार्थियों एवं महिलाओं को दीपावली में जलाने वाले अन्य दिया को भी ऐसे ही सजाने के लिए प्रोत्साहित किया एवं दो दिन तक उन्होंने तल्लीन होकर सीखा उसके लिए उन्हें बधाई भी दिया गया। कार्यक्रम में जयदीप मुखर्जी, कीर्ति राय, अखिल, विवेक, अंकिता, अंपिका, क्षमा, आँचल, मुकेश आदि छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में नेत्र परीक्षण करवाते ग्रामीण

मंझरिया ग्रामवासियों के लिए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चयन शिविर का आयोजन

08 दिसम्बर को मिशन मंझरिया अभियान के तहत मंझरिया ग्रामीण लोगों के लिए श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद आपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निर्देशक

मिशन मंझरिया

कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित ने गोरखनाथ जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया।

इस शिविर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण कर मोतियाबिंद, कालामोतिया, भैंगापन तथा आँख की अन्य रोगों की निःशुल्क जाँच भी हुई। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन कुमार यादव ने रोगियों का नेत्र परीक्षण किया। फिटनेस परीक्षण डॉ. अनूप श्रीवास्तव वरिष्ठ फिजिशियन द्वारा किया गया। शिविर में कुल 156 रोगियों का रजिस्ट्रेशन हुआ। रोगी को परामर्श के उपरान्त निःशुल्क दवाएँ भी दी गयी तथा 27 रोगियों को नेत्र विभाग द्वारा चिन्हित किया गया, जिन्हें आपरेशन की तारीख दी गयी है। वह रोगी निश्चित तारीख को आकर अपना आपरेशन कराएँगे। मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेशन बिना टांका विधि से इन्ट्राआक्यूलर लेन्स लगाकर चिकित्सालय में किया जाएगा। इस नेत्र शिविर में मिशन मंझरिया के 29 छात्राध्यापकों ने सहयोग किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित ग्रामीण समुदाय

अमर उजाला

प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम

ग्रामीणों को जागरूक करते छात्राध्यापक

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया गाँव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने से पहले ग्रामीणों को जागरूक करने का अभियान

05 फरवरी को मंझरिया गाँव में शिविर लगाने से एक दिन पूर्व मिशन मंझरिया के सेवाव्रती छात्राध्यापकों ने पूरे गाँव में घूमकर शिविर लगने की सूचना गाँव वालों

मिशन मंझरिया

ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देते छात्राध्यापक

को दी। साथ ही अपने स्वास्थ्य को कैसे ठीक से रखा जा सकता है, इन सबके बारे में छात्राध्यापकों ने जागरूक किया। शिविर का समय आदि बताया।

शिविर आयोजन

06 फरवरी, एक शिक्षण संस्था नियमित पाठ्यक्रमों से शिक्षा के प्रसार के साथ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों की चिकित्सा सेवा भी कर सकती है, इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है महाराणा प्रताप महाविद्यालय (एम.पी. पी.जी. कॉलेज), जंगल धूसड़ ने। इस कॉलेज के बी.एड्. विभाग ने मंझरिया गांव को गोद लेकर इस गांव को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुदृढ़ करने के लिए वर्ष 2016 से 'मिशन मंझरिया' नामक एक सामाजिक प्रकल्प शुरू किया है। इस मिशन के तहत लगने वाले निशुल्क चिकित्सा शिविर के जरिये अब तक 28 हजार मरीज चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर चुके हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह बताती हैं कि महाविद्यालय के संरक्षक एवं मार्गदर्शक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से मंझरिया गांव में शिक्षा

गोरखपुर के एमपीपीजी कॉलेज का 'मिशन मंझरिया', अब तक 28 हजार मरीजों को मिला नि:शुल्क इलाज

कॉलेज के बीएड विभाग ने मंझरिया गांव को गोद लेकर वर्ष 2016 से अभियान की शुरुआत की थी.

www.etvbharat.com

गोरखपुर के एमपीपीजी कॉलेज का 'मिशन मंझरिया', अब तक 28 हजार मरीजों को मिला नि:शुल्क इलाज

https://www.etvbharat.com/hi/!state/free-treatment-of-28-thousand-patients-under-mission-manjhariya-in-gorakhpur-uttar-pradesh-news-ups25020603665

समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का लिंक

मिशन मंझरिया

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में उपस्थित ग्रामीण

और चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए 'मिशन मंझरिया' की शुरुआत की गई। इस मिशन के तहत गांव के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने की व्यवस्था है तो लोगों को चिकित्सा सुविधा देने के लिए गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से नि:शुल्क शिविर आयोजित किए जाते हैं। ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में चिकित्सा शिविर सप्ताह में दो दिन बुधवार और गुरुवार को लगाए जाते हैं।

इस गुरुवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में 'मिशन मंझरिया' के अंतर्गत फ्री मेडिकल कैम्प लगाया गया। इसमें गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डा. जितेन्द्र कुमार मिश्र ने कैम्प में आये हुए ग्रामीणों की जांच और इलाज किया एवं रोग के अनुसार नि:शुल्क दवा का वितरण किया। कुल 54 मरीजों को मुफ्त इलाज और दवा की सुविधा प्राप्त हुई। कैम्प में बी.एड्. विभाग के शिक्षक शैलेंद्र सिंह और जितेंद्र प्रजापति के मार्गदर्शन में बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के कुल 38 छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने सहयोग किया।

मिशन मंझरिया

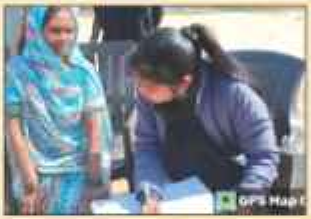

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर की कुछ झलकियाँ

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के कुछ प्रमुख चित्र

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया : 28 हजार मरीज पा चुके हैं चिकित्सा सुविधा

■ सप्ताह में दो दिन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में होता है निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

'मिशन मंझरिया' से 28 हजार मरीज लाभांवित

चिकित्सा शिविर

मंझरिया गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

'मिशन मंझरिया' से 28 हजार मरीजों को मिल चुकी है चिकित्सा सुविधा

- महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में हफ्ते में दो दिन आयोजित होता है निःशुल्क चिकित्सा शिविर
- गुरुवार को 54 मरीजों की निःशुल्क जांच व इलाज कर वितरित की गई दवाएं

चिकित्सा शिविर में 54 मरीजों का किया गया उपचार

मरीजों की जांच के बाद निःशुल्क दवाएं दीं

'मिशन मंझरिया' से 28 हजार मरीजों को मिली चिकित्सा सुविधा

'मिशन मंझरिया' से 28 हजार मरीजों को मिली चिकित्सा सुविधा

- एमपीपीजी कॉलेज का सामाजिक प्रकल्प है मिशन मंझरिया
- सप्ताह में दो दिन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में होता है निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन
- इस गुरुवार 54 मरीजों को मिली मुफ्त जांच, इलाज और दवा की सुविधा

गावं मंझरिया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

चौवन मरीजों की हुई जांच, मिलीं मुफ्त दवायें

प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

मिशन मंझरिया

कार्यशाला को संबोधित करती श्रीमती शिप्रा सिंह

उन्नत भारत ग्राम अभियान में महिला स्वावलंबन से ही स्वावलंबी भारत का निर्माण

14–20 फरवरी, 2025

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत ग्राम के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला आज से प्रारम्भ हुई। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर होना प्रगतिशील समाज की आवश्यकता है। जितना ही महिलाएँ आत्मनिर्भर होंगी हमारा समाज और राष्ट्र प्रगति करेगा। आज विकसित भारत की संकल्पना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने उनके आर्थिक, सामाजिक विकास के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ चलायी जा रही हैं। उन्नत भारत अभियान भी एक महत्वपूर्ण योजना है, जो उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा गांवों के सतत विकास के लिए शामिल है। हमारे महाविद्यालय द्वारा इसी क्रम में बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र संचालित है। जिसमें 30–30 महिलाओं का दो बैच बनाकर उन्हें

सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त करती ग्रामीण महिलाएँ

कपड़ों पर कढ़ाई करती ग्रामीण महिलाएँ

मिशन मंझरिया

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण : शिप्रा सिंह

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ को उन्नत भारत अभियान के तहत निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण-शिप्रा सिंह

◆ एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के उन्नत भारत अभियान के तहत निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

महिला स्वावलंबन से होगा भारत का निर्माण

महिला स्वावलंबन से ही होगा भारत का निर्माण : शिप्रा सिंह

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण : शिप्रा सिंह

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के उन्नत भारत अभियान के तहत निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण : शिप्रा सिंह

स्वावलंबी भारत का निर्माण महिला स्वावलंबन से

एमपीपीजी

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण: शिप्रा सिंह

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण: शिप्रा सिंह

महिला स्वावलंबन से ही होगा स्वावलंबी भारत का निर्माण : शिप्रा सिंह

प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई कार्यशाला

मिशन मंझरिया

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत आस–पास की ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता है। इसी क्रम में महाविद्यालय द्वारा बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापकों द्वारा मंझरिया गाँव को गोद लेकर मिशन मंझरिया निःशुल्क स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और स्वावलंबन कार्यक्रम चलाया जाता है। बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया दोनों संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए गाँव छोटी रेतवहिया, बड़ी रेतवहिया, मंझरिया तथा हसनगंज की अत्यधिक जरूरतमंद 30 महिलाओं का चयन कर बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई की प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती जी द्वारा निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण देकर इन्हें आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर करने का कार्य प्रारम्भ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यशाला महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम में संचालित हो रहा है। आज कार्यशाला के प्रथम दिवस पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं में तीव्र उत्साह दिखा। प्रशिक्षिका द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन के विभिन्न उपकरणों, उनकी कार्यप्रणालियों एवं इनमें रख–रखाव, मरम्मत एवं वस्त्र कटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का द्वितीय दिवस

15 फरवरी को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत ग्राम के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती जी द्वारा पेपर कटिंग, सलाई और पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

कपड़ों पर पेंटिंग का प्रशिक्षण देती श्रीमती कमलावती

पेंटिंग करती प्रशिक्षणार्थी

मिशन मंझरिया

कार्यशाला का तृतीय दिवस

16 फरवरी को उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के तीसरे दिन ग्रामीण महिलाओं को वस्त्रों की कटिंग एवं पेटीकोट सिलना सिखाया गया।

वस्त्रों की कटिंग का प्रशिक्षण देती श्रीमती कमलावती

पेटीकोट सिलने की प्रशिक्षण प्राप्त करती महिलाएं

कार्यशाला का चतुर्थ दिवस

17 फरवरी को उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे दिन ग्रामीण महिलाओं को वस्त्रों की सिलाई एवं कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया।

सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त करती महिलाएं

मिशन मंझरिया

कढ़ाई करती ग्रामीण महिलाएं

कार्यशाला का पंचम दिवस

18 फरवरी को उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के पाँचवें दिन ग्रामीण महिलाओं को पेपर पर वस्त्रों की कटिंग सिखाई गई।

पेपर कटिंग करती ग्रामीण महिलाएं

वस्त्रों की कटिंग करती ग्रामीण महिलाएं

मिशन मंझरिया

सिलाई का प्रशिक्षण देती महिलाएं

कार्यशाला का षष्ठम दिवस

19 फरवरी को उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत बाबा गंभीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के छठवें दिन ग्रामीण महिलाओं को मशीन पर विविध प्रकार के वस्त्रों की कटिंग एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया।

सिलाई करती ग्रामीण महिलाएं

कार्यशाला समारोप दिवस

महिलाओं द्वारा तैयार की गई वस्त्रों का अवलोकन करती श्रीमती शिप्रा सिंह

20 फरवरी, किसी भी राष्ट्र की उन्नति में महिलाओं की अहम भूमिका है। आज वर्तमान समय में महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वतंत्रता से पूर्व महिलाओं की स्थिति सामाजिक दृष्टिकोण से ठीक नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद से ही महिलाओं की स्थिति पर निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। आज वर्तमान समय में प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ अहम भूमिका में है। इसी क्रम में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के उन्नत भारत ग्राम अभियान में बाबा गंभीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिशन मंझरिया के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। सात दिनों में सिलाई-कढ़ाई केन्द्र की प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती जी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को वस्त्रों की कटाई, सिलाई-कढ़ाई और विविध प्रकार की

मिशन मंझरिया

ग्रामीण महिलाओं द्वारा सिलाई किए गए कपड़े

पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। आज सप्तदिवसीय कार्यशाला के समारोप में महिलाओं द्वारा सात दिनों में सीखे कार्यों की प्रदर्शनी लगायी गयी। यह सप्तदिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारेगी। महिलाएँ स्वरोजगार की ओर प्रेरित होंगी क्योंकि महिला आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आर्थिक क्षेत्र में ही न होकर अन्य क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण है।

महिलाओं का परिवार एवं समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। इस कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरण एवं क्रियाविधि के साथ-साथ कुशल संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन आस-पास के ग्रामीण लोग और महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया गया।

वस्त्रों का अवलोकन करती महिलाएं

ग्रामीण महिला से संवाद करती डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रायोजक

भारतीय वैश्विक परिषद

सप्रू हाउस, नई दिल्ली

आयोजक

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

Changing Dimensions of Indian Foreign Policy : 2019 – Till Now

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, युगाब्ध 5126,
तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024 ई.

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन सत्र)

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

उद्बोधन देते डॉ. एफ.आर. सिद्दीकी

7 व 8 सितंबर को राजनीति विज्ञान विभाग एवं भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम 2019 से अब तक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पंडित दीनदयाल शोध पीठ काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. एफ.आर. सिद्दीकी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की प्रोफेसर कविता शाह ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने तथा कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

संगोष्ठी को संबोधित करती माननीय कुलपति प्रो. कविता शाह

उद्बोधन देते प्रो. तेज तेज प्रताप सिंह

प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री इंद्रेश कुमार तथा सह अध्यक्षता मोतीलाल नेहरू

प्रथम तकनीकी सत्र में मंचस्थ विद्वतजन

उद्घाटन अवसर पर संगोष्ठी पूर्व कार्यवृत्त का विमोचन करते मंचस्थ अतिथिगण

महाविद्यालय, नई दिल्ली के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रतीक कुमार सिंह ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। इस सत्र में श्री रवि प्रताप नागवंशी, सुश्री इति पाण्डेय, श्री अभिषेक सिंह, श्री श्रीवर्धन त्रिपाठी, सुश्री श्वेता शर्मा, श्री निमिष सिंह व सुश्री शीलू मिश्रा सहित कुल 7 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ. सुधा शुक्ला तथा प्रतिवेदन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. जितेंद्र मिश्रा

उद्बोधन देते डॉ. प्रतीक कुमार सिंह

द्वितीय तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने किया तथा सह अध्यक्षता भगवंत पटेल पानमती देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चंद्रपुर, महाराजगंज के

द्वितीय तकनीकी सत्र में उद्बोधन देते डॉ. कृष्ण कुमार

द्वितीय तकनीकी सत्र में उपस्थित विद्वतजन

उद्बोधन देते डॉ. कन्हैया सिंह

प्राचार्य डॉ. कन्हैया सिंह ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में राजकीय महाविद्यालय, सुकरौली, कुशीनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार उपस्थित रहें। इस सत्र में डॉ. दीपशिखा नागवंशी, सुश्री अनु सिंह, श्री आकाश गुप्ता, सुश्री आसना सिंह एवं श्री विवेक कुमार गुप्ता सहित कुल 5 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया तथा प्रतिवेदन डॉ. रमाकांत दूबे ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र

8 सितंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. महेंद्र कुमार सिंह ने किया एवं सह अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शन शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ.

तृतीय तकनीकी सत्र में उपस्थित विद्वतजन

उद्बोधन देते डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह

शोध-पत्र प्रस्तुत करती डॉ. आरती सिंह

संजय तिवारी ने किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अविनाश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस सत्र में डॉ. आरती सिंह, श्री यशोवर्धन भट्ट, श्री आशीष कुमार पाण्डेय एवं सुश्री शीतल सहित कुल चार शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन श्री अभिनव त्रिपाठी ने किया तथा प्रतिवेदन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. संजय तिवारी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के पूर्व एमेरिट्स, राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग के प्रो. घनश्याम शर्मा ने किया एवं सह अध्यक्षता संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर के प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सतीश कुमार सिंह ने किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री कीर्ति कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। इस सत्र में श्री नंदन शर्मा, श्रीमती दिव्या दूबे, श्री अभिषेक त्रिपाठी, श्री अमित साहनी, श्री अजय प्रताप सिंह, सुश्री सोनम सिंह एवं सुश्री वर्तिका यादव सहित कुल 7 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन

चतुर्थ तकनीकी सत्र में मंचस्थ अतिथि

शोध-पत्र वाचन करते श्री अभिषेक त्रिपाठी

चतुर्थ तकनीकी सत्र को संबोधित करते श्री कीर्ति कुमार पाण्डेय

श्रीमती अर्चना गुप्ता ने किया तथा प्रतिवेदन सुश्री रितिका त्रिपाठी ने किया।

समारोप समारोह

08 सितंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समारोप समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) आर.पी. शाही ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी तथा विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एण्ड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज), जेएनयू, नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सलिल पाण्डेय ने किया।

समारोप समारोह में मंचस्थ अतिथिगण

समारोप समारोह को संबोधित करते प्रो. अरविंद कुमार

समारोप समारोह को संबोधित करते श्री मंजीव पुरी

समारोप समारोह को संबोधित करते श्री आर.पी. शाही

समारोप समारोह में विद्यार्थियों से संवाद करते श्री मंजीव पुरी

समाचार पत्रों में राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्व में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है भारत

■ महाराणा प्रताप महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राचीन काल से भारत की दुनिया में है अलग पहचान : प्रो. कविता शाह

संगोष्ठी

हिन्दुस्तान

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव

विदेश नीति में आगे बढ़ रहा भारत : प्रो. घनश्याम

पूर्व राजदूत ने गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया

2019 के बाद की विदेश नीति ने बनाया भारत को प्रगतिशील - प्रो. तेज प्रताप सिंह

भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता- मंजीव पुरी

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव पुरी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

एमपीपीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

अमर उजाला 7

प्राचीन काल से भारत की दुनिया में रही है अलग पहचान : प्रो. शाह

विश्व को अपने अनुरूप संचालित करने की क्षमता

अमर उजाला 10

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

महाविद्यालय का शिलान्यास – 29 मई 2004 एवं लोकार्पण समारोह – 29 जून, 2005

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर – शिक्षा के साथ संस्कार भी

लक्ष्य

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का लक्ष्य – 'जगद्गुरु भारत के लिए समर्पित युवा गढ़ना' ही महाविद्यालय का लक्ष्य है।

कार्य पद्धति

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित कार्य पद्धति – श्रद्धा, समर्पण, त्यागपूर्ण-पारदर्शी जीवन पद्धति के साथ लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत प्रयास।

मार्ग

धर्म, अध्यात्म एवं लोक-कल्याण का पथ।

बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतिस्पर्धाओं का सौहार्द युक्त सुनहरा क्षितिज

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

(18–20 नवम्बर 2024)

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं करता। महाविद्यालय का यह संकल्प है कि यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर सामाजिक जीवन में जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी परम्परागत एवं आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और संस्कार का भी संवाहक बने। विद्यार्थी जहाँ और जिस क्षेत्र में भी जाए, वहाँ वह अपने नैतिक, चारित्रिक एवं बौद्धिक बल के दम पर अपनी एक अलग छाप छोड़ने में समर्थ हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ उनमें प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के उत्तरोत्तर विकास हेतु महाविद्यालय प्रतिवर्ष नवम्बर माह में वार्षिकोत्सव का आयोजन करता है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव 18 नवम्बर से 20 नवम्बर तक सम्पन्न हुआ जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष प्रस्तुत हैं :-

वार्षिक महोत्सव (उद्घाटन कार्यक्रम)

18 नवम्बर को 'तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव' कार्यक्रम का शुभांरभ उद्घाटन कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने वार्षिक महोत्सव के सम्पूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए समस्त प्रतिभागियों एवं आयोजकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

वार्षिक महोत्सव के सम्पूर्ण गतिविधियों पर कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

उद्बोधन देते डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल

कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता

18 नवम्बर को महाविद्यालय में 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता' का

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय स्थान बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर तथा तृतीय स्थान बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर के ग्रुप को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया।

गोरखवाणी प्रतियोगिता

18 नवम्बर को महाविद्यालय में 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'गोरखवाणी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

प्रतियोगिता में गोरखवाणी का पाठ करता छात्र

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

18 नवम्बर को महाविद्यालय में 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'India is Proceeding on path of becoming Third Economic Super Power World' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंजली दूबे को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दिव्या दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में भाषण प्रस्तुत करता छात्र

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

भाला क्षेपण, गोला क्षेपण तथा चक्का क्षेपण प्रतियोगिता

18 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'भाला, गोला तथा चक्का क्षेपण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। भाला क्षेपण प्रतियोगिता बालक वर्ग से बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर के श्री अनूप ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के श्रीराम आशीष यादव ने द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के श्री सत्यम प्रकाश को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बालिका वर्ग से बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री सुनीता ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री गुड़िया ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री मनीषा यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में गोला क्षेपण प्रतियोगिता में बालक वर्ग से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के श्रीराम आशीष यादव ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के श्री अमन गुप्ता ने द्वितीय स्थान तथा एम.काम. प्रथम सेमेस्टर के श्री सदानन्द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग से बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री मनीषा यादव को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री सुनिता को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री अमृता सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में चक्का क्षेपण प्रतियोगिता में बालक वर्ग से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के श्री राकेश ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के श्रीराम आशीष यादव ने द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के श्री सत्यम प्रकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग से बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री सुमित्ता ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री अमृता सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सुश्री मनीषा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने किया।

भाला क्षेपण प्रतियोगिता में हिस्सा लेते खिलाड़ी

चक्का क्षेपण प्रतियोगिता में जोर लगाता खिलाड़ी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

भाषण प्रस्तुत करता हुआ छात्र

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

18 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'कृत्रिम बुद्धिमता अवसर समस्याश्च विषय' पर संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह, द्वितीय स्थान बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता शर्मा तथा तृतीय स्थान बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री किशन सिंह ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

वॉलीबाल प्रतियोगिता

18 नवम्बर को महाविद्यालय में 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'वॉलीबाल प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसमें 3 सेट के फाइनल मुकाबले में टीम महन्त अवेद्यनाथ ने टीम मेजर ध्यानचन्द को 15 प्वाइंटस से पराजित कर विजयी रही। कार्यक्रम का संयोजन श्री हरिकेश यादव तथा डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया।

वालीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

योगासन प्रतियोगिता

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'योगासन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.काम. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अनामिका आनन्द को प्रथम स्थान, बी.काम. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिखा दूबे को द्वितीय स्थान एवं बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री वंशदीप राय

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

और बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सत्या गुप्ता को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दिव्या दूबे को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल तथा श्री अरविन्द मौर्य ने संयुक्त रूप से किया।

योगासन प्रतियोगिता में योग करती छात्रा

कबड्डी प्रतियोगिता

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अवसर पर 'कबड्डी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज टीम ने पृथ्वीराज चौहान टीम को पराजित कर विजयी रही एवं महिला वर्ग में मीराबाई टीम ने रानी लक्ष्मीबाई टीम को पराजित कर विजयी रही। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

स्वरचित कविता का पाठ करती छात्रा

कवि गोष्ठी प्रतियोगिता (स्वरचित)

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'कवि गोष्ठी प्रतियोगिता (स्वरचित)' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री हर्ष शुक्ला को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शीलू मिश्रा को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री मधुलिका चौबे एवं एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका गुप्ता को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

आशु भाषण प्रस्तुत करती छात्रा

हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के तत्वावधान में 'हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह ने प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष पाण्डेय ने द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम के सेमेस्टर के छात्र श्री श्याम सुन्दर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुधा शुक्ल एवं सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अवसर पर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषयक 'हिन्दी भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री निमिष सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह एवं श्रीमती नम्रता मिश्रा के संयुक्त रूप से किया।

भाषण प्रस्तुत करता छात्र

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

19 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री हिमांशु सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री अश्विनी पटेल को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. पंचम

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतिभागी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पल्लवी मिश्रा एवं बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री कार्तिक सिंह को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. राम सहाय ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

20 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंवदा विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सभ्या सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रैना यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

कैरम प्रतियोगिता

20 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अवसर पर 'कैरम प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दिव्या दूबे विजेता तथा बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रिया साहनी उपविजेता रही। इसी क्रम में बालक वर्ग में बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री सार्थक शर्मा विजेता तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार उपविजेता रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्री शैलेन्द्र सिंह एवं श्रीमती प्रियंका मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शतरंज प्रतियोगिता

20 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तर्गत 'शतरंज प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग से बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री नीतिश तिवारी को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र की अश्वनी कुमार पटेल के द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

छात्र श्री शैलेश आनन्द को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बालिका वर्ग से बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी ने प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कीर्ति राय ने द्वितीय स्थान तथा बी.काम. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री महक सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री पप्पु कुमार गुप्ता, श्री अनिल कुमार मौर्य तथा सुश्री तान्या श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया।

दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते धावक

दौड़ प्रतियोगिता

20 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अवसर पर 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर 'दौड़ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में सुश्री सुनीता को प्रथम स्थान, सुश्री अनुष्का चौहान को द्वितीय स्थान तथा सुश्री खुशी मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में श्री आदित्य चौहान को प्रथम स्थान, श्री सुनील चौहान को द्वितीय स्थान तथा श्री प्रदीप गौतम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बालिका वर्ग 200 मीटर दौड़ में सुश्री सुनीता को प्रथम स्थान, सुश्री प्रतिमा पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा सुश्री ज्योति यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में श्री राहुल कुमार यादव को प्रथम स्थान, श्री सुनील चौहान को द्वितीय स्थान तथा श्री मुकेश यादव को तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 400 मीटर बालिका वर्ग दौड़ में सुश्री सुनीता को प्रथम स्थान, सुश्री अंजू को द्वितीय स्थान तथा सुश्री प्रतिमा गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 400 मीटर बालक वर्ग में श्री प्रदीप कुमार गौतम को प्रथम स्थान, श्री आदर्श कुमार को द्वितीय स्थान तथा श्री रामाशीष यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन श्री नन्दन शर्मा एवं डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर संयुक्त रूप से किया।

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

वार्षिक महोत्सव समारोप कार्यक्रम

समारोप कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

20 नवम्बर को 'वार्षिक महोत्सव' के अन्तिम कड़ी में 'वार्षिक महोत्सव समारोप कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। समारोह में अध्यक्षता कर रहे भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा सह अध्यक्ष के रूप में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण करते हुए अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रोत्साहित किया साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोप कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने किया।

विजयी प्रतिभागी को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

विजयी टीम को शील्ड प्रदान करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

शील्ड प्राप्त करती महिला वर्ग की विजयी टीम

प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्राप्त करती छात्रा

मेडल प्राप्त करता छात्र

प्रमाण-पत्र प्राप्त करता छात्र

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागिगण का समूह चित्र

महाविद्यालय के राष्ट्रवादी पहल की सुनहरी झलक

भारत–भारती पखवाड़ा

(12–26 जनवरी 2025)

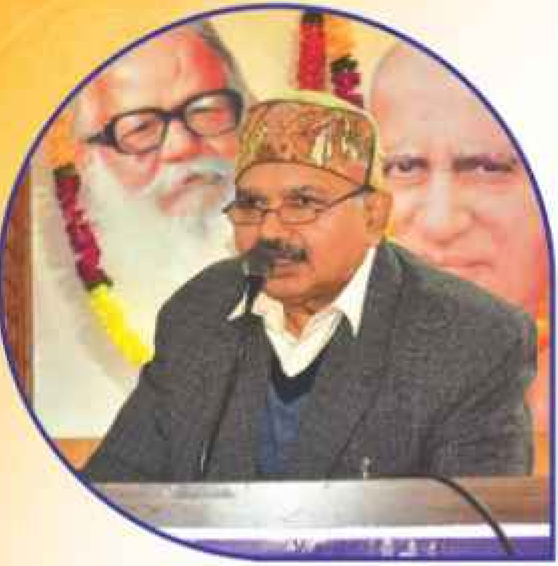

भारत-भारती पखवाड़ा

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं परम्परा आधारित आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं कला की शिक्षा सांस्कृतिक क्रिया कलापों के माध्यम से देना भारत भारती पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य है। महाविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना वर्ष से ही संचालित यह प्रकल्प विद्यार्थियों को स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर भोग्या वसुन्धरा भारत भूमि के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं महान सपूतों के पद चिन्हों पर चलने के लिए सतत् प्रेरणा देने वाला प्रकल्प है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के शैक्षिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

भारत-भारती पखवाड़ा (उद्घाटन कार्यक्रम)

उद्बोधन प्रस्तुत करते प्रो. द्वारिका नाथ

11 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती' के पूर्व संध्या के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. द्वारिका नाथ ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के माननीय कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

16 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'प्रश्न मंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीम-03 को प्रथम स्थान, टीम-15 को द्वितीय स्थान तथा टीम-16 और टीम-07 को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा

व्याख्यान प्रस्तुत करती डॉ. अर्चना गुप्ता

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

17 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत युवा सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी

कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता

17 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री बिट्टू चौहान को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवांनी शर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री खुशी मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम मे बालक वर्ग से बी.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री सत्य प्रकाश को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री त्रिदेव को द्वितीय स्थान तथा एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अभिषेक मारवाड़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शतरंज प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी को द्वितीय स्थान तथा बी.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नीतू चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बालक वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अश्वनी कुमार पटेल को प्रथम स्थान, बी.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री श्याम सुन्दर स्वामी को द्वितीय स्थान तथा बी.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री शुभम चौबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयोजन डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अमित उपाध्याय

18 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि' के अवसर पर ''महाराणा प्रताप का जीवन : संघर्ष और प्रेरणा'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

लोकगीत प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में लोकगीत प्रस्तुत करता छात्र

18 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सावित्री प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ज्योति चौधरी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करती डॉ. शालू श्रीवास्तव

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

20 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'भारतीय समाज एवं संस्कृति पर महाकुम्भ का प्रभाव' विषयक शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्टम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री स्वीटी गुप्ता ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. षष्टम सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष कुमार पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव तथा श्रीमती पुष्पा निषाद ने संयुक्त रूप से किया।

भारत-भारती पखवाड़ा

गायन प्रतियोगिता का प्रारूप प्रस्तुत करती सुश्री दीप्ति गुप्ता

गायन प्रतियोगिता

22 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'गायन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.सी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री नितेश तिवारी को प्रथम स्थान, एम.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सिद्धी तिवारी को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री अभिषेक कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं सुश्री अर्चिता राय ने संयुक्त रूप से किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करते श्री अभिनव त्रिपाठी

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

22 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'सशक्त युवा विकसित भारत' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

व्याख्यान प्रस्तुत करती प्रो. मंजू मिश्रा

23 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती' के अवसर पर ''नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और उनकी प्रेरक शक्ति : एक मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य''- विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी. जी. कॉलेज, पीपीगंज की प्राचार्य प्रो. मन्जू मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा

रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

रंगोली प्रतियोगिता

25 जनवरी को 'भारत-भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'रंगोली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समूह-2 ने प्रथम स्थान, समूह-4 एवं समूह-1 ने संयुक्त रुप से द्वितीय स्थान तथा समूह-3 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

76वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर 76वां गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। ध्वजारोहण प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शीलू मिश्रा और सुश्री अंशिका सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रावास योगिराज बाबा गम्भीरनाथ, सेवाश्रम पर भी ध्वजरोहण किया गया। छात्रावास के अधीक्षक श्री विनय कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित एन.सी.सी. के कैडेट्स

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं महाविद्यालय की छात्राएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर नृत्य प्रस्तुत करती महाविद्यालय की छात्रा

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी
एवं जनोपयोगी योजना

उन्नत भारत अभियान
UNNAT BHARAT ABHIYAN

उन्नत भारत अभियान

विकसित भारत की ओर
बढ़ते कदम ...

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

उन्नत भारत अभियान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को समृद्ध करने हेतु शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित एक प्रमुख कार्यक्रम है। ग्रामीण क्षेत्रों को विकासोन्मुख और समृद्ध करने हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं को इस योजना से जोड़ा गया है, जिसका समन्वय आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों और उन्नत भारत अभियान योजना से संबद्ध संस्थानों के माध्यम से पिछड़े ग्राम पंचायतों को अपने संज्ञान में लेकर, उनके ग्राम और विशेषज्ञता का प्रयोग कर, ग्राम पंचायतों में होने वाली कमी और आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। एक ओर जहां नगरीय क्षेत्र शिक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता एवं रोजगार आदि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण थे, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। अत: शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य इस अंतराल को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने उपरोक्त उद्देश्यों हेतु यह योजना लागू की। अपने-अपने क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण एवं संवर्धन शिक्षण संस्थाओं का नैसर्गिक धर्म है। आर्थिक स्वावलंबन, जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है।

महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही अपने इस उत्तरदायित्व का निर्वहन अत्यंत संवेदनशीलता एवं सजगता के साथ करता आ रहा है। इस उत्तरदायित्व के अन्तर्गत महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग परिसर के आस-पास स्थित गांवों में से किसी एक गांव को गोद लेकर वहां की मूलभूत आवश्यकता जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं से परिचय एवं उनके लाभ के प्रति जागरूक करना, महिला आत्मनिर्भरता इत्यादि स्तरों पर अपने दायित्व का निर्वहन करता आ रहा है। उन्नत भारत अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय के कुछ विभागों द्वारा अधिग्रहित गांवों का सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर गांवों में व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों में बी.एड्. विभाग द्वारा ग्राम मंझरियां, अंग्रेजी विभाग द्वारा ककरहियां, हिन्दी विभाग द्वारा बड़ी रेतवहियां, प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा छोटी रेतवहियां तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हसनगंज गांव को गोद लिया गया है। उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत अधिग्रहित पांच गांवों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उन्नति हेतु अहर्निश प्रयत्न गोद लिए गांवों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा, ऐसी हमें आशा एवं पूर्ण विश्वास है।

उपरोक्त गांवों को गोद लेने वाले विभागों ने निर्धारित कार्ययोजना के साथ गोद लिए गए गांवों को विकासोन्मुख करने का अपना कर्तव्य इस सत्र में प्रारंभ किया जिनमें से कुछ क्रियाकलापों की झलकियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं-

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

ठंड से बचाव का जागरूकता अभियान

दिनांकः 13 दिसंबर 2024 • स्थानः गोद लिया गया गाँव धोधरा

13 दिसंबर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम 'धोधरा' में ग्राम भ्रमण किया गया। ग्राम्य दर्शन के इस कार्यक्रम में जन-जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से -

ठंड से बचाव के बारे में ग्रामीणों से संवाद करते विद्यार्थी

- ठंड से बचाव का जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में।
- गांवों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान के सम्बन्ध मे।
- महाविद्यालय द्वारा संचालित कंप्यूटर साक्षरता हेतु राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के सम्बन्ध में।
- महाविद्यालय द्वारा संचालित ब्रह्मलीन अवेद्यनाथ निशुल्क प्राथमिक उपचार के सम्बन्ध में।

आदि विषयों पर ग्रामवासियों में जागरूकता प्रसारित करने का प्रयास किया गया।

इस कार्यक्रम में गणित एवं सांख्यिकी विभाग से पप्पू कुमार गुप्ता (प्रभारी), सुश्री तान्या श्रीवास्तव, श्री अनिल कुमार मौर्य व 16 विद्यार्थी उपस्थित रहे। जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उपरोक्त विषयों पर ग्रामवासियों को जानकारी दी।

स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूकता अभियान

दिनांकः 16 दिसंबर 2024 • स्थानः गोद लिया गया गाँव रामपुर

16 दिसंबर को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव रामपुर में "स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूकता अभियान" सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में एम.एस-सी. रसायन विज्ञान के कुल 14 विद्यार्थी उपस्थित थे।

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गांव के प्राथमिक विद्यालय में जाकर विद्यार्थियों से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:

1. शारीरिक स्वच्छता
2. भोजन से पूर्व एवं पश्चात हाथ धुलना
3. हाथों को धुलने का तरीका
4. संतुलित आहार

प्राथमिक विद्यालय में भ्रमण करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार वर्नवाल और डॉ. राम सहाय, श्रीमती प्रियंका मिश्रा, श्रीमती दिव्या दुबे, श्रीमती नम्रता मिश्रा (सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग), प्रयोगशाला सहायक एवं एम.एस–सी. रसायन विज्ञान के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम वासियों में शारीरिक स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति में जागरूकता उत्पन्न करना था।

एकल उपयोग प्लास्टिक का उन्मूलन

वनस्पति विज्ञान विभाग

17 दिसंबर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम सेखवनियां में 'एकल उपयोग प्लास्टिक का उन्मूलन' विषय पर ग्राम भ्रमण के दौरान–

उन्मूलन के प्रमुख प्रयास:

1. **सरकारी प्रतिबंध और नीतियाँ** : भारत सरकार ने 1 जुलाई 2022 से कई एकल उपयोग प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया है, जिनमें प्लास्टिक कटलरी, थैली, स्ट्रॉ, कप, प्लेट आदि शामिल हैं।

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी

2. **पुनः उपयोग योग्य और जैव-विघटनशील विकल्पों को बढ़ावा :** कपड़े और जूट के बैग, स्टील व कांच के कंटेनर तथा बांस के उत्पादों का उपयोग करने के लिए जागरूकता फैलाई जा रही है।
3. **जन जागरूकता अभियान :** "प्लास्टिक हटाओ, धरती बचाओ" जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों को एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित किया जा रहा है।
4. **कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण :** प्लास्टिक के प्रभावी निपटान के लिए नगर निगमों और पर्यावरण संगठनों द्वारा प्लास्टिक कचरे को अलग करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जा रहा है।
5. **औद्योगिक और व्यावसायिक भागीदारी :** कई कंपनियाँ और स्टार्टअप बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का निर्माण कर रही हैं।

'प्रदूषण मुक्त ग्राम' विषय पर जागरूकता अभियान

दिनांक: **20 दिसंबर 2024** • गोद लिया गया गाँव: **जंगल औराही**

आयोजक: **भूगोल विभाग**

उद्देश्य: **प्रदूषण के कारण, न्यूनीकरण एवं उपाय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना।**

20 दिसंबर को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव जंगल औराही में 'प्रदूषण मुक्त ग्राम' विषय पर जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

इस कार्यक्रम में स्नातक भूगोल प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के 55 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा गांव में जाकर विद्यार्थियों से ग्रामीणों से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से ग्रामीणों को जागरूक करते विद्यार्थी

1. प्रदूषण के बारे में बताना
2. प्रदूषण के कारण को बताना
3. प्रदूषण से होने वाले नुकसान को बताना
4. प्रदूषण से बचने के उपाय को बताना
5. पॉलीथिन प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताना

इस कार्यक्रम में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता, श्री अरविंद कुमार मौर्य तथा भूगोल विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों में प्रदूषण के प्रति जागरूकता पैदा कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि करना था तथा प्रदूषण से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

ग्रामवासियों में जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए स्वच्छता अभियान

दिनांक: **20 दिसंबर 2024** • गोद लिया गया गाँव: **बड़ी रेतवहिया**

आयोजक: **हिंदी विभाग**

इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह, सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल सहित हिंदी विभाग के लगभग 40 विद्यार्थी उपस्थित रहें। स्वच्छता रैली का उद्देश्य ग्रामवासियों में जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना सहित कई उद्देश्यों को प्राप्त करना था। इसका उद्देश्य

पर्यावरण संबंधी जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी एवं शिक्षक

व्यक्तियों को जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन अपनाने, कूड़े को कम करने और सार्वजनिक स्थानों की सफाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित करके व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना था। इसके अतिरिक्त, रैली का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना, पर्यावरण चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने में जिम्मेदारी और एकता की साझा भावना को प्रोत्साहित करना था।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

मनोविज्ञान विभाग

स्वास्थ्य के बारे में महिला से संवाद करता विद्यार्थी

23 दिसंबर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम-छोटी जमुनहिया में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों को पूर्व निर्धारित समय प्रातः 10:00 बजे विभाग में बुलाया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों की उपस्थिति के उपरांत प्रातः 10:30 बजे कार्यक्रम की रूपरेखा को बताते हुए विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता रैली के साथ गोद लिए गांव छोटी जमुनहिया भ्रमण कराया गया। गांव पहुँचकर विद्यार्थियों को अलग-अलग समूहों में बाँटा गया। साथ ही प्रत्येक समूह का एक नायक भी नियुक्त किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान के बारे में

ग्राम भ्रमण में उपस्थित मनोविज्ञान विभाग का दल

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

जागरूक किया गया। इस अभियान के माध्यम से यह प्रयास किया गया कि ग्रामवासी मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को समझें, मानसिक बीमारियों के बारे में मिथकों को दूर करें और यह जानकारी प्राप्त करें कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा और सहायता कैसे उपलब्ध है। इस संबंध में विभागीय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा विस्तृत जानकारी दिया गया। इसके साथ ही ग्रामवासियों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं से भी परिचित कराया गया। इसी क्रम में उन्हें महाविद्यालय द्वारा संचालित हो रहे राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केंद्र के विषय में भी जानकारी प्रदान किया गया।

'प्लास्टिक प्रदूषण' विषय पर जागरूकता अभियान

दिनांक: **27 दिसंबर 2024** • गोद लिया गया गाँव: **जंगल औराही**

आयोजक: **भूगोल विभाग**

उद्देश्य: **प्लास्टिक प्रदूषण : कारण, न्यूनीकरण एवं उपाय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना।**

27 दिसंबर को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव जंगल औराही में 'प्लास्टिक प्रदूषण' विषय पर जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में स्नातकोत्तर भूगोल तृतीय सेमेस्टर के 15 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा गांव में जाकर विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई :

प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में महिला से संवाद करती छात्रा

1. प्लास्टिक प्रदूषण : सामान्य समझ
2. प्लास्टिक का जल प्रदूषण पर प्रभाव
3. प्लास्टिक एवं मृदा प्रदूषण
4. प्लास्टिक प्रदूषण से बचने के उपाय को बताना
5. पॉलीथिन, प्लास्टिक के विकल्प को बताना

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

पर्यावरण संरक्षण के बारे में महिला को जागरूक करती छात्राओं का एक दल

इस कार्यक्रम में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता, श्री अरविंद कुमार मौर्य तथा भूगोल विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों में प्लास्टिक के पर्यावरण के प्रति होने वाले नुकसान को बताना तथा जागरूकता पैदा कर कपड़े के बैग, इको फ्रेंडली बैग, कागज़ बैग के उपयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही जंगल औराही प्राथमिक विद्यालय में छोटे बच्चों को अपने घर में प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा उपयोग होने पर अपने घर के लोगों को टोकने के लिए आग्रह किया गया।

ग्राम-छोटी रेतवाहियाँ में ग्राम्य-दर्शन का कार्यक्रम

आयुष्मान कार्ड के बारे में महिला को जानकारी देता विद्यार्थी

29 दिसंबर को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अधिगृहीत ग्राम छोटी रेतवाहियाँ में ग्राम्य-दर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभाग के चुनिंदा विद्यार्थियों को पूर्व निर्धारित समय प्रात: 10:00 बजे विभाग में बुलाया गया। ततपश्चात विद्यार्थियों की उपस्थिति के उपरांत प्रात: 10:30 बजे ग्राम में दर्शन की रूपरेखा को बताते हुए विद्यार्थियों को ग्राम्य-दर्शन हेतु ले जाया गया।

ठंड से बचाव के बारे में जानकारी देते शिक्षक एवं विद्यार्थी

ग्राम्य-दर्शन की रूपरेखा के अनुसार विद्यार्थियों को पांच-पांच के आठ समूहों में बाँटा गया साथ ही प्रत्येक समूह का एक दलनायक भी नियुक्त किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों को ठंड जनित बीमारियां : जानकारी एवं बचाव के

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

संबंध में विभागीय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। इसके साथ ही ग्रामवासियों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं आयुष्मान भारत-राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से भी परिचित कराया गया एवं तत्सम्बन्धित लाभार्थी का आँकड़ा एकत्रित किया गया। इसी क्रम में उन्हें महाविद्यालय द्वारा संचालित हो रहे राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केंद्र के विषय में भी जानकारी प्रदान किया गया।

लालगंज एवं मीरगंज में ग्राम्य-दर्शन का कार्यक्रम आयोजित

29 दिसंबर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा अधिगृहीत ग्राम लालगंज एवं मीरगंज में ग्राम्य-दर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों को पूर्व निर्धारित समय प्रातः 10:00 बजे विभाग में बुलाया गया। ततपश्चात विद्यार्थियों की उपस्थिति के उपरांत प्रातः 10:30 बजे ग्राम में दर्शन की रूपरेखा को बताते हुए विद्यार्थियों को ग्राम्य-दर्शन हेतु ले जाया गया। ग्राम्य-दर्शन की रूपरेखा के अनुसार विद्यार्थियों को कुल पांच समूहों में बाँटा गया साथ ही प्रत्येक समूह का एक दलनायक भी नियुक्त किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्राम सर्वेक्षण कर गांव की अनुमानित जनसंख्या, गांव में घरों की संख्या, गांवों के प्रतिष्ठित लोगों के विषय में जानकारी और गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा गांव का मानचित्र भी तैयार किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के दो शिक्षकों के साथ कल 30 विद्यार्थी शामिल हुए। टोली प्रमुख के रूप में विभाग के विद्यार्थी अँशिका सिंह, अरुण कुमार गुप्ता, अमन शुक्ला, शिव सागर और राकेश ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं का आकड़ा तैयार करता विद्यार्थी

ग्राम भ्रमण में उपस्थित विद्यार्थी

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

जन जागरूकता रैली

10 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम नौका टोला में ठंड से बचाव हेतु जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करते विद्यार्थी एवं शिक्षक

ग्राम भ्रमण

10 जनवरी को अंग्रेजी विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम में ग्राम भ्रमण के दौरान ठंड में होने वाली बीमारियों और उसके बचाव के तरीकों से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

महिला को जागरूक करती महाविद्यालय की छात्रा

शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

16 फरवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम तिनकोनिया नं. 01 में भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामवासियों को भारत सरकार एवं राज्य सरकार की ग्रामीण विकास मंत्रलय द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया साथ ही उनके क्रियान्वयन से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की

शैक्षिक भ्रमण के दौरान जानकारी प्राप्त करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

उन्नत भारत अभियान एवं हमारा महाविद्यालय

गयी। कार्यक्रम का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

ग्राम दर्शन

16 फरवरी को 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम धोघड़ा में ग्राम भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों को साक्षरता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया साथ ही महाविद्यालय द्वारा संचालित होने वाली राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र आदि योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संयोजन गणित एवं सांख्यिकीय विभाग प्रभारी श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

ग्राम दर्शन में उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थी

स्वास्थ्य शिविर

16 फरवरी को 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम बड़ी रेतवाहिया में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गोरखनाथ चिकित्सालय के डॉ. जितेन्द्र मिश्र ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवाईयां प्रदान कि साथ ही सन्तुलित आहार तथा स्वास्थ्य सम्बन्धित सावधानियों के अनुपालन से जुड़ी सलाह दी। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

आयोजक

कला संकाय

राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

(नैक प्रत्यायित श्रेणी "बी")

(सम्बद्ध - दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्ध 5126 तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

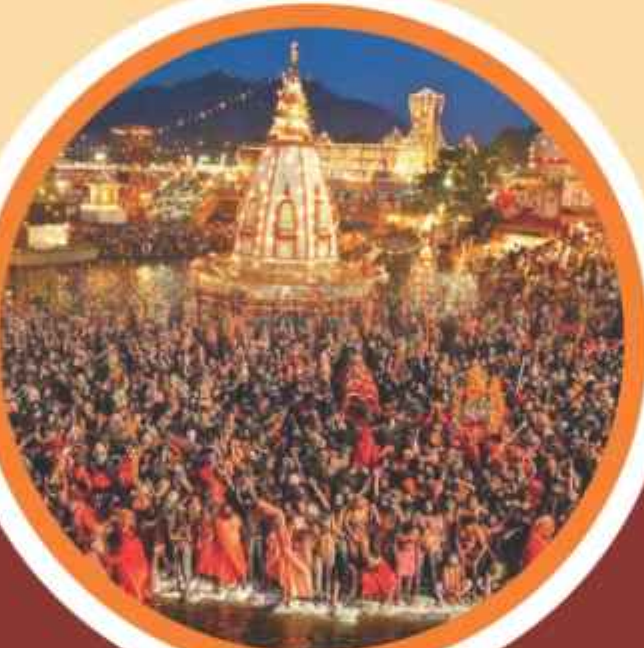

'महाकुम्भ २०२५ : परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

'Mahakumbh 2025 : Traditions, Rituals and Significance'

दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन सत्र)

22–23 फरवरी, 2025 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग, इतिहास विभाग, समाजशास्त्र विभाग और प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'महाकुम्भ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व' विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 22 फरवरी को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महन्त सिद्धपीठ श्री हनुमन्निवास धाम अयोध्या, उत्तर प्रदेश के आचार्य श्री मिथिलेशनंदिनी शरण जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. के. राम चंद्र रेड्डी एवं त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी तथा अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंचस्थ अतिथिगण

मिथिलेशनंदिनी शरण जी महाराज को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक भेंट करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

संगोष्ठी को संबोधित करते मिथिलेशनंदिनी शरण जी महाराज

उद्बोधन देते डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल

पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

संगोष्ठी में उपस्थित छात्र, विद्वतजन एवं शिक्षक

प्रथम तकनीकी सत्र में मंचस्थ अतिथिगण

उद्‌बोधन देते डॉ. रणविजय सिंह

व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. के. राम चंद्र रेड्डी

प्रथम तकनीकी सत्र

उद्‌घाटन समारोह के पश्चात प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. शिवशरण दास ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व महाप्रबन्धक एवं हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य व्यंगकार डॉ. रणविजय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता श्री अश्वनी कुमार राय एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. के. राम चंद्र रेड्डी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सत्र का संचालन महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने तथा प्रतिवेदन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते श्री अश्वनी कुमार राय

संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. शिवशरण दास

द्वितीय तकनीकी शास्त्र

द्वितीय तकनीकी सत्र में मंचस्थ अतिथिगण

संगोष्ठी के दूसरे दिन, 23 फरवरी को प्रातः द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने की। मुख्य वक्ता के रूप में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के प्राचार्य प्रो. आनन्द शंकर सिंह आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में रामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय एवं श्री गोरखनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखपुर के दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रांज्ञेश मिश्रा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सत्र का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अवन्तिका पाठक तथा प्रतिवेदन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

संगोष्ठी को आनलाइन संबोधित करते प्रो. आनंद शंकर सिंह

उद्बोधन देते डॉ. प्रांज्ञेश मिश्र

उद्बोधन देते प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय

संगोष्ठी को संबोधित करती प्रो. विपुला दूबे

समापन समारोह

दो-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा विश्वविद्यालय कोलकाता के पूर्व कुलपति एवं अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, कोलकाता के वरिष्ठ सर्जन डॉ. भबातोष विश्वास जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का संपूर्ण प्रतिवेदन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

समापन समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

संगोष्ठी को संबोधित करते डॉ. भबातोष विश्वास

उद्बोधन देते डॉ. ओमजी उपाध्याय

समापन समारोह को संबोधित करते प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

भारत का चिरंतन विचार है दिव्य–भव्य महाकुंभ : मिथिलेश नंदिनी
एमपी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 22 और 23 को
आयोजन
"महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व" है विषय
देश-विदेश से आए वक्ता देंगे व्याख्यान, कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू
तपस्वी नेतृत्व से महाकुंभ बना विश्व का सर्वाधिक विशाल आयोजन
महिला स्वावलंबन से होगा भारत का निर्माण
महाकुंभ को बनाया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन : डॉ. विश्वास
समाचार पत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटेंगे देश भर से शोधार्थी, विद्वतजन व प्रबुद्धजन
अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 22 से
एमपी पीजी में लगाई स्वनिर्मित वस्त्रों की प्रदर्शनी
भारत का चिरंतन विचार है दिव्य–भव्य महाकुंभ : मिथिलेश नंदिनी
अपूर्व व विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन
एमपीपीजी
एमपी कॉलेज में मनी प्रो. शैलनाथ चतुर्वेदी की जयंती

महाविद्यालय के बढ़ते मूल्यपरक
अकादमिक विकास की नींव का पत्थर

महाविद्यालय का

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ
(I.Q.A.C.)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रशासन, नवाचार एवं अकादमिक गतिविधियों का मेरूदण्ड है। महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन के विविध आयाम, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य क्रिया कलापों का नियामन इसी के दिशा निर्देशन में किया जाता है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के माध्यम से महाविद्यालय सन् 2015 ई. में नैक मूल्यांकन कराकर श्रेणी 'बी' प्रत्यायित हो चुका है। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण विगत सत्र में महाविद्यालय नैक द्वारा पुनः मूल्यांकन नहीं करवा पाया परन्तु महाविद्यालय की यह टीम इस हेतु पूर्णतः तैयार है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के दिशा-निर्देशन में इस सत्र में होने वाले कुछ कार्यक्रमों झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

वार्षिक समीक्षा बैठक

31 जुलाई 2024 को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कक्षाओं के पठन-पाठन, प्रवेश कार्य सह दायित्व, अनुशासन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। बैठक में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय सहभाग किया।

वार्षिक समीक्षा बैठक में अपनी बात रखते शिक्षक

मासिक समीक्षा बैठक

4 सितंबर 2024 को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 7-8 सितंबर को होने वाली सेमिनार की तैयारी, गोरखनाथ मंदिर में 15 दिसंबर से होने वाले पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं अगस्त माह की समीक्षा की गई। बैठक में सभी शिक्षकों ने उपरोक्त विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं सक्रिय सहभाग किया।

समीक्षा बैठक में अपनी बात रखते डॉ. मंजेश्वर

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्राचार्य-शिक्षक बैठक

2 अक्टूबर को प्राचार्य-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दायित्व सह कार्यविभाजन के अंतर्गत सभी विभागों ने अपने-अपने विभाग के उद्देश्यों, नवाचारों और क्रियान्वयन को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के द्वारा सभी विभागों की समीक्षा करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्राचार्य-शिक्षक बैठक को संबोधित करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

मासिक समीक्षा बैठक

21 दिसम्बर 2024 को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी शिक्षकों ने आपसी चर्चा-परिचर्चा के साथ बैठक को आगे बढ़ाया। बैठक में गत सेमेस्टर की समीक्षा एवं आगामी सत्र की योजना के साथ-साथ परिसर संस्कृति को बनाए रखने पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

प्राचार्य-शिक्षक बैठक में उपस्थित शिक्षकगण

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC)

प्राचार्य-शिक्षक बैठक

20 फरवरी 2025 को प्राचार्य-शिक्षक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। समीक्षा बैठक में पठन-पाठन, परीक्षा, अगले सत्र के प्रवेश की तैयारी, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी इत्यादि विषय पर प्राचार्य की अध्यक्षता में समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में आगामी 22-23 फरवरी को 'महाकुंभ 2025 : परंपरा, अनुष्ठान एवं महत्व' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए।

समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निदेश देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्राचार्य-शिक्षक बैठक

24 मार्च को प्राचार्य-शिक्षक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में गत वर्ष की महाविद्यालय बजट की समीक्षा करते हुए आगामी वर्ष की महाविद्यालय बजट पर रणनीतिक रूप से विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2025

13 अप्रैल को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

यातायात रैली

17 अप्रैल को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में यातायात रैली प्रस्तावित है।

क्षेत्रीय अध्ययन (फिल्ड स्टडी)

आगामी 16 अप्रैल को वाणिज्य विभाग द्वारा बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर एवं बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्रीय अध्ययन प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थी तिनकोनियां नं.–2 में क्षेत्रीय अध्ययन हेतु जाएंगे।

स्वास्थ्य शिविर

आगामी 23 अप्रैल को व्यवसाय प्रशासन विभाग एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के निकट ग्राम तिनकोनियां नं.–2 में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होना सुनिश्चित है।

समीक्षा बैठक

2 मई को महाविद्यालय में सत्र 2025–26 में संपन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्रिया-कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून 2025 तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य-शिक्षक सहभागी होंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण प्रतिभाग करेंगे।

विशिष्ट आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 9:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन-पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत-प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की कार्यकारिणी बैठक

प्रत्येक माह के अन्तिम कार्य दिवस में छात्रसंघ की कार्यकारिणी बैठक आयोजित होती है। बैठक में सभी कक्षा प्रतिनिधि, छात्रसंघ पदाधिकारी, छात्रसंघ प्रभारी एवं प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। कक्षा प्रतिनिधि वर्तमान माह की समीक्षा करते हुए आगामी माह की योजना पर विचार-विमर्श करते हैं, प्राचार्य समीक्षात्मक चर्चा करते हुए कक्षा प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के कार्यकुशलता में परिमार्जन हेतु दिशा निर्देशित करते हैं।

छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं।

साधारण सभा में अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है, प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

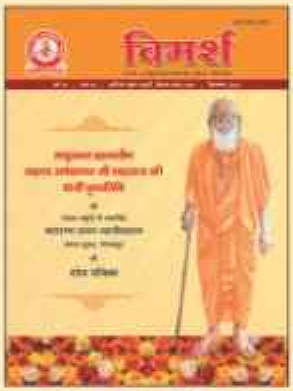

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

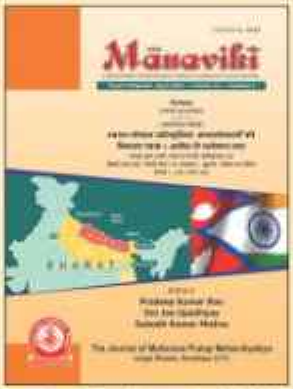
अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है। माह के अन्त में सभी गतिविधियों का संकलन कर उसे मासिक पत्रिका के रूप में महाविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाता है।

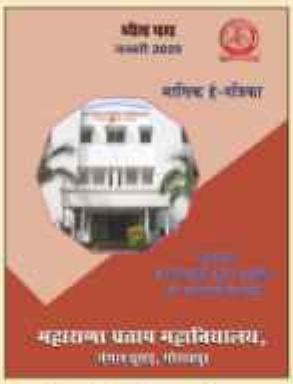

मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे

प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

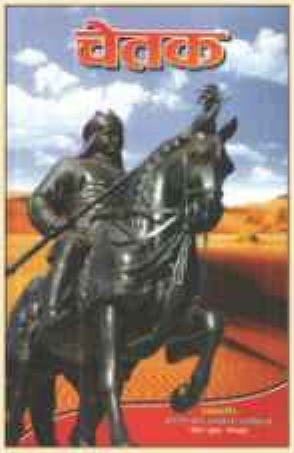

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' नामाधारित पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय हैं – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आदर्श शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020; पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोस्पर्म्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में निःशुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक 60 हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज

हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

निःशुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार निःशुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को निःशुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थी

3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन मूल्य-पत्र पाठ्यक्रम के परीक्षा में उपस्थित विद्यार्थी

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

5. कास्मेटोलॉजी एवं सेल्फकेयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

कास्मेटोलॉजी एवं सेल्फकेयर प्रमाण-पत्र का प्रशिक्षण

महाविद्यालय से सटे गाँव की बालिकाओं एवं महिलाओं तथा महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं के स्वावलंबन हेतु महाविद्यालय में कास्मेटोलॉजी एवं सेल्फकेयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। यह पाठ्यक्रम महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के कार्यशाला में प्रशिक्षण देते एनडीआरएफ के जवान

6. राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा छः माह का राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे- बाढ़, सूखा, भूकम्प, आगजनी की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है। विगत सत्र से यह प्रारूप ऑनलाइन भी भरा जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीड-बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

सिविल सर्विसेंज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से निरन्तर विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त निःशुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम में जागरूकता कार्यक्रम

आदर्श ग्राम योजना

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

वाई-फाई युक्त परिसर

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से ही यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करा दी गई है।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2023-24 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेंगी।

महाविद्यालय की अद्यतन वेबसाइट

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने

विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान महाविद्यालय के कुछ विशिष्ट आयाम

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान पठन-पाठन, महाविद्यालय ने प्रशासन एवं अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों के संदर्भ में कुछ विशिष्ट आयाम स्थापित किये हैं। कोविड-19 के दौरान सेनेटाइजर एवं मास्क का निर्माण, कक्षाओं का नियमित सेनेटाइजेशन, आन लाइन कक्षाओं का संचालन, आन लाइन एवं ऑफ लाइन कक्षाओं का एक साथ संचालन कर महाविद्यालय ने एक नया प्रतिमान प्रस्तुत किया है जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष हैं :-

मास्क बनातीं कोरोना वॉरियर्स

सेनेटाइजर बनाते कोरोना वॉरियर्स

समावर्तन संस्कार समारोह

समावर्तन संकल्प लेते महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। अट्ठारहवां समावर्तन संस्कार समारोह 13 अप्रैल 2025 को सम्पन्न हो रहा है।

वार्षिक योजना विवरण

शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक

02-04 जुलाई 2024

कार्यवाही

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 02 जुलाई 2024 से त्रि-दिवसीय शिक्षक-कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रातः 09.30 बजे से सायं 04:00 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 4 जुलाई 2024 को सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्न विषय प्रस्तुत किए गए-

1. दायित्वसह कार्य विभाजन
2. शैक्षिक पचांग
3. शिक्षक आचार संहिता
4. प्रवेश
5. परीक्षा
6. समय-सारणी
7. पठन-पाठन
8. पुस्तकालय-वाचनालय
9. प्रयोगशाला
10. शिक्षण में नवीन प्रयोग
11. प्रार्थना सभा
12. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
    - (क) पाठ्यक्रम योजना (प्रत्येक सेमेस्टर में अद्यतन)
    - (ख) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन माइनर कक्षाओं के साथ
    - (ग) मासिक मूल्यांकन (ऑनलाइन-ऑफलाइन)
    - (घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि (छात्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन)
    - (ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन (प्रत्येक माह के अन्त में)
    - (च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

(छ) गोद लिए गए विद्यार्थी
(ज) गोद लिए गए गाँव

13. प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (06 माह)
    (क) जीवनमूल्य (बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित)
    (ख) हमारे पूर्वज (बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित)
    (ग) निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग (गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित)
    (घ) निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण (कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित)
    (ङ) आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन (रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित)
14. मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (03 माह)
    (क) योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य (वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित)
    (ख) भाषा, शिक्षण और व्याकरण (हिन्दी विभाग द्वारा संचालित)
    (ग) सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर (वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित)
    (घ) कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फकेयर (गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित)
    (ङ) हमारे साहित्यकार (हिन्दी विभाग द्वारा)
    (च) संगीत प्रशिक्षण
15. निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र
16. क्रीड़ा
17. छात्रसंघ
18. राष्ट्रीय सेवा योजना
19. एन.सी.सी.
20. रोवर्स रेंजर
21. सूचना प्रसारण
22. तकनीकी प्रसार
23. कार्यालय
24. NAAC/AISHE
25. महत्वपूर्ण आयोजन-
    (क) 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)
    (ख) 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह
    (ग) राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
    (घ) 05 सितम्बर, शिक्षक दिवस
    (ङ) 02 अक्टूबर, गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह
    (च) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    (छ) वार्षिक महोत्सव (18-23 नवम्बर)
    (ज) संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद) (04-10 दिसम्बर)
    (झ) भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी-26 जनवरी)
    (ण) गणतन्त्र दिवस समारोह
    (ट) सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)
    (ठ) समावर्तन संस्कार-समारोह
    (ड) महत्वपूर्ण प्रकल्प -
        1. मिशन मंझरिया
        2. उन्नत भारत अभियान
        3. सामूहिक व्यक्तित्व विकास
26. वार्षिक बजट
27. अन्य किसी के सुझाव पर

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए-

महाविद्यालय प्रशासन

क्र.सं.	शिक्षक	विभाग
1.	डॉ. विजय कुमार चौधरी	परीक्षा, छात्रवृत्ति, नैक, प्रयोगशाला, कूड़ा प्रबन्धन
2.	श्रीमती शिप्रा सिंह	पठन-पाठन, अनुशासन, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, प्रकल्प, सिलाई-कढ़ाई, रोवर रेंजर्स
3.	श्री विनय कुमार	छात्रावास, स्वच्छता, विद्युत, रख-रखाव, बागवानी, तकनीकि विकास एवं वेबसाइट
4.	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय	कार्यालय, सूचना एवं परामर्श, प्राथमिक उपचार केन्द्र
5.	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय	प्रवेश, पुस्तकालय, छात्रसंघ, अभिभावक संघ, क्रीड़ा

1. दायित्वसह कार्य विभाजन

*	प्रवेश	डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. मंजेश्वर
*	परीक्षा/प्रयोगशाला	डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अरूण कुमार राव, डॉ. शिव कुमार
*	मुख्य नियंता/अनुशासन	डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, डॉ. सत्येन्द्र शुक्ला
*	पठन-पाठन	श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री नन्दन शर्मा, श्री अरविन्द मौर्या
*	राष्ट्रीय सेवा योजना, बागवानी	डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. आरती सिंह
*	पुस्तकालय	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री हरिकेश यादव
*	क्रय समिति	डॉ. विजय चौधरी, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. शिव कुमार बरनवाल
*	तकनीकी विकास, वेबसाइट	श्री प्रियांशु श्रीवास्तव, श्रीमती अर्पिता सिंह
*	स्वच्छता, विद्युत, रख-रखाव	श्री विनय कुमार सिंह, श्री अरविन्द कुमार मौर्या
*	नैक, IQAC, AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य	डॉ. अभिषेक वर्मा, श्री प्रियांशु श्रीवास्तव
*	सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रमुख कार्यक्रम-आयोजन	श्री पप्पू कुमार गुप्ता, सुश्री शिवानी सिंह
*	क्रीड़ा	डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ला, श्री पप्पू कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ती गुप्ता
*	मंच व्यवस्था	श्री पप्पू कुमार गुप्ता, सुश्री साक्षी चौबे, सुश्री तान्या श्रीवास्तव
*	रोवर्स-रेन्जर्स	श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, श्री रीतेन्द्र नाथ पाण्डेय, श्री कालीशंकर पाण्डेय
*	छात्रसंघ	श्री अनूप पाण्डेय, डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय
*	कार्यालय	श्रीमती शिप्रा सिंह
*	अभिभावक संघ	डॉ. शिव कुमार बरनवाल, श्रीमती प्रियंका मिश्रा
*	पुरातन छात्र परिषद्	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल, श्रीमती प्रियंका मिश्रा

*	प्राथमिक उपचार केन्द्र	डॉ. शिवकुमार, श्री कालीशंकर पाण्डेय
*	प्रार्थना सभा	डॉ. सुधा शुक्ला, श्री विवेक विश्वकर्मा
*	ध्येय-पथ, समावर्तन	श्री सिद्धार्थ शुक्ला, श्री अभिनव त्रिपाठी
*	विभागीय रिपोर्ट	श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. शालू श्रीवास्तव
*	प्रकाशन-विमर्श-मानविकी	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह
*	ई.पी.एफ.	डॉ. मंजेश्वर
*	छात्रवृत्ति	डॉ. राम सहाय, श्री पप्पू कुमार गुप्ता
*	सूचना, परामर्श एवं मीडिया	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, श्री अभिनव त्रिपाठी
*	कूड़ा प्रबन्ध एवं पॉलिथीन मुक्त परिसर	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह
*	छात्र-कल्याण	डॉ. आरती सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता
*	परामर्श प्रकोष्ठ	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, सुश्री अर्चिता राय
*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	श्रीमती श्वेता, श्रीमती अर्पिता सिंह
*	छात्रावास	श्री विनय कुमार सिंह, श्री अभिनव त्रिपाठी
*	एन.सी.सी.	श्री रामाकान्त दूबे, श्री विवेक विश्वकर्मा
*	दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर, श्री भारत कुमार
*	**प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**	
	1. जीवन मूल्य	श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री जितेन्द्र प्रजापति, श्रीमती विभा सिंह
	2. हमारे पूर्वज	श्रीमती शिप्रा सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती पुष्पा निषाद
	3. सिलाई-कढ़ाई	सुश्री रीतिका त्रिपाठी, डॉ. अवन्तिका पाठक
	4. निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण	श्री सूरज मिश्रा, श्रीमती श्रुति शाही
	5. आपदा प्रबन्ध एवं राष्ट्रीय सुरक्षा	श्री रमाकान्त दूबे, श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा
	6. संगीत प्रशिक्षण -	सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
*	**वैल्यू एडेड कोर्स**	
	1. कॉस्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर	डॉ. दीपशिखा नागवंशी, सुश्री साक्षी चौबे
	2. भाषा, शिक्षण एवं व्याकरण	डॉ. सुधा शुक्ल, डॉ. आरती सिंह
	3. हमारे साहित्यकार	डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ल
*	**प्रकल्प**	
	1. मिशन मंझरिया	श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह तथा विभागीय शिक्षक
	2. उन्नत भारत अभियान	डॉ. मंजेश्वर, श्री भारत कुमार
	3. गोद लिए गये गांव	श्री नन्दन शर्मा, सुश्री दीप्ति गुप्ता
	4. सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना -	श्रीमती दिव्या दूबे, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री नम्रता मिश्रा

2. **शैक्षिक पंचाग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पंचांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया-

भाग 01 - महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम गतिविधियाँ

भाग 02 - विभागीय कार्ययोजना एवं कार्यक्रम

भाग 03 - क्रीड़ा गतिविधियाँ

भाग 04 - राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स/रेंजर्स, एन.सी.सी. का वार्षिक विवरण

भाग 05 - प्रमुख अवकाश

शैक्षिक पंचांग निम्नवत है :-

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

01-07 जुलाई, 2024	शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना
04 जुलाई	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर पौधरोपड़
16 जुलाई	कक्षा प्रारम्भ स्नातक- प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर, स्नातकोत्तर- प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर
01 अगस्त	प्रयोगशाला प्रारम्भ
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
20-26 अगस्त	राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेधनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान माला
29-31 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस
15 सितम्बर	महाविद्यालय प्रतिभाग
20 सितम्बर	राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति

	साप्ताहिक श्रद्धांजली कार्यक्रम (महाविद्यालय)
21 सितम्बर	राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ साप्ताहिक श्रद्धांजली समारोह (गोरखनाथ मंदिर)
26 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
02 अक्टूबर	महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षको कर्मचारियों, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय की त्रयमासिक प्राचार्य-शिक्षक समीक्षा बैठक
03 अक्टूबर	महाराजा अग्रसेन जयन्ती - व्याख्यान
12 अक्टूबर	योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान
06 नवम्बर	विपिन पाल जयन्ती (पूर्व संध्या) - व्याख्यान
15 नवम्बर	गुरुनानक जयन्ती - व्याख्यान
23 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर जयन्ती (पूर्व संध्या) - व्याख्यान
18 - 23 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव
04-10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्माण दिवस पर - व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह - व्याख्यान
12-26 जनवरी, 2025	भारत-भारती पखवारा
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह
14 फरवरी	बसन्त पंचमी - माँ सरस्वती पूजन
12 फरवरी	माघ पूर्णिमा - संत रविदास जयन्ती - व्याख्यान
15 अप्रैल	समावर्तन संस्कार समारोह

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

जुलाई

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
1	16.07.2024	मंगलवार	महाविद्यालय परिसर संस्कृति सामान्य परिचय
2	18.07.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
3	19.07.2024	शुक्रवार	एन.सी.सी. प्रमाण-पत्र वितरण
4	20.07.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
5	21.07.2024	रविवार	अवकाश
6	22.07.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-13, 14, 15
7	23.07.2024	मंगलवार	लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयन्ती/चंद्रशेखर आजाद जयन्ती
8	24.07.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-21, 24, 25
9	25.07.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-29, 30, 31
10	26.07.2024	शुक्रवार	कारगिल विजय दिवस
11	27.07.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
12	28.07.2024	रविवार	अवकाश
13	29.07.2024	सोमवार	राष्ट्रीय शिक्षानीति वर्षगाँठ-2020
14	30.07.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-34, 35
15	31.07.2024	बुधवार	मुंशी प्रेमचंद जयन्ती

अगस्त

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
1	01.08.2024	गुरुवार	लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस
2	02.08.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-36, 38
3	03.08.2024	शनिवार	मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
4	04.08.2024	रविवार	अवकाश
5	05.08.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-39, 40
6	06.08.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-42, 43, 44
7	07.08.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - प्रथम अध्याय, श्लोक-45, 46, 47

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
8	08.08.2024	गुरुवार	भारत छोड़ो आन्दोलन
9	09.08.2024	शुक्रवार	काकोरी ट्रेन एक्शन डे/नागपंचमी
10	10.08.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
11	11.08.2024	रविवार	अवकाश
12	12.08.2024	सोमवार	अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस
13	13.08.2024	मंगलवार	अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि
14	14.08.2024	बुधवार	सामूहिक व्यक्तित्व विकास के द्वारा आयोजित कार्यक्रम
15	15.08.2024	गुरुवार	स्वतन्त्रता दिवस
16	16.08.2024	शुक्रवार	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि/अटल स्मृति दिवस
17	17.08.2024	शनिवार	मदनलाल धींगरा बलिदान दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
18	18.08.2024	रविवार	अवकाश
19	19.08.2024	सोमवार	रक्षाबन्धन, अवकाश
20	20.08.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
21	21.08.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-18, 19, 20
22	22.08.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-23, 24, 25
23	23.08.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-26, 27, 28
24	24.08.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/राजगुरु जयन्ती
25	25.08.2024	रविवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-45, 46, 47
26	26.08.2024	सोमवार	रानी पद्मिनी जौहर दिवस/श्रीकृष्ण जयन्ती विशेष (जन्माष्टमी)
27	27.08.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-48, 49, 50
28	28.08.2024	बुधवार	व्याख्यान माला के आयोजन के कारण महाविद्यालय में अवकाश
29	29.08.2024	गुरुवार	व्याख्यान माला के आयोजन के कारण महाविद्यालय में अवकाश
30	30.08.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक-57, 58, 60
31	31.08.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
			सितम्बर
1	01.09.2024	रविवार	अवकाश

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
2	02.09.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक–54, 56, 58, 66
3	03.09.2024	मंगलवार	राष्ट्रीय सेवा योजना निर्धारित कार्यक्रम
4	04.09.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वितीय अध्याय, श्लोक–68, 70, 71, 72
5	05.09.2024	गुरुवार	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती/शिक्षक दिवस/छात्रसंघ विजेता शपथ ग्रहण
6	06.09.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – तृतीय अध्याय, श्लोक–25, 26, 27
7	07.09.2024	शनिवार	राष्ट्रीय संगोष्ठी (प्रार्थना सभा स्थगित)
8	08.09.2024	रविवार	राष्ट्रीय संगोष्ठी (प्रार्थना सभा स्थगित)
9	09.09.2024	सोमवार	शैक्षिक अवकाश के कारण प्रार्थना सभा स्थगित
10	10.09.2024	मंगलवार	गोविन्द वल्लभ पन्त जयन्ती
11	11.09.2024	बुधवार	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि/आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
12	12.09.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – तृतीय अध्याय, श्लोक–29, 30, 31
13	13.09.2024	शुक्रवार	जतिन्द्रनाथ दास शहीदी दिवस
14	14.09.2024	शनिवार	हिन्दी दिवस
15	15.09.2024	रविवार	अवकाश/ मोक्षगुडंम विश्वेश्वरैया जयन्ती (इंजीनियर्स डे/अभियन्ता दिवस)
16	16.09.2024	सोमवार	अवकाश/बारावफात एवं विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	17.09.2024	मंगलवार	विश्वकर्मा जयन्ती/हनुमान प्रसाद पोद्दार जयन्ती
18	18.09.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – तृतीय अध्याय, श्लोक–33, 34, 36
19	19.09.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – तृतीय अध्याय, श्लोक–37, 38, 41
20	20.09.2024	शुक्रवार	महन्तद्वय श्रद्धांजलि कार्यक्रम
21	21.09.2024	शनिवार	शैक्षिक अवकाश – श्रद्धांजलि कार्यक्रम गोरखनाथ परिसर
22	22.09.2024	रविवार	अवकाश
23	23.09.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक–01, 02, 03
24	24.09.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक–04, 06, 07
25	25.09.2024	बुधवार	पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/ सतीश धवन जयन्ती
26	26.09.2024	गुरुवार	ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती
27	27.09.2024	शुक्रवार	राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
28	28.09.2024	शनिवार	वर्षावकाश
29	29.09.2024	रविवार	अवकाश
30	30.09.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-08, 09, 10
			अक्टूबर
1	01.10.2024	मंगलवार	श्रीमती एनी बेसेन्ट जयन्ती
2	02.10.2024	बुधवार	महात्मा गाँधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती
3	03.10.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-11, 12, 16
4	04.10.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-17, 18, 20
5	05.10.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
6	06.10.2024	रविवार	अवकाश
7	07.10.2024	सोमवार	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दुर्गा भाभी जयन्ती
8	08.10.2024	मंगलवार	वायुसेना दिवस/मुंशी प्रेमचन्द्र स्मृति दिवस
9	09.10.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-25, 26
10	10.10.2024	गुरुवार	नवरात्र अवकाश
11	11.10.2024	शुक्रवार	(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जयप्रकाश नारायण जयन्ती) अवकाश
12	12.10.2024	शनिवार	दशहरा अवकाश
13	13.10.2024	रविवार	अवकाश
14	14.10.2024	सोमवार	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (प्रार्थना सभा स्थगित)
15	15.10.2024	मंगलवार	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (प्रार्थना सभा स्थगित)
16	16.10.2024	बुधवार	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा (प्रार्थना सभा स्थगित)
17	17.10.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-30, 31, 32
18	18.10.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-34, 40, 41
19	19.10.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
20	20.10.2024	रविवार	अवकाश
21	21.10.2024	सोमवार	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
22	22.10.2024	मंगलवार	अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती
23	23.10.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्थ अध्याय, श्लोक-42, 43, 44
24	24.10.2024	गुरुवार	संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस
25	25.10.2024	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचम अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
26	26.10.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
27	27.10.2024	रविवार	अवकाश/ जतिन्द्रनाथ दास जयन्ती
28	28.10.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचम अध्याय, श्लोक-08, 09, 10
29	29.10.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ –पंचम अध्याय, श्लोक-11, 12, 15
30	30.10.2024	बुधवार	होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती
31	31.10.2024	गुरुवार	दीपावली अवकाश/राष्ट्रीय एकता दिवस
			नवम्बर
1	01.11.2024	शुक्रवार	दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज अवकाश
2	02.11.2024	शनिवार	दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज अवकाश
3	03.11.2024	रविवार	दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज अवकाश
4	04.11.2024	सोमवार	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
5	05.11.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचम अध्याय, श्लोक-23, 24, 29
6	06.11.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षष्ठम अध्याय, श्लोक-01, 08, 09
7	07.11.2024	गुरुवार	छठ पूजा, अवकाश
8	08.11.2024	शुक्रवार	छठ पूजा, अवकाश
9	09.11.2024	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
10	10.11.2024	रविवार	अवकाश
11	11.11.2024	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षष्ठम अध्याय, श्लोक-37, 40, 41
12	12.11.2024	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षष्ठम अध्याय, श्लोक-42, 46, 47
13	13.11.2024	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – सप्तम् अध्याय, श्लोक-01, 04, 05, 06
14	14.11.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – सप्तम् अध्याय, श्लोक-07, 12, 16, 30

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
15	15.11.2024	शुक्रवार	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि, कार्तिक पूर्णिमा, गुरुनानक जयन्ती
16	16.11.2024	शनिवार	राष्ट्रीय प्रेस दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
17	17.11.2024	रविवार	अवकाश
18	18.11.2024	सोमवार	वार्षिक महोत्सव उद्घाटन (प्रार्थना सभा स्थगित)
19	19.11.2024	मंगलवार	वार्षिक महोत्सव आयोजित कार्यक्रम (प्रार्थना सभा स्थगित)
20	20.11.2024	बुधवार	वार्षिक महोत्सव पुरस्कार वितरण कार्यक्रम (प्रार्थना सभा स्थगित)
21	21.11.2024	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता वाचन - अष्टम अध्याय, श्लोक-01, 05, 06
22	22.11.2024	शुक्रवार	वीरागंना झलकारी बाई जयन्ती
23	23.11.2024	शनिवार	जगदीशचन्द्र बोस पुण्यतिथि/साप्ताहिक योगाभ्यास
24	24.11.2024	रविवार	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस/अवकाश
25	25.11.2024	सोमवार	महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस
26	26.11.2024	मंगलवार	भारतीय संविधान दिवस "शपथ ग्रहण"
27	27.11.2024	बुधवार	साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन जयन्ती
28	28.11.2024	गुरुवार	विश्वविद्यालय परीक्षा प्रारम्भ होने के कारण प्रार्थना सभा स्थगित
29	29.11.2024	शुक्रवार	उपरोक्तानुसार
30	30.11.2024	शनिवार	उपरोक्तानुसार
			जनवरी
1	16.01.2025	गुरुवार	लक्ष्मीकांत झा और पं. रामनेरश त्रिपाठी पुण्यतिथि
2	17.01.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता वाचन - अष्टम अध्याय, श्लोक-26, 27, 28
3	18.01.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
4	19.01.2025	रविवार	अवकाश/महाराणा प्रताप पुण्यतिथि
5	20.01.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - नवम् अध्याय, श्लोक-01, 03, 04
6	21.01.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - दशम अध्याय, श्लोक-05, 09, 16
7	22.01.2025	बुधवार	श्री रामलला विग्रह प्राण प्रतिष्ठा दिवस/शहीद रोशन सिंह जयन्ती
8	23.01.2025	गुरुवार	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती

समावर्तन–2025

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
9	24.01.2025	शुक्रवार	राष्ट्रीय बालिका दिवस
10	25.01.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
11	26.01.2025	रविवार	गणतन्त्र दिवस
12	27.01.2025	सोमवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - नवम् अध्याय, श्लोक-17, 18, 26
13	28.01.2025	मंगलवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - नवम् अध्याय, श्लोक-28, 29, 30
14	29.01.2025	बुधवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - दशम् अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
15	30.01.2025	गुरुवार	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि
16	31.01.2025	शुक्रवार	मेजर सोमनाथ जयन्ती
			फरवरी
1	01.02.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
2	02.02.2025	रविवार	अवकाश
3	03.02.2025	सोमवार	बसन्त पंचमी
4	04.02.2025	मंगलवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - दशम् अध्याय, श्लोक-14, 16, 17
5	05.02.2025	बुधवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - एकादश अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
6	06.02.2025	गुरुवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - एकादश अध्याय, श्लोक-15, 20, 21
7	07.02.2025	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - एकादश अध्याय, श्लोक-51, 52, 53
8	08.02.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
9	09.02.2025	रविवार	अवकाश
10	10.02.2025	सोमवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - द्वादश अध्याय, श्लोक-01, 03, 04
11	11.02.2025	मंगलवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - द्वादश अध्याय, श्लोक-05, 06, 07
12	12.02.2025	बुधवार	अवकाश/संत रविदास जयन्ती
13	13.02.2025	गुरुवार	राष्ट्रीय महिला दिवस
14	14.02.2025	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता पाठ - द्वादश अध्याय, श्लोक-10, 11, 12
15	15.02.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
16	16.02.2025	रविवार	अवकाश

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
17	17.02.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – द्वादश अध्याय, श्लोक-14, 15, 17
18	18.02.2025	मंगलवार	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती
19	19.02.2025	बुधवार	वीर छत्रपति शिवाजी जयन्ती
20	20.02.2025	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – त्रयोदश अध्याय, श्लोक-01, 02, 03, 04
21	21.02.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – त्रयोदश अध्याय, श्लोक-11, 12, 15
22	22.02.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
23	23.02.2025	रविवार	अवकाश
24	24.02.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – त्रयोदश अध्याय, श्लोक-31, 33, 34
25	25.02.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्दश अध्याय, श्लोक-01, 03, 05
26	26.02.2025	बुधवार	अवकाश/महाशिवरात्रि/वीर सावरकर पुण्यतिथि
27	27.02.2025	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चतुर्दश अध्याय, श्लोक-10, 11, 12
28	28.02.2025	शुक्रवार	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि
			मार्च
1	01.03.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
2	02.03.2025	रविवार	अवकाश
3	03.03.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चर्तुदश अध्याय, श्लोक-15, 16, 17
4	04.03.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चर्तुदश अध्याय, श्लोक- 18, 19, 20
5	05.03.2025	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – चर्तुदश अध्याय, श्लोक-25, 26, 27
6	06.03.2025	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचदश अध्याय, श्लोक-01, 02, 03
7	07.03.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचदश अध्याय, श्लोक-05, 06, 08
8	08.03.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
9	09.03.2025	रविवार	अवकाश
10	10.03.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचदश अध्याय, श्लोक-09, 10, 14
11	11.03.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – पंचदश अध्याय, श्लोक-15, 16, 17
12	12.03.2025	बुधवार	होली अवकाश

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
13	13.03.2025	गुरुवार	
14	14.03.2025	शुक्रवार	
15	15.03.2025	शनिवार	
16	16.03.2025	रविवार	अवकाश
17	17.03.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षोड्श अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
18	18.03.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षोड्श अध्याय, श्लोक-06, 07, 10
19	19.03.2025	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षोड्श अध्याय, श्लोक-16, 17, 18
20	20.03.2025	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – षोड्श अध्याय, श्लोक-21, 22, 23, 24
21	21.03.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – सप्तदश अध्याय, श्लोक-01, 03, 04
22	22.03.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
23	23.03.2025	रविवार	अवकाश/शहीद दिवस
24	24.03.2025	सोमवार	मिड टर्म परीक्षा
25	25.03.2025	मंगलवार	मिड टर्म परीक्षा
26	26.03.2025	बुधवार	मिड टर्म परीक्षा
27	27.03.2025	गुरुवार	मिड टर्म परीक्षा
28	28.03.2025	शुक्रवार	मिड टर्म परीक्षा
29	29.03.2025	शनिवार	मिड टर्म परीक्षा
30	30.03.2025	रविवार	अवकाश
31	31.03.2025	सोमवार	ईद-उल-फित्तर/अवकाश
			अप्रैल
1	01.04.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – सप्तदश अध्याय, श्लोक-07, 08, 09, 10
2	02.04.2025	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – सप्तदश अध्याय, श्लोक-23, 24, 25, 26
3	03.04.2025	गुरुवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – अष्टादश अध्याय, श्लोक-01, 02, 03, 04
4	04.04.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ – अष्टादश अध्याय, श्लोक-05, 09, 10, 13
5	05.04.2025	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास

समावर्तन–2025

क्रम	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
6	06.04.2025	रविवार	अवकाश
7	07.04.2025	सोमवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - अष्टादश अध्याय, श्लोक-14, 17, 18
8	08.04.2025	मंगलवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - अष्टादश अध्याय, श्लोक-26, 27, 28, 47
9	09.04.2025	बुधवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - अष्टादश अध्याय, श्लोक-62, 65, 68
10	10.04.2025	गुरुवार	अवकाश/महावीर जयन्ती
11	11.04.2025	शुक्रवार	श्रीमद्भगवद्गीता पाठ - अष्टादश अध्याय, श्लोक- 15, 17, 18

प्रार्थना सभा के कुछ महत्वपूर्ण आयाम

विभागीय कार्य योजना

योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य-योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनाये जाएंगे। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा। विभागवार कार्ययोजना निम्नवत् हैं –

	कला वर्ग	
क्रम. सं.	विषय	पेज नं.
1	अर्थशास्त्र विभाग	198
2	अंग्रेजी अंग्रेजी विभाग	202
3	मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास	205
4	गृह विज्ञान विभाग	210
5	कम्प्यूटर एप्लिकेशन डिपार्टमेंट	215
6	प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग	220
7	भूगोल विभाग	227
8	मनोविज्ञान विभाग	235
9	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	241
10	समाजशास्त्र विभाग	245
11	राजनीतिशास्त्र विभाग	250
12	शिक्षाशास्त्र	255
13	शारीरिक शिक्षा विभाग	258
14	हिन्दी विभाग	259
	विज्ञान वर्ग	
1	कम्प्यूटर साइंस डिपार्टमेंट	264
2	गणित एवं सांख्यिकी विभाग	270
3	प्राणि विज्ञान विभाग	274
4	भौतिकी विज्ञान विभाग	278
5	रसायन विज्ञान विभाग	282
6	वनस्पति विज्ञान विभाग	290
	बी.कॉम, बी.सी.ए., बी.एड.	
1	बी.कॉम.	295
2	बी.सी.ए.	301
3	बी.एड्. विभाग	306
	अन्य क्रिया-कलाप	
1	क्रीड़ा	314
2	राष्ट्रीय सेवा योजना	314
3	रोवर्स/रेंजर्स	315
4	एन.सी.सी.	316

अर्थशास्त्र विभाग

गत सत्र 2023-24 के अनुभवों एवं उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान सत्र में योजना बैठक में चर्चा के उपरान्त निम्न बिन्दुओं पर योजनाएं बनायी जा रही हैं -

1. **शिक्षक** – डॉ. मंजेश्वर
2. **पाठ्यक्रम** –

Year	Sem.	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credit
01	I	ECO101F	Principal of Microeconomics	Theory	06
	II	ECO102F	Principal of Macroeconomics	Theory	06
02	III	ECO201F	History of Economic Thought	Theory	06
	IV	ECO202F	Money, Banking and Public Finance	Theory	06
03	V	ECO301F	Economic Growth and Development Optional Course (Any One)	Theory	05
	V	ECO302F	Environmental Economics	Theory	05
		ECO303F	International Economics	Theory	05
	VI	ECO304F	Indian Economy and Economy of U.P. Optional Course (Any One)	Theory	05
	VI	ECO305F	Agriculture Economics	Theory	05
		ECO306F	Elementary Mathematics	Theory	05
			4th Year U.G. (Honors)	Theory	
04	VII	ECO401F	Advanced Microeconomics	Theory	04
		ECO402F	Theory of Public Economics	Theory	04
		ECO403F	Indian Economy : Basic Issues	Theory	04
		ECO404F	Advanced MacroeconomicsElective (Any One Course to be Selected)	Theory	04
		ECO405F	Fundamentals of Statistics	Theory	04
		ECO406F	Industrial Economics	Theory	04
		ECO407F	Indian Finance	Theory	04
	VIII	ECO408F	Modern Microeconomics	Theory	04
		ECO409F	Fiscal Policy and Federalism	Theory	04
		ECO410F	Indian Industrial and External Sector	Theory	04
		ECO411F	Modern MacroeconomicsElective (Any One Course to be Selected)	Theory	04
		ECO412F	Research Methodology	Theory	04
		ECO413F	Indian Economic Thought	Theory	04
		ECO414F	Indian Financial System	Theory	04

3. **पाठ्यक्रम योजना** – जुलाई माह में अर्थशास्त्र विषय की प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाकर वेबसाईट पर अपलोड करा दिया जाता है तथा नवम्बर माह मे शेष द्वितीय, चतुर्थ व षष्टम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाकर वेबसाईट पर अपलोड किया जायेगा। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों तक दिनांक के आधार पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तिथिवार उपलब्ध कराना है। विद्यार्थी सत्र के प्रारम्भ में ही यह जान सकता है कि किस तिथि को किस शिक्षक द्वारा किस शीर्षक पर पढ़ाया जायेगा। जिससे वह उस शीर्षक को पहले ही घर पर पढ़कर तैयार होकर कक्षा में बैठेगा। वर्तमान सत्र में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षा का संचालन शत-प्रतिशत होगा। इसकी प्रति वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है।?

4. **स्नातक से परास्नातक** – सत्र 2023-24 में स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थी जो परास्नातक में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ा रहे है, उनकी सूची का संकलन कर के विद्यार्थियों के सहयोग हेतु उनके सम्पर्क में बने रहना जिससे उनको पाठ्य-सामग्री सहित उचित सुझाव दिया जा सके।

5. **प्रगति आख्या** – विद्यार्थियों के समस्त कक्षा गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रतिमाह तैयार कर वेबसाईट के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन (माइनर की कक्षाएं) एवं मासिक मूल्यांकन के साथ-साथ आचरण-व्यवहार के अंकों का उल्लेख किया जायेगा। प्रगति आख्या किसी विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण माह में किये गये गतिविधियों का संकलन होता है जिसे देखकर विद्यार्थियों में सुधार हेतु कार्य किया जायेगा।

6. **विभागीय कार्यक्रम** –

11 फरवरी, 2025	व्याख्यान प्रतियोगिता
25 फरवरी, 2025	विशिष्ट व्याख्यान

7. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – स्वमूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले माह के प्रथम सप्ताह के अन्त तक उस माह में अपने कार्यो एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण तथा पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन (साप्ताहिक), मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्वप्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रारुप में ऑनलाइन/ऑफलाइन भरकर प्राचार्य को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक पिछले महीने की पूरी गतिविधि को जानकर अपने आचरण व्यवहार तथा समय की महत्व को समझते हुए उसे सुधारने की प्रयास करेंगे।

8. **प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – महाविद्यालय द्वारा प्रारुप – "शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र" के माध्यम से सत्र में दो बार विषम सेमेस्टर सितम्बर व सम सेमेस्टर फरवरी माह में विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीडबैक लिया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों को तथा सम्भव शिक्षक द्वारा लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

9. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन** – सप्ताह में एक दिन शिक्षक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जायेगा। सभी विद्यार्थी पूर्व निर्धारित शीर्षक पर कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास करेंगे। कक्षाध्यापन में माइनर के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शीर्षक दिये जायेंगे जो विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। साप्ताहिक कक्षाध्यापन के माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर कक्षा में सभी विद्यार्थियों के सामने खड़े होकर अपनी बात कहने की क्षमता विकसित करना है।

प्रत्येक माह में निर्धारित साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन -

कक्षा	माइनर कोर्स कक्षा संचालन की तिथियां					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	19,26	02,09,17	04,11,19	04,11,19	-	-
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	19,26	02,09,17	04,11,19	04,11,19	-	-
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	19,26	02,09,17	04,11,19	04,11,19	-	-

कक्षा	सम सेमेस्टर माइनर कोर्स कक्षा संचालन की तिथियां					
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	20,27	04,11,19	06	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20,27	04,11,19	06	-	-	-
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	20,27	04,11,19	06	-	-	-

10. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक माह के अन्त में विभाग के शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों को माहवार वितरित कर परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है। जिससे कि विद्यार्थी का सभी प्रश्न पत्र जो सम्भावित तौर पर विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले हैं पहले ही तैयार हो सके। मासिक मूल्यांकन के दौरान उत्तर लिखने के शैली व लिखावट भी सुन्दर होता है।

प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियां :

कक्षा	विषम सेमेस्टर मासिक मूल्यांकन की तिथियां					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	-	27	26	26	-	-
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	-	27	26	26	-	-
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	-	27	26	26	-	-

कक्षा	सम सेमेस्टर मासिक मूल्यांकन की तिथियां					
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	-	27	18	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	-	27	18	-	-	-
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	-	27	18	-	-	-

11. **विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव** - गत सत्र की भाँति वर्तमान सत्र में भी विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने गोद लिये गये गाँव (महुंआचाफी) में चार बार जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

12. **दायित्व सहकार्य** - गत सत्र 2024-25 की भाँति वर्तमान सत्र में भी "उन्नत भारत अभियान" के नोडल

अधिकारी के रूप में पाँच गाँव (मंझरिया, बड़ी रेतवहिया, छोटी रेतवहिया, हसनगंज व ककरहिया) में सामाजिक जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए समाज को सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी विकासोन्मुख योजनाओं से जोड़ना।

13. **शिक्षक ब्लॉग** – अर्थशास्त्र विभाग से सम्बन्धित समस्त विवरण जिसमें शिक्षक का जीवन वृत्त, शिक्षक व्याख्यान अनुभाग, प्रगति आख्या, स्वमूल्यांकन रिपोर्ट, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र व पाठ्यक्रम सहित अन्य महत्वपूर्ण अनुभाग उपलब्ध है। वर्तमान सत्र में किताबें, शोध पत्रें की सॉफ्ट कापी भी उपलब्ध करायी जायेगी जिससे कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो सके।

14. **विद्यार्थियों को गोद लेना** – विभाग में पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनका उन्नयन करने का प्रयास किया जाता है तथा इनका पूर्व परिचयात्मक विवरण फोटो सहित बनाकर पँजिका पर दर्ज किया गया है। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के स्थान पर वर्तमान सत्र में दो अन्य विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा। गोद लिये गये विद्यार्थियों का पठन-पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम/आई.डी. नं.	विषय	कक्षा	मोबाईल
1.	ईशा गुप्ता	भूगोल, अर्थशास्त्र	पंचम सेमेस्टर	9161253275
2.	अनुष्का यादव	भूगोल, अर्थशास्त्र	पंचम सेमेस्टर	7054133624
3.	शीतल शर्मा	समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र	पंचम सेमेस्टर	8953569875
4.	रूचि मद्धेशिया	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	प्रथम सेमेस्टर	6393314618
5.	रिंकी चौहान	मनोविज्ञान, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	प्रथम सेमेस्टर	9807122098

15. **विभागीय लाइब्रेरी** – प्रत्येक वर्ष की भाँति सत्र 2024-25 में भी अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को केन्द्रिय ग्रन्थालय के अतिरिक्त विभागीय लाइब्रेरी से पुस्तक उपलब्ध कराया जाता है इस आशय हेतु पँजिका विभाग में उपलब्ध है।

16. **स्वैच्छिक श्रमदान** – विभाग के शिक्षक प्रत्येक वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान में भाग लेंगे।

17. **पठन-पाठन** – सभी सेमेस्टर के लिए 3-2-1 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम बनाकर कक्षा का संचालन किया जायेगा। सभी सेमेस्टर के माइनर का पाठ्यक्रम कक्षाध्यापन तिथि (पाठ्यक्रम योजना) में विद्यार्थियों को शीर्षक से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराकर कक्षाध्यापन के रूप में माइनर के पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरी की जायेगी।

18. **उपचारात्मक कक्षाएं** – विभाग के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर विषय सम्बन्धित समस्याओं के निवारण हेतु उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेगी।

19. **परिचर्चा** – पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वर्तमान आर्थिक दशाओं, प्रणालियों एवं मौद्रिक तथा उसकी विशेषताओं के साथ-साथ उन सभी अंगों की चर्चा की जायेगी जिनका सम्बन्ध प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के कल्याण से है।

20. **विभागीय रपट** – विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनुभवों, उपलब्धियों सहित गत सत्र 2023-24 का विभागीय रपट ब्लॉग पर उपलब्ध कराया जायेगा तथा वर्तमान सत्र का विभागीय रपट जुलाई माह 2025 के पूर्व ब्लॉग पर अपलोड कर दिया जायेगा।

21. **ई-कन्टेन्ट** – सत्र 2024-25 में उत्तर प्रदेश सरकार के डिजिटल लाइब्रेरी पर ई-कन्टेन्ट की संख्या बढ़ाकर 80 करने का प्रयास किया जायेगा।

नोट:- उपरोक्त विभागीय कार्यक्रमों की तिथियों में परिवर्तन हो सकता है।

Department of English Literature

1. **Classes according to time table -** College has allotted IInd period for the B.A. Ist Semester in Chhatrapati Shivaji kaksha, Vth period for B.A. Vth Semester in Madan Mohan Malviya kaksh & VIIth period for B.A. IIIrd Semester in Kautilaya kaksha.

2. **Lesson Plan -** Dept. teaches according to the lesson plan. Last year 79 working days for B.A. I[st] Semester, 48 working days for B.A. IInd Semester, 93 working days for IIIrd Semester and 48 working days for B.A. IVth Semester. But Department had taken 75 classes in B.A. Ist Semester, 44 classes in B.A. IInd Semester, 89 classes in B.A. IIIrd Semester and 44 classes in IVth Semester

   This year classes of B.A. IIIrd Sem and B.A. Vth Semester classes have been started from 16[th] July 2024. Department will try to complete the syllabus according to lesson plan on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

3. **Minor Class/Class Teaching -** After every fifth working day, sixth day's classes are taken by the students which help in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Class teaching help them in continuous development of verbal expression, thinking communication skill and analytical ability. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic. Each & every student is provided an opportunity to participate in class teaching according their ascending I.D. No. Last year more than 38 students out of 120 in Ist Semester, 15 students out of 120 in II Semester & 8 out of 128 regular students in III Semester had participated. This year dept. will try to achieve that more than 70% participation of students.

   This year's class teaching schedule is:

Class	Class Teaching Schedule					
	July	August	September	October	November	December
B.A. I Sem.	22	05,12,21	06,13,21	07,15,22		
B.A. III Sem.	22	05,12,21	06,13,21	07,15,22	NA	NA
B.A. V Sem.	22	05,12,21	06,13,21	07,15,22		

Class	Class Teaching Schedule					
	January	February	March	April	May	
B.A. II Sem.	21,28	8,18,25	7,19	7,16,24		
B.A. IV Sem.	21,28	8,18,25	7,19	7,16,24		
B.A. VI Sem.	21,28	8,18,25	7,19	7,16,24	N.A.	

4. **Monthly Evaluation** - Monthly Evaluation is conducted at the end of the last week of the month. It helps

students to understand the taught portion, if few students have failed to graps a particular chapter then re-teach it. If a few are confused the lecturer can provide individualized help it also help students to get ready for the examinations & to know their weak point. Last year 30% student participated in the monthly evaluation .**This year dept. will try to ensure participation of every regular student.** This monthly evaluations are held on

Class	**Monthly Evaluation Schedule**					
	July	August	September	October	November	December
B.A. I Sem.	29	29	28	29		
B.A. III Sem.	29	29	28	29		
B.A. V Sem.	29	29	28	29		

Class	**Monthly Evaluation Schedule**			
	January	Febuary	March	April
B.A. II Sem.	31	28	22	30
B.A. IV Sem.	31	28	22	30
B.A. VI Sem.	31	28	22	30

5. **Power-point classes - This year Dept. has decided to take Maximum classes on projector through ppt presentation too**. Though dept. has uploaded the complete syllabus of B.A. I, II, III IV, V and VI Semester on the Departmental Blog in the notes form last year.

6. **Teaching Methodology**
   - Chalk & talk
   - Explanation Method
   - Group Discussion
   - Book Reading
   - Participatory Method
   - Problem solving sessions
   - Power-Point
   - Class Teaching
   - Competition

7. **Guest Lectures**

"Something different than the usual always seems interesting!"

Guest lectures & workshops enhances the Educational experience of the student. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the student on:

Proposed Guest Lectures

Date	Topic	Lecturer
07-10-2024	Growth of Victorian literature	Prof. Ajay Shukla, Head of department of English, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

8. **Proposed Subject Experts**
   - Prof. Alok, H.O.D., Dept. English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

- Dr. Anugrah Tiwari, Associate Prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur
- Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
- Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D. Department of Humanities & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
- Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G. College, Dhara, Kushinagar.

Date & Guest can be changed according to the current situation & avaibility of the guest lecturer.

9. **Competitions -** Competition not only promotes, improved teamwork & collaboration & enhance social emotional learning, but also develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrinsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competition as:

Date	Competition	Topic
06-09-2024	Poster making competition	Youth activism/healthy eating and nutition.
25-09-2024	Debate competition	Do you need to have a college degree to get a good job.
04-04-2025	Story –Writing Competition	Where there is will, there is a way
10-04-2025	Lecture Competition	Human Rights
24-04-2025	Extempore	Expressing Gratitude and Love to Mother

10. **Problem Solving class & Remedial Class -** VI Period will be declared as Problem solving class for the Student of B.A. Ist, IIIrd & Vth Semster.

11. **Teacher Feedback form -** This year too Dept. will take feedback of student on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the student from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

12. **Self-assessment & progress report -** Dept. fills self-assessment form each & every month's last day with the progress report of the student's online. It allows us to create critical reflective practice in our own action. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

    This year too dept. will continue and try to submit both either on the last day of the month or the first day of the upcoming month as dept. has done since 2006.

13. **Library -** Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes student too to visit library & provide them lists of books are to access some supplementary books.

14. **Students Adopted by faculties -** The faculty member of the department will adopt 5 student and look after their overall academic and personality development aspect of student. They will play the role of parents and help the personality excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted student which includes complete, academic records, family background and photograph etc.

    The main of this scheme is to develop is to a harmonious relation with the adopted student which in terms builds a confidence on teachers in student.

15. **Students currently Adopted by faculties**

S.No.	Name of Students	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Sneha Gautam	8299231945	B.A. IV Semester	Shivani Singh
2	Vivek Kumar Nishad	9005460296	B.A. IV Semester	Shivani Singh

3	Amrita Chauhan	9793979693	B.A. IV Semester	Shivani Singh
4	Radhika Gupta	8418089832	B.A. IV Semester	Shivani Singh

16. **Visit to Village -** One Village Kakrahiya was adopted by the department to uplift the educational and socio-economic status of the village. The department will go to for village visit in the village 4 times in the year as these pre-determined dates.
    - 20th December, 2024
    - 27th December, 2024
    - 28th February, 2025
    - 06th May, 2025

    The department organizes social welfare in the following broad areas to develop the village community:
    - Public Awareness Rally about AIDS.
    - Prevention of Anemia disease in rural women and girl.
    - Millets
    - Voting Awareness- Jagriti.
17. **Blog -** Last year dept. had uploaded Departmental report & 100% of syllabus of B.A. all semesters. This year dept. will try to upload all the research paper on the blog.
18. **Swachhik Shramdan -** Dept. along with 60% student of the dept. participate in sawchik sharmdaan to develop the habit of cleanliness & to make student feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

    Apart from this shramdaan provided our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

उद्देश्य – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल आज और संभावित कल की सांस्कृतिक समस्या, परंपरा, ज्ञान, विज्ञान, लोक कला के साथ-साथ तत्कालीन स्थितियों, परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सत्य के डोर से उन्हें बांधे रखना है।

विभागीय शिक्षक – विभाग में दो शिक्षक कार्यरत हैं।

(क) श्री अनूप कुमार पाण्डेय – विभागाध्यक्ष

(ख) डॉ. अर्चना गुप्ता – सहायक आचार्य

विभागीय योजनाएं:

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनाई जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अंतर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्य दिवसों के अनुरूप बांट दिया जाता है। सत्र के प्रथम 43 दिन 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्न पत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन द्वारा कक्षा का संचालन होता है। अगले 43 दिन 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्य दिवस में किसी शिक्षक को कौन सा शीर्षक पढ़ाना है, यह पूर्व निश्चित रहता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर पूर्व योजना के सिद्धांत पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र 2024-25 की विषम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय

की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था। इस सत्र के सम सेमेस्टर (बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम् तथा एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर) की कक्षा विभाग द्वारा 16.01.2025 से ही प्रारंभ कर दी जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ-साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।

2. **कक्षाध्यापन – माइनर** – विद्यार्थियों में संप्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 5/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन के शीर्षक से जुड़ने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक का चयन न कर सके तो शिक्षक शीर्षक देता है, तत्पश्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतीकरण योग्य तैयार करवाता है, तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरांत छठवें दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने के आधार पर विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है, तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा निर्देश भी देता है। इस सत्र में प्रस्तावित कक्षाध्यापन में महाविद्यालय की योजना की पूर्ति हेतु (जिसका विवरण माइनर कोर्स के स्तंभ में दिया गया है) स्नातक स्तर पर विभाग द्वारा कक्षाध्यापन के परंपरागत स्वरूप में परिवर्तन कर कक्षाध्यापन की तिथियों में माइनर विषय रख के कक्षाध्यापन को अधिरोपित किया गया है जो अग्रलिखित है-

कक्षा	कक्षाध्यापन/माइनर (विषम सेमेस्टर)			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
1 बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	22	06,13,22	07,14,23	08,16
2 बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	20	03,10,20	05,12,20	05,14,21
3 बी.ए. पंचम सेमेस्टर	20	03,10, 20	05,12,20	05,14,21

कक्षा	कक्षाध्यापन/माइनर (सम सेमेस्टर)			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
1 बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	20	04,11,19	06,08	02,09,19
2 बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20	04,11,19	06,08	02,09,19
3 बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	20	04,11,19	06,08	02,09,19

3. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक मास के अंत में विद्यार्थियों की विषय ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न पत्रों के आधार पर किया जाएगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र इस माह में पढ़ाये गए विषय वस्तुओं के आधार पर निर्मित होंगे। जनवरी से अप्रैल माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाएंगे। इस सत्र के विषम सेमेस्टर के साथ सम सेमेस्टर की प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियां अग्रलिखित है-

कक्षा	मासिक मूल्यांकन (विषम सेमेस्टर)			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
1 बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	30
2 बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	27	28	27	28
3 बी.ए. पंचम सेमेस्टर	27	28	27	28

कक्षा	मासिक मूल्यांकन (सम सेमेस्टर)			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
1 बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	27	27	22	26
2 बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	27	27	22	26
3 बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	27	27	22	26

4. **प्रगति आख्या** – इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति उनका आचरण व्यवहार कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह के अंत में ऑनलाइन प्रगति आख्या मे संकलित किया जाएगा। सत्र के अंत में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह ऑनलाइन 'शिक्षक स्व-मूल्यांकन प्रपत्र' भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट तथा अपने ब्लॉग पर अपलोड कर दिया जाएगा, जिसकी एक छायाप्रति शिक्षक अपने पास और एक विभाग में रखेगा। शिक्षक स्व मूल्यांकन प्रपत्र में अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाई कितना कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराया, कितने दिन महाविद्यालय विलंब से आए, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व गए, दिए गए उत्तरदायित्वों का निर्धारण कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे संभाग किया इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अंत में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जाएगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – आत्म मूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र-छात्राओं द्वारा जनवरी/अप्रैल के किसी भी कार्य दिवस में छात्र-छात्राओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

7. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राहय एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षक प्रविधियों का प्रयोग किया जाएगा। कुछ प्रमुख प्रविधियां निम्नवत हैं:-

- व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
- प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
- समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण

- मानचित्रों द्वारा शिक्षण
- वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
- शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

उपर्युक्त शिक्षण विधियां विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिंतन, बौद्धिकता, विषय ग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायता सिद्ध होगी।

8. **विभागीय कार्यक्रम** – विगत सत्र की भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम करने की योजना है इनमें से कुछ कार्यक्रम परंपरागत रूप से होंगे जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित होंगे। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की संभावित सूची निम्नवत है–

विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :-

- योग दिवस (21 जून) पर शपथ ग्रहण समारोह, मुख्य अतिथि – प्रो. मनोज कुमार तिवारी, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- 23 जुलाई 2024 दिन मंगलवार, चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान। **विषय:**- "आजाद का भारत" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान – मुख्य अतिथि डॉ. पंकज सिंह, रिसर्च एसोसिएट, अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति, नई दिल्ली।
- दिनांक 13 सितम्बर, 2024– एक दिवसीय संगोष्ठी। **विषय:** "शोध पत्र – दशा एवं दिशा", मुख्य अतिथि श्रीमती निधि राय, अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, दिग्विजय नाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर।
- 22 मार्च 2025– शनिवार, शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान। **विषय**– "शहीद ए आजम की शहादत", मुख्य अतिथि – श्री अभिषेक त्रिपाठी, शिक्षक (BPSC)

नोट– कार्यक्रम से संबंधित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान संभावित है। विषम परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन संभव है।

1. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं संप्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की भी योजना है। यह प्रतियोगिता 10 फरवरी 2025 को प्रस्तावित है। समय एवं स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन की तिथि एवं प्रारूप में भी परिवर्तन संभव है।
2. **उपचारात्मक कक्षाएं** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त, अक्टूबर माह में 15 से 30 तक शैक्षिक दृष्टिकोण के आशानुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।
3. **ग्राम्य दर्शन** – इतिहास विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम ककरहियाँ जंगल धूसड़, गोरखपुर को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिए जाने का उद्देश्य गाँव में विभिन्न प्रकार के जागरुकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद

लिए गए गाँव ककरहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा ग्राम दर्शन एवं जन-जागरूकता के लिए दो तिथियां निर्धारित की गई है, यह तिथियां हैं-

- 16 फरवरी 2025
- 06 अप्रैल 2025

नोट - विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन संभव है।

9. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक पांच विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिए गए विद्यार्थी प्रायः प्रथम सेमेस्टर के होते हैं, विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही संबंधित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिए विद्यार्थियों एवं संबंधित शिक्षक का संबंध पिता-पुत्र/पिता-पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय-समय पर अपने गोद लिए गए विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में विभाग के दो शिक्षकों द्वारा जो विद्यार्थी गोद लिए गए हैं, वे सभी इतिहास विषय के विद्यार्थी है, इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है-

क्र.सं.	नाम	कक्षा	आई.डी.संख्या	मोबाइल नं.
1	कृष्ण कुमार भारती	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220315	9415233306
2	आकाश गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220307	6386872565
3	अंकित कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220185	8808706116
4	वीरू कुमार निषाद	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220139	8881136206
5	अमेरिका निषाद	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220335	9026823824
6	कल्याणी निषाद	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	MPPGBAS220231	9621490888
7	संजना साहनी	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBA5230017	6393704984
8	रंजना	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBAS230014	9653076055
9	अमित कुमार यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBA5230050	8853577095

10. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग ने केंद्रीय ग्रंथालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबंध किया है। विभागीय पुस्तकालय में वर्तमान समय में 25 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर सभी विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अंतर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक समय-समय पर यथासंभव प्रतिदिन केंद्रीय पुस्तकालय में जाते हैं तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हैं।

11. **वेबसाइट तथा फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को सप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

12. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी./एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** – विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्र संघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस में भी अपना योगदान देता है। छात्र संघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्ष व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में संप्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है। एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

13. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियंता मंडल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहां भी रहते हैं अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की व्यवस्था बनाएं रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते हैं। विभाग के आस-पास के व्यवस्था की पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

14. **समय-सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय सारणी उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान के सम सेमेस्टर की समय सारणी के अंतर्गत बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम् सेमेस्टर की प्रतिदिन एक-एक तथा एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की दो कक्षा संचालित होगी। विभाग द्वारा समय सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

15. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** – विभाग कक्षाओं के पठन पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लॉग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्य सामग्री भी समय-समय पर अपलोड करते-रहते हैं। सत्र 2024-25 में विभाग की योजना है कि सभी कक्षाओं के समस्त प्रश्न पत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी. बनाकर ब्लॉग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लॉग पर पाँच पी.पी.टी कन्टेंट तथा अद्यतन बायोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लॉग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

16. **शिक्षक-आचार संहिता** – महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता है और आगे भी किया जाता रहेगा।

गृह विज्ञान विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचांग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।

2. **माइनर कक्षा/कक्षाअध्यापन** – माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्यवस्तु से एक सप्ताह पूर्व विद्यार्थियों की कक्षाध्यापन के माध्यम से कक्षाएं चलायी जायेगी। कक्षा पूर्ण होने से पूर्व 10 मिनट का समय लेकर विद्यार्थी द्वारा पढ़ाये गये विषय की शिक्षक द्वारा समीक्षा कर सुधारात्मक प्रयास किये जायेंगे।

3. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक महीने में पढ़ाये गये व्याख्यान से टिप्पणी एवं बहुविकल्पीय प्रश्न विद्यार्थियों को गृहकार्य में देकर मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। तत्पश्चात उनके द्वारा दिये गये उत्तर का मूल्यांकन कर

प्रत्येक माह के अन्त में प्रगति आख्या में अंकित किया जायेगा।

4. **प्रगति आख्या** – प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्र के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

5. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 02 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं मार्च माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है। सत्र के अन्त में दोनों माह की प्रतिपुष्टियों की विभागाध्यक्ष द्वारा समीक्षा की जाती है।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत छात्राओं एवं शिक्षिकायें द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय मे कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।

8. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक बुधवार को पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगामी सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक होता है।

9. **कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर – उद्देश्य**– महाविद्यालय में कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर त्रैमासिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम को गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालन किया जा रहा है। ताकि छात्राएं रोजगार कौशल को विकसित करके अपने व अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूती तथा अच्छा स्वास्थ्य प्रदान कर सकें।

   संचालन विधि – कास्मेटोलॉजी एण्ड सेल्फकेयर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 1 फरवरी से प्रारम्भ होकर 30 मार्च तक पूर्ण करा लिया जायेगा। इसकी कक्षाएँ शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घण्टी में गृह विज्ञान प्रयोगशाला में संचालित की जायेगी। पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर अप्रैल माह के प्रारम्भ में सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित होंगी। जिसमें सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को महाविद्यालय के समावर्तन समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

10. **नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण** – योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान में गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। इस निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का 08 माह तक नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त मार्च माह के अन्त में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

11. **गोद लिया गया गाँव** – गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'नवका टोला' गाँव अधिगृहित किया गया है जो कि छोटी रेतवईयाँ धोधड़ा गाँव के समीप है। छात्राएँ तथा शिक्षिकाएँ साथ में निर्धारित तिथि एवं समय पर गाँव में जाकर वहाँ के लोगों से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास करती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

12. **गोद लिये गये विद्यार्थी** – महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

सुश्री रीतिका त्रिपाठी	अस्मिता सिंह (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर), रीमा गुप्ता (बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर), सोनम सिंह (बी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर)
डॉ. अवन्तिका पाठक	प्रियंका (बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर), शिवानी शर्मा (चतुर्थ सेमेस्टर), प्रिया यादव एवं कामिनी निशा (बी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर)

13. **नैक** – नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।

14. **एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी.** – महाविद्यालय में एन.एस.एस, एन.सी.सी. जैसे प्रकल्पों का भी प्रावधान है जिसके तहत विभाग की लगभग 10 छात्राएँ एन.एस.एस. में तथा 5-6 छात्राएँ एन.सी.सी. में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। विभाग द्वारा छात्राओं को अधिक से अधिक इन प्रकल्पों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है और आगे भी निरन्तर रूप से किया जाता रहेगा।

15. **विभागीय पुस्तकालय** – छात्राओं की तत्कालिक पुस्तकीय समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पुस्तकालय का भी प्रकल्प है, जिसके अन्तर्गत गृह विज्ञान विषय के पाँचों शाखाओं की कुल 15 पुस्तके हैं। इसके अतिरिक्त नेट/जे.आर.एफ तथा टीईटी/सीटीईटी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करने व तैयारी हेतु भी पुस्तकों की व्यवस्था है।

16. **विभागीय कार्यभार** – विभागीय कार्यों को नियमित व सुचारू रूप से चलाने के लिए इस सत्र में विभाग की सभी शिक्षिकाओं को बराबर कार्यभार वितरित किया गया है जिससे कि शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता की कमी न आये। इस विभागीय कार्यभार की प्रणाली को आगे भी उतरोत्तर उद्धित किया जाता रहेगा।

17. **प्रयोगशाला सहायिका** – गृह विज्ञान प्रयोगशाला की उचित देखभाल व सुचारू कार्य संचालन के लिए लैब सहायिका का भी प्रावधान है। जिनका मुख्य कार्य लैब सम्बन्धित सामग्रियों, सफाई और व्यवस्था की देख-रेख करना है।

शिक्षण-विधियाँ

शिक्षण-विधि	**सत्र 2024-25 में प्रस्तावित लक्ष्य**
1. पॉवर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण	इस सत्र में पी.पी.टी. का प्रयोग आवश्कतानुसार शिक्षकों द्वारा किया जायेगा।
2. व्याख्यान विधि	विगत सत्रों की भाँति शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु का प्रकट करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगे।
3. योजना या प्रोजेक्ट विधि	इस विधि के तहत प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक विषय का टॉपिक दिया जायेगा, जिस पर वह स्वयं हल निकालकर असाइनमेण्ट बनायेंगी, जिससे उनकी समस्या समाधान की तात्कालिक कौशल का विकास होगा।

4. सहभागी विधि कक्षा	शिक्षिकाएँ छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली व उद्देश्यपूर्ण बनायेंगी।
5. समावेशी शिक्षा	कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है।
6. प्रदर्शन विधि	गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अतः प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य, प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती है।
7. करके सीखना	स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अतः गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।
8. अन्वेषण/शोध विधि	एम.ए. की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती हैं। जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती हैं।
9. शैक्षिक भ्रमण	बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है।
10. ग्रामीण भ्रमण	छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियां, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है।

कार्यशाला एवं व्याख्यान

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि/निर्णायक मण्डल
22.07.2024	राष्ट्रीय आम दिवस (वृक्षारोपण)	डॉ. सुधा शुक्ला, सुश्री शिवानी सिंह
01.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (स्लोगन लेखन प्रतियोगिता)	डॉ. नीलम गुप्ता, श्रीमती श्रुति शाही
02.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (भाषण प्रतियोगिता)	डॉ. आरती सिंह, श्रीमती अर्पिता सिंह
03.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (निबन्ध प्रतियोगिता)	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री अर्चिता राय
05.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता)	डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. रितेन्द्र नाथ पाण्डेय
06.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (पोस्टर प्रतियोगिता)	सुश्री शिवानी सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला
07.08.2024	विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम (पुरस्कार वितरण समारोह विशिष्ट व्याख्यान)	डॉ. रमाकान्त दूबे

17.08.2024	राखी बनाने की प्रतियोगिता	डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
02.09.2024	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (आशुभाषण प्रतियोगिता)	डॉ. सुधा शुक्ल, डॉ. रितेन्द्र नाथ पाण्डेय
03.09.2024	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता)	डॉ. अवन्तिका पाठक, श्री सूरज मिश्रा
04.09.2024	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता)	सुश्री रीतिका त्रिपाठी, श्रीमती अर्पिता सिंह
05.09.2024	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (निबन्ध लेख प्रतियोगिता)	डॉ. आरती सिंह, डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, श्रीमती श्रुति शाही
06.09.2024	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (शोध व्याख्यान प्रतियोगिता)	डॉ. नीलम गुप्ता, श्री पप्पू कुमार गुप्ता
08.03.2025	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम	मुख्य अतिथि, डॉ. अर्चना गुप्ता
07.04.2025	विश्व स्वास्थ्य दिवस (विशिष्ट व्याख्यान)	डॉ. अजहर अली (मेडिकल कॉलेज)

नोट : उपरोक्त कार्यक्रमों में तिथि समय अथवा अतिथि में सम्भावित परिवर्तन किया जा सकता है।

कक्षाध्यापन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	23	06,13,22,27	07,14,23	08,16,23
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	23,30	06,13,22	07,14,23	08,16,23
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	23	07,14,23	09,16,23	09,17

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	22	06,14	01,08	04,12,22
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22	06,14,21	07,19	03,11,21
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	22	06,14,21	07,19	03,11,21
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	22	6,14,21	7,19	3,11,21

मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	30
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	30	30	30	30
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	30	30	30	30
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	NA	30	30	31
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	28	20	28
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	29	28	20	28
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर				

नोट - विशिष्ट परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथि, समय एवं अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

Computer Application Department

The Department of Computer Application is a dynamic and innovative academic unit dedicated to providing students with a comprehensive education in computers. It's a three-year undergraduate program that focuses on the fundamental principles of advanced computer science, software developments, and information technology. The department is committed to nurturing students' analytical, problem-solving, and programming skills to prepare them for successful careers in the rapidly evolving IT industry.

The department of Computer Application plays a pivotal role in shaping the future of aspiring computer professionals. Through a combination of rigorous academic programs, experienced faculty, modern infrastructure, the department prepares students to meet the challenges of the ever-evolving IT landscape. Graduates from the Department of Computer Applications are well-positioned to make significant contributions to the field of computer applications and emerge as leaders in the technology driven world.

1. **Departmental Action Plans (2024-25) -** The Annual plan of the Computer Application department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and professional upliftment of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

   Since its inception, the educational objective of the Computer Application Department has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Computer Application Department is always to come true to the ground of reality. Department's action plans are –

- **Start of the Session -** After the completion of the admission process, it has been decided to conduct, the lecture of Under Graduate programs first semester, third semester and fifth will start on 16 July 2024 in the current academic session.

  The lecture of Under Graduate program's second semester, fourth semester and sixth semester will start on 16 January 2025 in the current academic session as per the course plan.

- **Time Table -** Every class in the college is conducted according to the time table, the class of computer application students will also be conducted according to the time table.
- **Practical Classes -** The practical classes for the undergraduate classes Ist, III and V semester will start from 01 August 2024. The practical classes for the undergraduate classes IInd, IVth and VIth Sem will start from 1 February 2025. The department will also show simulations of Practical's through Audio/ Visual methods in Practical classes.
- **Laboratory -** The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary hardware and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge and principal in the month of March at the end of the session.
- **Teaching – Learning Process -** It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the this the syllabus of First, Third and Fifth semester classes will be completed by 30 October and syllabus of Second, Fourth and Sixth semester classes will be completed by 30 April 2025, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by given date, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.
- **Course Plan -** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session 2024-25 and it is made open to everyone on the website of the college, i.e., www.mpm.ac.in. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college.
- **Innovations in Class Teaching -** The use of SMART BORAD, PROJECTOR, LAPTOP etc., as aids in classroom teaching will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of BCA subject under the inter-disciplinary method.

2. **Teaching Methods**

The following teaching methods will be used by Department of Computer Application in classroom teaching as:

1. Live Classes	E–Learning platform will be used in which live class conduct andinteraction with students will be done through video conferencing.
2. Power Point Presentation	In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3. Lecture/Explanation Method	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/Explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.
4. Participatory Method	The teaching process is made effective and purposeful by making fullactive participation of teacher – student during class.
5. Inclusive Education Technique	In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the main stream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive etc.
6. Learning by doing	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in computer teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.

7.	**Group Discussion**	Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.
8.	**Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

3. **Weekly Class Teaching -** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 5 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

   Like previous years, this year also this method will continue.

Weekly Class Teaching Dates

Class	Class Teaching			
	July	**August**	**September**	**October**
B.A. I Sem.	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23
B.A. III Sem.	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23
B.A. V Sem.	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23

Class	Class Teaching			
	January	**February**	**March**	**April**
B.A. II Sem.	22	6,14	1,8,20	4,12,22
B.A. IV Sem.	22	6,14	1,8,20	4,12,22
B.A. VI Sem.	22	6,14	1,8,20	4,12,22

4. **Summary of the Lesson -** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT/PDF uploaded on the teacher blog of the college website.

5. **Monthly Evaluation (Assessment) -** Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

Monthly Assessment Dates

Class	Monthly Assessment			
	July	August	September	October
B.A. I Sem.	30	30	30	30
B.A. III Sem.	30	30	30	30
B.A. V Sem.	30	30	30	30

Class	Monthly Assessment			
	January	February	March	April
B.A. II Sem.	29	21	Mid Term	29
B.A. IV Sem.	29	21	Mid Term	29
B.A. VI Sem.	29	21	Mid Term	29

6. **Progress Report -** It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.

7. **Analysis of Progress Report -** The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.

8. **Self-Assessment Report -** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.

9. **Faculty Feedback Report (Sikshak Pratipushti Prapatra) -** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members improves their depth knowledge of courses and social behavior. This activity is performed twice in a year (November & June) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

10. **Adopted Students -** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NCC, NSS, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Smt. Arpita Singh are –

1	Jyoti Chaudhary	B.A. III	-
2	Anshu Kumari	B.A. III	Rovers Ranger
3	Roshani Yadav	B.A. III	-
4	Reena	B.A. III	Rovers Ranger
5	Nityansh Yadav	B.A. III	-

11. **Adopted Village -** To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The Computer Application Department has adopted the villages Badi Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits.

12. **Village Tour schedule -**

Date	Day	Time	Program
09 December 2024	Monday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
11 January 2025	Saturday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

13. **Departmental Blog -** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 30 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members.It will be updated from time to time in this session also.

14. **Alumni -** Department of Computer Applicaion keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.
    (i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.
    (ii) Help them to plan their career based on the choice of course.
    (iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

15. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences -** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

    As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.

    Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

16. **Proposed Seminar -**

Date	Day	Time	Program
28.10.2024	Monday	1.10pm-2: 20 pm	National Cyber Security Awareness Month (1 Oct - 31 Oct as per UGC suggested program)
02.12.2024	Monday	11.20 am-12.10pm	World Computer Literacy Day
03.12.2024	Tuesday	11.20 am-12.10pm	Graphics Designer Day

17. **Workshop -**

15.07.2024	Monday	11.00 am-12.00pm	One Day Faculty Workshop on College Website
05.05.2025	Monday	11.20 am-12.10pm	Two Days Workshop on Java Programming

18. **Competitions and Other Programs -** Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

17th September 2024	Plantation "EK PED MAA KE NAAM" (As per UGC suggested program)
16th January 2025	Computer Quiz Competition

19. **Guest Lectures -** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

Guest Lectures

8th April 2025	Meenakshi John	12.10pm - 1.20pm	Cyber law

20. **Proposed Speaker of Workshop, Guest Lecture and Lecture Competition:-**

1	Dr. Suryakant Pathak	Director, KIPM, Gorakhpur
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA
5	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
6	Smt. Anjali Shukla	Assistant Professor Ramawati Degree College
7	Smt. Meenakshi John	Assistant Professor St.Andrews College
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Shri Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Shri Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Shri Avinash Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

Note : It is possible to change the dates, time and name of Guest of the above departmental programs according to the current circumstances.

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग

1. **उद्देश्य** – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का प्राथमिक उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक धर्म एवं कला के साथ-साथ तत्कालीन स्थितियों–परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की

प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

2. **शिक्षक जीवनवृत्त (अद्यतन)** – विभाग में कार्यरत शिक्षकों का पूर्ण एवं अद्यतन बायोडाटा ए.पीआई. स्कोर सहित निर्मित है, जो विभाग में अवलोकनार्थ संरक्षित रखे हुए। किसी भी सक्षम अधिकारी द्वारा विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा किसी भी समय अवलोकन/परीक्षण किया जा सकता है। शिक्षकों द्वारा अपना बायोडाटा सत्र के अन्त में प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है।

3. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में सुनिश्चित पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक सत्र/सेमेस्टर में विभाग द्वारा बनायी जाती है। पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। पाठ्यक्रम योजना 3+2+1 की योजना पर कार्य करती है। अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। इस सत्र में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन की कक्षा में माइनर कोर्स के संचालन की योजना है। कक्षाध्यापन का स्वरूप आगे विवेचित है। मासिक मूल्यांकन के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर 15 बहुविकल्पीय प्रश्न हल करने हेतु प्रश्न-पत्र के माध्यम से दिया जाएगा जो 30 मिनट के अन्दर करना होगा। तत्पश्चात उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन विभागीय शिक्षक द्वारा किया जाएगा तथा यथा सम्भव सुधार हेतु विद्यार्थी को निर्देशित भी किया जायेगा। स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थी को 02 निबन्धात्मक एवं 02 लघु उत्तरीय प्रश्न, प्रश्न-पत्र के माध्यम से दिया जाएगा। जिसमें से 01 निबन्धात्मक तथा 01 लघुउत्तरीय प्रश्न विद्यार्थी को 40 मिनट की समय सीमा के भीतर लिखकर देना होगा। अगले दिन उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकनोपरान्त विद्यार्थी को आवश्यक सुधारात्मक दिशा निर्देश दिया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा प्रकरण पढ़ाना है, यह पूर्व निर्धारित रहता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर "पूर्व योजना-पूर्ण योजना" के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भाँति विभाग द्वारा इस सत्र (2024-25) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में निर्मित कर ली गई है। वर्तमान सत्र में बी.ए. प्रथम, तृतीय एवं पंचम तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षा विभाग द्वारा 16 जुलाई से ही प्रारम्भ कर दिया जायेगा। स्नातक द्वितीय, चतुर्थ तथा षष्ठम सेमेस्टर एवं परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जनवरी, 2025 से प्रारम्भ होगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ-साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से उपलब्ध करा दिया जायेगा।

4. **कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स की कक्षाओं का संचालन** – विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक स्वयं शीर्षक देता है। तत्पश्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवें दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जाता है। वर्तमान सत्र में माइनर विषयों की कक्षाओं का भी नियमित संचालन होना है। ये कक्षाएं कक्षाध्यापन के स्थान पर ही चलेंगी। इस हेतु शिक्षक विद्यार्थियों को माइनर विषयों के चुनिंदा (पाठ्यक्रम से

सम्बन्धित) प्रकरण देंगे, जिन्हें विद्यार्थी पूरी तरह से तैयार कर कक्षाध्यापन के समय उसे ही पढ़ायेंगे। अंत में शिक्षक 10 मिनट में उक्त प्रकरणों को विश्लेषित करते हुए अपनी प्रस्तुति देंगे। इस प्रकार कक्षाध्यापन की कक्षा में माइनर कोर्स पूर्ण करने की विभाग की योजना है।

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	22,29	05,12,21	05, 17	07,21	12,22
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	22,29	05,12,21	10,18	08	04,13,23
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	22,29	05,12,21	10,18	07	05,14
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	30	08,17	12,23	09	14

कक्षा	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	21	05,13,20	07	03,11,21	लागू नहीं
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	21	05,13,20	07	03,11,21	लागू नहीं
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	21	05,13,20	07	03,11,21	लागू नहीं
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	21	05,13,20	07	03,11,21	लागू नहीं

5. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन उपरोक्त निर्धारित प्रारूप के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रांकित हैं-

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	30	26	26	30
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	22	30
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	लागू नहीं	30	26	22	26
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	24	25

कक्षा	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	28	28	19	28
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	28	28	19	28
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	28	28	19	28

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	–	–	–	–
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	28	28	19	28

6. **प्रगति आख्या** – प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण-व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

7. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह ऑनलाइन/ऑफलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लॉग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र की एक छायाप्रति शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा- किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तरदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों एवं दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - इस प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक अपने व्यवहार, आचरण, शिक्षण विधि, विषय ज्ञान एवं सम्प्रेषण कौशल का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं जनवरी माह में कराता है। वर्तमान सत्र में भी यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो सितम्बर एवं जनवरी माह में यह प्रपत्र भरवाया जायेगा। साथ ही प्रपत्र में प्राप्त नकारात्मक बिन्दुओं पर आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण कर भविष्य में उसे सुधारने का प्रयास किया जायेगा।

9. **स्वैच्छिक श्रमदान** - महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रें में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

10. **शिक्षण विधियाँ** - पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

    1. व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
    2. प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
    3. समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
    4. पॉवर-प्वाइंट विधि द्वारा शिक्षण
    5. मानचित्रों द्वारा शिक्षण
    6. वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
    7. प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
    8. शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

    उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्न पत्रों का ई-कंटेन्ट (स्लाइड/पी.डी.एफ.) बनाकर ब्लॉग पर अपलोड करने की योजना है।

11. **विभागीय कार्यक्रम** – विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

- **अतिथि व्याख्यान** – विभाग की यह सुदीर्घ परम्परा रही है कि विभाग प्रतिवर्ष कुछ चुनिंदा विषयों पर विशिष्ट व्याख्यान के रूप में बाह्य विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराता है। इस वर्ष भी कुछ महत्वपूर्ण अतिथि व्याख्यान का आयोजन विद्यार्थियों हेतु कराने की योजना है। जिसका विवरण अग्रलिखित है।

क्र.	तिथि	विषय	वक्ता
1	07-08-2024	डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल जयन्ती कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	डॉ. कन्हैया सिंह, प्राचार्य, स्व. भागवन्त पटेल पानमती पी.जी. कालेज, महाराजगंज
2	09-09-2024	डॉ. राधा कुमुद मुखर्जी पुण्यतिथि कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	डॉ. विनोद कुमार, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3	11-02-2025	डॉ. रमेश चन्द्र मजूमदार पुण्यतिथि कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
4	17-02-2025	प्रो. शैलनाथ चतुर्वेदी जयन्ती कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष, इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
5	10-03-2025	प्रो. विजय बहादुर राव पुण्यतिथि कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान)	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

- **व्याख्यान प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में अभिरूचि क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की योजना है। यह प्रतियोगिता 31 जनवरी, 2025 को होगी।

- **वंशावली चार्ट निर्माण प्रतियोगिता** – यह प्रतियोगिता 18 मार्च, 2025 को आयोजित होगी। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के इतिहास विषयक कालानुक्रम को समझने में सहायक होती है।

12. **ग्राम्य दर्शन** – प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- छोटी रेतवहियाँ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता हेतु 4 बार ग्राम भ्रमण किया जायेगा।

13. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता-पुत्र/पिता-पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय-समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। विगत सत्र से ही मेरे (डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह) द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिये गए हैं। विभागीय सहयोगी डॉ. सुबोध कुमार मिश्र द्वारा गोद लिए गए पाँचों विद्यार्थी पास आउट हो चुके हैं। अतः उनके द्वारा अगस्त माह में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के 5 विद्यार्थी गोद लिए जाएंगे।

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों विवरण अग्रलिखित है–

नाम	कक्षा	कालेज आई.डी.	मोबाईल नं.
सुश्री साक्षी सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBAS240143	9838040911
श्री राम सजन निषाद	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBAS240280	9151679935
सुश्री प्रज्ञा गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBAS2400254	9695306244
श्री विशाल भारती	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBAS2400252	8726955268
श्री अजमल अली	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBAS2400321	8382883102

डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों विवरण अग्रलिखित है–

नाम	कक्षा	कालेज आई.डी.	मोबाईल नं.
श्री अजय कुमार	M.A. II Sem	MPPGMAY230002	6393742710
सुश्री दामिनी	M.A. II Sem	MPPGMAY230003	9198432214
सुश्री दिव्यांशी साहनी	M.A. II Sem	MPPGMAY230010	7054977282
श्री विनय कुमार	B.A. IV Sem	MPPGBAS220408	8576051112
श्री सूरज चौहान	B.A. II Sem	MPPGBAS230150	8112526170

14. **विभागीय पुस्तकालय** – विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्तकालय में वर्तमान समय में 120 से अधिक पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हैं। इस वर्ष विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

15. **परीक्षाफल विश्लेषण** – विभाग अपनी क्रियात्मक गतिविधियों को मात्र विद्यार्थियों के पठन-पाठन तथा व्यवहारिक समयानुकूल ज्ञान देने तक ही सीमित नहीं रखता है, वरन् प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों का भी सूक्ष्म विश्लेषण करता है। विभाग द्वारा परीक्षाफल विश्लेषण के अन्तर्गत परीक्षा में कुल सम्मिलित

विद्यार्थियों में से कितने विद्यार्थी (छात्र/छात्रा अलग-अलग) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए और कितने विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए का आंकड़ा तैयार किया जाता है। इसके साथ ही अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की असफलता का कारण जानने का भी प्रयास किया जाता है तथा विभाग द्वारा यह योजना भी बनायी जाती है कि अगले सत्र में इस प्रकार योजना क्रियान्वित की जाय कि अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों का आंकड़ा न्यूनतम हो जाय।

16. **स्नातक से परास्नातक** - विद्यार्थी मूल्यांकन के परिप्रेक्ष्य में हमारे महाविद्यालय से शिक्षा पूर्णकर चुके विद्यार्थी आगे की उच्च शिक्षा के अर्जन हेतु क्या कर रहे हैं एवं किस शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु प्रवेशित है इत्यादि का भी विवरण विगत वर्षों की ही भाँति विभाग द्वारा बनाया जायेगा।

17. **वेबसाइट/फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को सम्प्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

18. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी./एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** - विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों यथा- छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है। एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

19. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते हैं। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होगी।

20. **समय-सारणी** - महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत स्नातक (प्रत्येक सेमेस्टर) की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जबकि परास्नातक (प्रत्येक सेमेस्टर) की दो-दो कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

21. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग, ई-कटेंट** - विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक प्रकरण अनुकूल विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय-समय पर अपलोड करते रहते है। सत्र 2024-25 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षकों के ब्लॉग पर 30 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 21 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020-21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन बायोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लॉग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

22. **शिक्षक-आचार संहिता** - महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

23. **शैक्षिक देशाटन** – इस वर्ष विभाग के विद्यार्थियों हेतु एक शैक्षिक देशाटन (निकट के ऐतिहासिक स्थल पर) की योजना है। इस योजनान्तर्गत विभाग के चुनिंदा विद्यार्थियों को एक दिन के टूर पर ले जाया जाएगा।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की विभागीय योजना का निर्माण विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन करके प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा के पश्चात् उनके बारे में अपने प्रयत्नों की रूपरेखा बनायी गयी है। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना, पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रख कर बनायी गयी है। आरम्भ से ही भूगोल विभाग का शैक्षणिक उद्देश्य सकारात्मक, विकासात्मक, सुरुचिपूर्ण, अभिनवगामी आदि विविध आयामों से परिपूर्ण रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्णता हेतु विभाग के सभी शिक्षक प्रतिबद्ध हैं। भूगोल विभाग की कार्ययोजना का मर्म सदैव वास्तविकता के धरातल पर खरा उतरना है। कार्ययोजना केवल 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' विभाग का ध्येय है।

1. **शिक्षक-**

* विभागाध्यक्ष	डॉ. विजय कुमार चौधरी
* सहायक आचार्य	डॉ. शालू श्रीवास्तव
* सहायक आचार्य	डॉ. नीलम गुप्ता
* सहायक आचार्य	श्री अरविन्द मौर्य

2. **विभागीय कार्य विभाजन** – 22-24 मई 2024 को विभागीय कार्यों का वर्तमान सत्र में कुशलता पूर्वक संचालन करने के उद्देश्य से एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व को निर्धारित किया गया। दायित्व वितरण का कार्य विभाग की शिक्षिका डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया-

डॉ. विजय कुमार चौधरी

- विभागीय बैठकों का आयोजन
- समय-सारणी तैयार करना
- पठन पाठन
- तकनीकी प्रसार
- विभागीय रिपोर्ट तैयार करना
- शैक्षणिक भ्रमण यात्रा
- पाठ्यक्रम योजना निर्माण
- फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन
- विभागीय योजना

डॉ. शालू श्रीवास्तवा

- विभागीय स्वच्छता
- विभागीय कार्य निरीक्षण
- पूरक पाठ्यक्रम
- बी.ए./बी.एस-सी. पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- विभागीय कार्य विभाजन
- महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों का आयोजन
- विभागीय रिपोर्ट
- महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजन
- स्वमूल्यांकन प्रपत्र तैयारी में सहयोग एवं एकत्र करना
- मासिक व्याख्यान का आयोजन-स्नातकोत्तर स्तर (विद्यार्थी द्वारा)
- नैक, आई क्यू ए सी हेतु सूचनाएं उपलब्ध कराना
- बी.ए./बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर ग्रुप संयोजन

- एम.ए. तृतीय सेमेस्टर प्रगति आख्या एवं विश्लेषण, ग्रुप संयोजन
- ग्राम दर्शन

डॉ. नीलम गुप्ता

- प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला उपकरण रख-रखाव (प्रयोगशाला सहायक के साथ)
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना
- नवाचार एवं मौलिक प्रयोग
- पाठ्य-पुस्तकों की सूची अद्यतन करना, पाठ्यक्रम संकलन
- स्नातकोत्तर कक्षाओं की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- विभागीय पुस्तकालय
- मैप ड्राइंग प्रतियोगिता
- विभागीय पुस्तकालय
- शिक्षक बायोडाटा
- विभागीय ब्लॉग आख्या तैयार करना
- बी.ए./बी.एससी. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- विभागीय गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम
- बी.ए./बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर ग्रुप संयोजन

श्री अरविन्द कुमार मौर्य

- सेमेस्टर प्रतिवर्ष प्रश्नपत्र
- विशिष्ट व्याख्यान आयोजन
- विभागीय पूर्व विद्यार्थी
- दायित्व सह कार्य रिपोर्ट
- भूगोल प्रदर्शनी
- लैब मैन्युअल
- स्वैच्छिक श्रमदान प्रोत्साहन
- अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
- भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
- बी.ए./बी.एससी. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
- भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
- नसमाचार लेखन
- बी.ए./बी.एससी. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर ग्रुप संयोजन
- *उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त विभाग एवं विभाग समीप के अनुशासन का दायित्व सभी शिक्षकों का होगा।*

3. **सत्रारम्भ**

- 16 जुलाई से स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 16 जुलाई से स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 16 जुलाई से प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ।

4. **समय-सारणी** – स्नातकोत्तर कक्षाओं की समय-सारणी (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) विभागाध्यक्ष द्वारा अद्यतन कर लिया गया है। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण कर लिया गया है। जबकि स्नातक कक्षाओं की समय-सारणी का निर्माण महाविद्यालय द्वारा गठित समिति करती है।

पाठ्यक्रम बी.ए. प्रोग्राम

प्रथम सेमेस्टर	कोर्स कोड	कोर्स नाम	क्रेडिट
	GEO 101F	Physical Geography	Theory 04
	GEO 102F	Fundamentals of Practical In Geography	Practical 04
द्वितीय सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 103 F	Human Geography	4+0
	GEO104 F	Geological Maps, Digrams, Graphs And Survey Prismatic Compass	0+2

तृतीय सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 201	Environment Disaster Management And Climate Change	4+0
	GEO 204	Statistical Techniques In Geography	0+2
चतुर्थ सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 203	Economic Geography	4+0
	GEO 204	Surveying	0+2
पंचम सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 301	Regional Geography	4+0
	GEO 302	Basic Of Remote Sensing And GIS	4+0
	GEO 303	Tour And Tour Report	0+2
	GEO 304	Projeer Report-i	0+3
षष्ठ्म सेमेस्टर	कोर्स कोड		
	GEO 305	Geography Of India	4+0
	GEO 306	Evolution Of Geographical Thoughts	4+0
	GEO 307	Remote Sensing And Gis	0+2
	GEO 308	Project Report-2	0+3

5. **प्रायोगिक कक्षाएं** – स्नातक एवं स्नाकोत्तर की प्रयोगिक कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ होंगी। स्नातक पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसीय सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट तैयार कराया जायेगा। स्नातक पंचम एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जायेगा। जो सेमेस्टर पाठ्यक्रम में अनिवार्य है।

6. **पठन-पाठन** – विभाग का ध्येय 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' है। सतत प्रयत्न किया जायेगा कि पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो। पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन व पूर्व की भाँति किया जाएगा।

7. **विभागीय पुस्तकालय** - विभागीय पुस्तकालय प्रभारी द्वारा विभागीय पुस्तकों का रख-रखाव एवं विद्यार्थियों में आवंटन किया जायेगा। वर्तमान सत्र के लिए आवश्यकतानुसार नये लेखकों की पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी।

8. **प्रयोगशाला** - प्रयोगशाला अद्यतन रखी जायगी। प्रयोगशाला की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जायगी। आवश्यकतानुसार प्रयोगशाला में व प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला हेतु आवश्यक उपकरण एवं अन्य सामग्री क्रय करने के लिए माँग पत्र प्रयोगशाला प्रभारी के माध्यम से प्राचार्य के पास भेजा जायेगा। प्रयोगात्मक उपकरणों को भण्डार पंजिका में दर्ज किया जायेगा। भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से कराया जायेगा।

प्रयोगशाला नवीनीकरण -

1. गोरखपुर अवस्थित मानचित्र
2. दीवारों पर सर्वेक्षण उपकरणों के चित्र
3. महाविद्यालय की अवस्थित मानचित्र (गोरखपुर में)
4. कणादि मुनि का चित्र के साथ परिचय
5. प्रयोगशाला की छत पर पूरे ब्रह्माण्ड का चित्रांकन
6. प्रमुख भौगोलिक दिवसों का चार्ट
7. प्रमुख भूगोलवेताओं का सामान्य परिचय (चित्र सहित)
8. सौर मण्डल का थ्री डी मॉडल
9. भारत एवं विश्व की प्रमुख जनजातियों का चित्र

9. **कक्षाध्यापन में अभिनव प्रयोग** - कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रूप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी कक्षाएं यथासम्भव प्रोजेक्टर, डिजिटल बोर्ड एवं ब्लैक बोर्ड के माध्यम से संचालित होगी। सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के वेबसाइट के सभी शिक्षको के ब्लॉग पर अपलोड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा, उसे भी विभागीय शिक्षक अपने-अपने ब्लॉग पर डालेंगे। विभाग में प्रतिमाह निर्धारित व्याख्यान, विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शीर्षक पर कराया जायेगा। अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तंगत भूगोल विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक कक्षा में विभागीय शिक्षकों द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में की जायेगी।

10. **माइनर कक्षाएं** - माइनर की कक्षाएं साप्ताहिक कक्षाध्यापन के रूप में संचालित होगी जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना है। माइनर की कक्षा हेतु, माइनर कक्षा से 5 दिन पूर्व माइनर की कक्षा पढ़ाने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा विषय कक्षा में तय करके घोषित कर दिया जायेगा। माइनर के लिए विद्यार्थियों की तैयारी कक्षा के बाहर करायी जायेंगी। माइनर के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर माइनर की कक्षा पढ़ाने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सत्र 2024-2025 में साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नवत् हैं-

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	23,30	06,13,22	07,14,23	08,16,23
बी.ए./बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	23,30	06,13,22	07,14,23	08,16,23
बी.ए./बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	23,30	06,13,22	07,14,23	08,16,23
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	23,30	06,13,22	07,14,23	08,16,23

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए./बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	22	6,14	1,8	4,12,22
बी.ए./बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14	1,8	4,12,22
बी.ए./बी.एससी. षष्टम सेमेस्टर	22	6,14	1,8	4,12,22
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14	1,8	4,12,22

11. **स्नातक से परास्नातक में गये विद्यार्थी** - विभाग में स्नातक से परास्नातक में प्रवेशित विद्यार्थियों से सम्बन्धित विवरण रखा जायेगा। जिसमें उन्हें समय-समय पर सम्पर्क करके यथाउचित निर्देशित कर उनके बहुमुखी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

12. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा में पूर्व की भाँति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ

महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा। जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध करके इन्हीं श्लोकों का वाचन हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में किया जाता है। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा में प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। प्रार्थना सभा के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा।

13. **शिक्षक आचार संहिता** – वार्षिक योजना बैठक में सत्र 2024-25 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। यद्यपि शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन द्वारा मान्य नहीं रहेगी। शिक्षकों द्वारा स्वयं आचार संहिता का पालन न करने पर आचार संहिता उस शिक्षक पर स्वतः लागू हो जाएगी।

14. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विद्यार्थियों द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र है। विद्यार्थियों के अभिमत शिक्षक के व्यक्तित्व विकास का माध्यम बनते हैं। वर्ष में दो बार विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाते हैं। इस प्रपत्र के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करते हैं।

15. **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से लागू होता है। विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम द्वारा भरा जायेगा। जो शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह स्वमूल्यांकन करके स्व-विकास का सशक्त माध्यम बनता है।

16. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा प्रत्येक प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करना है तथा विद्यार्थी को पहले से पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा। पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ प्रथम सेमेस्टर के लिए 4+1+1 तथा अन्य सभी सेमेस्टरों के लिए 4+2 के सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसको महाविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

17. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी गोद लिए शिक्षक की होती है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करेंगे। ये विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी या कक्षा प्रतिनिधि में से ही होते हैं। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी को ही गोद लिया जायेगा।

गोद लिए गये विद्यार्थियों की सूची

डॉ. विजय कुमार चौधरी

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1.	श्वेता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	7237913465
2.	सानिया परवीन	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8853398077
3.	तन्नु साहनी	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	7398413649
4.	ज्योति यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	7991260582
5.	प्रियंका	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8756558296
6.	नीलू	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	7880568932

7.	शिवानी	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9628154755
8.	शीतल	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8889232457
9.	राधिका	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9628154755

डॉ. शालू श्रीवास्तव

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	खुशी सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	
2	खुशी गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	8853134415
3	रंजना विश्वकर्मा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	6392431869
4	अमृता सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	6307876588
5	बिट्टू चौहान	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	6394144542
6	सत्या गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	7237014209

डॉ. नीलम गुप्ता

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	संगम	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	9889986252
2	आरती	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9335307633
3	नेहा सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8429560642
4	सपना भारद्वाज	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8808583640
5	सविता चौरसिया	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	7080330647

श्री अरविन्द कुमार मौर्य

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	प्रियंका सिंह	बी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर	7524013819
2	आकृति मौर्या	बी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर	8318817671
3.	निधि गिरी	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	9236868605
4.	शालिनी राव	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	9236159298
5.	प्रिंस	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	8953964469
6.	सुधीर	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	9936703550

17. **गोद लिए गया गाँव** – भूगोल विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव को गोद लिया गया है। विभाग तथा महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराकर सम्पूर्ण विवरण रखा जायेगा। गाँव में

जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करेगा। इस सत्र में चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (20 दिसम्बर 2024, 27 दिसम्बर 2024, 25 मार्च 2025 एवं 17 अप्रैल 2025) गाँव में जाएंगे।

18. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2024-25 में माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन ऑनलाइन/ऑफलाइन कराया जायेगा। सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय होंगे। मासिक मूल्यांकन के लिए प्रश्नों को तैयार करते समय इसका पूरा ध्यान रखा जायेगा, कि प्रश्न विद्यार्थियों की परीक्षा के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकें।

कक्षा	विषम सेमेस्टर मासिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	30
बी.ए./बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	30
बी.ए./बी.एससी पंचम सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	30
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं	30	30	30

कक्षा	सम सेमेस्टर मासिक मूल्यांकन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए./बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.ए./बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.ए./बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	29	21	20	29
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	21	20	29

19. **छात्रसंघ** – अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रत्येक कक्षा में किया जायेगा। चुने गये सभी कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा मतदान के माध्यम से होगा।

20. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक के द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों में से अधिकांश विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक होते हैं। श्रम एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्वों का निर्वहन हेतु उत्तरदायी बनाने के लिए स्वयं सेवकों को प्रेरित किया जायेगा।

21. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों शिक्षकों एवं कर्मचारियों में श्रम के प्रति समान अवधारणा को विकसित करने के उद्देश्य से इस योजना का संचालन किया जाता है। विभाग के सभी शिक्षक इस योजना में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे।

22. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लॉग** – विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय-समय पर वेबसाइट पर अपडेट किया जाता रहेगा। इस सत्र

में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर सभी व्याख्यान की पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जायेगा साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किया जायेगा।

23. **तकनीकी प्रसार** - विभागीय शिक्षकों द्वारा लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, स्काइप, जूम एप आदि का उपयोग किया जाता रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका विद्यार्थियों में प्रसार भी किया जायेगा।

24. **नैक/आई क्यू ए सी** - नैक/ आई क्यू ए सी से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को विभागीय शिक्षकों द्वारा नैक/आई क्यू ए सी प्रभारी को समय से उपलब्ध कराया जायेगा।

महत्वपूर्ण विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**

क्रम	माह	तिथि	अतिथि	विषय
1	फरवरी	14-02-2025	श्री नन्दन शर्मा	बैंकिंग एवं वित्त
2.	फरवरी	19-02-2025	डॉ. सर्वेश कुमार	भूगोल : अध्ययन का महत्व एवं भावी जीवन में उपयोगिता

2. **पोस्टर प्रतियोगिता** - पर्यावरणीय मुद्दों एवं घटनाओं के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा 03 अप्रैल, 2025 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिसमें भूगोल विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित होगें।

3. **भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता** - सीखने का स्तर हमेशा शिक्षण विधियों पर केन्द्रित होता है। इसको ध्यान में रखते हुये भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवीन प्रविधि के माध्यम से भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि करना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण - 28 मार्च, 2025 को आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में 30-30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर 08 श्रेठष्तम विद्यार्थियों का चयन करके 04 टीमें बनायी जायेगी। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन 10 अप्रैल, 2025 होगा, जिसमें 20 प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन होगा।

4. **मैप ड्राइंग प्रतियोगिता** - विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से गतवर्ष की भाँति इस सत्र में भी मैप ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित कि जाएगी, जिसकी तिथि 08 अप्रैल, 2025 को सुनिश्चित है।

5. **महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार** - भूगोल विभाग अपने स्थापना सत्र से ही महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन करता आ रहा है। इस सत्र में भी 09 अप्रैल, 2025 को होगा।
नोट : कार्यक्रमों की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

6. **भूगोल प्रदर्शनी** - 08 अक्टूबर, 2024 विश्व आपदा न्यूनीकरण दिवस के अंतर्गत भूगोल से सम्बन्धित मॉडल, आरेख, रेखाचित्र आदि का प्रदर्शन किया जाएगा।

7. **महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों में परिचयात्मक व्याख्यान** - इसके अन्तर्गत महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों यथा पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस, वन संरक्षण दिवस, ओजोन दिवस आदि के बारे में संक्षिप्त व्याख्यान प्रस्तुत

किया जायेगा।

क्र.सं.	तिथि	भौगोलिक दिवस	कार्यक्रम
1.	28 जुलाई, 2024	विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस	पौधरोपण कार्यक्रम
2.	16 सितम्बर, 2024	ओजोन संरक्षण दिवस	पोस्टर प्रतियोगिता
3.	22 मार्च, 2025	विश्व जल दिवस	व्याख्यान
4.	22 अप्रैल, 2025	पृथ्वी दिवस	व्याख्यान

Psychology Department

The annual departmental plan of the psychology department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioural and social enhancement of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Department of Psychology has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Department of Psychology is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan of Psychology Department are –

Departmental Action Plans :

1. **Faculty Information :** Faculty information includes details about individual faculty members, such as their names, academic qualifications, areas of expertise, research interest, teaching experience and professional achievements. Updated academic detail of each faculty member of psychology will be uploaded on college website.

S.No.	Members of the Department	Designation
1	Dr. Venkat Raman	In charge
2	ArchitaRai	Assistant Professor

2. **Start of the Session :** After the completion of the admission process, it has been decided to conduct the classes of first, third and fifth semester will be start from 16th July and will be completed as per the course plan up to 30th October. In case of even semester classes of second, forth and sixth semester will be start from 16th January and will be completed as per the course plan up to 30th April.
3. **Time Table :** Every class in the college will be conduct according to the time table (Session – 2024-25).
4. **Practical Classes :** The practical classes for the undergraduate classes of odd semester will start from August 01 and in even semester it will start from 01 February. Field work will be done after completing the laboratory work.
5. **Laboratory :** The laboratory will be kept updated from the start of the session. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary equipment and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the stock register, the test and verification of the stock register will be done by the laboratory in-charge and principal in the end of every session.
6. **Teaching – Learning Process :** It will be the goal of the department that the teaching-learning process can be effective and high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of all classes will be completed as per course plan, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed within time, then the concerned Teacher will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.

7. **Course Plan :** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session and it is open to everyone on the website of the college. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college. In this session it was also uploaded on website. Classes of B.A./B.Sc. I, III and V Semester are proposed from 15 July 2024 while BA/B.Sc. II, IV and VI semester are proposed from January 01, 2025. Minor course related classes will taught in weekly class teaching dates through class teaching method.. Semester-wise psychology (major subject) course title, code & credit are given below.

Paper No.	Course title	Course code	Credit
B.A./B.Sc. I Semester (Psychology)			
01	Fundamentals of Psychology	PSY101F	4+0
02	Lab Work	PSY102F	0+2
B.A./B.Sc. II Semester (Psychology)			
01	Psychology of Individual Differences	PSY103F	4+0
02	Lab Work/Psychological Testing	PSY104F	0+2
B.A./B.Sc. III Semester (Psychology)			
01	Social Psychology	PSY105F	4+0
02	Lab work and measurement of social behaviour	PSY106F	0+2
B.A./B.Sc. IV Semester (Psychology)			
01	Abnormal Psychology	PSY203	4+0
02	Assessment/ Testing	PSY204	0+2
B.A./B.Sc. V Semester (Psychology)			
01	Life span human development	PSY301	4+0
02	Positive psychology	PSY302	4+0
03	Lab work/ survey/ Field Visit	PSY303	0+2
B.A./B.Sc. VI Semester (Psychology)			
01	Community and health psychology	PSY304	4+0
02	Counseling Psychology	PSY305	4+0
03	Survey/ Field Visit/ Project work	PSY306	0+2

Minor Subject (Psychology)	Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4	Semester 5	Semester 6
Course code	AE1HIN	PHI100	COMP203	COMM203	PLC101	PLC101
Course title	Rasta Gaurav	Introduction to Nathpanth	Animation	Finance & Banking	Industrial Training/ Project	Industrial Training/ Project

8. **Innovations in Class Teaching :** The use of smart boards, projectors, charts, models, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. Some classes will be conducted through projectors. The lectures will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of psychology subject under the inter-disciplinary method. In each class, in the order of informal conversation by the departmental teachers, discipline, nation, society and college will be discussed in the context of life vision.

The following teaching methods will be used by Department of Psychology in classroom teaching:

- **Teaching Methods**

1.	**Live Classes**	E–Learning platform will be used in which live class conduct and interaction with students will be done through video conferencing.
2.	**Power Point Presentation**	In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3.	**Lecture/Explanation Method**	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/ Explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.
4.	**Participatory Method**	The teaching process is made effective and purposeful by making full active participation of teacher – student during class.
5.	**Inclusive education technique**	In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive and socio – cultural etc.
6.	**Learning by doing**	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in psychology teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.
7.	**Group Discussion**	Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.
8.	**Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

- **Weekly Class Teaching :** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom.On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic related to minor courses. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 10 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

  Like previous years, this year also this scheme will continue.(See Table No.1)

Class	Class Teaching			
(Semester)	July	August	September	October
B.A./B.Sc. I	23,30	05,12,21	06,13,23	07,18,24
B.A./B.Sc. III	23,30	05,12,21	06,13,23	07,18,24
B.A./B.Sc. V	23,30	05,12,21	06,13,23	07,18,25

Class	Class Teaching			
(Semester)	January	February	March	April
B.A./B.Sc. II	22,30	6,14,21	7,19	7,16,24
B.A./B.Sc. IV	22,30	6,14,21	7,19	7,16,24
B.A./B.Sc. VI	22,30	6,14,21	7,19	7,16,24

9. **Monthly Evaluation (Assessment) :** Monthly test will be organize for the evaluation of the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month regarding minor course, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions with the help of Google Form. Like previous years, this year also this scheme will continue. (See Table No.2)

Class (Semester)	Monthly Evaluation			
	July	August	September	October
B.A./B.Sc. I	NA	29	30	28
B.A./B.Sc. III	NA	29	30	28
B.A./B.Sc. V	NA	29	30	28

Class (Semester)	Monthly Evaluation			
	January	February	March	April
B.A./B.Sc. II	NA	28	22	30
B.A./B.Sc. IV	NA	28	22	30
B.A./B.Sc. VI	NA	28	22	30

10. **Summary of the Lesson :** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT uploaded on the teacher blog of the college website.

- **Progress Report** : It is a record of the activities of students. Basically the records of the students will be maintaine in progress report i.e., attendance of the student, participation in class teaching, monthly evaluation, their character and behavior in the classroom & college premises and performance in university exam etc.. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.
- **Analysis of Progress Report :** The analysis of Progress Report will prepare in the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.
- **Self-Assessment Report :** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. SAR of every month is submitted by the 2nd day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.
- **Faculty Feedback Report :** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. In this session, Faculty Feedback Report will be collect with the help of google form and help of college website. Through this technique the faculty members improves their depth of knowledge, method of class teaching and social behavior. This activity is performed twice in a year (September & January) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.
- **Adopted Students :** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NSS, hostel, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Dr. Venkat Raman are –

1.	Rinki Bhartiya	B.Sc. III Sem	N.S.S.
2.	Prabhakar Raj	B.Sc. III Sem	N.S.S.
3.	VinayBharti	B.A. III Sem	N.S.S.
4.	Nandini	B.Sc. I Sem	C.R.
5.	Vandana	B.Sc. I Sem	N.S.S.

The adopted students of Archita Rai are –

1.	Kajal Vidyarthi	B.Sc. V Sem	N.S.S.
2.	Archita	B.A. V Sem	N.S.S.
3.	Garima Yadav	B.A. III Sem	C.R.
4.	Saloni Singh	B.Sc.. I Sem	N.S.S.

- **Adopted Village :** For the understanding of village problems and interact with local people faculty members and departmental students will visit adopted village nearby the college. The Department of Psychology has adopted the village ChhotiJamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits.In this session, village tour was done on August 04, December 15, March 09 and May 04.

- **Village Tour schedule :**

Date	Day	Time	Program
06-10-2024	Sunday	09:00 A.M. onwards	Village Tour
23-12-2024	Monday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
09-03-2025	Sunday	09:00 A.M. onwards	Village Tour
04-05-2025	Sunday	09:00 A.M. onwards	Village Tour

- **Voluntary Contribution of Labour :** In this activity the faculty members and students contribute their labour for cleanliness and making eco-friendly environment of the college. This scheme is voluntary and performed on every weekend. It continues for one and half an hour on every weekend. In this session also this scheme will continue as before.

11. **Remedial Course :** At the end of academic session remedial course is conducted to enhance the proper understanding of the subjects and allied themes. In this course the focus is given on those students who join the college late. Their unattended course is completed and their doubts are made clear. Exam related doubts are also made clear to the students.

12. **Departmental Blog :** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 150 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

13. **Alumni :** Department of Psychology keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

14. **Guidance and Counselling Services :** The Department will arrange the service of Guidance and Psychological Counselling for College Students, Faculty and Staff under Counselling Cell. The aims of guidance and

counselling programs are to assist individuals to develop the ability to understand them, to solve their own problems, and to make appropriate adjustments to their environment. The objectives of guidance programme students are:

(i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.

(ii) Help them to plan their career based on the choice of course.

(iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

15. **Training of Counselling skills :** Counseling skills training will be arranged for the students of psychology department. It help them to become a good counselor in future.

16. **Discipline :** The teachers of psychology department will take the responsibility of discipline around the psychology department.

17. **Library :** According to the plan of the college, every teacher will make good use of his free time in the library to increase his talent and stay updated. In this regard every faculty of the department studies sitting in the library and registers their presence on the library register, this sequence will be continued by the faculty of the department this year as well.

18. **NAAC & IQAC :** The department will continue to make available the records sought by NAAC from time to time.

19. **Prayer Meeting :** Every day a prayer meeting is organized in the college from 9:20 am to 9:40 am, in which the teachers of the department compulsorily participate; this scheme will be applicable this year also.

20. **E- Content on Government Digital Library :** The e-content was uploaded on the digital library by the faculty member of psychology department in the last session which will be applicable in this session also.

21. **Uses of Smart Board :** Like the previous session, in this session also the smart board will be used by the faculty of the department for teaching work.

22. **Seminar, Workshop & Lectures :** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students. In workshop by learning about new topics and meeting leaders in their field student feels encouraged and motivated. Listening to any prominent personality in workshop helps the student to gain information about their way of work or how things take place. In this regard Department of Psychology has organized several workshops and guest lecturers in this session.

Date	Day	Time	Program
12-01-2025	Sunday	12:30 – 02:10 P.M.	One Day Seminar
05-02-2025	Wednesday	12:30 – 02:10 P.M.	One Day Seminar
28-02-2025	Friday	12:30 – 02:10 P.M.	One Day Seminar

23. **Lecture Competition/Competition :** For the enhancement knowledge and verbal ability of students department will organize lecture competition. It also helps to develop the self-confidence of students. Competition allows them to satisfy the need to win, competition provides the opportunity or reason for improving their performance, and competition motivates them to put forth greater effort that can result in high. Behind these objectives.

October 2024

Date	Day	Time	Program
26-10-2024	Saturday	12:30 – 02:10 P.M.	Lecture Competition

24. **List of Expected Guest on Workshop, Invited Lecture and Lecture Competition**

1.	Dr. Sheela Singh	Associate Professor (Retd.) Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
2.	Prof. Aubhuti Dubey	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur

3.	Prof. Dhanjay Kumar	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
4.	Dr. Sushil Tiwari	Associate Professor (Retd.) St. Andrew's College, Gorakhpur
5.	Dr. Premlata Verma	Associate Professor (Retd.) Bapu P.G. College, Pipiganj, Gorakhpur
6.	Dr. Vivek Shahi	Assistant Professor, Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
7.	Dr. Vinod Gupta	Assistant Professor, D.A.V. P.G. College, Gorakhpur
8.	Dr. Satya Prakash	Assistant Profesor, Buddha P.G. College, Kushinagar

Note : It is possible to change the dates, time and name of Gust of the above departmental programs according to the current circumstances.

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

1. **विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना जिससे कि सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके और विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।

2. **विभागीय शिक्षक:**

   (क) श्री रमाकांत दूबे, प्रभारी एवं सहायक आचार्य

   (ख) श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा, सहायक आचार्य

3. **पाठ्यक्रम योजना** -

   (क) स्नातक प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर की कक्षायें 16.07.2024 से प्रारम्भ होकर 30.10.2024 तक पूर्ण हो गयी है।

   (ख) पूर्व वर्षों की भाँति इस सत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित समय के अन्दर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करा दी गयी है।

   (ग) स्नातक द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्टम सेमेस्टर की कक्षाएं विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर की परीक्षा के पश्चात् 16/01/2025 से संचालित की जायेंगी।

4. **मासिक मूल्यांकन** - मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर को परखना और उसमें सुधार करना है। इस वर्ष मासिक मूल्यांकन हेतु विद्यार्थियों को गृह कार्य के रूप में कक्षा में प्रश्न दिये गये। अगले दिन उसका मूल्यांकन कर सुधारात्मक सुझाव दिया गया।

मासिक मूल्यांकन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	14
बी.ए./बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	30	30	30	14
बी.ए./बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	30	30	30	14

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए./बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.ए./बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.ए./बी.एससी. षष्ठम् सेमेस्टर	29	21	20	29

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** - साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय की समझ के साथ अभिव्यक्ति के गुणों को विकसित करना है। वार्षिक योजना बैठक के दौरान निर्धारित योजना के अनुसार कक्षाध्यापन की तिथियों में माइनर कोर्स का कक्षाध्यापन चलाया गया।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.ए./बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	23	05,12,21	13,23	07,22
बी.ए./बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	23	05,12,21	13,23	07,22
बी.ए./बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	23	05,12,21	13,23	07,22

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए./बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	22	06	01,08	04,12,22
बी.ए./बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	22	06	01,08	04,12,22
बी.ए./बी.एस-सी. षष्ठम् सेमेस्टर	22	06	01,08	04,12,22

6. **विशिष्ट व्याख्यान** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की यह परम्परा रही है कि हर सत्र में विशेष तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय से सम्बन्धित नित नवीन आयामों और तत्कालीन प्रासंगिकता के बारे में अवगत कराना है। पूर्व सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विशिष्ट व्याख्यान की तिथियाँ निर्धारित की गयी और उक्त तिथि पर व्याख्यान करवाया गया है।

विशिष्ट व्याख्यान विवरण:

तिथि	विषय	मुख्य अतिथि
1) 26-07-2024	कारगिल विजय दिवस	डॉ. बलवान सिंह, आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली महाविद्यालय, भटवली बाजार
2) 26-11-2024	संविधान दिवस	श्री अभिनव त्रिपाठी, सहायक आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग

7. **विभागीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग प्रत्येक सत्र में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन करता रहा है। इस सत्र में भी 22 मार्च 2024 को रक्षा प्रदर्शनी की तिथि निर्धारित की गयी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न रक्षा उपकरणों के विषय में विशेष जानकारी एवं उसके निर्माण कला में रुचि विकसित करना होता है। इस प्रदर्शनी में अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है, जिनके निर्णय के अनुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

8. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - महाविद्यालय की महत्त्वपूर्ण योजनाओं में स्व-मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण योजना है, जिसमें शिक्षक प्रतिमाह अपने कार्यों का मूल्यांकन स्वयं करते हैं। वर्तमान सत्र में स्व-मूल्यांकन प्रपत्र प्रत्येक माह की 02 तारीख तक विभाग के शिक्षकों द्वारा भर दिया जा रहा है। सत्र के अन्त में इसकी प्रति विभाग में रख ली जायेगी।

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - शिक्षकों को अपने शिक्षण विधि, विषय ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, आचरण आदि के उत्तरोत्तर विकास एवं सुधार के लिए प्रत्येक सत्र में दो बार विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता है। इन प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षक अपने में बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक सत्र की भाँति इस सत्र में भी शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाना विभागीय कार्ययोजना का एक हिस्सा है जिसे पूरा किया जायेगा, और इसका विश्लेषण कर शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास पर ध्यान दिया जायेगा।

10. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रयोग एवं ब्लॉग** – महाविद्यालय तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग अपने नवीन तकनीकी प्रयोगों के लिए जाना जाता है। गत सत्र में विभाग ने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। वर्तमान सत्र में इन पी.पी.टी. को अद्यतन किया गया है और जरूरत के अनुसार नए पी.पी.टी. अपलोड किये जा रहे हैं। इस सत्र में विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार कक्षाएँ प्रोजेक्टर पर चलाये जाने की योजना है। साथ ही समय-समय पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग भी किया जायेगा। इस सत्र में पठन-पाठन की आधुनिक, व्यावहारिक एवं प्रभावकारी तकनीकों, और पद्धतियों को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जायेगा।

11. **प्रयोगशाला नियमावली** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की प्रयोगशाला नियमावली निर्धारित की गयी है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में अपना प्रायोगिक कार्य प्रारम्भ करने से पहले इस नियमावली से अवगत कराया जाता है ताकि कोई दुर्घटना या नुकसान न हो सके। इस सत्र में भी प्रयोगशाला नियमावली अद्यतन कर दी गयी है। किसी नवीन उपकरण के प्रयोग होने पर इस नियमावली को अद्यतन किया जायेगा।

12. **प्रयोगशाला नवीनीकरण** - प्रयोगशाला में स्थित सैण्ड मॉडल को पुनः बनाया जायेगा। प्रयोगशाला को पुनर्व्यवस्थित करने के साथ ही उसको संशोधित रूप में तैयार करने की योजना है।

13. **गोद लिये गये विद्यार्थी** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 05 विद्यार्थियों को गोद लेने की परम्परा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये जाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उनके साथ नियमित संवाद किया जायेगा और उनको सभी प्रकार के सम्भव सहायता उपलब्ध करवाये जायेंगे जिससे कि उनका सम्पूर्ण विकास सम्भव हो सके।

श्री रमाकन्त दूबे

क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो.नं.	पता
1.	विकास राजभर	बी.एससी. पंचम् सेमे.	8933818794	पिपराइच, गोरखपुर
2.	स्नेहा मौर्या	बी.ए. प्रथम सेमे.	7236040412	दौलतपुर, झुँगिया, गोरखपुर
3.	शिवसागर	बी.ए. प्रथम सेमे.	7052944061	बरगदही, गोरखपुर
4.	राकेश	बी.ए. प्रथम सेमे.	9619226532	बरगदही, गोरखपुर
5.	अमन गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमे.	8707087307	कुबेरस्थान, पडरौना, कुशीनगर

श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा

क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो.नं.	पता
1.	आलोक सिंह	बी.एससी. तृतीय सेमे.	9535623960	विजईकाफ, अहिरौली, कुशीनगर
2.	संजीव सिंह	बी.ए. तृतीय सेमे.	7266802755	मलुकही, कुशीनगर
3.	अंशुलता	बी.ए. तृतीय सेमे.	9580199787	मुगलपुरा, गोरखपुर
4.	ज्योति	बी.ए. तृतीय सेमे.	7992075468	बड़ी जमुनाहिया, हरसेवकपुर नं. 2

14. **गोद लिये गये गाँव** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय से लगभग 3 किमी. दूरी पर लालगंज एवं मीरगंज गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक सुलभ बनाना है। इस वर्ष भी इस दिशा में कार्य किया जायेगा।

    इसके लिये दो तिथियां – 10.08.2024 तथा 08.02.2025 निर्धारित है। अपरिहार्य कारणों से 10/08/2024 की तिथि को ग्राम भ्रमण न करके 29/12/2024 को किया गया है।

15. **विभागीय पुस्तकालय** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है जिसमें विषय से सम्बन्धित सन्दर्भ-ग्रन्थों का संग्रह है। विभाग से विद्यार्थियों को केवल विभाग में बैठकर पढ़ने के लिये पुस्तकें दी जाती हैं। विभागीय पुस्तकालय का अधिकतर प्रयोग शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा महाविद्यालय के केन्द्रीय ग्रन्थालय का प्रयोग नियमित रूप से किया जाता है।

16. **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन विषयक से प्रमाण पत्र कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के विषय में विशिष्ट जानकारी प्रदान करना एवं उससे निपटने के लिये उन्हे शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का भी विश्लेषण करना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है।

17. **एन.सी.सी** – महाविद्यालय में संचालित एन.सी.सी. का प्रभार विगत वर्ष की ही भांति इस वर्ष भी विभाग

के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे व श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा को सौंपा गया है। चूंकि एन.सी.सी. के अधिकतर कार्यक्रम एन.सी.सी. कार्यालय के निर्देशानुसार सुनिश्चित एवं आयोजित किये जाते है, फिर भी महाविद्यालय के कार्यक्रमों में एन.सी.सी. की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

18. **कैम्पस प्लेसमेंट** - इस वर्ष रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग और एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वाधान में कैम्पस प्लेसमेंट का प्रयास किया जायेगा जिससे कि महाविद्यालय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ रोजगार प्रदान करने का भी माध्यम बने।

समाजशास्त्र विभाग

- **स्थापना वर्ष** - 2005
- **संचालित पाठ्यक्रम** - स्नातक (2005 से संचालित) (भाग एक, दो एवं तीन)
  परास्नातक समाजशास्त्र (2018 से संचालित) (भाग एक एवं भाग दो)
- **पाठ्यक्रम का वर्तमान स्वरूप** (सी.बी.सी.एस. प्रणाली) - स्नातक 6 सेमेस्टर
  परास्नातक 4 सेमेस्टर
- **शिक्षक जीवनवृत्त** - विभाग में शिक्षकों की संख्या इस प्रकार है:-
  (क) डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, (विभागाध्यक्ष)
  शैक्षिक योग्यता-एम.ए., पी-एच.डी.
  (ख) श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय, (सहायक आचार्य)
  शैक्षिक योग्यता-एम.ए., बी.एड्., नेट

सम्बन्धित शिक्षक का जीवनवृत्त (बायोडाटा) महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। शिक्षक जीवनवृत्त प्रत्येक सत्र में अद्यतन किया जाता है।

विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**- समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 18.01.2025 को 'सामाजिक मुद्दे एवं चुनौतियाँ' विषय पर प्रस्तावित है। विशिष्ट अतिथि प्रो. अनुराग द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
2. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता**- समाजशास्त्र विषय के छात्र-छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता दिनांक 12.11.2024 को प्रस्तावित है।
3. **अतिथि व्याख्यान**- समाजशास्त्र विषय के छात्र-छात्राओं हेतु प्रत्येक माह में गत सत्र की भाँति अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रस्तावित है।
4. **अतिथि व्याख्यान हेतु प्रस्तावित अतिथियों के नाम एवं तिथि-**
   - डॉ. पवन कुमार (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर) 17.08.2024
   - डॉ. राकेश प्रताप सिंह (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर) 19.09.2024

- डॉ. आशुतोष तिवारी (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, जे.बी. महाजन डिग्री कालेज, चौरी-चौरा, गोरखपुर) 28.10.2024
- डॉ. दीपेन्द्र मोहन सिंह (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर) 28.02.2025
- डॉ. कुलदीप द्विवेदी (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. डिग्री कालेज गोरखपुर) 11.03. 2025

5. **कक्षाध्यापन-** विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए साप्ताहिक कक्षाध्यापन महाविद्यालय की अत्यन्त ही महत्वाकांक्षी योजना है। विभाग द्वारा पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सप्ताह में पाँच दिन के कक्षा के उपरान्त छठे दिन साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थियों द्वारा कराया जाता है, जिसमें पाँच से छ: दिन पहले विद्यार्थियों को शीर्षक उपलब्ध करा दिया जाता है एवं निर्धारित तिथि को कक्षाध्यापन कराया जाता है। विद्यार्थी तैयार किये गये शीर्षक को निर्धारित समय में पूर्ण करता है। कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से झिझक एवं डर को दूर कर उनके अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है। वर्तमान सत्र से माइनर की कक्षाओं का संचालन कक्षाध्यापन के साथ ही किया जा रहा है।

कक्षाध्यापन सूची -

कक्षा	कक्षाध्यापन					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	23,30	6,13,22	7,14,23,	8,16,23	-	-
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	23,30	6,13,22	7,14,23,	8,16,23	-	-
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	23,30	6,13,22	7,14,23,	8,16,23	-	-
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	23,30	6,13,22	7,14,23,	8,16,23	-	-

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	22	6,14,21	7,19	7,16,24	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14,21	7,19	7,16,24	-
बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	22	6,14,21	7,19	7,16,24	-
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14,21	1,8	7,16,24	-

6. **मासिक मूल्यांकन-** विभाग द्वारा प्रत्येक माह में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाये गये व्याख्यान से 15 बहुविकल्पीय आधारित प्रश्न (पूर्णांक 30) देकर विद्यार्थियों को निर्धारित कक्षा की घण्टी में परीक्षा कराने के उपरान्त कापियों को जमा करके उसका मूल्यांकन किया जाता है और सभी विद्यार्थियों को उनके अंक बता दिये जाते है एवं उसका विवरण प्रगति आख्या पर अंकित कर दिया जाता है। मासिक मूल्यांकन इस सत्र से ऑनलाईन विधि से होगा। जिसे गूगल फार्म/अन्य तकनीकों द्वारा विद्यार्थियों को उनके कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा।

7. मासिक मूल्यांकन सूची -

कक्षा	मासिक मूल्यांकन					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	30	30	30	-	-
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	NA	30	30	30	-	-
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	NA	30	30	30	-	-
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	NA	30	30	30	-	-

कक्षा	मासिक मूल्यांकन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	29	28	22	30	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	28	22	30	-
बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	29	28	22	30	-
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	29	28	22	30	-

8. **ग्राम्य दर्शन**- इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गए गाँव का भ्रमण करने विद्यार्थियों के साथ जाते है। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है। गत वर्ष की भाँति विभाग इस वर्ष निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ग्रामीणों में जागरूकता के कार्यक्रम प्रस्तावित तिथियों के अनुसार करेगा।

ग्राम्य दर्शन की प्रस्तावित तिथियाँ-

1. 04 अगस्त 2024 (माह का प्रथम रविवार)
2. 17 अक्टूबर 2024 (महर्षि वाल्मिकी जयन्ती)
3. 12 फरवरी 2025 (संत रविदास जयंती)
4. 04 मई 2025 (माह का प्रथम रविवार)

9. **पाठ्यक्रम योजना**- विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम योजना (सेमेस्टर प्रणाली) के अनुसार सभी कक्षाएं संचालित होती हैं। विगत वर्षों में 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाती रही हैं तथा एक अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारंभ होती रही हैं। वर्तमान सत्र में 16 जुलाई से बी.ए. प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो रही हैं।

10. **समय-सारणी**- विभाग की कक्षायें पूर्णतः समय-सारणी के अनुसार संचालित है।

11. **पठन-पाठन**- समाजशास्त्र विभाग में सामान्यतः निम्नलिखित शिक्षण विधियों से पठन-पाठन कराया जाता है-

- व्याख्यान विधि
- प्रश्नोत्तर विधि
- समूह चर्चा
- प्रोजेक्टर (PPT)

12. **विभागीय पुस्तकालय**– विभाग में पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें शिक्षकों के पुस्तक लेन-देन से संबंधित तथा साथ-साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में अध्ययन हेतु जाते हैं।

13. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**– विभाग द्वारा प्रत्येक सत्र में सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों के सुझावों के आधार पर शिक्षक अपना मूल्यांकन कर सुधार करता है।

14. **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह 02 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता हैं। जिसमें शिक्षक के आने जाने का समय, सम्बन्धित दायित्व निर्वहन आदि बातों का उल्लेखन किया जाता है। इसका निरीक्षण प्राचार्य/प्रभारी द्वारा किया जाता है।

15. **यूट्यूब/फेसबुक/सोशल मीडिया**– विभाग महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रम एवं आयोजनों का जो महाविद्यालय यूट्यूब/फेसबुक के माध्यम से सीधा प्रसारण होता है, विद्यार्थियों के कक्षा समूह पर लिंक भेजकर सम्बन्धित आयोजनों एवं कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

16. **ब्लॉग रिपोर्ट**– विगत सत्र में प्रोजेक्टर द्वारा कुछ कक्षाएं विभाग के शिक्षकों द्वारा चलाई गई हैं। इस सत्र में सभी कक्षायें प्रोजेक्टर पर पढ़ाने की योजना है। महाविद्यालय के वेबसाईट पर शिक्षक ब्लाग पर विभाग के शिक्षकों द्वारा पी.पी.टी./ई-कन्टेन्ट अपलोड किया जाता है। जिसका उपयोग विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड करके कर सकते हैं। इस सत्र में प्रोजेक्टर पर कोई कक्षा नहीं चली।

17. **प्रगति आख्या**– इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण व्यहार विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों का विवरण भरा जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थी के पठन-पाठन के गतिविधियों का निरीक्षण कर सुझाव देना है। इस सत्र से प्रगति आख्या पूर्णत: ऑफलाईन भरी जा रही है। इसका निरीक्षण प्राचार्य/प्रभारी द्वारा किया जाता है।

18. **विश्वविद्यालय परीक्षा**– इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा (सेमेस्टर प्रणाली) के मानक पर प्रश्नों को बनाकर आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को प्रश्नों का स्वरूप दे दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी आगामी परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार हो सकें।

19. **परीक्षाफल विश्लेषण**– परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर विद्यार्थियों का विश्लेषण किया जाता है जिसकी सूचना विभागीय रिपोर्ट में प्रस्तुत है।

20. **गोद लिए गये विद्यार्थी**– विभाग का प्रत्येक शिक्षक प्रथम सेमेस्टर के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेता है। ये विद्यार्थी सम्बन्धित शिक्षक के गोद में अपनी पढ़ाई पूरी करने तक रहते हैं। यदि उनका आचरण, व्यवहार ठीक नहीं रहता है, तो उन्हें परिवर्तित कर दिया जाता है। उसके स्थान पर दूसरे विद्यार्थी का चयन कर लिया जाता है।

गोद लिए गए विद्यार्थियों का विवरण

शिक्षक : **डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय**	शिक्षक : **श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय**
शिवांगी राय	आदित्य कुमार
सावित्री	मन्ध्या प्रजापति
रिमझिम मद्धेशिया	विश्वजीत शर्मा

आशुतोष	प्रियंका
शालिनी मिश्रा	चन्दन कुमार गौंड

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या जानना एवं उचित समाधान करना, सामूहिक, रचनात्मक कार्यों के साथ ही विभाग एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन को बनाये रखना है। विभागीय शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के साथ प्रत्येक माह में एक बार बैठक निर्धारित है। मेरे (डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय) गोद लिए विद्यार्थी अन्तिम सेमेस्टर में थे। इसलिए वर्तमान सत्र (2024-25) से नये विद्यार्थियों का चयन करना है।

21. **विद्यार्थी पृष्ठ पोषण विश्लेषण**- शिक्षक द्वारा विद्यार्थी पृष्ठ पोषण का विश्लेषण कर अपनी कमियों को जाना जाता है। तत्पश्चात् उन कमियों में सुधार किया जाता है।
22. **प्रार्थना सभा**- महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है। प्रार्थना सभा में विभाग के शिक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित होते हैं साथ ही विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करते है। इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना, ईश वन्दना तथा गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्र भक्ति भावना का भाव जागृत करना हैं। प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों पर उद्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है। वर्तमान सत्र में प्रार्थना सभा 16 जुलाई से जारी है।
23. **स्वैच्छिक श्रमदान**- इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती है। मध्यावकाश स्थगित रहता है। इस दिन 01 घण्टे 10 मिनट के समय में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वैच्छिक श्रमदान करते हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।
24. **निःशुल्क चिकित्सा**-महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। विभाग के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य लाभ हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है।
25. **राष्ट्रीय सेवा योजना**- महाविद्यालय में स्थापना काल से ही यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को इसकी सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते हैं।
26. **रोवर्स रेंजर्स**- महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को इसकी सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते हैं।
27. **दायित्व सह कार्य**- महाविद्यालय के स्थापना काल से ही शिक्षण कार्य के अतिरिक्त समस्त आचार्यों को प्रत्येक सत्र में कुछ दायित्वों को दिया जाता है। विभाग के शिक्षकों के इस वर्ष प्राप्त दायित्व इस प्रकार है:- डा. हनुमान प्रसाद उपाध्याय (पुस्तकालय प्रभारी), श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय (सहायक, रोवर्स रेंजर)
28. **शिक्षक स्वयं प्रतिमान बनें**- उपर्युक्त के अतिरिक्त, शिक्षक आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी की बचत, परिसर संस्कृति के अनुरूप शिक्षक, विद्यार्थी आचरण/व्यवहार बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय-समय पर प्रेरणा दी जाती है।
29. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक**- विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्तिम कार्य दिवस में विभाग की समीक्षा

एवं अगले माह की कार्य योजना से सम्बन्धित बैठक होती है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

30. **स्नातक से परास्नातक**- स्नातक कक्षा से उत्तीर्ण विद्यार्थी जो परास्नातक समाजशास्त्र में महाविद्यालय/अन्यत्र पंजीकृत होते हैं, उन विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी विभाग में उपलब्ध है।

31. **स्वैच्छिक विद्यार्थी आर्थिक सहायता**- विभाग द्वारा महाविद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी की जरूरत पड़ने पर सहायता की जाती है, जो आगामी सत्रों में संचालित रहेगी। विगत सत्र में डा. भावना पाण्डेय जी (पूर्व शिक्षिका) द्वारा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी राहुल प्रजापति की परीक्षा शुल्क 2000 रु. तथा पुस्तक खरीदने हेतु विज्ञान विभाग की छात्रों को 250 रूपये दिया गया है।

32. **कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप**- विभाग के प्रत्येक सेमेस्टर के विद्यार्थियों का एक कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप होता है, जिसमें विषय/विभाग एवं महाविद्यालय से सम्बंधित सूचनायें भेजी जाती हैं, जिससे विद्यार्थी अद्यतन रहते है।

नोट- उपर्युक्त कार्यक्रमों की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं विशेष परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

राजनीतिशास्त्र विभाग

1. **विभागीय शिक्षक विवरण** -

   विभाग में कुल तीन शिक्षक कार्यरत हैं-

   (क) श्री हरिकेश यादव, विभागाध्यक्ष

   (ख) डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य

   (ग) श्री अभिनव त्रिपाठी, सहायक आचार्य

2. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्र के आरंभ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर संपूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धृत की जाती है, जिसमें तिथिवार विषय के प्रश्न पत्र से संबंधित शीर्षकों का उल्लेख होता है। इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में आने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है। सत्र 2024-25 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार विषम सेमेस्टर यथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, बी.ए. पंचम तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारंभ हुई, जो 03 दिसम्बर तक चलीं। वहीं सम-सेमेस्टर यथा बी.ए. द्वितीय, बी.ए. चतुर्थ, बी.ए. षष्ठम् एवं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जनवरी से प्रारम्भ हुई, जो 30 अप्रैल तक चलेंगी। विभाग के विषम एवं सम कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

3. **कक्षाध्यापन** - वार्षिक योजना बैठक में हुए निर्णय के अनुसार परम्परागत रूप से कराये जाने वाले कक्षाध्यापन यथा विषय में किसी प्रश्नपत्र में पढ़ाए गए पिछले पांच व्याख्यानों के आधार पर प्रत्येक छठें दिन विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन कराया जाना के स्थान पर साप्ताहिक कक्षाध्यापन में माइनर पेपर का कक्षाध्यापन सुनिश्चित किया गया जिसका विभाग द्वारा विषम सेमेस्टर में पालन किया गया एवं इसे सम सेमेस्टर में भी जारी रखा जायेगा। इससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिंतनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत् विकास होता है। विद्यार्थियों द्वारा कराए गए कक्षाध्यापन का मूल्यांकन ग्रेड के माध्यम से उनके प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जाता है। इसके साथ ही विद्यार्थी के कक्षाध्यापन से संबंधित कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया जाता है।

इस सत्र के विषम सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नलिखित हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन				
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	19	2,9,17	4,11,19	4,11,19	09
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	19	2,9,17	4,11,19	4,11,19	09
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	19	2,9,17	4,11,19	4,11,19	11
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	23	6,13,21	6,13,21	3,10,18	06

इस सत्र के सम सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की प्रस्तावित तिथियाँ निम्नलिखित हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	20,27	11,19	06,18	02,09,19
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20,27	11,19	06,18	02,09,19
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	20,27	11,19	06,18	02,09,19
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20,27	11,19	06,18	02,09,19

4. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक माह के अंत में विद्यार्थियों की विषय ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न पत्रों एवं प्रारूपों के आधार पर किया जाता है। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र उसी माह में पढ़ाए गए विषय वस्तुओं के आधार पर निर्मित किया जाता है।

इस सत्र के विषम सेमेस्टर के मासिक मूल्याकंन की प्रस्तावित तिथियाँ निम्नलिखित हैं –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन				
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	30	27
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	30	30	30	30	27
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	28	28	26	28	27
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	31	30	26	30	27

सम सेमेस्टर के मासिक मूल्यांकन की तिथियां निम्नलिखित हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	–	04,27	–	26
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	–	04,27	–	26
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर	–	04,27	–	26
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	–	04,27	–	26

नोट: मार्च, 2025 के अन्तिम सप्ताह में मिड्-टर्म की परीक्षा प्रस्तावित है, जिसके कारण मार्च माह में मासिक

मूल्यांकन स्थगित रहेगा।

5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सी.बी.सी.एस. प्रणाली लागू होने के पश्चात् महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक विभाग को सेमेस्टर में एक माइनर कोर्स का पढ़ाना है। विभाग द्वारा पी.पी.टी., सार-संक्षेप आदि विद्यार्थियों को उपलब्ध कराकर पठन-पाठन का कार्य पूर्ण किया जाएगा। जिसका मूल्यांकन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन के द्वारा किया जाएगा। विभाग द्वारा पढ़ाये जाने वाले माइनर कोर्स का विवरण निम्नवत् हैं –

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	Ability Enhance Element Course (AEC)	Rastra Gaurav (AEIHIN)
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	Skill Enhancement Course (SEC)	Sports, Fitness and Wellness (SE2PED)
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	Minor Co- Curricular	Physical Education and Yoga (PHED-106)
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	Minor Co-Curricular	National Service Scheme (NSS-100)
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	Minor Vocational	Industrial Training / Project (ITRP-301)
बी.ए. षष्टम सेमेस्टर	Minor Vocational	Industrial Training / Project (ITRP-302)

6. **प्रगति-आख्या-** इसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों यथा कुल कार्यदिवसों में विद्यार्थी की उपस्थिति, कक्षाध्यापन की संख्या, मासिक मूल्यांकन एवं कक्षा में उसके आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है। विषम सेमेस्टर के नवम्बर तक की प्रगति आख्या की जाँच कराया जा चुका है। आगामी सेमेस्टर में पिछले माह की प्रगति आख्या अगले माह के प्रथम सप्ताह में जांच करा लेने का प्रयास किया जाएगा।

7. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – यह शिक्षक के आत्म मूल्यांकन से संबंधित प्रपत्र है, जिसमें शिक्षक के स्वप्रेरणा से किए गए कार्य, किसी अन्य शिक्षक का सहयोग करना, अन्य शिक्षकों का सहयोग लेना, कितने कार्य दिवसों पर विलंब से आए, कितने कार्य दिवसों पर समय से पूर्व गए इत्यादि बातों का उल्लेख किया जाता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह की 8 तारीख के भीतर ऑनलाइन दर्ज करना होता है, इससे शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा नवम्बर माह तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जाँच कराया जा चुका है, आगामी सेमेस्टर में भी इसे समय से माहवार तैयार कर जाँच करा लिया जायेगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन की गुणवत्ता में सुधार से संबंधित है जो विद्यार्थियों के द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में एक बार इस प्रकार एक सत्र में कुल 2 बार दर्ज कराया जाता है। गत सेमेस्टर में वेबसाइट में हो रहे सुधार के कारण इसे नहीं भरवाया जा सका परन्तु आगामी सम सेमेस्टर के जनवरी एवं अप्रैल मे इसे मैनुअल फार्म के द्वारा भरवाया जाएगा।

9. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। आगामी सेमेस्टर में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासंभव सम्मिलित होने का प्रयास करेगा।

10. **मासिक शिक्षक बैठक** – विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह के अन्त में पठन-पाठन एवं अन्य सभी विभागीय गतिविधियों की रणनीतिक समीक्षा कर के आगत माह की योजनाओं के क्रियान्वयन मासिक बैठक

में किये जाने की योजना थी, यह बैठक गत सेमेस्टर में नियमित नहीं हो पायी जिसे आगामी सेमेस्टर में नियमित कराने का प्रयास किया जाएगा।

11. **शिक्षक ब्लॉग** – महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक का ब्लॉग बना हुआ है जिसमें शिक्षक पाठ्यक्रम सहित अपने व्याख्यानों को क्रम में अपलोड करता है। इसमें शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किया गया पीपीटी, किसी प्रतिष्ठित पत्रिका/समाचारपत्र में छपा कोई लेख या शोधपत्र शामिल होता है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थियों के लिए यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है। इसकी सहायता से विद्यार्थी को विश्वसनीय एवं व्यवस्थित पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो जाती है। इस सेमेस्टर में इसे अद्यतन किया जाएगा।

12. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग से संबंधित ऐसे विद्यार्थी जो पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं हैं अथवा अधिकाधिक पुस्तकों के अध्ययन में रुचि रखते हैं, उनके लिए विभाग में कुछ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं रखी जाती हैं। इच्छुक विद्यार्थी से कुछ सामान्य जानकारी लिखित रिकॉर्ड में रखते हुए उन्हें पुस्तकें आवंटित कर दी जाती हैं। विभाग में पुस्तक उपलब्ध ना होने पर उन्हें केंद्रीय पुस्तकालय से पुस्तकें दिलाने का प्रयास किया जाता है। इस सेमेस्टर में विभागीय पुस्तकालय की पुस्तकों की संख्या में आवश्यक वृद्धि करने का प्रयास किया जाएगा।

13. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - शिक्षक द्वारा अपनी कक्षा के कुछ विद्यार्थी जिनकी गतिविधियां असामान्य हो यथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों में रुचि ना रखना, कक्षाओं में लगातार अनुपस्थित रहना, को शिक्षक द्वारा गोद लिया जाता है ताकि ऐसे विद्यार्थी का स्वयं की देखरेख में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस सेमेस्टर में भी विभागीय शिक्षकों के द्वारा इस योजना का पालन किया जाएगा।

14. **अभिगृहीत ग्राम योजना** – संस्थागत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा ककरहियाँ ग्राम अधिग्रहित किया गया है। विभाग द्वारा ग्राम का वर्ष में चार बार भ्रमण किया जाता है। इस भ्रमण के माध्यम से ग्राम वासियों को उनके नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों, सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं आदि के विषय में जागरूक किया जाता है। गत सेमेस्टर से किन्ही कारणों से ग्राम भ्रमण नहीं हो पाया परन्तु आगामी सेमेस्टर में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा निम्न तिथियों पर ग्राम में दर्शन की योजना है-

   1. 6 अप्रैल 2025

15. **शैक्षिक भ्रमण** – शैक्षिक भ्रमण शक्तिशाली, सकारात्मक शिक्षण उपकरण हैं जो सभी शिक्षार्थियों के सामाजिक, व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को बढ़ाने में मदद करते हैं। शैक्षिक भ्रमण का मूल उद्देश्य छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है।
   विभाग द्वारा आगामी सेमेस्टर में शैक्षिक भ्रमण की योजना अग्रलिखित है-

   1. फरवरी 2025 : क) भारतीय संसद, नई दिल्ली
      ख) राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
      ग) प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली

16. **समय सारणी** - समय-सारणी के द्वारा महाविद्यालय के समस्त कार्यों में नियमितता आती है, अस्त-व्यस्तता समाप्त होती है एवं अनुशासनहीनता खत्म होती है। समय-सारणी के द्वारा विभिन्न कार्यों में सामंजस्य स्थापित

होता है। छात्र तथा अध्यापक दोनों को ही समय की उपलब्धता का ज्ञान रहता है। स्नातक स्तर पर विभाग महाविद्यालय की समय सारणी का अनुपालन करता है जबकि परास्नातक स्तर पर विभाग स्वयं समय-सारणी तैयार करता है। कक्षाओं के प्रारंभ होने से पूर्व सभी समय-सारणी जारी कर दिया जाएगा।

17. **कार्यशाला व्याख्यान संगोष्ठी एवं अन्य विभागीय कार्यक्रम** - विद्यार्थियों में पाठ्यक्रमेत्तर ज्ञानार्जन, समसामयिक घटनाओं पर विश्लेषण, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा आदि के उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया जाता है।

क्र.	तिथि	कार्यक्रम	विशेषज्ञ	स्वरूप
1	08.08.2024	शोधपत्र लेखन प्रविधि	डॉ. करुणेन्द्र सिंह (बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज) श्री इन्द्रेश कुमार (दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर)	विशिष्ट व्याख्यान
2.	07.09.2024	भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक	प्रो. कविता शाह (मा. कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर) प्रो. तेजप्रताप सिंह (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस) डॉ. एफ.आर. सिद्दीकी (प्रतिनिधि ICWA) श्री मंजीव पुरी (पूर्व राजदूत, भारत सरकार) प्रो. अरविन्द कुमार (जे.एन.यू., नई दिल्ली) ले.ज. (से.नि.) आर.पी. शाही (पूर्व उपाध्यक्ष UPSDMA, उ.प्र.)	राष्ट्रीय संगोष्ठी

नोट:- उपर्युक्त कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण विभागीय रिपोर्ट के अन्तर्गत राजनीति विज्ञान विभाग में उपलब्ध है।

आगामी सेमेस्टर में विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम -

क्र.	तिथि	कार्यक्रम	विशेषज्ञ	स्वरूप
1	22.02.2025	महाकुम्भ 2025: परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व	पीछे पृष्ठ पर अंकित है	अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

शिक्षण विधियाँ

1. **व्याख्यान विधि** – शिक्षक द्वारा विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, तार्किक रूप से विषय वस्तु को प्रकट करने हेतु शिक्षण की पारंपरिक विधि व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जाएगा।
2. **पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण** – इस विधि में प्रोजेक्टर के द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पी.पी. टी. का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जाएगी जिससे तथ्यों एवं आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके। साथ ही साथ चलचित्र आदि के माध्यम से पठन-पाठन सुगम्य बनाने का प्रयास किया जाएगा।
3. **सहभागी विधि** – कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक-विद्यार्थियों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्य पूर्ण बनाया जाएगा।
4. **ऑनलाइन शिक्षण** – ऑनलाइन शिक्षण एक ऐसी शिक्षण विधि है जो तकनीकी पर आधारित है। इससे घर बैठे इन्टरनेट या अन्य संचार माध्यमों के जरिये शिक्षा ली जाती है। ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली परंपरागत शिक्षा प्रणाली से थोड़ी अलग है। परंपरागत शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी कॉलेज में बैठ के शिक्षक से शिक्षा लेता है जबकि ऑनलाइन शिक्षा में आप घर या किसी भी जगह पर इन्टरनेट और मोबाइल अथवा कंप्यूटर की मदद से कहीं भी और किसी भी प्रकार की शिक्षा ले सकते हैं। महामारी में ऑनलाइन शिक्षण विधि की महत्ता सामने आई इस दौरान जब दुनिया के सभी शैक्षिक संस्थान बंद चल रहे थे तब महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा ऑनलाइन शिक्षण का प्रयोग कर शिक्षण कार्य को अनवरत जारी रखा गया। वर्तमान समय में भी संगोष्ठियों, अतिरिक्त कक्षाओं आदि के लिए इस विधि का प्रयोग किया जाता है इस सत्र में भी विभाग की यह योजना लागू रहेगी।

शिक्षाशास्त्र

1. **प्रस्तावना** – शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने एवं न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौतिक पहुँच प्रदान करना, वैश्विक मंच पर सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में सतत् प्रगति और आर्थिक विकास की कुंजी है। शिक्षा मानव विकास का एक ऐसा माध्यम है, जो किसी भी देश के नागरिकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2. **आगामी सत्र हेतु विभागीय योजनाएँ** –
   - **प्रार्थना सभा** – प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 09:20 से 09:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरूआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल हैं। प्रार्थना सभा में श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ व महापुरुषों की जयन्ती व पुण्यतिथि पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा वाचन व व्याख्यान किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
   - **महाविद्यालय ब्लाग** – महाविद्यालय के वेबसाइट पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेंट अपडेट करते हैं। यह सभी कन्टेंट प्रत्येक सेमेस्टर के अनुसार

अपडेट किए गए हैं, जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रूप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।

- **राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी** – डिजिटल लाइब्रेरी पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पिछले सत्र में ई-कन्टेट अपलोड किया गया था। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **पुस्तकालय-वाचनालय** – महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं। छात्रों को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु शिक्षक द्वारा गोद लिए गये छात्रों को एन-लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि वे महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
- **पाठ्यक्रम योजना** – महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढंग से कक्षा का संचालन किया जा सके। छात्र सेमेस्टर गत चलने वाली पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय वस्तु से परिचित हो सकें। यह व्यवस्था इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **पठन-पाठन** – स्नातक शिक्षाशास्त्र विषय में प्रथम सेमेस्टर तृतीय सेमेस्टर व पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं 16 जुलाई से संचालित की जाएगी।
- **कक्षाध्यापन/माइनर कक्षाएं** – महाविद्यालय के पठन-पाठन कि प्रक्रिया में एक विशेषता यह है कि वार्षिक पाठ्यक्रम योजना में सप्ताह के पांच दिन कक्षा में शिक्षक पढ़ाता था और छठवें दिन विद्यार्थी कक्षाध्यापन के रूप में कक्षा पढ़ाने का कार्य करता था। परन्तु वर्तमान में सेमेस्टर प्रणाली के लागू होने के कारण पठन-पाठन प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है जिसमें वर्तमान सेमेस्टर के कक्षाध्यापन की कक्षा को माइनर कक्षा के रूप में लेकर चलाने का कार्य किया जाएगा। इस सत्र में इसे सफलता पूर्वक लागू करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।
- **मासिक मूल्यांकन** – महाविद्यालय के पठन-पाठन योजना में माह के अंत में पढ़ाये गए विषय-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न पत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता था। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती थी। परन्तु सेमेस्टर प्रणाली के लागू होने के कारण मासिक मूल्यांकन के स्वरूप में इस सत्र में परिवर्तन किया गया है। अब सेमेस्टर प्रणाली में मासिक मूल्यांकन सप्ताह के अंत में होगा जिसमे 15 बहुविकल्पीय प्रश्न व एक लिखित प्रश्न (टिप्पणी) दिए जाने की योजना सुनिश्चित की गई है।
- **प्रगति आख्या** – स्नातक में शिक्षाशास्त्र विषय पढ़ रहे विद्यार्थियों की प्रत्येक सेमेस्टर के आधार पर अलग-अलग सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, उपस्थिति, आचरण व्यवहार मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन का माहवार संकलन किया जाता है। यह प्रत्येक सेमेस्टर में लागू रहेगा।
- **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह की 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा स्वयं का आन्तरिक मूल्यांकन करना है।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – प्रत्येक सत्र में दो बार छात्र/छात्राओं से शिक्षक के मूल्यांकन हेतु शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते है। यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **गोद लिये गये विद्यार्थी** – विभाग में प्रत्येक शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए शिक्षक लगातार उनसे बातचीत, हालचाल व सामूहिक कार्यों को करते हैं। जो इस वर्ष भी किया जायेगा।
- **गोद लिये गाँव** – महाविद्यालय में सभी विभागों द्वारा आस-पास के गाँव को गोद लेने की प्रथा है। जिसके अन्तर्गत शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा "हसनगंज" गाँव को गोद लिया गया है। विभाग समय-समय पर गाँव में जाकर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न करने का कार्य करता है, यह पुनीत कार्य इस सत्र भी लागू रहेगा।
- **स्वैच्छिक श्रमदान** – विभाग के शिक्षकों के द्वारा महाविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में सहनशीलता, विनम्रता को विकसित करना सेमेस्टर प्रणाली लागू होने के कारण स्वैच्छिक श्रमदान एन.एस.एस. के द्वारा कराया जाता है, जिसमें सभी शिक्षक, कर्मचारी व छात्र सहभाग करते हैं।

3. शिक्षण विधियाँ-

- **प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ** – गत सत्र बी.ए. शिक्षाशास्त्र विभाग में लगभग कक्षाएँ पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष कुछ महत्वपूर्ण शिक्षण बिन्दुओं को ही पी.पी.टी. पर पढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। ज्यादातर कक्षाएं बिना पी.पी.टी. के पढ़ाने की योजना रहेगी।
- **व्याख्यान विधि** – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.ए. शिक्षाशास्त्र की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते है। इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक छात्र अंतः क्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जायेगा।
- **प्रोजेक्ट विधि** – अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.ए. शिक्षाशास्त्र की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
- **उपचारात्मक अनुदेशन** – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती, उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी यह व्यवस्था लागू रहेगा।

4. **कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, प्रतियोगिता**

दिनांक	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
17.02.2025	शैक्षिक प्रशासन के कार्य एवं सिद्धान्त – विशिष्ट व्याख्यान	डॉ अनुभा श्रीवास्तव
08.02.2025	उपलब्धि परीक्षण एवं बुद्धि – विशिष्ट व्याख्यान	श्री शैलेन्द्र सिंह
09.02.2025	स्वास्थ्य जागरूकता रैली	–

शारीरिक शिक्षा विभाग

1. **शिक्षक बायोडाटा** – वर्तमान सत्र में 2024-25 में विभाग में एक शिक्षक कार्यरत है। शिक्षक का बायोडाटा महाविद्यालय की वेबसाइट mpm.ac.in पर उपलब्ध है।

   शिक्षक – डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल

   पद – प्रभारी एवं सहायक आचार्य

   अनुभव – 25 वर्ष

2. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।

3. **माइनर की कक्षाएं/कक्षाध्यापन** – एक सप्ताह के छठे दिन माइनर कोर्स पढ़ाया जायेगा एवं उससे सम्बन्धित कक्षा अध्यापन कराया जायेगा।

   उद्देश्य – 1. विद्यार्थी को उनके विषय-वस्तु को प्रस्तुत करने की शैली का विकास करना।

   2. विद्यार्थी के व्यक्तित्व को विकसित करना।

   कार्यपद्धति – इस प्रक्रिया से कक्षाध्यापन की तिथि जो पाठ योजना में अंकित है से पूर्व विद्यार्थी को माइनर विषय से संबंधित शीर्षक आंवटित कर दिया जाता है। उसी शीर्षक पर कक्षाध्यापन कराया जाता है।

4. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2024-25 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में उस माह के पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न विद्यार्थियों को दिये जायेंगे। विद्यार्थी अगले दिन (कार्य दिवस) पर कक्षा में उत्तर पुस्तिका जमा करेगा।

5. **प्रगति आख्या** – प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्र/छात्रा के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्र/छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

6. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 02 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्र/छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है।

8. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षिकों द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय में कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।

9. **गोद लिये गये विद्यार्थी** – महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

क्र.सं.	नाम	कक्षा	मो. नम्बर
1.	कृष्णा मिश्रा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	838525021
2.	प्रदीप कुमार गौतम	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	8417034994
3.	राहुल कुमार यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9336675173
4.	अरून कुमार मिश्रा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9335532981
5.	सलोनी मल्ल	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	9336435331

10. **विशिष्ट व्याख्यान** - गेस्ट लेक्चर से विद्यार्थियों को काफी कुछ सीखने को मिलता है। नयी-नयी तकनीक, नये तरीके आदि विद्यार्थी सीखते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों में काफी उत्साह रहता है। उन्हें प्रोफेसर द्वारा पढ़ने का मौका मिलता है। जिससे वे काफी कुछ सीख सकते है।

29 अगस्त, 2024	राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यान चन्द्र जयन्ती)	डॉ. अरविन्द सिंह जवाहर लाल नेहरु पी.जी. कालेज, महाराजगंज
29 अगस्त, 2024	खेल प्रतियोगिता	दौड़/तेज चाल, बैडमिण्टन तथा वॉलीबाल

11. **अभिग्रहित ग्राम दर्शन** - शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय, से लगभग 3 किमी. दूरी पर केवटहिया गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक पहुँचने में मदद करना।

12. **विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य** - शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित रूप में प्रस्तुत करना। जिससे कि सत्र प्रारम्भ होने पर क्रमबद्ध रूप से विभागीय योजनाएं संचालित हो सके व सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन कर के विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।

हिन्दी विभाग

1. **प्रस्तावना**- कार्ययोजना बनाते समय किसी भी कार्य के अनुभव के आधार पर समीक्षा करते हैं, तत्पश्चात् एक वर्ष की अवधि में कई क्रमिक गतिविधियां शामिल होती हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और जो एक व्यापक उद्देश्य की पूर्ति में सहायक होती हैं। किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए, यह लक्ष्य को कार्यवाही योग्य चरणों में विभाजित करता है और कार्य को आसानी से सम्पादित करने में योगदान देता है। इस आलोक में हिन्दी विभाग का सत्र 2024-25 की वार्षिक योजना प्रस्तुत है।

   सत्रारम्भ में योजना बैठक के पश्चात हिन्दी विभाग कक्षा संचालन के साथ-साथ विभाग में होने वाले विभिन्न गतिविधियों जैसे- पाठ्यक्रम योजना, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, प्रगति आख्या, विभागीय कार्यक्रम, अतिथि व्याख्यान, शिक्षण विधि, पुस्तकालय, तकनीकी प्रसार, गोद लिए विद्यार्थी, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र, स्वमूल्यांकन प्रपत्र, पूर्व पंजीकृत विद्यार्थियों की वर्तमान स्थिति की सूची, संदर्भ ग्रंथ सूची आदि क्रियाकलापों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की जाती है।

2. **महाविद्यालय की योजना बैठक** - शिक्षा, ज्ञान, उचित आचरण, अनुशासन, तकनीकी दक्षता आदि को प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है। इस क्रम में पूर्व में बनायी गयी योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए समीक्षात्मक

विश्लेषण आगामी नवीन सत्र की नयी योजना बनायी गयी है ताकि प्रभावी शिक्षण का उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

3. **विभागीय शिक्षक जीवनवृत्त-** महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में दो शिक्षक हैं। जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह एवं सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल हैं। दोनों शिक्षक के जीवन-वृत्त विभागीय रिपोर्ट में व्यवस्थित किए गए हैं एवं ब्लॉग पर भी मौजूद हैं।

4. **कक्षा प्रतिनिधि-** महाविद्यालय में प्रत्येक सत्र छात्रसंघ चुनाव से पहले कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव होता है। इसके अन्तर्गत पढ़ाये गए पाठ्यक्रम से बहुविकल्पीय प्रश्न पत्रों की परीक्षा कक्षाओं में ही सम्पन्न करायी जाती हैं। प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि होता है। कक्षा प्रतिनिधि विद्यार्थी कक्षागत योजनाओं तथा समस्या के समाधान में महती भूमिका निभाता है।

5. **विभागीय गतिविधियाँ-** प्रत्येक सत्र में हिन्दी विभाग विद्यार्थियों के समुन्नत विकास के लिए, भाषा शिक्षण द्वारा समुचित अवसर प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। इस हेतु विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान, प्रतियोगिताएं, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आदि द्वारा विद्यार्थियों के विकास में सहयोग देने का कार्य विभाग के विभिन्न आयोजनों द्वारा किया जाता है। विभाग में प्रगति आख्या द्वारा विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाता है। इसके साथ ही विभाग में दो मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित होता है जिसका विषय, ''भाषा-शिक्षण और व्याकरण'' तथा ''हमारे साहित्यकार''। इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ध्वनियों के ज्ञान के साथ रचना एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति का विकास करना तथा उनमें ऐसी क्षमता का विकास करना, जिससे वह शुद्ध रूप से लिख एवं पढ़ सके तथा अपने भावों को व्यक्त कर सकें। साथ ही साथ साहित्य एवं साहित्यकार की मार्मिकता को समझ सकें तथा रचनात्मकता का गुण सीख सके।

6. **नवागन्तुक छात्र-छात्राओं का स्वागत-** प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में सत्रारम्भ के समय प्रार्थना सभा में प्राचार्य जी, स्वागत उद्बोधन द्वारा महाविद्यालय परिसर संस्कृति से परिचित कराते हुए विद्यार्थियों का स्वागत करते हैं। साथ ही विभाग द्वारा विद्यार्थी को उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख करते हुए स्वागत एवं विदाई का आयोजन किया जाता है।

7. **विभाग की विशेषताएँ**
   1. प्रत्येक अगले दिवस पर बेहतर से बेहतर अध्यापन करने का अनवरत प्रयास।
   2. तकनीकों का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विधि।
   3. अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ आचरण व्यवहार, अनुशासन, महाविद्यालय संस्कृति पर विशेष बल।
   4. सहयोग एवं सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना। इसके अन्तर्गत विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। शिक्षक द्वारा गोद लिए विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का प्रयत्न किया जाता है।

8. **अभिगृहीत गाँव योजना-** इस योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा बड़ी रेतवहिया गाँव को गोद लिया गया है। विभाग के शिक्षकों के साथ विभाग के विद्यार्थी द्वारा समय-समय पर गाँव में जाकर स्वच्छता, स्वास्थ्य, बिमारियों से सम्बन्धित जागरूकता अभियान चलाया जाता है। जिसमें तख्ती/बैनर के साथ रैली, नुक्कड़ नाटक

के माध्यम से साक्षरता, सुरक्षा आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास किया जाता है। विभाग वर्तमान सत्र में निम्नलिखित चार तिथियों में विद्यार्थियों के साथ ग्राम्य दर्शन हेतु गया-

1. 01 दिसम्बर 2024
2. 28 दिसम्बर 2024
3. 26 जनवरी 2025
4. 16 फरवरी 2025

9. **पठन-पाठन में प्रयोग**- विगत सत्रें में कुछ कक्षाएं पी.पी.टी. पर चली हैं। वर्तमान सत्र में सामान्यतः संवाद शिक्षण विधि, व्याख्यान विधि, प्रश्नावली शिक्षण विधि, श्यामपट्ट शिक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। साथ ही वेबसाइट के अन्तर्गत ब्लॉक पर सारांश, नोट्स, शोध पत्र, व्याख्यान उपलब्ध कराया जाता है।

10. **पाठ्यक्रम योजना**- सत्र प्रारम्भ से पूर्व कक्षावार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पाठ्यक्रम योजना तैयार कर लिया जाता है। वर्तमान सत्र में जितने कार्य दिवस प्राप्त होते हैं उनमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभाजित कर पाठ्यक्रम योजना बना दिया जाता है। महाविद्यालय द्वारा उसे वेबसाइट पर प्रेषित कर दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य है कि ''पाठ्यक्रम का कोई भी भाग न छूटे और समय से पाठ्यक्रम पूर्ण जो जाय''। इसके अन्तर्गत बी.ए. प्रथम, तृतीय तथा पंचम सेमेस्टर एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षा 16 जुलाई 2024 से चली है तथा बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम् सेमेस्टर एवं परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएँ 16 जनवरी, 2025 से प्रारम्भ हुई हैं।

11. **प्रगति आख्या**- स्नातक एवं स्नातकोत्तर में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को पढ़ाए गए व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति की संख्या, कक्षाध्यापन की श्रेणी, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण का विवरण दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्र के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव देना है।

12. **माइनर कक्षाएँ (कक्षाध्यापन)**- माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्यवस्तु से एक सप्ताह पूर्व 10 विद्यार्थियों को नामांकित कर कक्षाध्यापन के माध्यम से कक्षाएं चलायी जाती हैं। कक्षा पूर्ण होने से पूर्व 10 मिनट का समय लेकर विद्यार्थी द्वारा पढ़ाए गए विषय की शिक्षक द्वारा समीक्षा कर सुधारात्मक प्रयास किये जाते हैं।

कक्षा	कक्षाध्यापन (विषम सेमेस्टर)					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	20,27	03,10,20	05,12,20	05,21	9,16	परीक्षा प्रारम्भ
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	20,27	03,10,20	05,12,20	05,21	9,16	
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	20,27	03,10,20	05,12,20	05,21	9,16	
एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	20,27	03,10,20	05,12,20	05,21	9,16	

कक्षा	कक्षाध्यापन (सम सेमेस्टर)					
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	20	04,11,19	06	02,09,19	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20	04,11,19	06	02,09,19	-	-
बी.ए. षष्टम् सेमेस्टर	20	04,11,19	06	02,09,19	-	-
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर	20	04,11,19	06	02,09,19	-	-

13. **मासिक मूल्यांकन**- प्रत्येक माह से पढ़ाये गये व्याख्यान से लिखित या बहुविकल्पीय प्रश्न विद्यार्थियों को गृह कार्य के रूप में दिये जाते हैं। तत्पश्चात् मूल्याकंन के दिन उनके द्वारा दिये गये उत्तर का मूल्यांकन करके प्रत्येक माह के प्रगति आख्या में अंकित किया जाता है। साथ ही कक्षा के दौरान विद्यार्थियों की कमियों को रेखांकित करते हुए सुधार के प्रयास किये जाते हैं। इस मूल्यांकन के जरिए विद्यार्थी स्वयं को आन्तरिक परीक्षा हेतु तैयार करता है।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन (विषम सेमेस्टर)					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	-	30	30	28	27	विश्वविद्यालयी सेमेस्टर परीक्षा प्रारम्भ
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	-	30	30	28	27	
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	-	30	30	28	27	
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	-	30	30	28	27	

कक्षा	मासिक मूल्यांकन (सम सेमेस्टर)					
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	27	27	18	26	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	27	27	18	26	-	-
बी.ए. षष्टम् सेमेस्टर	27	27	18	26	-	-
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	27	27	18	26	-	-

14. **स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम**- इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं। 1 घण्टे 10 मिनट के समय में हम श्रमदान करते हैं। इस योजना में प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी समूह भाव से कार्य करते हैं। विभाग के शिक्षक विद्यार्थी इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रम के प्रति झिझक (संकोच) दूर करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है। वर्तमान समय में फरवरी-2025 से यह योजना शुरू की गई है। इसमें हिन्दी विभाग की शिक्षिकाओं ने बढ़ कर सहभाग किया।

15. **पुरातन विद्यार्थियों की वर्तमान स्थिति की सूची**- विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के पश्चात् उनकी आगे की गतिविधियों का ब्यौरा विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। इसकी सूची विभाग में उपलब्ध है।

16. **विभागीय कार्यक्रम** — **विषय**

- 31 जुलाई, 2024 — विशिष्ट व्याख्यान ''मुंशी प्रेमचन्द्र जयन्ती विशेष''
- 04 सितम्बर, 2024 — विशिष्ट अतिथि व्याख्यान ''साहित्य की पठनीयता''
- 14 सितम्बर, 2024 — विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी विभाग) 'हिन्दी दिवस' विशेष

- 18 सितम्बर, 2024 — हिन्दी भाषण प्रतियोगिता
- 19 सितम्बर, 2024 — संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- 04 नवम्बर, 2024 — मूल्यपरक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रशिक्षण प्रारम्भ ''भाषा-शिक्षण एवं व्याकरण''
- 19 नवम्बर, 2024 — उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता
- 20 नवम्बर, 2024 — हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
- 10 जनवरी, 2025 — विशिष्ट व्याख्यान (अन्तर्राष्ट्रीय/विश्व हिन्दी दिवस)
- 18 जनवरी, 2025 — लोकगीत प्रतियोगिता
- 19 फरवरी, 2025 — विशिष्ट व्याख्यान ''खेल, स्वास्थ्य और कल्याण (SFW) का विद्यार्थी जीवन में महत्त्व''
- 21 फरवरी 2025 — विशिष्ट व्याख्यान ''अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस''
- 06 मार्च 2025 — व्याख्यान प्रतियोगिता
- 07 मार्च 2025 — मूल्यपरक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रशिक्षण ''हमारे साहित्यकार'' प्रारम्भ

नोट- उक्त कार्यक्रम में समय एवं परिस्थिति के अनुसार तिथि में परिवर्तन सम्भव है। प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

सम्भावित व्याख्याताओं की सूची -

1. प्रो. कमलेश गुप्त
2. प्रो. राम पाण्डेय
3. प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
5. डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी
6. प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
7. प्रो. प्रत्यूष दुबे
8. प्रो. रामदरश राय
9. डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
10. प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी
11. डॉ. राणा प्रताप तिवारी
12. प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

नोट- उपर्युक्त कार्यक्रम में निर्धारित तिथि एवं अतिथि में समय एवं विशेष परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है।

17. **गोद लिए विद्यार्थी**- प्रत्येक शिक्षक स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थी को गोद लेता है। इस सत्र में- **डॉ. आरती सिंह** द्वारा गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम-

- अदिति श्रीवास्तव — 7355370674
- प्रिया पाण्डेय — 8576058054
- शिवानी सिंह — 8726111143
- सोनम मिश्र — 8090186832

डॉ. सुधा शुक्ल द्वारा गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम-

- ज्ञानेन्द्र पाण्डेय — 9877854251
- संदेश प्रजापति — 9648169342
- सोना — 9198337712

- सभ्या 9198337712
- ज्योति मौर्य 9219186331

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या सुनना एवं उचित समाधान करना, रचनात्मक कार्यों के साथ विभाग एवं महाविद्यालय की गतिविधियों में सहभाग के लिए प्रेरित करना एवं स्वच्छता तथा स्व-अनुशासन बनाये रखना है।

18. **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची/विभागीय पुस्तकालय-** विभाग में स्नातक से परास्नातक के सभी सेमेस्टर के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित संदर्भ ग्रन्थ की सूची रहती है जिसे समय-समय पर विद्यार्थियों के आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराये जाते हैं। इस क्रम में विभाग की एक संक्षिप्त पुस्तकालय है। जिससे शिक्षक स्वयं अध्ययन करता है और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को भी पूरा किया जाता है। महाविद्यालय में एक केन्द्रीय ग्रन्थालय भी है जिसका प्रयोग शिक्षक एवं विद्यार्थी सभी लोग करते हैं।

19. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विश्लेषण-** वर्तमान सत्र में एक बार विषम सेमेस्टर एवं एक बार सम सेमेस्टर में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों द्वारा सम्बन्धित शिक्षक का अवलोकन कर शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भराया गया।

20. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र-** प्रत्येक महीने के कार्य दिवस के अनुसार पूर्ण किए गए दायित्वों को ध्यान में रखते हुए शिक्षक द्वारा यह प्रपत्र भरा जाता है, और विभाग में सुरक्षित रहता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत् चल रही है।

21. **प्रगति आख्या विश्लेषण-** विभाग अपने स्थापना काल से प्रगति आख्या बनाता आ रहा है। प्रगति आख्या के अन्तर्गत प्रत्येक सत्र का विषयवार प्रत्येक विद्यार्थी की आख्या प्रस्तुत की जाती है। जिसमें प्रत्येक कक्षा में सत्र 2024-2025 के स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की रिपोर्ट तैयार की जायेगी।

    प्रगति आख्या में सेमेस्टर वार प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति संख्या, मासिक मूल्यांकन का अंक, कक्षाध्यापन की संख्या और आचरण व्यवहार का नम्बर सम्मिलित कर महीने भर की एक समग्र आख्या तैयार करते हैं।

    प्रगति आख्या का उद्देश्य यह होता है कि एक विद्यार्थी का महीने भर के अध्ययन के साथ अन्य क्रिया-कलापों में किस प्रकार का योगदान है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की समीक्षा की जा सकती है और समीक्षा में विद्यार्थी की उत्तरोत्तर उन्नति हो रही है या अवनति है, इस बात की जानकारी मिल जाती है। ऐसा करने से उन्नति की स्थिति में पुनर्बलन मिलता है और अवनति की स्थिति में सुधार की पूरी-पूरी गुंजाइश होती है।

Computer Science Department

The Department of Computer Science is a dynamic and innovative academic unit dedicated to providing students with a comprehensive education in computer applications. It's a three-year undergraduate program that focuses on the fundamental principles of advanced computer science, software developments, and information technology. The department is committed to nurturing students' analytical, problem-solving and programming skills to prepare them for successful careers in the rapidly evolving IT industry.

The Department of Computer Science plays a pivotal role in shaping the future of aspiring computer

professionals. Through a combination of rigorous academic programs, experienced faculty, modern infrastructure, and industry collaborations, the department prepares students to meet the challenges of the ever-evolving IT landscape. Graduates from the Department of Computer Science are well-positioned to make significant contributions to the field of computer applications and emerge as leaders in the technology-driven world.

Departmental Action Plans (2024-25)

The Annual plan of the Computer Science Department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and professional upliftment of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Computer Science Department has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Computer Science Department is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan are –

- **Start of the Session** - After the completion of the admission process by July 15, it has been decided to conduct. The lecture of UG first sem will start on 16 July 2024, third and fifth sem starts on 16 July 2024 in the current academic session.

  The lecture of UG Second,fourth and sixth sem will start on 16 January 2025 in the current academic session as per the course plan.
- **Time Table** - Every class in the college is conducted according to the time table, the class of Computer Science students will also be conducted according to the time table.
- **Time Table** - Every class in the college is conducted according to the time table, the class of Computer Science students will also be conducted according to the time table.
- **Practical Classes** - The practical classes for the undergraduate classes of odd sem (I, III, V) will start from 01 August 2024 and even sem (II, IV, VI) will start from 04 February 2025. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.
- **Laboratory** - The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary hardware and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge and principal in the month of March at the end of the session.
- **Teaching – Learning Process** - It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of Odd Sem (I, III, V) classes will be completed by 30 October and Even Sem (II, IV, VI) classes will be completed by 30 April. If due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by given date, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.
- **Course Plan** - Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session 2024-25 and it is made open to everyone on the website of the college. i.e, www.mpm.ac.in. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college.
- **Innovations in Class Teaching** - The use of Smart Borad, Projector, Laptop, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to

the students of Computer Science subject under the inter-disciplinary method.

The following teaching methods will be used by Department of Computer Science in classroom teaching as:

- **Teaching Methods**

1.	**Live Classes**	E – Learning platform will be used in which live class conduct andinteraction with students will be done through video conferencing.
2.	**Power Point Presentation**	In this method, the class will be conducted with the help of projectorby presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3.	**Lecture / Explanation Method**	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/ Explanation to explain the various topics, facts and explain thecontents in sequential and logical manner.
4.	**Participatory Method**	The teaching process is made effective and purposeful by making fullactive participation of teacher – student during class.
5.	**Inclusive Education Technique**	In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive etc.
6.	**Learning by doing**	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in Computer teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.
7.	**Group Discussion**	Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.
8.	**Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

- **Weekly Class Teaching -** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 5 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

Like previous years, this year also this method will continue.

Weekly Class Teaching Dates

Class	Class Teaching			
	July	August	September	October
Semester I	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23
Semester III	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23
Semester V	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23

Class	Class Teaching			
	January	February	March	April
Semester II	22	6,14	1,8,20	4,12,22,29
Semester IV	22	6,14	1,8,20	4,12,22,29
Semester VI	22	6,14	1,8,20	4,12,22,29

- **Summary of the Lesson** - Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT/PDF uploaded on the teacher blog of the college website.
- **Monthly Evaluation (Assessment)** - Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

Monthly Assessment Dates

Class	Monthly Assessment			
	July	August	September	October
Semester I	30	30	30	30
Semester III	30	30	30	30
Semester V	30	30	30	30

Class	Monthly Assessment			
	January	February	March	April
Semester II	29	21	Mid Term	29
Semester IV	29	21	Mid Term	29
Semester VI	29	21	Mid Term	29

- **Progress Report** - It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.
- **Analysis of Progress Report** - The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.
- **Self-Assessment Report** - SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.
- **Faculty Feedback Report (Sikshak Pratipushti Prapatra)** - It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members

improves their depth knowledge of courses and social behavior. This activity is performed twice in a year (November & June) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

- **Adopted Students -** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NCC, NSS, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Mr. Priyanshu Srivastava are –

1.	Shital Gupta	B.Sc. IIIrd	-
2.	Jyoti Viswakarma	B.A. Vth	Rovers Ranger
3.	Saumya Sharma	B.A. Vth	N.S.S.
4.	Preety Viswakarma	B.A. Vth	Rovers Ranger
5.	Sanjana Yadav	B.Sc. IIIrd	-

- **Adopted Village -** To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The Computer Science Department has adopted the villages Badi Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits.

- **Village Tour schedule**

Date	Day	Time	Program
09 December 2024	Monday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
2 March 2025	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
27 April 2025	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

- **Departmental Blog -** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc, YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 30 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

- **Alumni -** Department of Computer Science keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

  I. Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.
  II. Help them to plan their career based on the choice of course.
  III. Make them aware of various job opportunities related to various courses.

- **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences -** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.
  - As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.

- Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

Proposed Seminar

Date	Day	Time	Program
28.10.2024	Monday	11.20 am-12.10 pm	National Cyber Secutity Awarness Month Program (UGC)
02.12.2024	Monday	11.20 am-12.10 pm	World Computer Literacy Day
03.12.2024	Tuesday	11.20 am-12.10 pm	Graphics Designer Day
17.03.2025	Monday	11.20 am-12.10 pm	National Webinar Python

Workshop

Date	Day	Time	Program
15.07.2024	Monday	11.00 am-12.00 pm	One Days Faculty Workshop on College Website
05.05.2025	Monday	11.20 am-12.10 pm	Two Days Workshop on Java Programming

- **Competitions and Other Program -** Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

17th September 2024	Plantation ("Ek Ped Maa Ke Naam")
16th January 2025	Computer Quiz Competition
12th March 2025	Poster Making Competition

- **Guest Lectures -** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

Guest Lecture

25th March 2025	Smt Anjali Shukla	10.30 am - 11.20 am	Robotics
08th April 205	Meenakshi John	12.10 pm - 1.20 pm	Cyber law

Proposed Speakers for Guest Lecture :

1	Dr. Suryakant Pathak	Director KIPM
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor, CS BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor, CS BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA
5	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
6	Smt. Anjali Shukla	Assistant Professor, Ramawati Degree College
7	Smt. Meenakshi John	Assistant Professor, St. Andrews College
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Avinash Singh	Assistant Professor DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

Note : It is possible to change the dates, time and name of Guest of the above departmental programs according to the current circumstances.

Value added Course

'Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course'

Rashtrasant MahantAvaidya nath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organisedby MaharanaPratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge aboutthe basics of the computer.

Objective : Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to afford the computer classes which is very important for today's era.

Programmed Outcomes : After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programmed all the students get the course certificate from our college.

गणित एवं सांख्यिकी विभाग

1. **शिक्षक बायोडाटा** – वर्तमान सत्र 2024–25 में विभाग में चार सहायक आचार्य कार्यरत हैं। जिनके बायोडाटा महाविद्यालय की वेबसाईट mpm.ac.in पर उपलब्ध है। विभाग के शिक्षकों के नाम, पद एवं शिक्षण अनुभव की सूची निम्नवत् है।

	शिक्षक	पद	शिक्षण अनुभव
*	श्री पप्पू कुमार गुप्ता	सहायक आचार्य (प्रभारी)	02 वर्ष
*	डॉ. अरूण कुमार राव	सहायक आचार्य	10 वर्ष
*	सुश्री तान्या श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	01 वर्ष
*	श्री अनिल कुमार मौर्य	सहायक आचार्य	01 वर्ष

2. **पाठ्य-पाठन (कार्यपद्धति)** –

(क) पाठ्यक्रम योजना – विभाग द्वारा सत्र 2024–25 के पाठ्यक्रम का पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। पाठ्यक्रम योजना में विभागीय शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले मेजर एवं माइनर पेपर की जानकारी उपलब्ध रहती है।

नोट – 1. सत्र 2024–25 में बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर व बी.एससी. षष्ठम् सेमेस्टर की कक्षा 16 जनवरी, 2025 से तथा प्रयोगिक की कक्षा 01 फरवरी, 2025 से समय-सारणी के अनुसार प्रारम्भ होगी।

2. बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर (3+1) की कक्षा 16 जनवरी, 2025 से निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रारम्भ होगी।

(ख) माइनर विषय/साप्ताहिक कक्षाध्यापन – शिक्षकों द्वारा लगातार कक्षा पढ़ाने के उपरान्त अगली कक्षा विद्यार्थीयों द्वारा पढ़ाने की प्रक्रिया को साप्ताहिक कक्षाध्यापन कहा जाता है। इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पूर्व विद्यार्थी को माइनर विषय से संबधित शीर्षक आवंटित कर दिया जाता है। कक्षाध्यापन के दिवस पर विद्यार्थियों से 25 मिनट तक कक्षाध्यापन की प्रक्रिया सम्पन्न करायी जाती है तथा शेष समय में शिक्षक द्वारा उन शीर्षको पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जाता है।

गणित (कक्षाध्यापन सारणी)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	20,27	3,10,20	5,12,20	5,17,23
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	20,27	3,10,20	5,12,20	5,21,28
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	20,27	3,10,20	5,12,20	5,21,28

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.एस.-सी. द्वितीय सेमेस्टर	22,30	6,14,21	1,8,20	4,12,22
बी.एस.-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	22,30	6,14,21	1,8,20	4,12,22
बी.एस.-सी. षष्ठम सेमेस्टर	22,30	6,14,21	1,8,20	4,12,22

सांख्यिकी (कक्षाध्यापन सारणी)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	23,30	6,13,22,30	7,14,23,30	8,16,23,30
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	23,30	6,13,22,30	7,14,23,30	8,16,23,30
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	23,30	6,13,22,30	7,14,23,30	8,16,23,30

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर	22,29	6,13,21	7,18	2,11,19
बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर	22,29	6,13,20	7,18	2,11,19
बी.एस.सी. षष्ठम सेमेस्टर	22,29	6,13,20	7,18	2,11,19

(ग) मासिक मूल्यांकन - मासिक मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रति माह विभाग द्वारा माह के अन्त में सम्पन्न करायी जाती है, इस प्रक्रिया में उस माह में पढ़ाये गये पाठयक्रम से प्रश्न विद्यार्थियों को दिये जाते है, जिसे विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिख कर अगले दिन मूल्यांकन के लिए विभाग में जमा करते हैं।

3. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह द्वितीय कार्य दिवस तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है। जिसे उप-प्राचार्य पठन-पाठन से हस्ताक्षर करा के विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। स्वमूल्यांकन प्रपत्र में गत माह में पढ़ाये गये कक्षा व्याख्यान, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन की जानकारी भरी जाती है।

4. **गोद लिए गए गांव** - गोद लिए गए गाँव- गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा धोधड़ा गाँव को गोद लिया

गया है। विभाग द्वारा प्रति सेमेस्टर दो बार ग्राम दर्शन करने का प्रयास किया जाएगा।

ग्राम दर्शन तिथि	
प्रथम दर्शन	13-12-2024
द्वितीय दर्शन	16-02-2025
तृतीय दर्शन	मार्च माह अन्तिम सप्ताह
चतुर्थ दर्शन	अप्रैल माह अन्तिम सप्ताह

उद्देश्य - घोघड़ा गाँव के साथ विभाग का आत्मीय संबंध विकसित करना, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण कर जागरूक करना।

5. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - शिक्षकों के व्यक्तिगत विकास एवं उनके पठन-पाठन के तरीके में सुधार के लिए विभाग द्वारा छात्रों से शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र के आधार पर विभाग प्रभारी द्वारा विभागीय शिक्षकों से आवश्यकता अनुसार वार्तालाप किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरने की तिथि

1. विषम सेमेस्टर - 15 सितम्बर, 2024
2. सम सेमेस्टर - 15 मार्च 2025

6. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - गोद लिए गए विद्यार्थी- विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा 5 विद्यार्थी गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य - विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

छात्र चुनाव पद्धति - सत्र के आरम्भ में विभाग के शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। विद्यार्थियों को गोद लेते समय यह ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रवास, कक्षा प्रतिनिधि किसी एक का सदस्य अनिवार्य रूप से हो।

7. **नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र** - महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ हास्पिटल की सहायता से महाविद्यालय परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुध वार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है तथा महाविद्यालय के आस-पास के ग्राम वासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है।

विभाग अपने कक्षा में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है तथा आग्रह करता है कि यदि आप लोगों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करें।

8. **वेबसाइट, फेसबुक** - विभाग अपनी सूचनाएं एवं विभागीय कार्यक्रम की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

9. **पुस्तकालय** - विभाग अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है। जिसमें यदि किसी छात्र को पुस्तक

की आवश्यकता होती है तो विभाग उस छात्र का नाम, आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। वह पुस्तक छात्र को तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।

10. **नैक** – विभाग नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा समय-समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय समय-सीमा से पहले नैक प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।

11. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन में विभाग के शिक्षक अनुशासन मण्डल का सहयोग करते हैं तथा यह सुनिश्चित करते हैं कि वे जहाँ पर भी हो वहाँ पर अनुशासन बनाये रखें।

12. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका** – महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरूषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने छात्रों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहे।

13. **विभागीय दायित्व विभाजन** – विभाग में सभी शिक्षक अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ करते हैं। विभाग द्वारा सत्र 2024-25 में निम्न दायित्व विभाग के निम्न शिक्षकों को दिया गया है।

शिक्षक	दायित्व
श्री पप्पू कुमार गुप्ता	कक्षा संचालन, पाठ्यक्रम योजना को शत-प्रतिशत लागू करना, विभागीय कार्यक्रम, प्रोजेक्ट कार्य
डॉ. अरूण कुमार राव	प्रयोगशाला, प्रायोगिक परीक्षा, गोद लिए गाँव, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र रिकार्ड
सुश्री तान्या श्रीवास्तव	परिणाम विश्लेषण, स्वमूल्यांकन प्रपत्र, प्रगति आख्या (साँख्यिकी), गोद लिए विद्यार्थी
श्री अनिल कुमार मौर्य	विभागीय पुस्तकालय, कक्षाध्यापन रिकार्ड, स्नातक से परास्नातक छात्र रिकार्ड, प्रगति आख्या (गणित)

14. **विभागीय कार्यक्रम** – विभाग द्वारा उक्त तिथि पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

तिथि	विषय	वक्ता
02 सितम्बर, 2024	Data Analysis and it's use	डॉ. सत्य प्रकाश सिंह, निदेशक मानव संसाधन, के. आई.पी.एम., गीडा, गोरखपुर
20 सितम्बर, 2024	Tensor Algebra	डॉ. यू.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
29 मार्च, 2025	Integral Tranform and It's Uses	डॉ. तनुज कुमार, गणित विभाग, यू.पी.ई.एस. देहरादून, उत्तराखंड

प्राणि विज्ञान विभाग

1. **आत्मवृत्त** - विभाग के सभी शिक्षकों का जीवनवृत्त प्रतिवर्ष अद्यतन होता रहा है। गतवर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगा।
   - i) डॉ. आर.एन. सिंह - प्रभारी एवं सहायक आचार्य
   - ii) डॉ. शिव कुमार - सहायक आचार्य
   - iii) श्री विनय कुमार सिंह - सहायक आचार्य

2. **पाठ्यक्रम योजना** - प्राणि विज्ञान विभाग महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से ही पाठ्यक्रम योजना बनाता रहा है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार ही प्रत्येक दिन का कक्षा संचालन होता है, जिसके कारण पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से निर्धारित समय से पूर्ण हो जाता है। पाठ्यक्रम योजना से छात्रों को पूर्व से ही पता होता है कि किस दिनांक को किस अध्यापक के द्वारा कौन सा शीर्षक पढ़ाया जाना है। प्राणि विज्ञान विभाग गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर की संशोधित पाठ्यक्रम योजना की सॉफ्ट कॉपी बनाकर 10 जुलाई, 2024 को महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रेषित कर दिया गया है। स्नातक द्वितीय सेमेस्टर, चतुर्थ सेमेस्टर एवं षष्टम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना कक्षा प्रारम्भ होने से पहले सॉफ्ट कॉपी बनाकर महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रेषित कर दिया जायेगा।

3. **शिक्षक ब्लॉग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभागीय शिक्षकों का ब्लॉग बना हुआ है। विभाग के सभी शिक्षक अपने-अपने पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम के शीर्षक का पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करते रहे हैं। इसी क्रम में वर्तमान सत्र में बी.एससी. पंचम सेमेस्टर के पाठयक्रम का पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जा रहा है तथा शोध पत्र भी अपलोड किया जायेगा। विभाग के सभी शिक्षक अपना बायोडाटा भी अपने ब्लाग पर अपलोड कर चुके हैं।

4. **कक्षा संचालन** - बी.एससी. प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन 16 जुलाई, 2024 से प्रारम्भ होगा। विभागीय शिक्षक गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी ऑफलाइन के माध्यम से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ायेंगे। यदि आवश्यकता होगी तो ऑन-लाईन कक्षा का संचालन किया जायेगा। (नोट - बी. एससी. प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर की प्रायोगिक कक्षाएं 01 अगस्त 2024 से प्रारम्भ होंगी।)

5. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग अपने स्तर से पुस्तकालय का संचालन विगत कई सत्रों से करता रहा है। गत वर्ष की भाँति वर्तमान सत्र में भी विभागीय पुस्तकालय संचालित रहेगा। पुस्तक के लेन-देन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर की व्यवस्था की गयी है।

6. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन - विधि-सामूहिक चर्चा द्वारा कक्षाध्यापन** - इस विधि के तहत माइनर कोर्स का अध्ययन किया जायेगा। इस विधि में विभागीय अध्यापक चार दिन पहले माइनर कोर्स से सम्बन्धित एक पेज का सारांश बनाकर कक्षा व्हाटसएप ग्रुप पर तथा शिक्षक ब्लॉग पर प्रेषित कर दिया जायेगा। इसके बाद छात्रों को इसकी सूचना से अवगत करा दिया जायेगा कि सामूहिक चर्चा से सम्बन्धित सारांश कक्षा व्हाटसएप एवं शिक्षक ब्लॉग पर अपलोड है, जिसे आप लोग पढ़कर आये, जिससे इस पर आपस में सामूहिक चर्चा हो सके।

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	20,27	3,10,20	5,12,20	5,14,21
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	20,27	3,10,20	5,12,20	5,14,21
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	19,26	2,9,20	4,11,19	4,11,19

कक्षा	कक्षाध्यापन			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	20,27	4,11,19	6,18	2,9,19
बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	20,27	4,11,19	6,18	2,9,19
बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	20,25	1,10,18	5,11	7,16,23

7. **मासिक मूल्यांकन** – महाविद्यालय के स्थापना काल से ही विभाग मास के अन्त में छात्रें का मासिक मूल्यांकन कराता रहा है। विभाग महीने भर में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन कराता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के अनुसार तैयार कराना होता है, जिससे वह विश्वविद्यालय की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

विधि (1) विभागीय शिक्षक द्वारा 10 बहुविकल्पीय एवं 10 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न-पत्र बनाकर अपने कक्षा के पहले 20 मिनट में मासिक मूल्यांकन करायेगा तथा उसके बाद कक्षा पढ़ाया जायेगा।

(2) गूगल फार्म का उपयोग किया जायेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	–	28	27	28
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	–	28	27	28
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	–	28	26	26

कक्षा	मासिक मूल्यांकन			
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	–	27	18	26
बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	–	27	18	26
बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	–	25	22	29

8. **छात्र विवरण – (स्नातक से परास्नातक)** – विभाग से प्रतिवर्ष स्नातक से उत्तीर्ण होने के पश्चात परास्नातक में प्रवेश लिए छात्रों की सूची अद्यतन विभाग प्रतिवर्ष करता रहेगा।

9. **प्रगति आख्या** – विभाग महाविद्यालय के स्थापना काल से ही विभागीय प्रगति आख्या बनाता रहा है। विभाग

छात्रों के पठन पाठन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, छात्रों का सर्वांगीण विकास के तरफ अग्रसर करने का प्रयास करता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रगति आख्या बनाया जाता है। गत वर्ष की तरह वर्तमान सत्र में प्रगति आख्या यथावत लागू रहेगा।

10. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के 02 तारीख तक पिछले महीने का स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर जमा किया जाता रहा है। इसे वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

11. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग अपने स्थापना काल से ही शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र छात्रों द्वारा भरवाता रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षक छात्रों के द्वारा अपने विषय में प्रतिक्रिया जानते है, तथा स्वयं में सुधार करते है। सत्र में दो बार अर्थात् 20 सितम्बर एवं 14 दिसम्बर माह में छात्रों के द्वारा भरवाया जाता है। इसे वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

12. **विशिष्ट व्याख्यान** – विभाग अपने स्थापनाकाल से ही विषय विशेषज्ञों के द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन करता रहा है। छात्रों को विशिष्ट व्याख्यान के माध्यम से प्राणि विज्ञान के क्षेत्र में होने वाली नई-नई खोजों/अन्वेषणों से विद्यार्थियों को अद्यतन कराया जाता रहा है। वर्तमान सत्र में भी इस व्यवस्था को लागू किया जायेगा।

13. **शोध व्याख्यान** –

प्रथम सेमेस्टर	–	30.09.2023	द्वितीय सेमेस्टर	–	03.03.2025
तृतीय सेमेस्टर	–	09.09.2024	चतुर्थ सेमेस्टर	–	18.02.2025
पंचम सेमेस्टर	–	04.09.2024	षष्ठम सेमेस्टर	–	13.02.2025

14. **विज्ञान प्रदर्शनी** –

प्रथम सेमेस्टर	–	19.10.2024	द्वितीय सेमेस्टर	–	10.03.2025
तृतीय सेमेस्टर	–	23.09.2024	चतुर्थ सेमेस्टर	–	25.02.2025
पंचम सेमेस्टर	–	18.09.2024	षष्ठम सेमेस्टर	–	31.01.2025

15. **गोद लिए गाँव** – प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा लक्ष्मीपुर गाँव को गोद लिया गया है। लक्ष्मीपुर गाँव के ग्रामीणों के साथ महाविद्यालय एवं विभाग का आत्मीय सम्बन्ध स्थापित करना है। ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि विषयों के प्रति जागरूक करना है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी गाँव में जाते हैं तथा जन-जागरण कर उन्हें सचेत करते रहते है। इस व्यवस्था को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

13. **गोद लिए गये विद्यार्थी** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी को गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए सम्बन्धित शिक्षक हमेशा प्रयास करता रहता है। इस व्यवस्था को वर्तमान सत्र में लागू किया जायेगा।

शिक्षक का नाम	गोद लिए गये विद्यार्थी
डॉ. आर.एन. सिंह	1. प्रगति जायसवाल – द्वितीय सेमेस्टर 2. आयुष कुमार – चतुर्थ सेमेस्टर

	3. आंचल रजक – द्वितीय सेमेस्टर 4. रूबि सिंह – द्वितीय सेमेस्टर 5. सपना सिंह – प्रथम सेमेस्टर 6. आकृति सिंह – प्रथम सेमेस्टर
डॉ. शिव कुमार	1. आकांक्षा शर्मा – चतुर्थ सेमेस्टर 2. आयशा – चतुर्थ सेमेस्टर 3. अमित सिंह कुशवाहा – द्वितीय सेमेस्टर 4. नूरजहां – द्वितीय सेमेस्टर 5. किरन विश्वकर्मा – प्रथम सेमेस्टर 6. अर्चना – प्रथम सेमेस्टर
श्री विनय कुमार सिंह	1. जयकिशुन चौरसिया – द्वितीय सेमेस्टर 2. विनय सिंह – द्वितीय सेमेस्टर

17. **छात्रसंघ प्रतिनिधि चुनाव** – महाविद्यालय के कार्य में सहभागिता छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में कार्य क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्रसंघ का गठन किया जाता है।

    कार्यपद्धति – महाविद्यालय के छात्र संघ में वही विद्यार्थी सदस्य होते है जो अपनी कक्षा के प्रतिनिधि होते है। यही प्रतिनिधि छात्रसंघ के उम्मीदवार होते है तथा चुनाव लड़ते हैं। अत: विभाग ऐसे प्रतिनिधि के चयन करने के लिए दस बहुविकल्पीय प्रश्न बनता है, तथा परीक्षा के माध्यम से सर्वाधिक अंक और सर्वाधिक उपस्थित जोड़ी जाती है। दोनों का योग जिस विद्यार्थी का सर्वोत्तम होता है, वही कक्षा का प्रतिनिधि होता है। कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र ही कक्षा का प्रतिनिधि होता है। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

18. **विभागीय साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभाग में प्रत्येक शनिवार को एक सप्ताह में पढ़ाये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की कार्य योजना के क्रियान्वयन हेतु बैठक होती रहती है। इस योजना को वर्तमान सत्र में भी लागू किया जायेगा।

19. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक** – विभाग प्रत्येक महीने के अन्त में विभाग की समीक्षा एवं अगले महीने की कार्य योजना से सम्बन्धित बैठक होती रहती है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

20. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** – विभाग ने अपने सभी कक्षाओं का अलग-अलग कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप बनाता रहा है। जिसका प्रयोग महाविद्यालय एवं विभाग के गतिविधियों एवं सूचनाओं से छात्रों को अवगत कराना होता है। आवश्यकता पड़ने पर ऑन-लाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक प्रेषित किया जाता रहा है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

21. **नि:शुल्क उपचार केन्द्र** – नि:शुल्क उपचार केन्द्र से ग्रामीण के मरीजों को नि:शुल्क दवा का वितरण किया जाता रहा है। इस वर्ष भी इसका संचालन किया जायेगा। इस वर्ष प्रत्येक माह से एक शिविर का आयोजन करने की योजना है।

Physics Department

1. **Monthly Evaluation -** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month. Keeping in view of the changed exam pattern, it was decided that the monthly evaluation should be subjective type and may be conducted offline. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations. The students are categorized according to their skill on the basis of monthly evaluation. They are then tutored accordingly so that their education may not hinder. Those who are weak learner are given attention to identify weak points and exercises are given them to remove the weakness. The total marks allotted for monthly evaluation is 35 which includes 30 marks for performance in test and 5 marks for behaviour of student in class.

Schedule of Monthly Evaluation for students This Year

Class	July	August	September	October
B.Sc. I Sem	NA	30	30	30
B.Sc. III Sem	NA	30	30	30
B.Sc. V Sem	NA	30	30	30
Class	**Jan**	**Feb**	**March**	**April**
B.Sc. II Sem	NA	27	24-29 (MST)	29
B.Sc. IV Sem	NA	27	24-29 (MST)	29
B.Sc. VI Sem	NA	28	24-29 (MST)	26

2. **Pre declared Teaching Plans** : Teaching plans of each Major subject are prepared, reviewed and finalized date-wise keeping in view holidays and working days. The teaching plan is then uploaded on college website. The upload process of odd and even semester lesson plan is completed before 15th July 24 and 15th January 2025. Students will get teaching plan from the following website address.

https://mpm.ac.in/lesson_plan.php?f_id=1

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of all semesters will start on 16th July this year.

3. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format offline or online method. The first feedback will be taken in the month of October and second in the month of March.

The Teachers feedback form is part of our regular effort to maintain quality instruction. Our faculty use responses to these questions to become better teachers.

4. **Use of ICT in teaching (PPT) :** The department this year plans to take at least 50 percent classes on projector only. The faculty members have already prepared their PPT's for teaching purpose. Projectors are already installed in all classes as well as in the lab. To maintain an uninterrupted power supply during classes, an online generator is also being installed in the campus.

The main aim and advantages of teaching through PPT are as follows: -

i) Ease of Use For Students and Teachers

ii) Facilitates Effective E-learning

iii) Develops Confidence In Students

iv) Promotes Interactive Study
v) Development of In-depth Knowledge
vi) Increased Attention Span Of Students

5. **Updating Teachers Blog :** The teachers blog contains PPT's, Video lectures and Research papers which are being prepared by teachers of department. The department plans to update the blog of teachers on college website so that maximum benefit of blog may be taken college students. The teachers blog helps the students in the following ways :-
   - Promotes autonomous learning by providing opportunities for students to take more control of their learning
   - Motivates students to become better readers and writers.
   - Promotes discussion among students.
   - Encourages the use of the Internet and the Web among students.

   The current status of teachers blog are as follows

Current Blog status

S.No.	Name of Faculty	Type of e content on college website	PPT	Video	Research Paper
1.	Abhishek Verma		27+14+15 Total - 56	13	04
2.	Dr Shailendra Kumar Thakur		11+2=13	00	07

The students can access the blogs of teachers through the following web address
1. Blog of Abhishek verma **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**
2. Blog of Dr S K Thakur **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**

6. **Minor/ Class Teaching** : After every V[th] class the students will be given chance to present their prepared lecture in front of students of class. The lecture delivered by them will be from Minor syllabus which will allotted in advance to them by the subject teacher. The main objective of this methodology of teaching is to make students self-confident and make them able to put their views in front of other people. At least 05 students take the class lectures on previously assigned topics.

Schedule of Class Teaching for students This Year

Class	Class Teaching Schedule			
	Jul.	**Aug.**	**Sept.**	**Oct.**
B.Sc. I Sem	22,29	5,12,19,29	6,13,21,28	7,14,21,28
B.Sc. III Sem	22,29	5,12,21,29	6,13,21,28	7,14,21,28
B.Sc. V Sem	22,29	5,12,21,29	6,13,21,28	7,14,21,28

Class	Class Teaching Schedule			
	Jan	**Feb**	**March**	**April**
B.Sc. II Sem	20,27	04,11,19	06,18	2,9,19,26
B.Sc. IV Sem	20,27	04,11,19	06,18	2,9,19,26
B.Sc. VI Sem	18,25	01,15,22	01,08	05,15,24

The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

7. **Progress Report (Pragati Aakhya) :** The monthly progress report of each student is prepared by the teacher, summarised by the department and is uploaded on the faculty login of college website so that any guardian can see the activities of his ward in the college. The monthly report will be uploaded latest by 2nd of each month by teacher. Such monthly reports collectively form the annual report of the student. These are analysed as a parameter of successive qualitative development of the student and efforts for further development are tried to do. The main advantages of progress report are as follows :
   - Through Progress report, the faculties communicate the progress and performance of the students to help them know where they stand and make necessary improvement.
   - The students as well their parents can check marks obtained, class attendance and class teaching done by their wards.

8. **Students Adoption by Faculties :** The faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

   The main of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted student which in turns builds a confidence on teachers in students. It was also decided that an adopted student should also be either a member of NSS, a student representative or residing in college hostel. The reason behind this step is that the student must be simultaneously acted by these three to develop to their academic as well personality. Once adopted by a teacher he/she should remain adopted by same teacher till course completion. Regular counselling session has been provided to the adopted students by concerned faculties. After this scheme is being implemented it is observed that most of the students who were adopted by concerned faculties have developed their personality to a considerable level.

Students currently Adopted by faculties

S.No.	Name of student	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Anjali Chaudhary	6386323822	B.Sc. V Sem	Abhishek Verma
2	Pratibha Gupta	9305624012	B.Sc. V Sem	Abhishek Verma
3	Santosh Kumar	9335950544	B.Sc. III Sem	Abhishek Verma
4	Vishal Sharma	7268902178	B.Sc. III Sem	Abhishek Verma

9. **Visit to village :** Two Villages Bhagwanpur and Haripur were adopted by the department to uplift the Educational and Socio-Economic status of the villagers.

   The Department will organize camps/visits in these villages two times in year at these pre-determined dates.

   29 September, 2024 30 March, 2025

   All the faculty members along with adopted students will participate in the village visit program. The Department organizes the camps in the following broad areas to develop the village community: -
   - Education and literacy
   - Health
   - Mid-day meal
   - Sanitation
   - Village development Schemes of Government

10. **Teaching Methods/Pedagogy :** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:
    - **Pre-declared Teaching Plan :** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So he/she

comes prepared for the lecture.

- **PPT presentation :** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
- **Minor/Class Teaching by Students :** The main aim of this scheme is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.
- **Monthly Evaluation :** Monthly tests in each are done and answers shown to students to indicate their weakness and strength.

11. **Guest Lectures :** Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

S.No.	Date	Event	Topic	Guest Speaker	Coordinator
1.	15th Feb 2025	Special lecture	Astrophysics	Dr. Shintoo Kumar, Physics Department, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur	Dr. S.K. Thakur
2	15th March 2025	Special lecture	Electronics	Dr. Manindra Kumar Physics Department, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur	Abhishek Verma

12. **Competitions**

    1. **Poster making competition :** Poster making contest aims for the students to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.

S.No.	Date	Event	Topic	Participants	Coordinator
1	23th August 2024	Poster Making	National Science Day	All the students of B.Sc. Physics	Abhishek Verma

13. **Participation in Morning Prayer :** Morning Prayer is an integral part of our college culture. All the faculties and students, like previous years will participate in the morning prayers.
14. **Participation in NSS/Rovers Rangers :** The college scheme's NSS and Rovers rangers are of great importance in overall personality development of the students. They are also part of our collective personality development scheme. The department will encourage the students to take part in NSS and rover rangers.
15. **Teachers self-evaluation form (Sikshak Pratipushti Prapatra) :** Through this format the teachers fill about all the academic activities which were performed by him during the month. He also fills about all extra-curricular which were performed by him during the month. The teachers self-evaluation form were filled till 2nd of each month.
16. **Role and Responsibilities in college schemes :** The department faculties have been allotted following responsibilities in current session.

S.No.	Name of faculty member	Responsibility
1	Abhishek Verma	NAAC, IQAC and related work
2	Dr. S.K. Thakur	Divyangjan Kalyan Prakosht

The faculties of department willingly will give their best performance do the work assigned to them in

stipulated time.

17. **Departmental Responsibilities**

Dr Shailendra Kumar Thakur

- Preparation of Lesson Plans
- Repair and Purchase of lab equipments.
- Preparation Progress report of III and V Sem.
- Conduction of Special lecture, Poster and report preparation.
- Village visit and report.
- Laboratory Instruction preparation.
- Media coverage of all departmental programs and its reporting in news papers.

Abhishek Verma

- Preparation of Annual report of department.
- Future Planning Report of department.
- Preparation Progress report of III and V Sem .
- ICT infrastructure development.
- E-content development.
- Progress report of I Sem and III Sem.
- Updating of Blogs.
- Conduction of Special lecture, workshop and report preparation.
- NAAC and IQAC information.

रसायन विज्ञान विभाग

1. **शिक्षक** – डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, विभागाध्यक्ष
डॉ. राम सहाय, सहायक आचार्य
श्रीमती प्रियंका मिश्रा, सहायक आचार्य
श्रीमती दिव्या दूबे, सहायक आचार्य
श्रीमती नम्रता मिश्रा, सहायक आचार्य

प्रयोगशाला सहायक – श्री ओम प्रकाश

2. **विभागीय कार्य विभाजन** –

डॉ. शिव कुमार बर्नवाल-

* विभाग की समय सारणी तैयार करना व पठन-पाठन सुनिश्चित करना।
* उपस्थिति पंजिका बनाना तथा नव प्रवेशित विद्यार्थियों का पंजीकरण करना।
* विभागीय कार्य योजना बनाना तथा कार्य विभाजन करना।
* बी.एससी. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना व प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना।
* गोद लिए गए गाँव की रिपोर्ट तैयार करना।

* विभागीय भंडार पंजिका अद्यतन करना।
* विभागीय कार्य निरीक्षण।

डॉ. राम सहाय

* विभागीय गतिविधियाँ व कार्यक्रम आयोजित करना।
* विभागीय पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम योजना अद्यतन करना।
* पाठ्य पुस्तकों की सूची तथा विभागीय पुस्तकालय अद्यतन करना।
* बी.एससी. पंचम व षष्ठम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना व प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना।
* नैक/आई.क्यू.ए.सी. से सम्बंधित विभागीय सूचनाएं संकलित करना।
* वैल्यू एडेड कोर्स का संचालन करना एवं उसका विवरण रजिस्टर तैयार करना।
* शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना तथा शिक्षकों का स्वमूल्यांकन प्रपत्र संकलित करना।

श्रीमती प्रियंका मिश्रा

* विभागीय कार्यक्रमों का विवरण रजिस्टर तैयार करना (फोटो सहित)।
* विभागीय कार्यक्रमों की फोटोग्राफी, समाचार लेखन, संशोधन तथा प्रकाशन सुनिश्चित करना।
* एम.एससी. प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना व प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना।
* पुरातन विद्यार्थी विवरण तैयार करना (स्टूडेंट्स प्रोग्रेशन)।
* अद्यतन शिक्षक बायोडाटा संकलित करना।

श्रीमती दिव्या दूबे

* विभागीय कार्यक्रमों के रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी तैयार करना व प्रति माह अद्यतन करना।
* बी.एससी. तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाना, प्रगति आख्या तैयार करना एवं उसका विश्लेषण करना, व्याख्यान रजिस्टर में नाम लिखना व प्रति माह अद्यतन करना, मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्र तैयार करना तथा उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन करना व प्रतिमाह अद्यतन करना, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का विवरण रजिस्टर तैयार करना।
* विभागीय कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी, फ्लैक्स, बैनर, नेम प्लेट आदि की व्यवस्था करना तथा समाचार लेखन में सहयोग करना।
* वार्षिक विभागीय रिपोर्ट तैयार करना।
* विभागीय स्वच्छता सुनिश्चित करना एवं प्रोत्साहन।

श्रीमती नम्रता मिश्रा

* बी.एससी. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाने व प्रगति आख्या तैयार करने में सहयोग

करना।

* सभी कक्षाओं की मासिक मूल्यांकन के प्रश्न पत्रों का संकलन करना व प्रति माह अद्यतन करना।
* बी.एससी. तथा एम.एससी. प्रत्येक सेमेस्टर के विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पत्रों की फाइल तैयार करना तथा अद्यतन रखना।
* महाविद्यालय तथा विभाग की सूचनाएं सम्बंधित कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप में प्रेषित करना।
* प्रत्येक कक्षा का लैब मैनुअल तथा साप्ताहिक कक्षाध्यापन का विवरण तैयार करना।
* साप्ताहिक सेमिनार का आयोजन करना।

नोट- उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त महाविद्यालय तथा विभाग द्वारा दिए गए अन्य दायित्वों का भी निर्वहन करना होगा।

3. **प्रार्थना सभा-** महाविद्यालय की दिनचर्या का प्रारम्भ प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से शुरू होने वाली प्रार्थना सभा में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है, तो उसके सन्दर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्भगवत गीता के श्लोकों का अनुवाद सहित वाचन होता है।

   प्रार्थना सभा में रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सम्मिलित होते हैं, तथा अपने विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करते हैं।

4. **पाठ्यक्रम योजना -** सत्र के प्रारम्भ में ही रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना की सॉफ्ट कॉपी तैयार करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया गया है। पाठ्यक्रम योजना की हार्ड कॉपी विभाग में सुरक्षित रखा गया है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अद्यतन पाठ्यक्रम की हार्ड कॉपी भी विभाग में सुरक्षित रखा गया है। पाठ्यक्रम योजना तथा अद्यतन पाठ्यक्रम की सॉफ्ट कॉपी शिक्षकों के ब्लॉग पर अपलोड कर दिया गया है। नवम्बर माह में सम-सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

पाठ्यक्रम स्नातक -

Semester	Course Code	Course Title	Credit
I	CHE-101F	Fundamentals of Chemistry	4+0
	CHE-102F	Quantitative Analysis	0+2
II	CHE-103F	Basic Organic	4+0
	CHE-104F	Chemistry Solid and Chemistry of s & p Block Elements	0+2
III	CHE-201	Chemical Dynamics & Coordination Chemistry	4+0
	CHE-202	Physical Analysis	0+2
IV	CHE-203	Quantum Mechanics and Analytical Techniques	4+0
	CHE-204	Instrumental Analysis	0+2
V	CHE-301	Organic Systhesis A	4+0
	CHE-302	Rearrangement and Chemitry of Group Elements	4+0
	CHE-303	Qualitative Analysis	0+2

VI	CHE-304 CHE-305 CHE-306	Organic Synthesis B Chemical Energetics and Radiochemistry Analytical Methods	4+0 4+0 0+2

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर -

Semester	Course Code	Course Title	Credit
I	CHE-501N CHE-502N CHE-503N CHE-504N CHE-505N	Molecular Symmetry and Molecular vi Vibrations Quantum Chemistry Main Group elements Organic Reaction Mechanism Practical	4+0 4+0 4+0 4+0 0+4
II	CHE-507N CHE-508N CHE-509N CHE-510N CHE-511N CHE-518N	Analytical Chemistry Thermodynamics and Electrochemistry Transition elements Natural Products Practical Environmental Chemisry	4+0 4+0 4+0 4+0 0+4 0+4
III	CHE-513 CHE-516 CHE-519 CHE-522 CHE-523 CHE-524	Spectroscopy – I Stereochemistry Pericyclic and Rearrangement Reactions Biomolecules Practical Reserch Project	4+0 4+0 4+0 4+0 0+4 0+4
IV	CHE-525 CHE-528 CHE-531 CHE-534 CHE-539 CHE-540	Spectroscopy – II Organic Synthesis Selected Topics in Organic Chemistry Drug and Agrochemicals Pratical Research Project	4+0 4+0 4+0 4+0 0+4 0+4

5. **कक्षा संचालन**- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान की कक्षाएं संचालित की जायेंगी।

* बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2024
* बी.एससी. पंचम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2024
* एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2024
* बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2024
* एम.एससी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जुलाई, 2024
* प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2024
* एम.एससी. सम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जनवरी, 2025
* बी.एससी. सम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जनवरी, 2025
* सम सेमेस्टर की प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जनवरी, 2025

6. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन/माइनर कोर्स कक्षा संचालन**- रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक सप्ताह में एक

दिन निर्धारित तिथि को माइनर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शीर्षक पर पूर्व निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जायेगा, जिससे विद्यार्थियों की चिन्तनशीलता, अभिव्यक्ति, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का उत्तरोत्तर विकास होगा। इस सत्र (2024-25) की कक्षाध्यापन तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं -

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23
एम.एससी. प्रथम सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23
एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर	23	06,13,22	07,14,23	08,16,23

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	22	6,14	01,08	04,12,22
बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14	01,08	04,12,22
बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	22	6,14	01,08	04,12,22
एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	22	6,14	01,08	04,12,22
एम.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	22	6,14	01,08	04,12,22

7. **मासिक मूल्यांकन**- रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में निर्धारित तिथि को सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर ऑफलाइन/ऑनलाइन मोड में विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों के आधार पर विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के प्रति रूचि, ग्राह्यता एवं दक्षता का पता चलता है। इस सत्र (2024-25) में होने वाले मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ कक्षावार निम्नवत है।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि			
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	30
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	30	30	30	30
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	30	30	30	30
एम.एससी. प्रथम सेमेस्टर	30	30	30	30
एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर	30	30	30	30

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि			
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	29	21	20	29
बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	29	21	20	29
एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	29	21	20	29
एम.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	29	21	20	29

8. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – यह महाविद्यालय के शिक्षकों के स्वमूल्यांकन की विशेष विद्या है, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह की 02 तारीख तक पिछले माह का स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जाता है। इस प्रपत्र में शिक्षकों द्वारा तैयार की गयी योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व, आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। वर्तमान सत्र (2024-25) में भी यह योजना लागू रहेगी।

9. **प्रगति आख्या** – इसके अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भरी जाती है, जिससे विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक, कक्षाध्यापन में उपस्थिति आदि विवरण ऑनलाइन/ऑफलाइन भरा जाता है। सत्र के अन्त में प्रगति आख्या का गुणात्मक विश्लेषण किया जाता है। वर्तमान सत्र (2024-25) में भी यह योजना यथावत लागू रहेगी।

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह महाविद्यालय की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है, जो महाविद्यालय की स्थापना काल से ही लागू है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र ऑनलाइन/ऑफलाइन भरवाया जाता है। प्रपत्र में प्राप्त फीडबैक (सुझावों/कमियों) को जानकर विभाग के शिक्षक आवश्यकतानुसार सुधार करने का प्रयास करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा इस सत्र (2024-25) में भी यह योजना लागू रहेगी।

11. **स्वैच्छिक श्रमदान** – यह हमारे महाविद्यालय का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वैक्षिक रूप से श्रमदान करते हैं। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित करके, पठन-पाठन को अप्रभावित रखते हुये किया जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चयनित स्थानों पर निर्धारित सहयोगियों के साथ साफ-सफाई का कार्य किया जाता है। रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता करते हैं। यह योजना वर्तमान सत्र (2024-25) में भी यथावत लागू रहेगी।

12. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** – रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक कक्षा का अलग-अलग कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसका उपयोग महाविद्यालय व विभाग की आवश्यक सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुँचाने हेतु किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र (2024-25) में भी लागू रहेगी।

13. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लाग** – रसायन विज्ञान विभाग की पाठ्यक्रम योजना तथा पाठ्यक्रम, महाविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय-समय पर वेबसाइट पर अद्यतन किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर पाठ्यक्रम योजना, सेमेस्टर प्रणाली का अद्यतन पाठ्यक्रम तथा पढ़ाये गये व्याख्यान की पी.पी.टी.

बनाकर अपलोड किया जायेगा। इसके साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किया जायेगा।

14. **विभागीय पुस्तकालय** – महाविद्यालय की केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त रसायन विज्ञान विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें विभाग के शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है। पुस्तकों के लेनदेन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर रखा गया है। यह योजना वर्तमान सत्र (2024-25) में भी लागू रहेगी।

15. **विभागीय बैठक** – विगत सत्र से प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विभागीय शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई गयी है। इस बैठक में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह किये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले माह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विचार विमर्श होता है। 29 अप्रैल, 2024 की बैठक में सर्वसम्मति से इस सत्र में विभागीय शिक्षकों के दायित्व का निर्धारण किया गया।

16. **गोद लिए गये विद्यार्थी** – रसायन विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इसके अन्तर्गत शिक्षक अपने गोद लिये गये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, पठन-पाठन एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्ववत जारी रहेगा।

वर्तमान सत्र में रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों का विवरण निम्नवत है –

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी	कक्षा	आई.डी.
डॉ. शिवकुमार बर्नवाल	1. अँशिका सिंह	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220052
	2. विद्यासागर निषाद	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230014
	3. शुभि	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBMS230029
	4. सिमरन चौहान	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230073
	5. सचिन शर्मा	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBMC240005
डॉ. राम सहाय	1. राजेश यादव	एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGMCY230005
	2. सनी यादव	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBMS230011
	3. नेहा भारद्वाज	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY240025
	4. संजना यादव	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY240063
	5. सुप्रिया पाण्डेय	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY240009
श्रीमती प्रियंका मिश्रा	1. सीमा गौतम	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220079
	2. पल्लवी मिश्रा	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220106
	3. कंचन सिंह	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220018
	4. रोशनी चौहान	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY240008
	5. निशु	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY240016
श्रीमती दिव्या दूबे	3. अभिषेक कुमार	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220029

	2. रूपमती निषाद	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220031
	3. मंशा चौहान	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220074
	4. प्रद्युम्न यादव	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220020
	5. अभिजीत मणि उपाध्याय	बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	MPPGBBY220070
	6. संजना साहनी	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	MPPGBBY220070
श्रीमती नम्रता सिंह	1. गुड़िया	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230012
	2. रोशनी शर्मा	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230017
	3. अनुराधा यादव	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230082
	4. काजल सिंह	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230013
	5. अंशिता गुप्ता	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230045
	6. प्रीति	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	MPPGBBY230039

नोट – इस सत्र में डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. राम सहाय तथा श्रीमती प्रियंका मिश्रा द्वारा क्रमश: 01, 03 तथा 02 नये विद्यार्थियों को गोद लिया गया।

17. **गोद लिया गया गाँव** – रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रामपुर गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति गाँव के लोगों को जागरूक करना है। इस सत्र में भी पूर्व की भाँति रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ गोद लिये गये रामपुर गाँव के एक दिवसीय भ्रमण पर जायेंगे तथा जनजागरूकता का कार्य करेंगे। इस सत्र में गांव भ्रमण की प्रस्तावित तिथियां निम्न है–

    21 सितम्बर, 2024 16 दिसम्बर, 2024 09 मार्च, 2025 04 मई, 2025

18. **पठन-पाठन** – स्नातक प्रथम सेमेस्टर के कक्षा संचालन के लिए 4+1+1 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार मेजर, बेसिक तथा माइनर की कक्षा का संचालन किया जायेगा, जबकि अन्य सभी सेमेस्टर के लिए 4+2 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षा का संचालन किया जायेगा। सभी सेमेस्टर में माइनर का पाठ्यक्रम, कक्षाध्यापन की तिथि में पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराकर कक्षाध्यापन के रूप में पढ़ाया जायेगा। स्नातकोत्तर की कक्षा 3+3 के सिद्धान्त पर पाठ्यक्रम योजना के अनुसार संचालित की जायेंगी।

19. **प्रस्तावित विभागीय कार्यक्रम**–

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	तिथि	संयोजक
1	विशिष्ट व्याख्यान	27 जुलाई, 2024	डॉ. राम सहाय
2	आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती	02 अगस्त, 2024	श्रीमती दिव्या दूबे
3	ग्राम्य दर्शन	21 सितम्बर, 2024	श्रीमती दिव्या दूबे
4	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	08 अक्टूबर, 2024	डॉ. राम सहाय
5	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	26 अक्टूबर, 2024	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
6	ग्राम्य दर्शन	16 दिसम्बर, 2024	श्रीमती प्रियंका मिश्रा

7	ग्राम्य दर्शन	09 मार्च, 2025	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
8	विज्ञान प्रदर्शनी (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस)	28 फरवरी, 2025	श्रीमती दिव्या दूबे
9	शैक्षणिक भ्रमण	05 अप्रैल, 2025	डॉ. राम सहाय
10	ग्राम्य दर्शन	04 मई, 2025	श्रीमती नम्रता मिश्रा

19. **प्रस्तावित विशिष्ट व्याख्याताओं की सूची-**

* प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. एन.के. शुक्ला, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. आलोक श्रीवास्तव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर।
* डॉ. मो. राशिद तनवीर, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कालेज, गोरखपुर।
* डॉ. सचिन कुमार सिंह, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. प्रदीप कुमार राव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. मीरा यादव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट, ईटानगर, अरुणांचल प्रदेश।
* डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट, ईटानगर, अरुणांचल प्रदेश।
* डॉ. एच.सी. गुप्ता आचार्य (अ.प्रा.) रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
* डॉ. गीता सिंह, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

नोट :- कार्यकर्मों की तिथि, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. **विभागीय शिक्षक** - विभाग में दो शिक्षक एवं एक प्रयोगशाला सहायक कार्यरत हैं।
   (क) डॉ. अभय श्रीवास्तव - प्रभारी व सहायक प्राध्यापक
   (ख) डॉ. अखिलेश गुप्त - सहायक प्राध्यापक
   (ग) श्री राधेश्याम - प्रयोगशाला सहायक
   विभाग के शिक्षक अपने बायोडाटा को समृद्ध करेगें व सत्रान्त में महाविद्यालय के वेबसाइट पर अद्यतन करेंगे।
2. **प्रार्थना सभा** - विभाग के शिक्षक दैनिक दिनचर्या का प्रारम्भ 16 जुलाई से प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ पूर्व की भाँति करेंगे। प्रार्थना सभा में श्रीमद्भगवतगीता के श्लोकों के वाचन एवं विशेष दिवस पर होनेवाले उद्बोधन में प्रतिभाग करेंगे।
3. **पाठ्यक्रम, पुस्तक सूची व पाठ्य-योजना**- वनस्पति विज्ञान विषय के सभी सेमेस्टर हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम की हार्डकापी विभाग में रखा जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा तथा वनस्पति विज्ञान शिक्षण व्हाट्सएप ग्रुप पर डाला जायेगा। विषय से सम्बन्धित टेक्स्ट व रिफरेन्स पुस्तकों की सूची प्रकाशन वर्ष के आरोही क्रम में नाम, लेखक, वर्ष, प्रकाशक के सूचना के साथ संकलित कर रखा जायेगा। जिसे विद्यार्थी देख सकते हैं। विषय की पाठ्य योजना को तिथिवार शिक्षक के नाम, व्याख्यान संख्या, प्रश्नपत्र एवं शीर्षक को सत्रारम्भ के पहले तैयार कर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

4. **वनस्पति विज्ञान**

सैद्धान्तिक कक्षाएँ प्रारम्भ - स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर 16 जुलाई, 2024 से, तथा द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम् सेमेस्टर 16 जनवरी, 2025 से।

प्रायोगिक कक्षाएँ - स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर- 01 अगस्त, 2024 से, तथा द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम् सेमेस्टर 01 फरवरी, 2025 से।

5. **ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम**- सेमेस्टर सत्र में दो (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है।

प्रथम - 04 अगस्त, 2024	प्रथम - 04 फरवरी, 2025
द्वितीय - 17 दिसम्बर, 2024	द्वितीय - 05 मई, 2025

6. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**- इसके अन्तर्गत माइनर कोर्स के शिक्षण की व्यवस्था की जायेगी। सप्ताह में एक दिवस विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराया जायेगा। इससे विद्यार्थियों के वाचिक अभिव्यक्ति सुदृढ़ होगा। विद्यार्थियों को माइनर कोर्स के नोट्स उपलब्ध कराया जायेगा। माइनर के पूर्वसूचित शीर्षक पर विद्यार्थी कक्षाध्यापन करेंगे। घंटी के अन्तिम दस मिनट में शिक्षक द्वारा पढ़ाया जायेगा।

कक्षा	साप्ताहिक कक्षाध्यापन					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	22,29	5,12,21,29	6,13,21,28	7,15,22,29	5,14,25	विश्वविद्यालयी परीक्षा
बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	22,29	5,12,21,29	6,13,21,28	7,15,22,29	5,14,25	
बी.एससी. पंचम सेमेस्टर	22,29	5,12,21,29	6,13,21,28	7,15,22,29	5,14,25	

कक्षा	साप्ताहिक कक्षाध्यापन				
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर	21,28	5,13,20	2,19	3,11,21	विश्वविद्यालयी परीक्षा
बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर	21,28	5,13,20	2,19	3,11,21	
बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर	21,28	5,13,20	2,19	3,11,21	

7. **मासिक मूल्यांकन**- विद्यार्थियों में व्यवहार परिवर्तन का आंकलन निरन्तर किया जायेगा। विषय के ज्ञान का मूल्यांकन ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन विधि से लिखित परीक्षा द्वारा किया जायेगा। प्रश्नपत्र विश्वविद्यालयी परीक्षा प्रारूप के अनुसार बनाया जायेगा। इस प्रकार विद्यार्थी प्रश्नपत्र प्रारूप एवं महत्त्वपूर्ण प्रश्न से अवगत हो जायेंगे। विद्यार्थी के उत्तर का रिकार्ड रखा जायेगा, मूल्यांकित किया जायेगा एवं प्राप्तांक को प्रगतिआख्या में दर्ज किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन परीक्षा माह के अन्तिम सप्ताह में कराया जायेगा।

8. **प्रगति-आख्या**- प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षा गतगतिविधियों एवं आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के योग्यता का परिमाणात्मक आंकलन दर्ज किया जाता है एवं इसका विश्लेषण हर माह करके प्राचार्य जी से हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा।

9. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**- यह प्रपत्र विभाग के शिक्षक द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक स्वमूल्यांकन कर प्रत्येक माह की 02 तारीख तक कार्यालय में जमा कर दिया जायेगा अथवा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**- यह प्रपत्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में सुधार हेतु छात्रों द्वारा सत्र में दो बार यथा-अक्टूबर एवं मार्च माह में विद्यार्थियों द्वारा अपनी-अपनी प्रतिपुष्टि प्राप्त किया जायेगा, सुधार किया जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

11. **शिक्षण विधियाँ**- वनस्पति विज्ञान विभाग में दोनों शिक्षकों द्वारा निम्न शिक्षण विधियाँ अपनायी जाती है:-

    1. **व्याख्यान विधि**- इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु प्रकटन हेतु इस विधि का प्रयोग करते हैं और इस वर्ष भी करेंगे। इसके लिए श्यामपट्ट पर चित्र बना कर, विषय-वस्तु पर बने चार्ट एवं मॉडल की सहायता से तथ्यों को समझाया जायेगा।

    2. **पावर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण**- पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरण पर शिक्षक द्वारा तैयार पी.पी.टी. प्रस्तुत कर व्याख्या की जायेगी। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर युक्त कक्षा का उपयोग किया जायेगा।

    3. **प्रश्नोत्तर विधि**- कक्षा-शिक्षण के दौरान विभागीय शिक्षक के द्वारा छात्रों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता प्रश्नोत्तर तकनीकी द्वारा कराकर शिक्षण-प्रक्रिया को बोधगम्य, प्रभावशाली एवं उद्देश्य पूर्ण बनाया जायेगा।

    4. **कर के सीखना**- विभागीय शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ ही सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों से पूरा कराकर यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थी पाठ को अच्छी तरह से समझ सकें एवं उनमें रुचि जाग्रत हो।

गैर-पारम्परिक शिक्षण विधि

1. **पोस्टर प्रतियोगिता (17 सितम्बर, 2024)** - पाठ्यक्रम के अलग-अलग पाठ अलग-अलग विद्यार्थियों में आवंटित कर एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी जिसमें विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से निर्धारित पाठ्य विषय पर पोस्टर बनाएँगे एवं उसकी व्याख्या भी करेंगें। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा।

2. **विज्ञान प्रदर्शनी (05 अक्टूबर, 2024)** - अलग-अलग पाठ्य विषय पर विद्यार्थियों में मॉडल एवं क्रियात्मक मॉडल आवंटित किया जाता है जिसका निर्माण विद्यार्थियों द्वारा कराया जायेगा एवं वे उसकी व्याख्या भी करेंगे। प्रतिभागियों को विभाग प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।

3. **शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता (18 अक्टूबर, 2024)** - विद्यार्थियों को अलग-अलग पाठ्य विषय आवंटित किया जायेगा जिस पर पावर प्वाइण्ट बनाकर वे पाठ को समझाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे। विभाग प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

4. **ग्राम्य-दर्शन** - विभाग को आवंटित ग्राम-शेखवानिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी भ्रमण करेंगे तथा एक पृष्ठीय प्रश्नों के आधार पर पाठ के अनुप्रयोग वाले विषयों पर सर्वेक्षण कर ज्ञानार्जन करेंगे।

   ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम सेमेस्टर सत्र में दो (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:

विषम सेमेस्टर	**सम-सेमेस्टर**
प्रथम - 04 अगस्त, 2024	प्रथम - 04 फरवरी, 2025
द्वितीय - 17 दिसम्बर, 2024	द्वितीय - 05 मई, 2025

5. **सरस्वती भ्रमण**- आस पास के गाँवों में शिक्षक एवं विद्यार्थी जायेंगे एवं अपने विषय से सम्बन्धित पादपों को उनके वासस्थान एवं प्राकृतिक स्वरूप में अध्ययन करेंगे, उपयोगी सामग्रियों को एकत्रित करेंगे, हरबेरियम बनायेंगे एवं पौधों को पहचानना सीखेंगे।

सरस्वती भ्रमण हेतु कक्षा एवं दिवस -

बी.एससी. प्रथम या द्वितीय सेमेस्टर - 09 फरवरी, 2025
बी.एससी. तृतीय या चतुर्थ सेमेस्टर - 04 मार्च, 2025
बी.एससी. पंचम या षष्ठम् सेमेस्टर - 17 दिसम्बर, 2024

12. **सम्भावित अतिथि**

* डॉ. शोभित श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, एशियन इन्टरनेशनल विश्वविद्यालय, सैमसंग, इम्फाल, मणिपुर।
* डॉ. शालू श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. शिव कुमार, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विज्ञान, विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. राकेश पाण्डेय, सहायक आचार्य, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
* श्री सूरज मिश्रा, सहायक आचार्य, संगणक विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, गोरखपुर
* डॉ. संजय कुमार, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान, डी.ए.वी. कालेज, गोरखपुर

13. **विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान अथवा एक दिवसीय सेमीनार**

रिसर्च मेथोडोलॉजी - 14.09.2024
डिजिटल टैक्सोनॉमी (ई-फ्लोरा) - 26.09.2024
जी.आई.एस. - 03.10.2024
माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल व पादप वर्गीकरण - 08.10.2024
आइ.पी.आर. - 27.01.2025
अपरदान - 17.02.2025

14. **विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम** : वर्तमान सत्र 2024-25 में निम्नवत हैं-

पोस्टर प्रतियोगिता या कार्यशाला - 17.09.2024
विज्ञान प्रदर्शनी या कार्यशाला - 05.10.2024
शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता - 18.10.2024
वानस्पतिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 28.02.2025

15. **गोद लिये विद्यार्थी**- विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक-गोद लिये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। उनके आचरण व्यवहार, उनके पढ़ाई एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्व की तरह करेंगे।

शिक्षक	क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	आई.डी.
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	1.	स्नेहिल सिंह	बी.एससी. पंचम सेमे.	MPPGBBY220014
	2.	मोहन चौरसिया	बी.एससी. पंचम सेमे.	MPPGBBY220044
	3.	दीपा गोंड	बी.एससी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY230001
	4.	सुमन मौर्या	बी.एससी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY230009
	5.	अंशिका सिंह	बी.एससी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY240075
डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता	1.	विनय कुमार भर	बी.एससी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY230084
	2.	शीतल सहानी	बी.एससी. तृतीय सेमे.	MPPGBY210003
	3.	मानसी कन्नौजिया	बी.एससी. तृतीय सेमे.	MPPGBBY230085
	4.	विक्रान्त सिंह	बी.एससी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY240047
	5.	विकास निषाद	बी.एससी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY240007

16. **गोद लिये गाँव** – वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शेखवानिया गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण कर विभिन्न समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर एक पृष्ठीय प्रश्नों द्वारा सर्वेक्षण एवं जागरुक बनाना है। इस सेमेस्टर सत्र भी पूर्व की भाँति दो अवकाश के दिन शिक्षक-विद्यार्थी साथ जायेंगे एवं सर्वेक्षण तथा जागरुक बनाने का कार्य करेंगे। इसकी तिथियाँ 04 अगस्त 2024, 17 दिसम्बर, 2024, सम सेमेस्टर हेतु 04 फरवरी, 2025 एवं 5 मई, 2025 प्रस्तावित तिथियां है।

17. **शिक्षक ब्लॉग** – महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभाग के शिक्षक का अपना-अपना ब्लॉग है जिस पर शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले प्रश्न पत्रों के टॉपिक का पावर-प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण दर्ज है जहाँ से विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकते हैं। वर्तमान सेमेस्टर सत्र में इसे सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम के अनुरूप अद्यतन किया जायेगा। शिक्षक इसके द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं।

18. **विभागीय पुस्तकालय** – विभिन्न प्रकाशकों द्वारा आवंटित स्पेसिमेन पुस्तक विभाग में रखे गये हैं जिसे दैनिक आधार पर विद्यार्थियों को जारी किया जाता है। इसके अलावा केन्द्रीय पुस्तकालय के वनस्पति विज्ञान के पुस्तकों की सूची विभाग में विद्यार्थियों को देखने के लिए उपलब्ध है।

19. **प्रयोगशाला** –
    * स्टाक रजिस्टर को अद्यतन कर सत्रान्त में निरीक्षण करा लिया जाता है।
    * प्रयोगशाला के उपकरणों को कार्यशील रखा जायेगा।
    * प्रयोगशाला के उपकरणों में क्रमिक अभिवृद्धि की जायेगी।
    * प्रायोगिक कक्षा के प्रथम दिन विद्यार्थियों को क्या करें व क्या न करें समझाया जायेगा।
    * विद्यार्थियों के साथ सरस्वती भ्रमण का वासस्थान में भी पादप अध्ययन व प्रयोग किया जायेगा।
    * प्रायोगिक परीक्षा को विश्वविद्यालयी सैद्धान्तिक परीक्षा के पहले कराने का प्रयास।
    * लैब मैनुअल-प्रयोगों के संक्षिप्त विवरण संकलित कर विद्यार्थियों के अवलोकनार्थ रखा जायेगा।
    * एकल उपयोग पालीथीन प्रदूषण एवं उसके बहिष्कार हेतु जागरूकता अभियान।

20. **कार्य सह-दायित्व-** विभाग के शिक्षकों व कर्मचारी द्वारा विषय के सैद्धान्तिक व प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन सामूहिकता व सहयोग कर किया जायेगा। महाविद्यालय स्तर पर पठन-पाठन के अतिरिक्त प्राप्त दायित्व सभी जिम्मेदारी पूर्वक करेगें।

(क) डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

दायित्व का नाम - पालीथीन मुक्त परिसर एवं कूड़ा प्रबन्धन है।

* नये गढ्ढो का निर्माण।
* पूराने गढ्ढो पर गोबर खाद, मिट्टी से टापींग कराना।
* प्रतिबन्धित फोम, प्लास्टिक इत्यादि के उपयोग को हतोत्साहित किया जायेगा, विद्यार्थी व शिक्षक से वार्ता कर जागरूक बनाने व क्रियान्वयन हेतु सहयोग का आग्रह बार-बार किया जायेगा।
* प्रार्थना सभा व कक्षाओं में भी आग्रह किया जायेगा कि प्लास्टिक का बहिष्कार करें।
* जैव निम्नीकरण व गैर जैव निम्नीकरण वाले कचरा निस्तारण हेतु प्रत्येक तल पुस्तकालय, कार्यालय, प्रयोगशाला, कामन रूम इत्यादि के पास युग्म कूड़ादान रखवाया जायेगा।
* कर्मचारी से बैठक कर निर्देशित किया जायेगा कि उपयुक्त स्थान पर ही कूड़ा निस्तारण करें। इस का निरीक्षण किया जायेगा, आवश्यक निर्देश दिया जायेगा एवं सुनिश्चित किया जायेगा कि परिसर प्लास्टिक मुक्त बने।

(ख) डॉ. अखिलेश गुप्त

कार्य सहदायित्व - बागवानी प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी

बागवानी प्रभारी दायित्व के अन्तर्गत निम्न प्रयास किये जायेगें।

* पादप विविधता में अभिवृद्धि।
* पादप (वृक्ष) नामकरण का टैग बनवाना व लगवाना।
* बागवानी समिति बनाकर कार्यो को सदस्यों व परिचरों में क्षेत्रवार वितरित करना।
* समय-समय पर समिति की बैठक कर कार्य प्रगति व समस्याओं पर विचार व निराकरण।

21. **स्वैच्छिक श्रमदान** - स्वैच्छिक श्रमदान-सप्ताह में प्रत्येक शनिवार को महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्वैच्छिक श्रमदान में विभाग के सभी सदस्य स्वेच्छानुसार प्रतिभाग करेंगे। श्रमदान के समय एवं तिथि को शिक्षक अपने स्वमूल्यांकन प्रपत्र में दर्ज करेंगे।

वाणिज्य विभाग

प्रस्ताविकी- स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। शिक्षा परिषद और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा को प्राप्त करे। शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र गोरखपुर के ग्रामीण अंचल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्र-छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास एवं रोजगार प्राप्त करने हेतु सुयोग्य बनाने के उद्देश्य से स्थापना काल से वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर बी.काम.- तीन

वर्षीय पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015-16 से एम.काम.- दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। वर्तमान सत्र 2024-25 में उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विस्तृत विभागीय कार्यक्रम एवं माहवार कार्य योजना अधोवर्णित है।

माहवार विभागीय कार्यक्रम एवं कार्य योजना

14 अगस्त, 2024	एक दिवसीय कार्यशाला विषय-सेमेस्टर प्रणाली में (पठन-पाठन) और परीक्षा की तैयारी	मुख्य वक्ता - श्री नंदन शर्मा संचालक - सुश्री साक्षी चौबे संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
17 अगस्त, 2024	राखी प्रदर्शनी	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
01 से 15 सितम्बर, 2024	इंटर्नशिप प्रोग्राम CODUUTECN. CONSULTANCY PVT. LTD.	प्रशिक्षक - श्री अनिकेश मिश्रा संयोजक - श्री नन्दन शर्मा
04 सितम्बर, 2024	कैरियर सेमिनार विषय-भारतीय अनुबन्ध अधिनियम 1872 के अन्तर्गत समझौता और अनुबन्ध	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल एवं श्री अरविन्द मौर्य
10 सितम्बर, 2024	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता-स्नातक स्तर एवं परास्नातक स्तर	मुख्य वक्ता- श्री अभिषेक कुमार समन्वयक, आई.एल.ओ. विशिष्ट वक्ता- श्री सत्य प्रकाश सिंह सह-समन्वयक, आई.एल.ओ. अध्यक्षता- श्री नन्दन शर्मा संचालक - श्री प्रियांशु श्रीवास्तव
05 अक्टूबर, 2024	विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम	मुख्य वक्ता- श्री अभिषेक कुमार, अध्यापक, राजकीय मध्य विद्यालय, भोरे, गोपालगंज, बिहार संयोजक - सुश्री स्वेता
08 अक्टूबर, 2024	शोध व्याख्यान कार्यक्रम	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
26 अक्टूबर, 2024	व्यापार मेला	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
12 नवम्बर, 2024	चार्ट पेपर प्रतियोगिता	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
12 फरवरी, 2025	विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम विषय- बजट 2025-26 भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला मुख्य वक्ता - श्री भारत कुमार
17 फरवरी, 2025	विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम विषय- तकनीकि बिक्री एवं डिजिटल मार्केटिंग में करियर को सशक्त बनाना	संयोजक - श्री नन्दन शर्मा मुख्य वक्ता - श्री अनिकेश मिश्रा
25 फरवरी, 2025	बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
11 मार्च, 2025	व्यापार मेला	संयोजक - श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

शिक्षक सूची - श्री नन्दन शर्मा	-	सहायक आचार्य (प्रभारी)
श्रीमती श्वेता	-	सहायक आचार्य
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला	-	सहायक आचार्य
श्री भारत कुमार	-	सहायक आचार्य
सुश्री साक्षी चौबे	-	सहायक आचार्य

1. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वार्षिक योजना निर्धारण बैठक में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित शैक्षिक कार्यदिवस ज्ञात होते ही विस्तृत पाठ्यक्रम योजना तैयार कर दी जाती है। योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यदिवस में प्रत्येक पाठ्यक्रम में दैनिक व्याख्यान का शीर्षक व संख्या विषयवार उपलब्ध होता है। विद्यार्थी इस योजना में वर्णित शीर्षक का पूर्व अभ्यास कर व्याख्यान में उपस्थित होता है फलस्वरूप ज्ञान अर्जन सहज हो जाता है। इस वर्ष पाठ्यक्रम योजना सम सेमेस्टर तथा विषम सेमेस्टर के लिए अलग-अलग तैयार की गई है। यह योजना महाविद्यालय की वेबसाइट **www.mpm.ac.in** पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इसे कभी भी देखकर इसका अनुसरण कर सकते हैं।

   नोट - सम सेमेस्टर की पाठयक्रम योजना सम सेमेस्टर कक्षा संचालन से पूर्व अपलोड होंगी।

2. **कक्षाध्यापन** - प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा में एक सप्ताह में एक के पांच व्याख्यान पूर्ण होने पर छठवें दिवस उस सप्ताह में पढ़े गए शीर्षक/पाठ पर विद्यार्थियों द्वारा अपने सहपाठियों एवं विषय शिक्षक के समक्ष कक्षाध्यापन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन के दिन शिक्षक भी विद्यार्थी की भूमिका में उपस्थित रहते हैं। इस विधि से विद्यार्थियों में अर्जित ज्ञान की मौखिक अभिव्यक्ति व सम्प्रेषण कौशल के रूप में विकास के आयाम प्राप्त करने में समर्थन मिलता है। विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व पाठ्यक्रम योजना अनुसार शीर्षक तय कर दिये जाते है। विद्यार्थियों को चक्राक्रम के अनुसार कक्षाध्यापन का अवसर दिया जाता है परिणाम स्वरूप प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षाध्यापन का अवसर प्राप्त होता है। पाठ्यक्रम योजना अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम कक्षा की माहवार कक्षाध्यापन तिथियों की तालिका अलग से उपलब्ध कराई जाएगी जिसके अनुसार वर्तमान सत्र में विद्यार्थी कक्षाध्यापन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।

3. **मासिक मूल्यांकन** - विस्तृत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह के अन्त में प्रत्येक कोर्स/प्रश्नपत्र में उस माह पढ़ाए गये अध्याय आधारित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय द्वारा संचालित मिड टर्म एवं एण्ड टर्म परीक्षा में दिए जाने वाले प्रश्नपत्र का अध्याय आधारित भाग होता है।

4. **मासिक मूल्यांकन परिणाम** - माह के अन्त में प्रत्येक कोर्स/प्रश्नपत्र का मासिक परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आनलाइन प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जायेगा इस प्रगति आख्या को विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक कभी भी देख कर अपने पाल्यों की स्थिति जान सकते है।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - प्रत्येक माह के दूसरे कार्यदिवस पर विभाग के शिक्षकों द्वारा किये गए मासिक कार्यों के विषय में मूल्यांकन किया जाता है। इसमें पठन-पाठन की सामान्य समीक्षा के अतिरिक्त स्वप्रेरणा से महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं समाज के प्रति किये गये कार्यों का भी उल्लेख किया जाएगा। वर्तमान सत्र में यह प्रपत्र कालेज वेब-साइट के माध्यम से जनसामान्य को समर्पित होगा।

6. **प्रगति आख्या** - प्रत्येक माह में स्व-मूल्यांकन प्रपत्र दर्ज करने के साथ ही विद्यार्थियों की कक्षावार प्रगति

आख्या महाविद्यालय की वेबसाइट पर दर्ज कर दी जाएगी। प्रगति आख्या में प्रत्येक माह में शिक्षक व्याख्यान संख्या विद्यार्थियों की व्याख्यान में उपस्थिति साप्ताहिक कक्षाध्यापन में विद्यार्थी की सहभागिता एवं उनके आचरण व्यवहार से सम्बन्धित प्राप्तांक एवं मासिक मूल्यांकन में उसका प्रदर्शन दर्ज किया जायेगा प्रगति आख्या देखकर विद्यार्थियों के अभिभावक घर बैठे ही अपने पाल्यों की प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाएगा। इस सत्र में यह प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भरवाने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए गूगल फॉर्म्स के माध्यम से प्रतिपुष्टि प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रपत्र में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचना का प्रयोग शिक्षक अपने व्यक्तित्व में उतार कर अपनी कमियों को दूर करेंगे एवं अपनी-अपनी शिक्षण शैली का परिमार्जन करेंगे। सम और विषम सेमेस्टर के मध्य कम से कम एक बार प्रतिपुष्टि अवश्य प्राप्त की जाएगी।

8. **पुस्तकालय के सम्बन्ध में** – इस सत्र में विभाग में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों का पंजीयन सभी विद्यार्थियों का पंजीयन सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र (INFLIBNET) पर महाविद्यालय की डिजिटल लाईब्रेरी के माध्यम से कराया जाएगा। साथ ही विद्यार्थी इसका प्रयोग अधिकतम करें सुनिश्चित किया जाएगा।

9. **गोद लिये गये छात्र** – वाणिज्य विभाग द्वारा पंजीकृत छात्रों को गोद लेने की परम्परा विकसित की गई है विभाग का प्रत्येक शिक्षक न्यूनतम 5 विद्यार्थी को गोद लेता है। इस हेतु शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थी के सभी अकादमिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत गतिविधियों एवं सूचनाओं को जाना जाता है और संवाद के माध्यम से सुधार एवं सम्बल प्रदान करने के दृष्टिकोण से उचित मार्गदर्शन किया जाता रहा है। इस वर्ष में भी सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेने की प्रक्रिया 05 सितम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी।

10. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** – वाणिज्य विभाग द्वारा मूल्य परक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा जिसका विवरण निम्न हैं-

- **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. एवं एम.काम. के पंजीकृत विद्यार्थी आवेदन द्वारा प्रवेश पा सकेंगे। यह प्रशिक्षण सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अंतर्गत 3 क्रेडिट का होगा जिसमें सामान्य कम्प्यूटर उपयोग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तय करके प्रशिक्षण दिया जाएगा और परीक्षा द्वारा मूल्यांकन करके प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

  नोट- प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता सीमित की जा सकती है एवं आवश्यक परिचालन शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।

- **'योग, ध्यान और स्वास्थ्य' प्रमाण-पत्र मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विवरण** – यह पाठ्यक्रम सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर आधारित होगा जिसका क्रेडिट मान 3 होगा। इस पाठ्यक्रम में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी पंजीकरण प्राप्त कर सकते हैं।

  नोट- इस सत्र में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का स्वयं (SWAYAM) तथा (NPTEL) पटल पर पंजीकरण का लक्ष्य है।

10. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान के साथ-साथ वाणिज्य विभाग द्वारा गोद लिए गये गाँव जंगल तिनकोनियाँ नं. 02 में साप्ताहिक स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक अभियान स्वावलम्बन को केन्द्र में रखते हुए संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोद लिए ग्राम में जीवन स्तर से जुड़ी

समस्या का पता करके उत्थान हेतु सकारात्मक प्रयास करना है। इस वर्ष से एन.एस.एस. द्वारा आयोजित स्वैच्छिक श्रमदान में विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक बढ़-चढ़ कर भाग लिये हैं।

11. **उपचारात्मक कक्षा** - उपचारात्मक कक्षाएं सम्बन्धित विषय अध्यापकों द्वारा पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर संचालित की जाएगी।

12. **विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन** - वाणिज्य विभाग में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन एवं उसमें छात्र उपयोगी नये विकसित आयामों की जानकारी प्राप्त कर उसे अध्ययन-अध्यापन विधियों में शामिल करना प्रमुख रहेगा।

13. **शिक्षण विधि** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में अग्रलिखित शिक्षण विधियां अपनाई जाएगी जिसका संक्षिप्त विवरण वर्णित है।

- **प्रोजेक्टर विधि** - इस विधि के अन्तर्गत कक्षा व्याख्यान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बिन्दुओं को पी.पी.टी. एवं पी.डी.एफ. प्रस्तुति के माध्यम से व्याख्या की जाएगी।
- **व्याख्यान विधि** - इस विधि में दैनिक पाठ्यक्रम योजना अनुसार अध्याय शीर्षक पर विभिन्न स्रोतों से पूर्व में व्याख्यान तैयार कर छात्रों के समक्ष इसकी व्याख्या की जाएगी।
- **सामूहिक चर्चा (केस स्टडी) विधि** – इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण शीर्षक तय कर उन्हें इस पर जानकारी एकत्र करने को निर्देशित किया जाएगा और प्रत्येक सहभागी छात्रों को विद्यार्थी कक्षाध्यापन के समय अपना पक्ष रखने को कहा जाएगा। इस विधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्क क्षमता एवं समस्या की समीक्षा करने की योग्यता का विकास करना होगा।
- **ट्यूटोरियल विधि** - इस विधि में ज्ञान स्थानान्तरण किसी पुस्तक या व्याख्यान की तुलना में अधिक विशिष्ट (समस्या-समाधान परक) वार्तालाप होता है। विद्यार्थियों को ट्यूटोरियल उदाहरण के द्वारा एक निश्चित कार्य को पूरा करेन व ज्ञान स्थानांतरण किया जाएगा।

14. **मासिक शिक्षक बैठक** - विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में प्रत्येक माह के अंतिम कार्यदिवस में विभागीय बैठक कर गत माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी माह में सम्पन्न होने वाले कार्यों की समीक्षा एवं निष्पादन योजना तय कर दी जाएगी।

15. **शिक्षक ब्लॉग** - सभी शिक्षकों के द्वारा विषय से सम्बन्धित व्याख्यान के समानान्तर सामग्री, पी.पी.टी. व पी.डी.एफ. के रूप में शिक्षक ब्लॉग पर कक्षा व्याख्यान सारांश के रूप में तथा कक्षा पाठ्यक्रम व उपयोगी विषय सामग्री महाविद्यालय की वेबसाइट एवं यू.पी. डिजिटल लाइब्रेरी पर अपलोड कर दिया जाएगा। इस सत्र में शिक्षक ब्लॉग सक्रिय नही है।

16. **स्मार्ट बोर्ड व कॉलेज यूट्यूब चैनल** - प्रत्येक शिक्षक के द्वारा इस सत्र में कम से कम 5 कक्षा स्मार्ट बोर्ड पर संचालित, करने का प्रयास किया जायेगा व स्मार्ट बोर्ड पर संचालित कक्षा को संरक्षित कर कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड करना और विद्यार्थियों को चैनल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

17. **शैक्षिक भ्रमण** – बी.कॉम. व एम.कॉम. के विद्यार्थियों को सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा।

18. **वार्षिक योजना** - माहवार कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन की तिथियों का विवरण -

समावर्तन–2025

जुलाई माह–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन	20,22,23	20,22,23	22,23	22,23
मासिक मूल्यांकन	27,29,30	27,29,30	29,30	29,30

अगस्त माह–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन	03,05,06,10,12, 13,20,21,22	03,05,06,10,12, 13,20,21,22	05,06,13,14	05,06,13,14
मासिक मूल्यांकन	23,24,27	23,24,27	22,23	22,23

सितम्बर माह–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन	03,04,05,10,11, 12,18,19,20	03,04,05,10,11, 12,17,18,19,20	02,03,05,06, 12,13,20,21	02,03,12,13, 20,21
मासिक मूल्यांकन	25,26,27	25,26,27	27,28	27,28

अक्टूबर–2024

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन	03,04,05,10, 11,14,15	03,04,05,10,11, 14,18,19,21	05,07,14,15	05,07,14,15
मासिक मूल्यांकन	18,20,22	25,26,28	21,22	21,22

जनवरी–2025

कार्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमे.	बी.काम. चतुर्थ सेमे.	बी.काम. षष्ठम् सेमे.	बी.बी.ए.	एम.काम. द्वितीय सेमे.	एम.काम. चतुर्थ सेमे.
कक्षाध्यापन	19,20,21, 25,27,28	19,20,21, 25,27,28	20,21,22, 28,29,30	24,25, 28,29	24,25, 28,29	24,25, 28,29
मासिक मूल्यांकन	–	–	–	–	–	–

फरवरी–2025

कार्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमे.	बी.काम. चतुर्थ सेमे.	बी.काम. षष्ठम् सेमे.	बी.बी.ए.	एम.काम. द्वितीय सेमे.	एम.काम. चतुर्थ सेमे.
कक्षाध्यापन	01,04,05, 10,11,13, 18,19,20	01,04,05, 10,11,13, 18,19,20	05,06,07, 13,14,15, 20,21,22	08,10,13,14, 28,24,25	08,10,13,14, 28,24,25	08,10,13,14, 28,24,25
मासिक मूल्यांकन	27,28,25	25,27,28	20,21,22	24,25	24,25	24,25

मार्च–2025

कार्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमे.	बी.काम. चतुर्थ सेमे.	बी.काम. षष्ठम् सेमे.	बी.बी.ए.	एम.काम. द्वितीय सेमे.	एम.काम. चतुर्थ सेमे.
कक्षाध्यापन	06,07,05 18,19,20	05,06,07 08,10,11	01,03,07,08, 10,11,17,18	01,11,17	01,11,17	01,11,17
मासिक मूल्यांकन	–	20,21,22	22	19,20	19,20	19,20

अप्रैल–2025

कार्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. द्वितीय सेमे.	बी.काम. चतुर्थ सेमे.	बी.काम. षष्ठम् सेमे.	बी.बी.ए.	एम.काम. द्वितीय सेमे.	एम.काम. चतुर्थ सेमे.
कक्षाध्यापन	02,03,04, 09,11,12, 19,21,22	04,05,07, 12,15,16	07,08,09, 16,17,19	07,08, 11,12	07,08, 11,12	07,08, 11,12
मासिक मूल्यांकन	26,28,29	22,23,24	01,02,24, 25,26	24,25	24,25	24,25

Batchelor of Computer Application

The Department of B.C.A is a dynamic and innovative academic unit dedicated to providing students with a comprehensive education in computer applications. It's a three-year undergraduate program that focuses on the fundamental principles of advanced computer science, software developments, and information technology. The department is committed to nurturing students' analytical, problem-solving, and programming skills to prepare them for successful careers in the rapidly evolving IT industry.

The Department of B.C.A plays a pivotal role in shaping the future of aspiring computer professionals. Through a combination of rigorous academic programs, experienced faculty, modern infrastructure, and industry collaborations, the department prepares students to meet the challenges of the ever-evolving IT landscape. Graduates from the Department of Computer Applications are well-positioned to make significant contributions to the field of computer applications and emerge as leaders in the technology-driven world.

1. **Departmental Action Plans (2024-25) -** The Annual plan of the BCA department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and professional upliftment of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have

been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the BCA Department has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the BCA Department is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan are –

- **Start of the Session -** After the completion of the admission process by July 16, it has been decided to conduct The lecture of UG first sem will start on 5 August 2024, third sem starts on 16 July 2024 in the current academic session.

  The lecture of UG Second and fourth sem will start on 16 January 2025 in the current academic session as per the course plan.
- **Time Table -** Every class in the college is conducted according to the time table, the class of BCA students will also be conducted according to the time table.
- **Practical Classes -** The practical classes for the undergraduate classes Ist Sem will start from 05 August 2024 and IIIrd Sem will start from 1 August 2024. The practical classes for the undergraduate classes IInd & IVth Sem will start from 4 February 2025. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.
- **Laboratory -** The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary hardware and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge and principal in the month of March at the end of the session.
- **Teaching – Learning Process -** It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the this the syllabus of First, Third semester classes will be completed by 30 October and syllabus of Second, Forth semester classes will be completed by 30 April 2025, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by given date, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.
- **Course Plan -** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session 2024-25 and it is made open to everyone on the website of the college. i.e. www.mpm.ac.in . In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college.
- **Innovations in Class Teaching -** The use of SMART BORAD, PROJECTOR,LAPTOP, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of BCA subject under the inter-disciplinary method.

2. **Teaching Methods**

The following teaching methods will be used by Department of BCA in classroom teaching as:

1. Live Classes	E – Learning platform will be used in which live class conduct andinteraction with students will be done through video conferencing.
2. Power Point Presentation	In this method, the class will be conducted with the help of projectorby presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3. Lecture/Explanation Method	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/Explanation to explain the various topics, facts and explain

	thecontents in sequential and logical manner.
4. **Participatory Method**	The teaching process is made effective and purposeful by making fullactive participation of teacher – student during class.
5. **Inclusive Education Technique**	In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the main stream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive etc.
6. **Learning by doing**	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in computer teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.
7. **Group Discussion**	Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.
8. **Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

3. **Weekly Class Teaching -** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 5 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

   Like previous years, this year also this method will continue.

Weekly Class Teaching Dates

Class	Class Teaching			
	July	August	September	October
B.C.A. Ist	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23
B.C.A. IIIrd	23	6,13,22	7,14,23	8,16,23

Class	Class Teaching		
	January	February	March
B.C.A. IInd	22	6,14	1,8,20
B.C.A. IVth	22	6,14	1,8,20

4. **Summary of the Lesson -** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT/PDF uploaded on the teacher blog of the college website.

5. **Monthly Evaluation (Assessment) -** Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type

questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

Monthly Assessment Dates

Class	Monthly Assessment			
	July	August	September	October
B.C.A. Ist	30	30	30	30
B.C.A. IIIrd	30	30	30	30

Class	Monthly Assessment			
	January	February	March	April
B.C.A. IInd	29	21	Mid Term Exam	29
B.C.A. IVth	29	21	Mid Term Exam	29

6. **Progress Report -** It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.

7. **Analysis of Progress Report -** The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.

8. **Self-Assessment Report -** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. . SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.

9. **Faculty Feedback Report (Sikshak Pratipushti Prapatra) -** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members improves their depth knowledge of courses and social behavior. This activity is performed twice in a year (November & June) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

10. **Adopted Students -** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NCC, NSS, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Mr. Priyanshu Srivastava are –

1	Priti Vishwkarma	B.Sc. Vth	N.S.S.
2	Ashwani Singh	B.Sc. Vth	-
3	Alok Vishwakarma	B.Sc. Vth	-
4	Sonali Chauhan	B.Sc. Vth	-
5	Ankita Yadav	B.Sc. Vth	N.S.S.

11. **Adopted Village -** To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department

adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The B.C.A Department has adopted the villages Badi Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits.

12. **Village Tour schedule -**

Date	Day	Time	Program
09 December 2024	Monday	10:00 A.M. onwards	Village Tour
11 January 2025	Saturday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

13. **Departmental Blog -** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 30 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members.It will be updated from time to time in this session also.

14. **Alumni -** Department of BCA keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

    (i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.

    (ii) Help them to plan their career based on the choice of course.

    (iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

15. **Workshop, Seminar, Webinar & Conferences -** Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

    As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview. Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

16. **Proposed Seminar -**

Date	Day	Time	Program
28.10.2024	Monday	1.10 pm-2.20 pm	National Cyber Secutity Awarness Month Program (UGC)
02.12.2024	Monday	11.20 am-12.10pm	World Computer Literacy Day
03.12.2024	Tuesday	11.20 am-12.10pm	Graphics Designer Day

17. **Workshop -**			
15.07.2024	Monday	11.00 am-12.00pm	One Day Faculty Workshop on College Website
05.05.2025	Monday	11.20 am-12.10pm	Two Days Workshop on Java Programming

18. **Competitions and Other Programs -** Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

17th September 2024	Plantation "EK PED MAA KE NAAM" (As per UGC suggested program)
16th January 2025	Computer Quiz Competition

19. **Guest Lectures -** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students.

Guest Lectures

8th April 2025	Meenakshi John	12.10pm - 1.20pm	Cyber law

20. **Proposed Speaker of Workshop, Guest Lecture and Lecture Competition:-**

1	Dr. Suryakant Pathak	Director, KIPM, Gorakhpur
2	Dr. Latendra Srivastava	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
3	Dr. Manish Gupta	Assistant Professor-CS, BIT, GIDA, Gorakhpur
4	Shri Harishankar Gupta	Assistant Professor, Department of BCA
5	Dr. Arvind Maurya	Assistant Professor, Department of Computer Science
6	Smt. Anjali Shukla	Assistant Professor Ramawati Degree College
7	Smt. Meenakshi John	Assistant Professor St.Andrews College
8	Smt. Anuradha Singh	Assistant Professor, Department of BCA
9	Shri Rajiv Ranjan Tripathi	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
10	Shri Suryabhan Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
11	Shri Avinash Singh	Assistant Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

Note : It is possible to change the dates, time and name of Guest of the above departmental programs according to the current circumstances.

बी.एड्. विभाग

प्रस्तावना – किसी भी कार्य का प्रारम्भ मनुष्य के पूर्व अनुभव की समीक्षा और नये सिरे से वर्तमान की योजना से होता है। महाविद्यालय की वार्षिक योजना पूरे सत्र के कार्यों का प्रारुप होती है। जिसके माध्यम से हम पूरे सत्र अपने सभी योजनाओं को पूर्णता की ओर ले जाते हैं। यह वार्षिक योजना विभाग का दर्पण है, जिसके माध्यम से

हम सत्र के अंत तक इस निष्कर्ष तक पहुँचते हैं कि हमने क्या सोचा था और हम कहाँ तक उद्देश्य को प्राप्त किये। इसी दृष्टि से बी.एड. विभाग की 2024-25 की वार्षिक योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में प्रस्तुत है।

आगामी सत्र हेतु विभागीय योजनाएँ -

1. **नव आगन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत** - कार्यशाला विषय (महाविद्यालय की परिसर संस्कृति, भाषा, कार्यपद्धति) एवं सत्रारम्भ - प्रतिवर्ष बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर नवागन्तुक छात्राध्यापकों को तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर स्वागत किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को आत्मीयता का बोध कराने व परिसर संस्कृति से परिचित कराना है, जो इस सत्र में भी करने की योजना।
2. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 9:20 से 9:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक-विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ एवं विशेष दिवसों पर होने वाले उद्बोधन में बी.एड्. के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
3. **समय-सारणी** - महाविद्यालय में प्रत्येक कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार चलती हैं, जिसमें बी.एड्. विभाग की अपनी समय-सारणी के अनुसार कक्षाएं चलेंगीं।
4. **महाविद्यालय ब्लॉग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर सभी शिक्षक के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कम से कम 5 कन्टेन्ट अपडेट करेंगे जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख-पढ़ सकता हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेंट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रूप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।
5. **राज्य स्तरीय डिजिटिल लाइब्रेरी** - डिजिटल लाइब्रेरी पर महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 5-5 ई-कंटेन्ट अपलोड इस सत्र में किये जाएंगे।
6. **स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग** - महाविद्यालय प्रत्येक सत्र में तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करता है, जिससे शिक्षक-छात्र अधिगम का विकास हो। इस उद्देश्य के साथ इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड से शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह में 02 व्याख्यान पढ़ाये जाएंगे।
7. **पुस्तकालय-वाचनालय** - महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक-छात्र अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं, और वहाँ पुस्तकालय पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं एवं पुस्तकालय द्वारा पुस्तक निर्गत कराकर अध्ययन करते हैं। विभाग के द्वारा प्रत्येक सत्र में बी.एड्. विषय की पुस्तकें पुस्तकालय को दान की जाती हैं। छात्राध्यापकों को भी पुस्तकालय में पुस्तक दान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्र एवं शिक्षक को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु छात्राध्यापकों को एन-लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में भी लागू है।
8. **पाठ्यक्रम योजना** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढंग से कक्षा का संचालन किया जा

सके। छात्र वार्षिक पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय से परिचित हो सके। बी.एड्. विभाग की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारंभ है।

9. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नपत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है। इसके द्वारा छात्राध्यापकों के सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा। यह परीक्षा ऑफलाइन CBCS पाठ्यक्रम के अनुसार किया जाएगा।

10. **प्रगति आख्या** – बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है एवं सत्र के अन्त में प्रगति आख्या विश्लेषण किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक मूल्यांकन कर छात्राध्यापकों का सुधारात्मक विश्लेषण करना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

11. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के दूसरे दिन तक में शिक्षक स्व-मूल्यांकन प्रपत्र जमा होता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक स्वयं की कार्यपद्धति का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करें। यह कार्यपद्धति इस सत्र में भी लागू रहेगी।

12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – इस सत्र में दो बार प्रत्येक शिक्षक का छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रें द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते हैं। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा। वर्तमान सत्र में नवम्बर के प्रथम सप्ताह एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र ऑनलाइन भरवाया जायेगा।

13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** (पूरक पाठ्यक्रम) – मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक-सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन-अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ, इसके लिए निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण-पत्र दिये जाते हैं।

14. **अभिगृहित ग्राम (मिशन मंझरिया)** – सत्र 2024-25 में "एक विभाग-एक गाँव योजना" को पूर्ववत जारी रखते हुए महाविद्यालय से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ-साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिशन मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना।

15. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक-छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों में श्रम की महत्ता का बोध कराना है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

16. **मासिक समीक्षा बैठक** – प्रत्येक माह विभागीय स्तर पर विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक के साथ मासिक समीक्षा की जाती है इसमें अगले माह की योजना तैयार की जाती है। इस सत्र में भी यह लागू रहेगा।

17. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

18. **सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत** – 31 अक्टूबर 2024 के बाद से बी.एड. विभाग के सभी कार्यक्रम सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत किया जाऐगा।

19. **बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण** – मार्च माह में 03 मार्च, 2025 से 07 मार्च, 2025 को पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।

20. **छात्रसंघ** – महाविद्यालय में प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव होता है। इसमें बी.एड्. के छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। छात्रसंघ पदाधिकारी के चयन हेतु कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव किया जाता है। इसके चयन का आधार छात्र की उपस्थिति मासिक मूल्यांकन के अंक एवं आचरण व्यवहार के आधार पर किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में लोकतंत्र की भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।

21. **पुरातन छात्र सम्मेलन शिक्षक** – बी.एड्. विभाग के पुरातन विद्यार्थियों को महाविद्यालयी कार्य प्रणाली से जोड़ने एवं उनके सुझावों के आधार पर परिमार्जन के लिए शिक्षक अभिभावक छात्र सम्मेलन 20 अप्रैल, 2025 को प्रस्तावित है।

22. **शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन** – संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल अवधारणात्मक क्रियान्वयन के आलोक में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन 25 मार्च, 2025 को प्रस्तावित है।

23. **नैक** – महाविद्यालय को नैक द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित है। रैंक में और अधिक सुधार हेतु नैक द्वारा दिये गये मानकों को पूरा करने की दिशा में इस सत्र में बी.एड्. विभाग अग्रसर है। विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. को सम्पूर्ण नवीन सूचनाएँ नियमित अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है।

24. **उन्नत भारत अभियान** – उन्नत भारत अभियान गाँवों को उन्नत करने की केन्द्र सरकार की एक योजना है। जिसके तहत बी.एड्. विभाग के मिशन मंझारिया में कार्य अग्रसर है।

25. **विभागीय लाइब्रेरी** – विभागीय लाइब्रेरी बी.एड्. विभाग के शिक्षकों के सहयोग से विकसित की गई है। जिसका उद्देश्य छात्रों के खाली समय का सदुपयोग करना है। गत सत्र बी.एड्. विभागीय लाइब्रेरी में 277 पुस्तके थीं। इस सत्र में पुस्तको की संख्या 289 है।

26. **पूर्व-विद्यार्थी विवरण** – विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष ऐसे विद्यार्थी जो सरकारी नौकरी, पेशा में, और बी.एड्. से आगे शैक्षणिक कार्य करते है उनका विवरण तैयार किया जाता है।

27. **पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों की सूची (संदर्भ ग्रन्थ सूची)** – बी.एड्. विभाग में प्रत्येक वर्ष अद्यतन पुस्तकों को पढ़ने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है। विभागीय स्तर पर अद्यतन संदर्भ ग्रंथ सूची तैयार की जाती है।

28. **गोद लिये गये विद्यार्थी विवरण** – प्रत्येक वर्ष विभागीय शिक्षकों द्वारा पाँच-पाँच विद्यार्थियों को गोद ले कर उनके व्यक्तित्व का चहुँमुखी विकास किया जाता है।

29. **मौलिक प्रयोग एवं नवाचार** – प्रत्येक वर्ष विभागीय शिक्षकों द्वारा विभाग एवं कक्षा स्तर पर नित नये एवं मौलिक प्रयोग किये जाते हैं। इस सत्र में प्रत्येक शनिवार के दिन बी.एड्. विभाग में टीम टीचिंग, ब्रेन स्टार्मिंग,

पैनल डिस्कशन कराने की योजना है।

30. **दायित्व सह कार्य रिपोर्ट** - विभागीय शिक्षकों को महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा प्राप्त दायित्वों का निर्वहन करने हेतु दायित्व विभाजन किया जाता है। वर्तमान सत्र में बी.एड्. विभाग का सहदायित्व विभाजन सूची निम्नवत् है-

सहदायित्व कार्य विभाजन

1. प्रवेश	–	श्री शैलेन्द्र सिंह
2. परीक्षा (इन्टरनल एसेसमेंट)	–	श्रीमती विभा सिंह
3. पुस्तकालय, अद्यतन संदर्भ ग्रंथ सूची	–	श्री जितेन्द्र प्रजापति
4. तकनीकी, विकास, रख-रखाव, स्वच्छता	–	श्रीमती पुष्पा निषाद
5. प्रकाशनार्थ, विभागीय रपट लेखन, व्यवस्थीकरण, फोटोग्राफी	–	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री दीप्ति गुप्ता
6. नैक, आई.क्यू.ए.सी., ए.आई.एस.एच.ई. सम्बन्धी कार्य	–	श्रीमती पुष्पा निषाद
गोद लिए छात्र विवरण	–	श्रीमती विभा सिंह
पुरातन छात्र विवरण, विद्यार्थी प्रोग्रेसन प्लेसमेंट विवरण, ऑनलाइन डाटा सुरक्षित रखना	–	श्री जितेन्द्र प्रजापति
7. विभागीय रिर्पोट, मिशन मंझरिया रिपोर्ट	–	श्रीमती शिप्रा सिंह
8. सभी विभागीय दायित्व के मूल्यांकन का कार्य सुनिश्चयन करेंगे	–	श्री शैलेन्द्र सिंह

शिक्षण विधियाँ

1. **प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ** – गत सत्र बी.एड्. विभाग में कक्षाएँ पावर प्वाइंट द्वारा ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।
2. **व्याख्यान विधि** - शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं, इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक-छात्र अन्तःक्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जायेगा।
3. **प्रोजेक्ट विधि** - शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. **सामूहिक परिचर्चा** - बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है। इस सत्र में भी पूर्ण रूपेण लागू।
5. **समनुदेशन विधि** - बी.एड् सत्र की प्रत्येक सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग किया जाता है जिससे कि व्यक्तिगत शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है उसको दूर किया जा सके। इस सत्र में भी लागू होगा।
6. **उपचारात्मक अनुदेशन** - मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

7. **स्कूल इंटर्नशिप** - बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य (स्कूल इंटर्नशिप) प्रत्येक वर्ष की भांति कराने की योजना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
8. **सूक्ष्म शिक्षण** - बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास। सत्रारम्भ से ही लागू होगा।
9. **ग्राम्य प्रोजेक्ट** - एक विभाग एक गांव के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
10. **शैक्षिक भ्रमण** - बी.एड्. छात्राध्यापकों का किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण। इस सत्र में लागू रहेगा।

कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

जुलाई-2024

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/विद्यार्थी/शिक्षक
06.07.2024	शनिवार	10:00-11:30	पौधारोपण	शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा
09.07.2024	मंगलवार	10:00-12:00	वार्षिक योजना एवं विभागीय कार्ययोजना बैठक	प्रभारी एवं विभागीय शिक्षक
16.07.2024 से 20.07.2024	मंगलवार से शनिवार	09:40-11:20	पाँच दिवसीय स्कूल इंटर्नशिप कार्यशाला	इंटर्नशिप कार्यशाला विभागीय शिक्षक
22.07.2024 से 26.07.2024	सोमवार से शुक्रवार	09:40-11:20	पाँच दिवसीय पाठयोजना कार्यशाला	विभागीय शिक्षक/वाह्यवक्ता गण
27.07.2024	शनिवार	10:00-12:30	अभिग्रहित ग्राम मंझरिया में पौधारोपण कार्यक्रम	विभागीय शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा

इंटर्नशिप कार्यक्रम

स्थान - महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/संयोजक
01.08.2024	गुरुवार	11:00-01:20	एक दिवसीय कार्यशाला (पाठयोजना प्रारूप)	डॉ. संतोष सिंह, डॉ. रतनसेन डिग्री कालेज, बाँसी
02.08.2024	शुक्रवार	12.30-01.20	इंटर्नशिप आरम्भ (परिचयात्मक कार्यक्रम)	शिक्षक, छात्राध्यापकों एवं विद्यालय के विद्यार्थी
08.08.2024	गुरुवार	11.00-11.50	भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस (भाषण प्रतियोगिता)	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
12.08.2024	सोमवार	12.40-01.20	वाद-विवाद प्रतियोगिता	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
14.08.2024	बुधवार	12.30-01.20	रंगोली प्रतियोगिता	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
15.08.2024	गुरुवार	11:00-01:30	मंझरिया ग्राम में सांस्कृतिक कार्यक्रम	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा

21.08.2024	बुधवार	11.00-11.50	हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
25.08.2024	सोमवार	11:00-11:50	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा

खेल प्रतियोगिता

सितम्बर 2024

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/संयोजक
04.09.2024	बुधवार	11.00-11.50	मेंहदी प्रतियोगिता	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
05.09.2024	गुरुवार	12.40-01.20	शिक्षक दिवस (सांस्कृतिक कार्यक्रम)	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
10.09.2024	मंगलवार	11.00-11.50	योग एवं शारीरिक व्यायाम	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
14.09.2024	शनिवार	12.40-01.20	हिन्दी दिवस (श्रुतिलेख प्रतियोगिता एवं इंटर्नशिप समापन कार्यक्रम)	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा
25.09.2024	बुधवार	12:40-01:20	पं. दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती (व्याख्यान)	प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा

अक्टूबर-2024

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/संयोजक
01.10.2024	मंगलवार	11:00-02:00	इंटर्नशिप समापन कार्यक्रम	बी.एड. प्रशिक्षु विद्यार्थी
02.10.2024	बुधवार	10:30-12:30	महात्मा गाँधी जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	बी.एड. छात्राध्यापकों द्वारा
03.10.2024	गुरुवार	10:00-01:20	नवागन्तुक ओरिएन्टेशन प्रोग्राम	बी.एड. विभाग
25.10.2024	शुक्रवार	12:10-02:00	दीप महोत्सव/दीपोत्सव मेला (मिशन मंझरिया) के अन्तर्गत	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
26.10.2024	शनिवार	12:10-02:00	दीप महोत्सव/दीपोत्सव मेला (मिशन मंझरिया) के अन्तर्गत	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा

नवम्बर-2024

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/संयोजक
22.11.2024	शुक्रवार		झलकारीबाई जयन्ती मिशन शक्ति	श्रीमती विभा सिंह
25.11.2024	सोमवार		स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विचार गोष्ठी	बी.एड्. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर प्रशिक्षु
26.11.2024	मंगलवार	11:00-12:00	महिला के विरूद्ध उन्मूलन अन्तर्राष्ट्रीय दिवस	कीर्ति राय (छात्राध्यापिका)

दिसम्बर-2024

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता/संयोजक
09.12.2024	सोमवार	10:00-11:30	शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम	बी.एड. प्रशिक्षु
11.12.2024	बुधवार	11:30-12:10	भारतीय भाषा उत्सव बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रम	बी.एड. प्रशिक्षु

24.12.2024	सोमवार	11:00-12:10	'सुशासन सप्ताह' के अन्तर्गत कविता एवं भाषण कार्यक्रम	बी.एड. तृतीय सेमेस्टर प्रशिक्षु
फरवरी-2025				
दिनांक	**दिन**	**समय**	**कार्यक्रम (विषय)**	**प्रस्तावित वक्ता/संयोजक**
14.02.2025 से 20.02.2025	शुक्रवार से बृहस्पतिवार	10:30-11:20	सप्त दिवसीय सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम	गाँव की महिलाओं के लिए
27.02.2025	शुक्रवार	10:30-11:20	वाद-विवाद कार्यक्रम	बी.एड्. छात्राध्यापकों द्वारा
मार्च-2025				
दिनांक	**दिन**	**समय**	**कार्यक्रम (विषय)**	**प्रस्तावित वक्ता/संयोजक**
03.03.2025 से 07.03.2025	सोमवार से शुक्रवार	11:10-01:20	पाँच दिवसीय स्काउड गाईड परिचात्मक	बी.एड. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी
21.03.2025 से 22.03.2025	शुक्रवार से शनिवार	10:30-11:20	दो दिवसीय योग कार्यशाला	बी.एड्. विभाग
28.03.2025	शुक्रवार	10:30-11:20	वाद-विवाद कार्यक्रम	छात्राध्यापकों द्वारा
29.03.2025	शनिवार	10:30-11:20	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	छात्राध्यापकों द्वारा
अप्रैल-2025				
दिनांक	**दिन**	**समय**	**कार्यक्रम (विषय)**	**प्रस्तावित वक्ता/संयोजक**
02.04.2025	मंगलवार	10:30-11:20	विचार गोष्ठी	छात्राध्यापकों द्वारा
08.04.2025	सोमवार	10:30-11:20	नाटक मंचन	छात्राध्यापकों द्वारा
10.04.2025	बुधवार	10:30-11:20	नुक्कड़ मंचन	छात्राध्यापकों द्वारा
14.04.2025 से 16.04.2025	सोमवार से बुधवार	11:20-01:00	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय अवलोकन	छात्राध्यापकों द्वारा
22.04.2025	सोमवार	10:30-12:30	स्कूल अवलोकन	छात्राध्यापकों द्वारा
23.04.2025	मंगलवार	11:00-12:30	DIET अवलोकन	छात्राध्यापकों द्वारा
25.04.2025 से 30.04.2025	शुक्रवार से बुधवार	10:30-12:30	उपचारात्मक कक्षायें	विभागीय शिक्षक द्वारा

नोटः- आवश्यकतानुसार कार्यक्रम में परिवर्तन संभव।

भाग – 3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2024-25 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है। जिसका विवरण निम्नवत है:-

- मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती-विशिष्ट व्याख्यान (29 अगस्त 2024)
- वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम (18 से 20 नवम्बर, 2024)
- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (20 नवम्बर, 2024)
- महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (20 नवम्बर, 2024)
- योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (18 नवम्बर, 2024)
- योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (19 नवम्बर, 2024)
- तेज गति की दौड़ें (100 मी., 200 मी., 400 मी.) (20 नवम्बर, 2024)
- गोला, भाला, चक्का प्रक्षेपण प्रतियोगिता (20 नवम्बर, 2024)

भाग-4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

क्र.सं.	दिनांक/दिवस	कार्यक्रम
1.	01 जून 2024	मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान
2.	05 जून 2024	विश्व पर्यावरण दिवस
3.	21 जून 2024	विश्व योग दिवस
4.	20 जुलाई 2024	एक पेड़ माँ के नाम
5.	30 जुलाई 2024	नशामुक्ति अभियान
6.	14 अगस्त 2024	हर घर तिरंगा
7.	30 अगस्त 2024	खाद्य सुरक्षा जागरूकता
8.	14 सितम्बर 2024	डाक सेवाओं का समर्थन
9.	24 सितम्बर 2024	राष्ट्रीय सेवा योजना - स्थापना दिवस
10.	30 सितम्बर 2024	आत्म निर्भर भारत भाषण प्रतियोगिता
11.	07 अक्टूबर 2024	साइबर सुरक्षा अभियान
12.	09 अक्टूबर 2024	पंचप्रण संकल्प
13.	16 अक्टूबर 2024	यातायात जागरूकता रैली
14.	25 अक्टूबर 2024	मिशन शक्ति-5, शारीरिक स्वावलम्बन जिम
15.	11 नवम्बर 2024	मिशन शक्ति फेज-5 आत्म सुरक्षा
16.	26 नवम्बर 2024	संविधान दिवस शपथ ग्रहण
17.	01 दिसम्बर 2024	एक दिवसीय प्रथम शिविर, स्वच्छता अभियान कार्यक्रम

18.	14 जनवरी 2025	एक दिवसीय द्वितीय शिविर, खिचड़ी मेला
19.	17 जनवरी 2025	राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सप्ताह
20.	19 जनवरी 2025	तृतीय एक दिवसीय शिविर, खिचड़ी मेला
21.	25 जनवरी 2025	मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण
22.	15 फरवरी 2025	स्वैच्छिक श्रमदान
23.	01 मार्च 2025	स्वैच्छिक श्रमदान
24.	07 मार्च 2025	पढ़े महाविद्यालय - बढ़े महाविद्यालय एवं दहेज मुक्त भारत और मद्यपान निषेध
25.	17 मार्च 2025 से 23 मार्च 2025	सप्तदिवसीय विशेष शिविर
26.	30 मार्च 2025	चतुर्थ एकदिवसीय विशेष शिविर
27.	17 अप्रैल 2025	यातायात रैली

रोवर्स/रेंजर्स : 2024-2025

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम
1.	11 जुलाई 2024	विश्व जनसंख्या दिवस व्याख्यान कार्यक्रम
2.	10 अगस्त 2024	पं. श्रीराम वाजपेयी जन्म दिवस विचार गोष्ठी
	15 अगस्त 2024	स्वतन्त्रता दिवस
3.	26 सितम्बर 2024	विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर बी.एससी. सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता
4.	01 अक्टूबर 2024	स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत "स्वच्छ भारत हरित भारत" स्वच्छता हम सब की जिम्मेदारी, विशिष्ट व्याख्यान
5.	17 नवम्बर 2024	एक दिवसीय परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यशाला रोवर्स/रेन्जर्स
6.	01 दिसम्बर 2024	विश्व एड्स दिवस
	25 दिसम्बर 2024	पं. मदन मोहन मालवीय जन्म दिवस/श्री अटल विहारी बाजपेयी जन्म दिवस विचार गोष्ठी - काव्य भाषण
7.	26 जनवरी 2025	गणतन्त्र दिवस
8.	22 फरवरी 2025	विश्व स्काउट दिवस
9.	23 से 25 फरवरी 2025	तीन दिवसीय स्काउट गाइड - प्रशिक्षण शिविर प्रस्तावित
10.	08 मार्च 2025	विश्व महिला दिवस
11.	07 अप्रैल 2025	विश्व स्वास्थ्य दिवस
12.	08 मई 2025	विश्व रेड क्रास दिवस
13.	05 जून 2025	विश्व पर्यावरण दिवस
14.	30 जून 2025	विश्व वन दिवस

एन.सी.सी. द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम : 2024-2025

क्र.सं.	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
1.	06.07.2024	शनिवार	पौधारोपण
2.	15.07.2024	सोमवार	एन.सी.सी. दिवस
3.	26.07.2024	शुक्रवार	कारगिल विजय दिवस
4.	15.08.2024	बृहस्पतिवार	स्वतंत्रता दिवस
5.	16.10.2024	सोमवार	भारतीय वायु सेना दिवस
6.	31.10.2024	बृहस्पतिवार	राष्ट्रीय एकता दिवस
7.	04.12.2024	सोमवार	संस्थापक समारोह
8.	10.12.2024	शनिवार	संस्थापक समारोह समापन
9.	16.12.2024	शनिवार	विजय दिवस
10.	12.01.2025	रविवार	युवा दिवस
11.	14.01.2025	बुधवार	मकर संक्रांति
12.	15.01.2025	बृहस्पतिवार	मकर संक्रांति
13.	26.01.2025	रविवार	गणतन्त्र दिवस
14.	05.06.2025	बृहस्पतिवार	पृथ्वी दिवस
15.	21.06.2025	शनिवार	योग दिवस

नोट- उपरोक्त कार्यक्रम के अतिरिक्त एन.सी.सी. मुख्यालय द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों तथा परेड को समय-समय पर संचालित किया जायेगा।

भाग-5 : अवकाश सूची : 2024-25

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक	दिन
1.	मोहर्रम	01	17 जुलाई 2024	बुधवार
2.	रक्षाबन्धन	01	19 अगस्त 2024	सोमवार
3.	कृष्ण जन्माष्टमी	01	26 अगस्त 2024	सोमवार
4.	ईद-ए-मिलन/बारावफात	01	16 सितम्बर 2024	सोमवार
5.	दशहरा/विजयादशमी	01	12 अक्टूबर 2024	शनिवार
6.	दीपावली	03	29 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2024	मंगलवार से शुक्रवार
7.	गोवर्धन पूजा	01	02 नवम्बर 2024	शनिवार
8.	भैयादूज/चित्रगुप्त जयन्ती	01	03 नवम्बर 2024	रविवार

9.	छठ पर्व	01	07 नवम्बर 2024	गुरुवार
10.	गुरुनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा	01	15 नवम्बर 2024	शुक्रवार
11.	गुरु तेगबहादुर शहीद दिवस	01	24 नवम्बर 2024	रविवार
12.	क्रिसमस डे	01	25 दिसम्बर 2024	बुद्धवार
13.	मकर संक्रांति	01	14 जनवरी 2025	मंगलवार
14.	बुढ़वा मंगल	01	23 जनवरी 2025	मंगलवार
15.	बसंत पंचमी	01	02 फरवरी 2025	रविवार
16.	संत रविदास जयन्ती	01	12 फरवरी 2025	बुधवार
17.	महाशिवरात्रि	01	26 फरवरी 2025	बुधवार
18.	होली	03	13 से 15 मार्च 2025	गुरुवार - शनिवार
19.	ईद-उल-फितर	01	31 मार्च 2025	सोमवार
20.	रामनवमी	01	06 अप्रैल 2025	रविवार
21.	महावीर जयन्ती	01	10 अप्रैल 2025	गुरुवार
22.	अम्बेडकर जयन्ती	01	14 अप्रैल 2025	सोमवार
23.	गुड फ्राइडे	01	18 अप्रैल 2025	शुक्रवार
24.	ईस्टर डे	01	20 अप्रैल 2025	रविवार

3. **शिक्षक आचार संहिता** - सत्र 2024-25 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने उपर लागू करेगा। अत: स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षक द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2024-25

- शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
- प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। विलम्ब से आने पर स्वयं लाल रंग की रेखा खीचकर समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा। शिक्षक द्वारा स्वयं इस नियम का पालन न करने पर संस्थाध्यक्ष द्वारा लाल रंग की दो रेखा खींची जा सकती है।
- तीन दिन समय से पूर्व जाने या विलम्ब से आने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यत: सम्मिलित होंगे।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित

शिक्षकों की होगी।

- प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
- पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। एक सेमेस्टर पूर्ण होने से पहले अगले सेमेस्टर की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
- प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
- महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
- प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
- कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
- अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर एवं स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाएं जाएं।
- पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 02 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
- महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
- जो दायित्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र के अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
- विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अतः परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
- महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया जा सकता है।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगा।
- 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण-पत्र देना होगा।
- स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।

- समय-समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

4/5. **प्रवेश एवं परीक्षा** - प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। 15 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 16 जुलाई से स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर स्नातकोत्तर बी.एड्. प्रथम, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति का गठन किया जायेगा। जिसमें गत सत्र में विभिन्न विषयों में मासिक मूल्यांकन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों एक समूह गठित का करके उनकी एक कार्यशाला आयोजित की जायेगी। क्योंकि गत सत्र में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के क्रियान्वयन के तहत विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में एक साथ सेमेस्टर प्रणाली लागू किया गया। जिसके कारण विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा नहीं हो सकी। इस विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त प्रवेश समिति के सदस्य होते है। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड आदि उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

6. **समय-सारणी**- श्रीमती शिप्रा सिंह, उप-प्राचार्य अकादिमक द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट, विद्यार्थियों के कक्षा व्हाट्सप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा। सूचना पट्ट पर भी चस्पा कर दिया जायेगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

7. **पठन-पाठन**- महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन, विभिन्न नवाचारों के साथ कक्षा संचालन, प्रोजेक्ट, स्मार्ट बोर्ड युक्त शिक्षण, माइनर कक्षाओं के माध्यम से साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन (ऑनलाइन/ऑफलाइन) करने की सुनिश्चित व्यवस्था लागू की गई है। निर्धारित समय सारणी के अनुसार कक्षाएं 50-50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 01 अगस्त से नियमित संचालित होगा। प्रत्येक सेमेस्टर के अन्त तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्हीं कारण से एक सेमेस्टर के किसी विषय पर प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सकेगा। तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। मासिक मूल्यांकन के द्वारा विश्वविद्यालय परीक्षा की पूर्वाभ्यास कराया जायेगा।

8. **पुस्तकालय-वाचनालय** - पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक-वेरीफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि महाविद्यालय का पुस्तकालय सोल साफ्टवेयर एवं एन.लिस्ट: (नेशनल लाइब्रेरी एण्ड इनफार्मेशन सर्विस) से संयुक्त है। नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने एवं कम्प्यूटर नेटवर्क से ई-लार्निंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय

के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने-अपने विषय के कम से कम दो-दो राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट आफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध है तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत-निर्गत व्यवस्था को अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्द्धित कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

9. **प्रयोगशाला-** प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जायें। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, रक्षा अध्ययन, भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने एवं प्रयोगाशाला को आधुनिक संसाधन युक्त करने पर आम सहमति बनी। गत सत्र की भाँति इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मो से तीन कोटेशन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सके। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

10. **शिक्षण में नए प्रयोग** – शिक्षण में सहायक सामग्री के रूप में प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड, ग्रीन बोर्ड, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी. पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्य विषय को और भी रूचिकर बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को गूगल कक्षा, ऑडियो-वीडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तर्गत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में महाविद्यालयी परिसर संस्कृति, अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य किया जाय। माइनर कक्षाओं को कक्षाध्यापन के माध्यम से चलाने की योजना एक नए प्रयोग के रूप में किया जायेगा।

11. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा में पूर्व की भाँति राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना और ईश वन्दना के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा, जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु पूर्व चयनित श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जायेगी। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को शिक्षक, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जायेगा। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

12. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा**- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में कुछ नये प्रयोगों के साथ लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया-

- **पाठ्यक्रम योजना**- सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की सेमेस्टर युक्त पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी-अपनी कक्षा की पाठ्यक्रम योजना सेमेस्टर के अनुरूप बनाकर प्राचार्य कार्यालय में जमा कर दिया जाता है, और इसे सेमेस्टर प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है।

  उद्देश्य- समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छूटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय में न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

  कार्यपद्धति- अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। अर्थात् प्रथम तीन कार्य दिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात् दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

- **विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन**

  उद्देश्य- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरुचि विकास, प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

  कार्यपद्धति- सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जाय। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियो का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा। उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट

चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

- **मासिक मूल्यांकन**– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षा ऑनलाइन/ऑफलाइन मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

  उद्देश्य– विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

  कार्यपद्धति– शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर प्रत्येक सेमेस्टर में बराबर-बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन**– विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण-व्यवहार पर विद्यार्थी अपना-अपना अभिमत देते हैं।

  उद्देश्य– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

  कार्यपद्धति– वर्ष में दो बार (सितम्बर-फरवरी) छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक, प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाते हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करते हैं। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रें का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

- **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

  उद्देश्य– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व-विकास करना।

  कार्यपद्धति– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रति वर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से मई माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन अगले माह के प्रथम दो दिवस में भरा जाता है। जिसका प्रिंट आउट कार्यालय द्वारा निकाल कर प्राचार्य के अवलोकनार्थ रखा जाता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रवली में लगवा दिया जाता है।

- **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान**–

  उद्देश्य– इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते हैं, वह छोटा कार्य नहीं है। उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते हैं। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

  कार्यपद्धति– प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट को समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक

घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात् उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर लेते हैं। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

- **गोद लिए गए विद्यार्थी-** प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र-छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

  उद्देश्य- चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

  कार्यपद्धति- सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से पांच-पांच विद्यार्थी चुने जाते हैं। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है। वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्रायः स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

- **गोद लिए गए गाँव-** प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

  उद्देश्य- आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सिखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

  कार्यपद्धति- प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे। बी.एड्. विभाग द्वारा ग्राम मंझरिया प्रत्येक दिन नियमित संचालित रहता है।

- **सारांश-** विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति अब नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के वेबसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी. द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते हैं।

13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**- महाविद्यालय द्वारा पांच प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम जीवन मूल्य, हमारे पूर्वज, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन प्रमाण पत्र संचालित है एवं वर्तमान सत्र में तीन मूल्य परक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम योग ध्यान एवं स्वास्थ्य, भाषा शिक्षण एवं व्याकरण, कॉस्मोटोलॉजी एण्ड सेल्फ केयर, संगीत प्रशिक्षक संचालित है।

(क) जीवन मूल्य

(ख) हमारे पूर्वज

उद्देश्य- विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति- उक्त दोनों प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड्. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत कक्षा में रखना होता है।

ग) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग- योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति- महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छ: माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्कालबाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण-पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

घ) नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही "नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण" पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य- आस-पास के गरीब बच्चों/छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति- 40-40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ-पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा (किसी भी स्कूल की छात्र-छात्राएँ) सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुन: 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमत: आने वालो का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

ङ)आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन – महाविद्यालय में 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' पाठ्यक्रम रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उद्देश्य- वर्तमान समय में पर्यावरणीय एवं परिस्थितिकीय परिवर्तन और इसके परिणाम स्वरुप प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें मानव जीवन पर तीव्र गति से प्रभाव डाल रही है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए एवं उसके प्रभाव को कम से कम करने के लिए आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन का प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

संचालन विधि- आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 20 अगस्त 2024 से प्रारम्भ होकर 29 जनवरी 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कक्षायें शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घंटी में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में संचालित की जायेंगी। कक्षाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जायेगा और प्रोजेक्ट कार्य के रूप में विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं और उनके निराकरण के लिए सम्भावित उपायों पर विद्यार्थियों से सूचना एवं आकड़े एकत्रित करवाये जायेंगे।

13. **निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र- (सप्ताह में बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार चिकित्सीय परामर्श)** महाविद्यालय द्वारा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षों से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस-पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं निःशुल्क दवा की व्यवस्था होती है आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रि करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

14. **क्रीड़ा**- श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय-समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

15. **छात्रसंघ**- छात्रसंघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार होगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा उनके व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

16. **राष्ट्रीय सेवा योजना**- राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गाँव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जन जागरण जैसा

प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

17. **एन.सी.सी.**- देश प्रेम एवं राष्ट्रधर्म निभाने वाले युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से गत सत्र से महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो ईकाइयाँ कार्यरत हैं जिसमें छात्र/छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह सत्र श्री रमाकान्त दूबे के नेतृत्व में संचालित होगा।

18. **रोवर्स रेंजर**- सत्र 2020-21 से महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर की दो ईकाइयां संचालित हो रही हैं जो वर्तमान सत्र में भी संचालित होंगी। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायी बनाया जायेगा।

19. **वेबसाइट/फेसबुक/यूट्यूब/ट्विटर/इंस्टाग्राम/टेलीग्राम**- महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक अपने-अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी वेबसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं सर्वर्धित करवाने हेतु इस सत्र में श्री प्रियांशु श्रीवास्तव को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम एवं टेलीग्राम पर भी प्रसारित किया जाय।

20. **तकनीकी प्रसार**- तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में भी महाविद्यालय नित नूतन प्रयोगों के साथ अधुनातन तकनीकों को विगत सत्रों से ही आत्मसात करता चला आ रहा है। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्षों को प्राजेक्टर से युक्त करने का कार्य विगत सत्रें में प्रारम्भ किया गया था। वर्तमान में महाविद्यालय के सभी 31 व्याख्यान कक्षों एवं प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्टर से लैस कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) को भी महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकसित रूप में आत्मसात करता रहेगा। महाविद्यालय का अपना फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल है जिसपर महाविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं कार्यक्रम यथासमय सम्प्रेषित किया जाता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में अध्यापन विधि को और अधिक प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के लिए एक व्याख्यान कक्ष को स्मार्ट बोर्ड से युक्त किया गया है। भविष्य में अन्य कक्षों को भी स्मार्ट बोर्ड से लैस किए जाने की योजना है। इन सबके साथ ही महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई-फाई से युक्त है।

21. **कार्यालय**- "विद्यार्थी हित सर्वोपरि" नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक-कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

22. **NAAC/AISHE**- महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था NAAC द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में पुन: नैक द्वारा मूल्यांकन कराया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (IQAC) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है।

25. **वार्षिक बजट**- बैठक में सत्र 2024-25 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया

सम्भावित आय सत्र 2023-24					सम्भावित आय सत्र 2024-25			
S.No.	Class	No. Students	Fees	Total	Class	No. Students	Fees	Total
1	B.A. I	400	9000	3600000	B.A. I	427	5000	2135000
2	B.A. II	307	9000	2763000	B.A. II	470	5000	2350000
3	B.A. III	483	7000	3381000	B.A. III	555	5000	2775000
4	B.A. I (P)	400	9500	3800000	B.Sc. I	169	12000	2028000
5	B.A. II (P)	370	9500	3515000	B.Sc. II	127	12000	1524000
6	B.A. III (P)	296	7500	2220000	B.Sc. III	172	12000	2064000
7	B.Sc. I	200	16000	3200000	B.Com. I	135	11000	1485000
8	B.Sc. II	190	16000	3040000	B.Com. II	100	11000	1100000
9	B.Sc. III	157	14000	2198000	B.Com. III	129	11000	1419000
10	B.Com. I	160	15000	2400000	M.A. II	90	8000	720000
11	B.Com. II	140	15000	2100000	M.Sc. I	35	25000	875000
12	B.Com. III	161	13000	2093000	M.Sc. II	13	25000	325000
13	M.A. I	100	10400	1040000	M.Com. I	29	15000	435000
14	M.A. II	92	10400	956800	M.Com.II	19	15000	285000
15	M.A. I (P)	40	12400	496000	B.Ed. I	48	51250	2460000
16	M.A. II (P)	31	12400	384400	B.Ed. II	79	30000	2370000
17	M.Sc. I	20	29400	588000	BBA I	60	30000	1800000
18	M.Sc. II	15	29400	441000	BCA I	62	25000	1550000
19	M.Com. I	60	19400	1164000	BCA II	60	25000	1500000
20	M.Com. II	23	19400	446200	Examination Fee			12400000
21	B.Ed. I	110	56650	6231500	Registration Fee			600000
22	B.Ed. II	104	35400	3681600	Miscellaneous Income			200000
	Total			**49739500**	**Total**			**42400000**

सम्भावित व्यय सत्र 2024-25

S.No.	Details	Amount
1	Advertisement	60000.00
2	Wages EZP	250000.00
3	Computer & It Expenses	350000.00
4	Construction & Maintanance	150000.00
5	Cultural And Others Activities	250000.00
6	Electricity Bill & Maintanance Exp	300000.00
7	EPF Fund	2608000.00
8	ESIC	290000.00
9	Examination Exp.	12000000.00
10	Function & Festival Expeses	150000.00
11	Guest House Expenses	50000.00
12	Laboratory Exp.	350000.00
13	Legal Expenses	15000.00
14	Library Exp.	400000.00
15	Misc. Exp.	50000.00
16	Ncc Expenses	150000.00
17	News Paper Exp.	25000.00
18	N.S.S. Expensese	150000.00
19	Postage & Telegrams	5000.00
20	Website Renewal Expenses	100000.00
21	Printing And Stationary Exp.	350000.00
22	Refreshment Expenses	180000.00
23	Repair and Maintanance	150000.00
24	Research Expenses	300000.00
25	Salary Exp.	18000000.00
26	Scout Guide Exp.	100000.00
27	Sport Exp.	250000.00
28	Staff Walfare Expenses	150000.00
29	Students Welfare Expenses	300000.00
30	Telephone, Mobile & Intenet Exp.	17000.00
31	Travelling & Conveyance Exp.	250000.00
32	Generator & Vehicle Running & Maintanance	150000.00
	Total	**37900000.00**

समावर्तन–2025

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	पाठ्यक्रम	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	सूफिया खातून
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	सुहानी प्रजापति
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	गुंजिता शर्मा
	एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	स्मृति रावत
	एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	प्रियंका गुप्ता
गणित	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	अमिता सिंह
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	शाहिन निषाद
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	निशा सिंह
भौतिकी	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	कोमल सिंह
	बी.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर	खुशी
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	प्रतिमा गुप्ता
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	आकाश कुमार गौतम
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	दीपा गौड़
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	सुश्री अंशिका सिंह
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	सृष्टि सिंह
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	मानसी कन्नौजिया
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	पल्लवी मिश्रा
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	छवि मिश्रा
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	अंकिता यादव
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	सरिता यादव
सांख्यिकी	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	प्रियांश शर्मा
	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	मोनू भारती
	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर	अंजली चौधरी
हिन्दी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	रूबी यादव
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	रुक्मणी निषाद
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	रजिया खातून
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	सोनम यादव
अंग्रेजी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	शीतल आनन्द
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	सुमित चौरसिया
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	ईशा गुप्ता
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	शालिनी चौहान
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	कृष्णमणि
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	दिव्यांशी पासवान
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	यशोवर्धन भट्ट
इतिहास	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	लक्ष्मी
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	मनीषा कुमारी
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	निखिल सिंह
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	रिया
समाजशास्त्र	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	शिवम जायसवाल
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	मनीष कुमार
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	मनीषा
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	प्रीति गुप्ता
प्राचीन इतिहास	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	साक्षी सिंह
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	सुश्री रीना
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	विकास कुमार
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	सुरभि
अर्थशास्त्र	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	नन्दनी सिंह
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	जाहिदा खातून
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	पूजा निषाद
भूगोल	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	दिव्या दुबे
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	राकेश
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	प्रियंका सिंह
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	पल्लवी सिंह
मनोविज्ञान	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	चाँदनी
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	नदिया यादव
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	नन्दिनी सहानी
रक्षा अध्ययन	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	आकाश गुप्ता
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	अमित सिंह कुशवाहा
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	प्रीति सिंह
शिक्षा शास्त्र	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	प्रतिमा प्रजापति
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	शिवानी शर्मा
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	नीलम गुप्ता
गृहविज्ञान	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	साक्षी गुप्ता
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	प्रियंका
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	शीतल शर्मा
	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	अंकिता सिंह
बी.एड.	बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	विवेक कुमार मौर्य
वाणिज्य	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	श्याम सुन्दर स्वामी
	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	वंशदीप राय
	बी.काम. पंचम सेमेस्टर	नेहा सिंह
	एम.काम. प्रथम सेमेस्टर	रिया
	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	ममता मजवार
कम्प्यूटर एप्लिकेशन	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	आकाश कुमार
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	लक्ष्मी सिंह
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	विशाल चौधरी
बी.बी.ए.	बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	अभिनव सिंह
	बी.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	आयुष श्रीवास्तव
शारीरिक शिक्षा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	अंशु चौहान
	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	सूरज चौहान
	बी.ए. पंचम सेमेस्टर	सलोनी मल्ल

छात्रसंघ समिति

श्री अनूप कुमार पाण्डेय, प्रभारी

श्री वंशदीप रॉय	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री प्रियंका गुप्ता	एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री सुमित चौरसिया	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

नियंता समिति

डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, प्रभारी

प्रियंका गुप्ता	एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
ममता मजवार	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
विशाल चौधरी	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
यशोवर्धन भट्ट	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
मोनू भारती	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर

क्रीड़ा समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

सूरज चौहान	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
अंशु चौहान	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
दिव्यांशी पासवान	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
प्रियांश शर्मा	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर

प्लास्टिक मुक्त परिसर समिति

डॉ. अभय श्रीवास्तव, प्रभारी

दीपा गौड़	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
सुफिया खातून	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
छवि मिश्रा	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री रीना	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

परीक्षा समिति

डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रभारी

श्री सुमित चौरसिया	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
रूक्मणी निषाद	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सलोनी मल्ल	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सोनम यादव	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
निशा सिंह	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर

क्रय समिति

श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रभारी

श्री वंशदीप रॉय	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर

दीवार पत्रिका समिति

डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय, प्रभारी

निमिष सिंह	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
ईशा गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
मानषी कन्नौजिया	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
रजिया खातून	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
प्रतिभा गुप्ता	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर

पुस्तकालय समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

विवेक मौर्या	बी.एड. तृतीय सेमेस्टर
गरिमा यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
शैलेष आनन्द	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
शिवम जायसवाल	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुमित चौरसिया	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

बागवानी समिति

डॉ. अखिलेश गुप्ता, प्रभारी

सुप्रिया सिंह	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
सुहानी प्रजापति	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
कुलपति	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
प्रीति गुप्ता	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

सोशल मीडिया एवं तकनीकी समिति

श्री प्रियांशु श्रीवास्तव, प्रभारी

अभिनव सिंह	बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर
आयुष श्रीवास्तव	बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
आकाश कुमार	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
अस्मिता सिंह	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
लक्ष्मी सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रयोगशाला समिति

डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रभारी

स्मृति रावत	एम.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
सविता सिंह	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
कोमल सिंह	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
अश्वनी कु. पटेल	बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर

गणवेश समिति

डॉ. आरती सिंह, प्रभारी

प्रियंका	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
शिवानी शर्मा	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
प्रतिमा प्रजापति	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुनिधि	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री शिवानी सिंह, प्रभारी

रूबी यादव	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
मनीष कुमार	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
मनीषा कुमारी	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
शालिनी चौहान	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
पूजा निषाद	बी.ए. पंचम सेमेस्टर

प्रार्थना समिति

डॉ. सुधा शुक्ला, प्रभारी

नन्दिनी सहानी	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
श्याम सुन्दर स्वामी	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर
मनीता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
विनय कुमार	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
वंशदीप राय	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर

योग समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

श्वेता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
पल्लवी सिंह	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
प्रतिमा प्रजापति	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
लक्ष्मी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

स्वच्छता, रख-रखाव एवं बिजली, पानी समिति

श्री विनय सिंह, प्रभारी

नीलम गुप्ता	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
नेहा सिंह	बी.काम. पंचम सेमेस्टर
महिमा यादव	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
शाहिल निषाद	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
जाहिदा खातून	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

मीडिया समिति

डॉ. वेंकट रमण पाण्डेय, प्रभारी

शुभी	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
अंकिता यादव	बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर
नन्दिनी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
पल्लवी मिश्रा	बी.एस-सी. पंचम सेमेस्टर
प्रियंका सिंह	बी.ए. पंचम सेमेस्टर

कैण्टीन समिति

श्री विनय सिंह, प्रभारी

साक्षी सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
शीतल शर्मा	बी.ए. पंचम सेमेस्टर
अरूण गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
दिव्या दुबे	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
जाहिदा खातून	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य
शोध समन्वयक	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, गोरखपुर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक, नई दिल्ली
	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	सदस्य
श्री रमाकान्त दूबे	सदस्य
श्रीमती शिप्रा सिंह	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार पौडेल	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध [illegible] विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	वरिष्ठ पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी [illegible]	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरुण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

प्रबन्ध समिति

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

नाम	पता	पद	व्यवसाय
प्रो. यू.पी. सिंह	राजेन्द्रनगर, गोरखपुर	अध्यक्ष	पूर्व कुलपति
श्री प्रमोद कुमार चौधरी	पहाड़पुर, गोरखपुर	उपाध्यक्ष	कृषि
महन्त योगी आदित्यनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	मंत्री/प्रबन्धक	धर्माचार्य
श्री राजेश मोहन सरकार	दुर्गाबाड़ी रोड, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री योगी त्यागीनाथ	चौक बाजार, महराजगंज	सदस्य	धर्माचार्य
श्री प्रमथनाथ मिश्रा	विलन्दपुर, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	नथमलपुर, गोरखपुर	सदस्य	कृषि
श्री योगी कमलनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	सदस्य	धर्माचार्य
श्री रामजन्म सिंह	149वीं, मिर्जापुर पोस्ट–न्यू शिवपुरी, गोरखपुर	सदस्य	पूर्व प्रधानाचार्य
श्री द्वारिका तिवारी	नथमलपुर, गोरखनाथ, गोरखपुर	सदस्य	सेवानिवृत्त अध्यापक

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

Swachh Campus 2019

Institutional Achievements

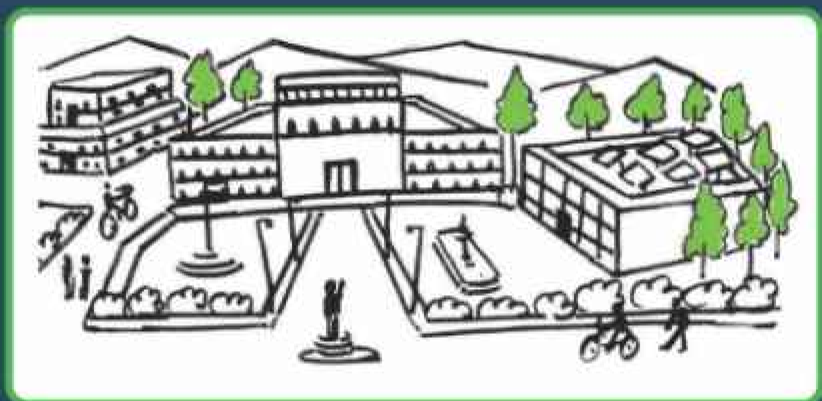

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

Dr W G Prasanna Kumar

Chairman MGNCRE

Swachh Campus 2019

INDEX

S. No	Higher Education Institutions	Page
1.	ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh	7
2.	AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu	11
3.	Algappa University Sivanganga Tamil Nadu	15
4.	Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu	19
5.	Assam Don Bosco University Assam	22
6.	Anand College of Education Agra Uttar Pradesh	27
7.	BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu	30
8.	The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh	35
9.	Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka	38
10.	Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha	41
11.	Chandigarh University Mohali Punjab	44
12.	Chitkara University Himachal Pradesh	47
13.	Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab	52
14.	Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand	56
15.	Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra	59
16.	Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra	65
17.	GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh	70
18.	Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand	74
19.	GLA University Mathura Delhi	79
20.	Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab	81
21.	Gujarat National Law University Gujarat	84
22.	Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu	88
23.	IIS University Jaipur Rajasthan	93
24.	IIIT Delhi	97
25.	IIT Gandhinagar Gujarat	105
26.	IIT Guwahati Assam	110
27.	IIM Kozhikode Kerala	115
28.	IIT Madras Tamil Nadu	119
29.	IIT Tirupati Andhra Pradesh	123
30.	ITM Gwalior Madhya Pradesh	127
31.	Jayoti Vidyapeeth Women`s University Jharna Rajasthan	132
32.	Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu	139
33.	Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh	142
34.	KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka	144
35.	Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra	150
36.	Lovely Professional University Kapurthala Punjab	153
37.	Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu	157
38.	Madras Christian College Chennai Tamil Nadu	160

Swachh Campus 2019

S. No	Higher Education Institutions	Page
39.	Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh	164
40.	Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana	168
41.	Manipal University Jaipur Rajasthan	172
42.	Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu	176
43.	Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh	179
44.	Mizoram University Aizawl Mizoram	184
45.	Nirmala College Muvattupuzha Kerala	187
46.	Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu	192
47.	NIIT Neemrama Alwar Rajasthan	196
48.	OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh	202
49.	OP Jindal Global University Sonipat	206
50.	PRIST College Thanjavur Tamil Nadu	212
51.	PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu	215
52.	Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala	218
53.	Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab	224
54.	RMK Engineering College Tamil Nadu	227
55.	RR Bawa DAV College for Girls Punjab	231
56.	Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha	235
57.	Symbiosis International Pune Maharashtra	239
58.	Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu	248
59.	Shoolini University Solan Himachal Pradesh	252
60.	Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh	258
61.	St. Philomena College Puttur Karnataka	266
62.	SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu	271
63.	SRM University Sonepat Haryana	274
64.	Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan	276
65.	Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu	280
66.	Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat	282
67.	VIT Vellore Tamil Nadu	286
68.	Vel Tech Chennai Tamil Nadu	290
69.	Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh	295

Swachh Campus 2019

Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

Student Strength	2163
Faculty Strength	65

Residential Facilities

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

Solid and Liquid Waste Management

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste is also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into the teak garden.

Hostel Kitchen Facilities

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

Swachh Campus 2019

Campus Greenery

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden in charge and 5 student members.

Solar Power

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

Adopted Village: 28 Villages

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Ramp ur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

Benefitted Families: Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

Swachh Campus 2019

Activities Undertaken in the Villages:

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019

Outcomes

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	ODF VILLAGE(S)
				UNIVERSITY, MEERUT	HLI,SATWAI
1833	8	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA	BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD
1834	9	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
1835	10	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
1836	11	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW	BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI
1837	12	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	ANANDA SCHOOL OF NURSING	SARSAUL, NARWAL
1838	13	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
1839	14	UTTAR PRADESH	VARANASI	SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI	BABATPUR
1840	15	UTTAR PRADESH	BARABANKI	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY	MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR
1841	16	UTTAR PRADESH	JHANSI	SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI	3
1842	17	UTTAR PRADESH	GHAZIABAD	K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR	PALLOTA
1843	18	UTTAR PRADESH	VARANASI	AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY	PARAO
1844	19	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT	PABARSHA
1845	20	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY	PABLI KHAS
1846	21	UTTAR PRADESH	BALLIA	DR MAHAVEER SINGH NURSING	BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2023–24

Government of India
Ministry of Education
Department of Higher Education
Statistics Division
New Delhi

Certificate

Reference No. C-14178-2023

This is to certify that ABHISHEK VERMA of Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (C-14178) has successfully submitted the data of All India Survey on Higher Education(AISHE) for the survey year 2023-2024

Dated: 15/02/2025

(Ms. Navanita Gogoi)
Deputy Director General

समावर्तन–2025

विश्वविद्यालय परीक्षा में अपने-अपने विभाग के अन्तर्गत सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय के मान बढ़ाने वाले विद्यार्थी

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण महाविद्यालय के विद्यार्थी

विशाल कुशवाहा
एम.ए., राजनीति विज्ञान
बैच : 2022-24
उत्तीर्ण परीक्षा : नेट दिसम्बर 2024

रूकमणि सिंह
एम.एस-सी., रसायन शास्त्र
बैच : 2022-24
उत्तीर्ण परीक्षा : नेट दिसम्बर 2023

सृष्टि सिंह
एम.कॉम., वाणिज्य
बैच : 2022-24
उत्तीर्ण परीक्षा : नेट दिसम्बर 2024

अभिषेक सिंह
एम.ए., इतिहास
बैच : 2022-24
उत्तीर्ण परीक्षा : नेट दिसम्बर 2024

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 08 जुलाई से बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर एवं 01 सितम्बर से बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक तृतीय सेमेस्टर तथा 01 अगस्त से स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- पाठ्यक्रम योजना के अनुसार समस्त कक्षाओं का संचालन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव अगस्त के अंतिम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- सत्रांत पर समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रोवर-रेंजर्स का संचालन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं ....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती ....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा